

सं० 27]

नई विल्लो, शनिवार, जुलाई 2, 1983 (आषाढ़ 11, 1905)

No. 27]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 2, 1983 (ASADHA 11, 1905)

इस माग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

साव III-खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

्च्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अध्नुसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय

का एवं० प्र० सु० विभाग ' केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो नई विल्ली, दिनांक 9 जून 1983

सं० ए०-19021/4/76-प्रणासन-5 — प्रत्यावर्तन ही . पर, श्री एस०के० घोष, भारतीय पुलिस सेवा (पिक्चम गाल-1966) पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्बेषण ब्यूरो. अणेष पुलिस स्थापना, सामान्य अपराध स्कन्ध कलकत्ता । ा की सेवाएं दिनांक 31 मई, 1983 के अपराह्न सं एचम बंगाल सरकार को सौंपी जाती हैं।

दिनांक 13 जून 1983

सं० जे०-1/65-प्रशासन-5 —िदनांक 26 मार्च, 1981 के में राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री जे०पी० शर्मा की दिनांक दिसम्बर, 1982 तक की अवधिक लिये केन्द्रीय अन्वेषण यूरों में पूर्णतया तदर्थ आधार पर उप विधि-सलाह कार के प्प में नियुक्त करते हैं। सं० ए-4/69-प्रशासन-5 — दिनांक 10 मार्च, 1981 के कम में राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री ए०टी० दांते को दिनांक 31-12-82 तक की अवधि के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पूर्णतया तदर्थ आधार पर उप विधि-सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० बी-5/69-प्रशासन-5— दिनांक 10 मार्च, 1981 के कम में राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री बी०वाई० राजु को दिनांक 31 दिसम्बर, 1982 तक की अविधि के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों में पूर्णतया तदर्थ अधार पर उप विधि सलाहकार के रूप में नियक्त करते हैं।

सं० जी-3/69-प्रशासन-5 — दिनांक 25 अप्रैल, 1981 के फ्रम में राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री जी० विट्टल को दिनांक 31-12-1982 तक की अविध के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पूर्णतया तदर्थ आधार पर वरिष्ठ लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एस-3/70-प्रशासन-5 -दिनांक 10 अप्रैल, 1981 के श्रम में

13601/83

(12123)

राप्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस०के० श्रीवास्तव को दिनांक 31 दिसम्बर, 1982 तक की अविध के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पूर्णतया तदर्भ आधार पर विरिष्ठ लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं े एस-7/70-प्रणास-5 — दिनांक 22 अप्रैल, 1981 के कम में राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस अपि निगम की दिनांक 31 दिसम्बर, 1982 तक की अवधि के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पूर्णतया तदर्थ आधार पर वरिष्ठ लोक अभियोजक के खु में नियुक्त करते हैं।

सं० एस-17/71-प्रणासन-5 --दिनांक 4 अप्रैल, 1981 के क्रम में राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस०आर० पांडेय को दिनांक 31 दिसम्बर, 1982 तक की अविधि के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पूर्णतया तदर्थ आधार पर विर्ष्ट लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

आर०एस० नागपाल प्रशासनिक अधिकारी, (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली, दिनांक 8 जून 1983

सं० ओ०दो० 1\$56/82-स्थापना — महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर विजय कुमार आगड़े को 27 फरवरी 1983 के पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त किया सेहैं।

दिनांक 9 जून 1983

सं० ओ०वो० 1455/79-स्थापना — महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल ने डाक्टर अतिल कौशल को 24-5-1983 के पूर्वाह्न से केवल 3 माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर तवर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ०दो० 1803/83-स्थापना — राष्ट्रपति डाक्टर दुर्गाप्रसाद पट्नायक को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-II (डी०एस०पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 5 मई, 1983 अपराह्न से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की गर्त पर नियुक्त करते हैं।

सं० ओ०दो० 1806/83-स्थापना —-राप्ट्रपति, डाक्टर (कुमारी) सुखप्रेम कोर भुल्लर को अस्थायी रूप से आगामी आवेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-II (डी०एस०पी०/कम्पनी कमान्डर) के पव पर 17 मई, 1983 अपराह्म से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

> ए० के० सूर सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 5 मई 1983

सं० ई०-16013(2)/1/78-कार्मिक—राज्य संवर्ग को प्रत्यावतित होने पर, श्री अजीत नारायण, भा०पु० से० (हि०प्र०-70) ने 1 अप्रैल, 1983 के पूर्वाहम् से के०ओ० सु०व० यूनिट, एफ०सी०आई०, सिन्दरी में कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-32015(2)/1/82-कार्मिक—राष्ट्रपति, पुर्न-नियुक्ति आधार पर, ले० कर्नल (सेवा निवृत्त) लखबीर सिंह को 23 अप्रैल, 1983 से के०ओ०सु०ब० यूनिट, के० सी०सी० खेतरी में कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

. दिनांक 28 मई 1983

सं० ई०-16013(2)/1/82-कार्मिक --प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री ओ०एस० सिंह, भा०पु०से० (हि० प्र०-एस०पी०एस०) ने श्री एम०डी० सिंह, भा०पु०से० (कर्नाटक-68) के स्थान पर, 2 मई, 1983 के पूर्वाहन से के०ओ०सु०ब० यूनिट एच०ई०सी० रांची में कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री एम०डी० सिंह ने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया और राज्य संवर्ग को प्रत्यावतित हो गए हैं।

सं० ई०-38013(4)/5/82-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री पी० पी० सिंह को, तदर्थ आधार पर प्रोक्षित होने पर, 29 जून, 1982 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 मई 1983

सं० ई०-16013(1)/4/82-कार्मिक—विस्ली प्रशासन के के पुलिस आयुक्त के रूप में नियुक्ति होने के फलस्वरूप, श्री एस०सी० टण्डन, आई०पी०एस० (राजस्थान-1952) ने 6 मई, 1983 के अपराह्म से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली के महानिरीक्षक (मुख्यालय) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-16013(2)¶4/83-कार्मिक — प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त होने पर श्री बी० बालाचन्द्रन, भा०पु० से० (तमिल-नाडु 76) ने, 04 मई, 1983 के पूर्वाह्म से, के०ओ० सु०ब० मद्रास के सहायक महानिरीक्षक (दक्षिण क्षेत्र) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 1 जून 1983

सं० ई०-16013(1)/1/78-कार्मिक — राज्य मंबर्ग को प्रत्यावितत होने के फलस्वरूप श्री बलजीत राय सूर, आई० पी॰एस० (मणिपुर व लिपुरा : 1954) ने 1 जून, के अपराह्म से के०ओ०सु०ब०, नई दिल्ली, के उप महा-िमिरीक्षक भ०व०प्र०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया। सुरेन्द्र नाथ, महानिदेशक

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 जून 1983

सं. 10/25/80-प्रका -। — नोटिस अविध की समाप्ति पर सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त होने के परिणामस्वरूप श्री के के चक्रावर्ती ने नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्या लय से तारीख 31 मई, 1983 के अपराहन से उप महारजिस्ट्रार (जनगणना और सारणीकरण) के पद का कार्यभार छोड़ा।

पी. पद्मानाभ , भारत के महारजिस्ट्रार

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1983 मुद्धि पत्न

सं 11/2/80-प्रशासन --इस कार्यालय की तारीख 12-5-1983 की समसंख्यांक अधिसूचना का दूसरा पैराइस प्रकार पढ़ा जाए:--

''श्री नागेणवर प्रसाद का मुख्यालय हजारी बाग में होगा।''

> के०सी० सेठ उप निदेशक

समन्वय निदेणालय (पुलिस बेसार) नई बिल्ली, दिनांक 8 जून 1983

सं० ए०-11012/1/83-प्रशासन—श्री अमरजीत सिंह को समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में अस्थायी तौर पर अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में 31 मई, 1983 के पूर्वाह्न से अगले आदेश जारी होने तक नियुक्त किया जाता है।

बी० के० दूबे निदेशक पुलिस दूरसंचार

सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद-500252, दिनांक 17 मार्च 1983

सं० 15036/82-स्थापना — आंध्र प्रदेश राज्य पुलिस, हैदराबाद के I बटालियन के पुलिस निरीक्षक श्री एस० ए० सत्तार, आन्ध्र प्रदेश पुलिस से भार मुक्त होकर दिनांक

11-3-1983 अपराह्म से सरदार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में अपराध अनुदेशक (पुलिस उप अधीक्षक) के रूप में कार्यभार संभाला। वे अकादमी में प्रथम बार कार्यभार प्रहण की तिथि से, एक वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे और वे 650-30-740-35-810-द० रो०-358-80-40-1000 द० रो०-40-1200 र० वेतन-मान में, 100/— रुपए प्रतिमास विशेष वेतन के साथ केन्द्रीय सरकार के नियमानुसार अन्य मान्य भत्ते प्राप्त करेंगे।

ज्ञा०च० सिधवी निदेशक सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणालय

वेवास, दिनांक 7 जून 1983

नस्ती क्रमांक बी॰एन॰पी॰/जी॰/7/83 — श्री एस॰ बी॰ देशमुख स्थायी निरीक्षक (नियंत्रण) की दिनांक 4-6-83 से 3-7-83 सक की अल्पायिध के अवकाश रिक्ति में सदर्थ आधार पर उप नियंत्रण अधिकारी के पद पर रुपये 650-1200 के बेतनमान में नियुक्त किया जाता है

मु०व० चार महाप्रबन्धक महालेखा नियंत्रक का संगठन

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1983

सं० ए०-31013/2/83/सी०जी०ए०/ग्रुप "ए"/540।— राष्ट्रपति ने भारतीय सिविल लेखा सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड स्तर 1 के अधिकारी तथा कित मंत्रालय, व्यय विभाग में संयुक्त महालेखा नियंत्रक श्री मनजीत सिंह को 1 दिसम्बर, 1981 से वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड स्तर 1 में 'स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

के॰ गणेशन, उप महालेखा नियंत्रक

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 13 जून 1983

सं 0 15/1854 बा॰ले॰प॰ 1/394-69—महालेखाकार दिशीय, राजस्थान, जयपुर के कार्यालय में कार्यरत श्री आई० सी॰ गाधी, लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यक) अपनी अधि-

वार्षिता आयु प्राप्त करने पर 30-4-83 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से सेवा-निवृक्त हो गये।

एम० ए० सोमेश्वर राव संयुक्त निदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय : निदंशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-2, दिनांक 15 जून 1983

सं ० प्रशासन-1/का०आ० संख्या 111 — इस कार्यालय के एक स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी श्री चन्दर भान मिल्लक वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 30 जून, 1983 श्रिपराह्म को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जाएंगे।

उनकी जन्मतिथि 14 जून, 1925 है।

ह्० भ्रपठनीय संयुक्त निदेशक ले०प० (प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनाँक 8 जून 1983

सं० प्रशा० 1/8-132/83-84/510—श्री बी० रामाराव, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय-1 आंध्रप्रदेश, सेवा से 30-4-83 अपराहन निवृत्त हुये।

सं० प्रशा०-1/8-132/83-84/510--श्री टी० एम० पार्थसारथी, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय-1 आध्यप्रदेश, सेवा से 31-5-83 अपराह्म निवृक्त हुये।

सं एडमि॰-1/8-132/83-84/510—श्री टी॰ ए॰ पी॰ अनंताचारी, लेखा अधिकारी, महस्सोखाकार का कार्यालय, आंध्रप्रदेश, सेवा से 31-5-83 अपराह्न निवृत्त हुये।

> बी० मेसन वरिष्ट उपमहा लेखाकार प्रशासन

कार्यालय महालेखाकार (प्रथम) मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 3 जून 1983

श्रुद्धिपत्र

ऋमांक प्रशासन-प्रितिनियुक्ति 1642/के० एस० एस०/86-II कार्यालयीन अधिसूचना ऋमांक प्रशासन-प्रितिनियुक्ति/1642/के० एस० एस०/138, दिनांक 28-4-83 में दर्शायी "श्री के० एस० श्रीवास्तव, लेखा अधिकारी" के स्थान पर "श्री के० एस० श्रीवास्तव स्थाई लेखा अधिकारी" पढ़ा जाये।

बी० के० राय वरिष्ठ उप-महा लेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, उत्तर प्रदेश इलाहाबाद, दिनांक 21 मई 1983

मं प्रशा । J/11-144/अधिसूचना/1238-महालेखाकार, उत्तर प्रदेण इलाहाबाद, ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को

उनके नाम के आगे अंकित तिथियों से आगामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 वेतनमान पर नियुक्त किया हैं:—

| 1. श्री शशी वर्धन भागव | 26-4-83 | (अपराह्न) |
|---|---------|-------------|
| 2. रमेश चन्द्र सक्सेना | 26-4-83 | - 11 |
| 3. हरिधन चऋवर्जी | 26-4-83 | " |
| $oldsymbol{4}$. घनश्याम दास | 29-4-83 | (पूर्वाह्न) |
| मदन मोहन राजपुरोहित | 10-5-83 | " |
| शीतला प्रसाद श्रीवास्तव | 2-5-83 | ,,, |
| गोकरन नाथिबविदी | 30-4-83 | " |
| द्वारिका प्रसाद तिवारी | 26-4-83 | (अपराह्न) |
| रामजी श्रीवास्तव | 2-5-83 | (पूर्वाह्न) |
| 10. सतीण चन्द्र श्रीवास्तव | 2-5-83 | 11 |
| 11 श्री कैलाण बिहारी लाल वर्मा | 2-5-83 | 11 |
| 12. कृष्ण प्रकाश श्रीवास्तव | 27-4-83 | " |
| 13. चन्दन सिंह विष्ट | 30-4-83 | ; , |
| 14. महमुद अहमद | 5-5-83 | " |
| 15. राम चन्द्र गुप्ता | 16-5-83 | ** |
| | | |

सं० प्रशा० I/11-144/अधि /1238--महालेखाकार उत्तर प्रदेश इलाहाबाद ने निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा अधिकारियों को रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर 1 सितम्बर, 1982 (पूर्वाह्म) से लेखा अधिकारी के पद पर स्थापी रूप से नियक्त किया हैं:--

- 1. श्री आर० के० अस्थाना
- 2. श्री के० पी० सिंह

सं० प्रशा० I/11-144/अधि०/1238---श्री अब्दुल मुत्तालिब, स्थायी लेखा अधिकारी कार्यालय महालेखाकर (प्रथम) उत्तर प्रदेश इलाहाबाद सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30 अप्रैल, 1983 (अगराह्म) से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 8 जून 1983

सं० प्रशा० I/11-144/3धि०/1725--श्री अमर नाथ स्थायी लेखा अधिकारी कार्यालय महालेखाकार-2 उत्तर प्रदेश इलाहाबाद, सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक <math>31 मई, 1983 (अपराह्म) से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

एस० जे० एस० आहलुबालिया वरिष्ठ उभमहालेखाकार (प्र०)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात एवं नियति का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 24 मई 1983 आयात एवं निर्यात व्यापार नियन्त्रण (स्थापना)

सं० 5/8/70-प्रशासन (राज०)/3699—मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात, वाणिज्य मंत्रालय के आयाम-निर्यात व्यापार नियन्त्रण संगठन के श्री कें अप सी० आचार्य को नियन्त्रक, आयात-निर्यात (श्रेणी-2) के पद पर 15-10-71 से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 जून 1983

सं० 6/1257/78-प्रशासन/राज०/4035—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, इस कार्यालय के श्री एस० आर० गोस्वामी, नियंत्रक, आयात-निर्यात, को 30 अप्रैलै, 1983 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी गई है।

वी०के० मेहता उप-मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय नई दिल्ली-66, दिनौंक 8 जून 1983

सं० ह० ब०/58/(219)/80-प्रणा०-1 श्री मुकेशचन्द, लागत लेखाकार अधिकारी, विकास श्रायुक्त (हस्तिणित्प) कार्यालय नई दिन्ली, को इसी कार्यालय में दिनाक 8 अप्रैल, 1983 (पूर्वाह्न) में आगामी श्रादेश होने तक, पूर्णतया श्रस्थाई एवं तदर्थ श्राधार पर आन्तरिक वित्त सलाहकार के पद पर नियुक्त किया जाता है।

मं० 58 (221)/81-प्रशासन-1-श्री एस० एस० शर्मा सहायक विकास आयुक्त (ऊन), विकास आयुक्त (हस्तिशिल्प) कार्यालय, नई दिल्ली, को उसी कार्यालय में विनोक 8 अप्रैल, 1983 (पूर्वातः) से प्रायामी आवेश होने तक पूर्णतमा प्रस्थाई एवं तदर्थ ग्राधार पर उप निदेशक (कालीन) के पद नियुक्त किया जाता है।

शिरोमणी शर्मा विकास श्रायुक्त (हस्तशिल्प)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 जून 1983

सं० प्र०-31013/9/80-प्र०-6—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महा निदेणालय के निरीक्षण स्कन्ध के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक अधिकारी के नाम के सामने दी गई तारीख से भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" की ग्रेड II में धातुकर्म शाखा में उप निदेशक (धातु) के पदों पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:—

| ऋम सं ० | नाम | वर्तमान पद | पद जिस पर स्थायी किए गए | |
|------------|-----------------|-------------------------|----------------------------|---------|
| 1 | 2 [वं श्री : | 3 | 4 | 5 |
| | | उप निदेशक निरी०(धातृ | | 29-6-81 |

| l | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------|------------|--|--------|---------|
| - | | निरीक्षण निदेशालय (धातु), जमग्रेदपुर | (धातु) | |
| 2. 3 | ार०एन०साहा | उप निदेशक निरी० (धातु) (लोहा तथा इस्पात नियंत के कार्यालय में विकास अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर)। | (धातु) | 29-6-81 |

एस० एल० कपूर उप निदेशक (प्रणासन)

इम्पात और खान मत्नालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700 016, दिनांक 7 जून 1983

मं० 5132 बी/ए-19012 (1-के ०के०बी०)/82-19 बी—श्री के० कृष्ण भट को महायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 ६० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में स्थानापन क्षमता में, आगामी आदेण होने तक, 2-4-1983 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 5167-बी/ए-19011 (1-डी.के.सी.)/82 -19ए—
राष्ट्रपति जी, श्री धीरेन्द्र कुमार चौधरा को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ)
के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक मर्बेक्षण में 700-40-900द० रो०-40-1100-50-1300 ६० के न्यूनतम
वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक
15-4-83 के पूर्वाक्क से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 5182की/ए-19011 (1-आर.की.)/81-19ए— राष्ट्रपति जी, श्री आर० धारूमन वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 क० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 11-3-83 के अपराह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 5197 बी/ए-19011(1-ए.डी.)/82-19ए — राष्ट्र-पति जी, श्री अमिताभ दे को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द रो०-40-1100-50-1300 रु० के न्यूनतम वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 11-4-83 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 8 जून 1983

सं० 5224 बी/ए-19012(एच. सी.)/82-19 ए— श्री हरीण चन्द्र को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 22-4-83 के पूर्वीह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 5235 बी/ए-32013(ए. अो)/80-19 ए-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री डी०
वैदेश्वरन को प्रणासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में
वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में,
तदर्थ आधार पर, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण दक्षिणी क्षेत्र,
तमिलनाडु, मंडल, मद्रास के प्रणासनिक अधिकारी श्री आर०
राजागोपालन की अवकाण-रिक्ति के स्थान पर 8-11-82 के
पूर्वाह्म से 10-12-82 (अपराह्म) तक पदोन्नित पर नियुक्त
किया जा रहा है।

दिनांक 9 जून 1983

सं० 5263 बी/ए-19012(3-जे.पी.एस.)/8 3-19बी—श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेसन नियमानुसार या न्यूनतम वेतनमान में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० जैसा मामला हो, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 4-5-83 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनाँक 10 जून 1983

सं 5 293 बी/ए-19012 (3-ए० के.) / 83-19 बी— भी अरुण कुमार को सहायक रसायनज के रूप में भारतीय भू- वैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या न्यूनतम बेतनमान में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो० 40-1200 रु० जैसा मामला हो, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेण होने तक 27-4-83 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

एस० के० मुखर्जी महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 6 जून 1983

सं० ए-19011 (219) / 77-स्था० ए० — विभागीय पदो-न्नित समिति की सफारिश पर श्री एम० एस० मूर्ति, स्थायी कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरो में वरिष्ठ खानन भूविशानी के पद पर दनांक 19-4-83 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश तक पदोन्नति प्रदान की गई है।

> व० च० मिश्र कार्यालय अध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जून 1983

सं० 3/40/64-एस-दो---महामिदेशक, आकाशवाणी, एतद् द्वारा श्री एस० पी० मुले, वरिष्ठ लेखाकार को केन्द्रीय बिकी एकांग आकाशवाणी बम्बई में दिनांक 10-5-83 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> रू० दास गुप्ता उप निदेशक प्रशासन **इ.ते**, महा निदेशक

सूचना और प्रसारण संत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली-110001, दिनांक 18 मई 1983

सं० ए-12026/2/83-स्था०—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक एतद्दारा इस निदेशालय के श्री एम० एम० मालिक, तकनीकी सहायक (माडल) को इसी कार्यालय में 26-4-83 के अपराक्ष से, अगले आदेश तक, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूउप से वरिष्ठ कलाकार नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 मई 1983

सं० ए-12026/2/81-स्था०--विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री ए० के० शर्मा, सहायक उत्पादन प्रबन्धक (मुद्रण प्रचार) (तदर्थ) का त्यागपत इस पद से 18 अप्रैल, 1983 पूर्वाहन से स्वीकार करते हैं।

सं० ए-12026/4/81-स्था०—-विज्ञापन और दृष्य प्रचार निवेशक, श्री तेजिन्दर अहलुवालिया, सहायक उत्पादन प्रबन्धक (वाह्य प्रचार) (तदर्थ) का त्यागपत्र इस पद से 26 अप्रैल, 1983 पूर्वात्र से स्वोकार करते हैं।

> सतीश कुमार गोयल उप निदेशक (प्रशासन) कृते, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्**षास्थ्य** सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1983

सं० ए-19012/1/83-एस०I—स्वास्थ्यं सेवा महानिदेशक ने श्री एच० जे० लक्ष्मी पती को सरकारी चिकित्सा सामग्री भंडार, हैवराबाद में 4 मई, 1983 के श्रपराह्म से और आगामी आदेशों तक सहायक डिपो प्रधन्धक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

> रमेश चन्द्र उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण विकास मंत्रालय विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 7 जून 1983

सं० ए-19024/1/82-प्र०-III—विभागीय पदोन्नित समिति (वर्ग 'ब') की संस्तुतियों के अनुसार निम्निलिखित अधिकारियों को दिनांक 7-4-1983 से स्थानापन्न मुख्य रसायनज्ञ के पद पर नियमित रूप से उसी क्रम में पदोन्नित किया गया है:—

- 1. श्री एस० आर० मुखर्जी
- 2. श्री आर० रामकृष्णन
- 3. श्री जी०सी० सिंह
- 4. श्री एस० एन० महेन्द्र

दिनांक 9 जून 1983

सं० ए-19023/10/81-प्र० III—विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन श्री ई० एस० पालूज, विपणन अधिकारी (वर्ग I) को दिनांक 31-3-83 (अपराह्न) से सहायक विपणन अधिकारी वर्ग '(वर्ग I) के पद पर प्रत्यावर्तित किया गया है।

गोपाल शरण शुक्ल कृषि विषणन सलाहकार भारत सरकार

भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई 400085, दिनांक 24 मई 1983

संबर्भ : पी ए/79(4)/80-आर-।।।—नियंत्रक, भाभा पर-माणु अनुसंधान केन्द्र, श्री आलोक क्ष्मार बाग्ची, सहायक सुरक्षा अधिकारी को सुरक्षा अधिकारी (रु. 659-960) पद पर कार्य अरने हेसु इस अनुसंधान केन्द्र में 11-4-1983 (पूर्वाह्न) से 13-5-1983 (अपराहन) तक की समयाविध के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

> एम . डी . गाड्गिल उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जाविभाग ऋय ग्रीर भंडार निवेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 9 मई 1983 सं: इरी पी एस 41/1/83-प्रका: /19942---परमाणू उन्जां यिभाग के कम और भंडार निद्येषालय के निद्येषक ने सहायक कय अधिकारी, श्री एस. एन. बहामुख की छुट्टी मंजूर किये जाने पर, स्थायी कम सहायक, श्री कृष्णलाल आहलुवालिया को रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वैतनमान में दिनांक 4-4-1983 (पूर्वाह्म) से 7-5-1983 (ग्रपराह्म) तक के लिए स्थानापन्न रूप से सहायक कम अधिकारी नियुक्त किया है। सं• डी॰ पीं॰ एस॰ /41/17/83-प्रणा॰ /19947---परमाणु ऊर्जा विभाग के कय और भंडार निवेशालय के निवेशक ने सहायक भंडार श्रधिकारी, श्री पी॰ के॰ राध्राकृष्णन, की छुट्टी मंजूर किए जाने पर, स्थायी कनिष्ठ भंडारी तथा स्थाना-पन्न भंडारी श्री एम॰ आर॰ प्रकाश को रुपए 650-30-740-35-810-द० रो॰-35-880-40-1000-द० रो॰-40-1200 के वेतनमान में तारीख 11-4-1983 (पूर्वाह्म) से ३२७-5-83 (श्रपराह्म) तक के लिये स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

बी० जी० कुलकर्णी प्रशासनिक अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 6 जून 1983

सं० ना.ई.स./का० प्र० भ०/1603/1608—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्य पालक जी अधोलिखित वैज्ञानिक सहायकों (सी) को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 1-2-1983 से आगामी आदेशों पर्यन्त अस्थायी आधार पर प्रत्येक के नाम के सम्मुख दर्शाए गए आरंभिक वेतन पर एस० बी० श्रेणी में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं:——

| क्रमांक | नाम | आरंभिक वेतन |
|---------|---------------------------|-------------------|
| 1 श्री | एन० के० नरायणन कुट्टी | হ৹ ৪ 10/- |
| 2. শ্বী | के० शिव शंकर | হ ০ 845/- |
| 3. श्री | के०पी० सायंत | হ ৹ ৪10/- |
| 4. श्री | वाई० वी० नर्रासह शास्त्री | रु० 775 /- |
| 5. শ্ৰী | के चंद्र मौलेम्बर राव | হ ৹ 775 - |
| 6. श्री | पी॰ नर्रासह राव | रु० 775/- |
| 7. श्री | पी'० रमेश | रु० 740/- ः |
| 8. श्री | ए० मुरली कृष्णा राव | ह ० 740/- |

दिनांक 10 जुन 1983

सं०का० प्र० भ० /0704/1641——नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्य पालक जी सहायक लेखाकार श्री सी० आर० प्रभाकरन को दिनांक 16-5-1983 से 15-7-1983 अथवा आगामी आदेशों पर्यंत जो भी पूर्वघटित हो, रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी प्रवन्धक, कार्मिक व प्रणासन

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 6 जुन 1983

सं० ए० 32014/3/83-ई० सी'०--महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक संचार अधिकारियों की तदर्थ

| | नाम के सामने दी गई त यवा पदों के नियमित आध | | 1 | | 2 | | 3 |
|---------------------|---|------------------|-----------------|----------|------------------------|-------------------------------------|----------------------|
| _ | हले हो, जारी रखने की | | | | अरूल प्रकाशम | | 30-6-83 |
| | <u> </u> | ` | 44. | जी० | सुब्रह्मण्यन | | 30-6-83 |
| ऋम सं० | नाम | तारीख | | | एस० देयोल | | 30-6183 |
| 1. | 2 | 3 | 46 | . एस० | के० नन्दी | | 30 - 6-83 |
| सर्वे श्री : | | | 47 | y oy . | स० शिवरामकृ | ष्णन | 30-6 -8 3 |
| | | | 48 | ्एम० | एस० सिघल | | 30-6-83 |
| 1. जे० आ | 0 | 30-6-83 | 49 | पी०वे | सि | | 30-6-83 |
| 2. एस० के० | | 30-6-83 | 50 | एस० | ए स० सन्धु | | 30-6-83 |
| 3. एন০ আ | | 30-6-83 | 51 | . आर० | एल० सुन्दरर | ाज | 30-6-83 |
| 4. एस० दौरे | | 30-6-83 | 52 | एन० | आर० बोस | | 30-6-83 |
| 5 रंजीत सिंह -^ | • | 31-5-83 | 53. | टी॰ र | गी० नायर | | 30-6-83 |
| 6. टी० एस० | ** | 30-6-83 | 54. | एम० ३ | गर० राजऋषि | Г | 30-6-83 |
| 7. के० गण | | 30-6-83 | 55. | पी० वे | ० दास | | 30-6-83 |
| 8. एस० वर्द | ** | 30-6-83 | 56. | पी० जी | ० चन्द्रारणा | | 30 - 6-83 |
| 9. जे० सी० | | 30-6-83 | 57. | एस० वे | २० विश्वास | | 30-6-83 |
| 10. डी० एन० | • | 30-6-83 | 58. | एच० | एन० रंधेरिया | | 30-6-83 |
| 11. ए० पेरिय | | 30-6-83 | 59. | आर० | के० बिधारी | | 30-6-83 |
| 12. वी० जी० | • | 30-6-83 | 60. | ए० के | विश्वास | | 30-6-83 |
| 13. जी० एन | | 30- 6-83 | 61. | सी॰ ए | (ल०सेन चौ | धरी | 30-6-83 |
| 14. एम० एस | | 30-6-83 | 62- | एम० ३ | जी० संदेल | | 30-6-83 |
| 15. के० एल० | | 30-6-83 | | • | वी० मुलमुले | | 30-6-83 |
| 16. एस० बर्म | | 30-6-83 | | | डी॰ राम | | 30-6-83 |
| 17. टी० पाल - | | 30-6-33 | | | ट्स० बाग डे | | 30-6-83 |
| 18. एम ् के० | , | 30-6-83 | | | एम० गुलाटी | | 30-6-83 |
| 19. वी० के० | | 30-6-83 | | | र्स० नायर | | 30-6-8 |
| 20. पी० कें० | • 1 | 30-6-83 | | | ो प्रीतिकुन्डू | | 30-6-8 |
| 21. वी० जे० | • | 30-6-83 | | | पी० वसावड़ा | | 30-6-83 |
| 22. बी॰ सी॰ | | 30-6-83 | | जी॰ | - | | 30-6-83 |
| 23. एच० एस | • | 30-6-83 | | | ो० कृष्ण | | 30-6-83 |
| 24. नामदेव ए | च अभिरमल | 30-6-83 | | | ,स० वेदी | | 30-6-83 |
| 25. सी० आर | ~ · | 30-6-83 | | . जे० | | | 30-6-83 |
| 26. एडविन थ | πमस | 30-6-83 | | | वी० भास्करन | | 31-5-83 |
| 27. सी० आर | - - | 30-6-83 | | | के० नाज | | 30-6-83 |
| 28. ए० एन० | विश्वास | 30-6-83 | | | | | |
| 29. पी० आर | र० चौधरी | 30 - 6-83 | च्ये | - π_20 | 012/0/02 \$ | ्सी०वैमानिक | |
| 30. बी० एन | ० सरकार | 30-6-83 | | | | त्ताण्—-पमानक ने प्रत्येक के नाम | |
| 31. चमन सिंह | <u> </u> | 30-6-83 | | | | ग प्रत्यक क नाम कर लेने पर अप | |
| 32. डी० एल | = | 30-6-83 | | | ान जापुत्रापा ाहै:→ | कर्लाम परञाप | म पद्म का काम |
| 33. आर०पी | ० जोशी | 30-6-83 | भारत | याग । ५५ | 1 € .→- | | |
| 34. बलबीर वि | संह | 30-6-83 | | | · · · · · · · · · | · | |
| 35. जी ० एल | ে বাৰলা | 30-6-83 | ऋ ∘ ∹ | नाम | और पदनाम | स्टे शन - | सेवा निवृत्ति की |
| 36. आर० के | ० डी० चौधरी | 30-6-83 | सं ० | | | | ता रीख -— |
| 37. एस० डी | ० भल्ला | 30-6-83 | 1 | 2 | | 3 | 4 |
| 38. जे०पी० | गुप्ता | 30-6-83 | | ··· | | | |
| 39. ए० कुम | _ | 30-6-83 | सर्व | श्रीः | | | |
| _ | ० करमालकर | 30-6-83 | 1.राम | सुन्दर | सहायक | वै० सं० स्टेशन | |
| 41. के० एस | | 30-6-83 | | | सं चा र | लखन्ऊ | 28-2-83 |
| 42. डी० एन | ० हलदर | 30-6-83 | | | अधिकारी | | (अपराह्न) |

| 1 | 2 | | | 3 | 4 |
|----|-------------------|------------|------|---------------------|---------------------|
| | सर्वश्री सहायक | संचार | ग्रध | प्रकारी | |
| 2. | पी० सी० अबहाम | यै० | मं० | स्टे <i>गन</i> बंगस | गे र 28-2-83 |
| | | | | | (अपराह्न) |
| 3. | के० एन० दत्ता | 11 | 1) | कलकसा | 28-2-83 |
| | | | | | (अपराह्न) |
| 4. | एन० एस० पिल्लै | 11 | ,, | कोयम्बटूर | 28-2-83 |
| | | | | | (अपराह्न) |
| 5. | वी० आर० छाबड़ा | † I | ,, | दिल्ली. | 28-2-83 |
| | | | | | (अपराह्न) |
| 6. | जी०ए० नायर | " | 1) | त्रिवेन्द्र म | 31-3-83 |
| | | | | | (अपराह्न) |
| 7. | एस० बी० पुन्नाराव | " | ,, | हैदराबाद | 31-3-83 |
| | | | | | (अपराह्म) |
| 8. | जे० एन० मित्रा | "1 | 1) | कलकत्ता | 31-3-83 |
| | | | | | (भ्रगराह्न) |
| 9. | बी० पी० नारायण | " | 1 7 | मद्रास | 31-3-83 |
| | | | | | (अपराह्म) |
| ~ | | | | | |
| | | | | ओ० | पी॰ अग्रवाल |

निरंक्षिण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1983

मं० 17/83—श्री एम० सी० मिल्लिक ने जो पहले निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नयी दिल्ली में प्रशासन अधिकारी के पद पर कार्यरत थे, इस निदेशालय के दिनांक 17-3-83 के आदेश फा० सं० 1041/68/80 द्वारा निदेशालय के मुख्यालय में निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "ख" के पद पर नियुक्त होने पर दिनांक 17-3-83 (पूर्वाह्म) से उक्त पद का कार्यभार मंभाल लिया।

ब० चं० रस्तोगी निरीक्षण निदेशक

सहायक निदेशक प्रशासन

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1983

मं० 33/1/81-ई० सी०-9—राष्ट्रपति, सहर्ष लोक सेवा आयोग की नामित श्री जगदीश बी० कर्मचन्दानी को उप-वास्तुक के अस्थायी पद पर मामान्य सिविल सेवा ग्रुप "क" (के० लो० नि० विभाग में रुपये 1200/- प्रति माह वेतन पर रुपये 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300/- के वेतनमान में) अतिरिक्त भत्तों सहित सामान्य नियमों एवं 2—136GI/83 शर्ती पर दिनांक 21-5-83 से नियुक्त करते हैं। जैसे कि संघ लोक सेवा आयोग ने सिफारिश की है।

(2) श्री वर्मचन्दानी को उनकी नियुक्ति की निर्धि से 2 वर्ष की श्रवधि के लिये परीवंक्षा पर रखी जाता है।

> ए० के० नारंग प्रशासन उप निदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्यविभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956और श्रीयान्स चिट फन्ड एण्ड फाइनेन्सियर्स, प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 6 जून 1983

सं० जी०/स्टेट/560/3170/1369—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 580 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्रीयान्स चिट फन्ड एन्ड फाइनेन्सियर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृत कारण दियत न किया गया तो रिजन्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

द्यार० के० धरोड़ा कम्पनी रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़

कोचीन, दिनांक 1 जून 1983

सं० लिक्य | 560 (4) | प्रार-3245 | 83--यतः मुणुरता फारमास्यू टिकल कोरपोरेशन लिमिटेड (लिक्विडेशन) में) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय तोडुपुजा है, का समापन किया जा रहा है। और यतः प्रधीहस्ताक्षरी यह विश्वास करने का युक्तियुक्त हेतुक रहता है कि कोई समापन कार्य नहीं हो रहा है और यह कि स्टेटमेंटम आफ एका उन्ट्स समापक ढारा दिये जाने के लिये अपेक्षित है छः कमवर्ती मास के लिए नई दी गई है।

प्रतः जब कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 जा 1) की धारा (4) उपधारा के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर मुणुरता फारमास्यूटिङ कोरपोरेशन लिमिटेड (लिक्विडेशन में) का नाम यदि इस के प्रतिकृल काण्ण दिणित नहीं िया जाता है तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कांचीन, दिनांक 1 जून 1983

मं० लिक्य ०/560(4)/आर-3246/83—प्रतः स्वराज यूनियन कम्पनी लिमिटेड (लिक्विडेशन) में जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय द्रिच्चूर है, का समापन किया जा रहा है। और यतः अधोहस्ताक्षरी यह विश्वास करने का युक्तियुक्त हेतुक रहता है

कि काई समापक कार्य नहीं हो रहा है और यह कि स्टेटमेन्टस आफ एकाउन्ट्स समापक द्वारा दिये जाने के लिए अपेक्षित है छ: कमवर्ती मास के लिये नहीं दी गई है।

श्रतः जब कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा (4) उप घारा के अनुसरण में एतवृद्धारा सूचित किया जाता है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर स्वराज यूनियन कम्पनी लिमिटेड (लिक्विडेशन में) का नाम यदि इसके प्रतिकूल कारण दिशित नहीं किया जाता है तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित करवी जाएगी।

> के० पंचापाकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षीय) का कार्यालय एरणाकुलम रेंज,

कोचिन-682 016, दिनांक 5 अप्रैल 1983

आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124(2) के अधीन

आदेश

सं० सी० आर० 26/ए०डी०एम०/ई०के०एम०/83-84---पुराने आदेशों का अधिक्रमण करते हुए, आयकर अधिनियम 1961 की 124 वीं धारा की उपधारा (1) और (2) के अधीन आयकर आयुक्त, केरल की तारीख 12-7-1973 के आवेश सं० 1/73-74 के अनुसार एरणाकुलम राजस्व जिला के अन्तर्गत, (आलुवा तथा मट्टांचेरी आयकर मंडलों को आबंटित क्षेत्र को छोड़कर) आयकर सर्किल, एरणाकुलम, के क्षेत्र के अतर्गंत व्यक्तियों के आयकर के प्रयोजन के लिये निहित क्षेताधिकार, निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार एरणाकूलम सर्किल के आयकर अधिकारी एवं सर्वे सर्किल-1, एरणाकुलम के बीच में पूनः आबंटित किये जाते हैं। इस प्रकार प्रदक्त क्षेत्रा-धिकार किसी प्रकार से, इस क्षेत्र के अन्तर्गत के ऐसे व्यक्तियों पर लागू नहीं है, जो एरणाकुलम के उपर्युक्त, आयकर अधि-कारियों को छोड़कर सक्षम प्राधिकारी के आदेश के अधीन आयकर अधिकारियों द्वारा निर्धारण की उत्तरदायी है। अनस्वी के कालम (2) में उल्लिखित आयकर अधिकारी कोलम (3) में विनिर्दिष्ट क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत के व्यक्तियों के संबंध में आयकर अधिकारियों का कार्य का निर्वाह करेगा।

अनुसूची

| ऋम सं० | आयकर अधिकार पद संज्ञा | ी का | कार्य क्षे | ਜ਼ ਸ਼ |
|---------------|--------------------------|---------|--|------------------------------------|
| 1 | 2 | | 3 | |
| | यकर अधिकारी, रणाकुलम | ए-वार्ड | इस आदेश के आयकर अधिति की धारा 44 अधीन उस्ति करने वाले व्या | यम, 1961 एए (1) के रखित पेशा |

1 2

क्षेत्राधिकार आयकर अधि-कारी, सी-वार्ड, एरणाकुलम पर निहत है, और संविवाकार, जिनका क्षेत्राधिकार आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, एरणा-कुलम पर निहिस है उनको छोड़कर शेष सभी व्यक्ति।

- (1) निम्नलिखित ए और बी के अनुसार जिनके मामले में कुल आय/हानि ६० 1,50,000/- से कम नहीं हो ---
- (ए) 31-3-1983 की पूरे किये गये सब से बाद के दो निर्धारण।
- (बी) 31-3-1983 के बाद किसी निर्धारण वर्ष में पहली बार प्रस्तुत की गयी आय की विवरणी।
- (2) जो व्यक्ति उपर्युक्त (1) में उल्लिखित फर्मों के
- (1) में जाल्लाखत फैमा के भागीदार या व्यक्तियों के संगम के सदस्य या व्यक्तियों का निकाय है वे (फर्मों, व्यक्तियों का संगम या व्यक्तियों का निकाय) इस आयकर अधिकारी द्वारा निर्धारण का बाध्य है।
- (3) जो उपर्युक्त कम सं० (1) और (2) में उल्लि-खित व्यक्तियों के पति व पत्नी या अवयस्क बच्चे हों वे आयकर अधिकारी द्वारा निर्धारिण के बाध्य हो।
- (4) न्यास-चाहे धार्मिक, पूर्त या अन्यया हो।
- (5) जिनके भामले आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124, 126 या 127 के प्रधीन विशेष रूप से नियत किये गये हों या किये जाने वाले हों।

1

 आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, (ए) जो आयकर अधिनियम एरणाकुलम
 1961 की धारा 44एए(1)

- (ए) जो आयकर अधिनियम 1961 की धारा 44एए(1) के अधीन उल्लिखित पेशा कर रहे हैं।
- (बी) जो व्यक्ति, उनका क्षेत्राधिकार आयकर अधि-कारी, ए-वार्ड, एरणाकुलम तथा सर्वे सर्किल-1, एरणा-कूलम को सींपा है, उन्हें छोड़कर शेष सभी व्यक्ति। (1) जिन मामलों के नाम का उच्चारण अंग्रेजी शब्द "ए" से 'प्राई'तक शुक्रहोताहै। (2) जो ऊपर (1) में उल्लिखित फर्मों के भागीदार या व्यक्तियों के संगम के सदस्य या व्यक्तियों का निकाय है किन्तु ऐसे व्यक्ति आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, एरणाकुलम द्वारा निर्धारण के बाध्य फर्म के भागीदार या व्यक्तियों के संगम के सदस्य या ध्यक्तियों का निकाय होने पर ऐसे व्यक्तियों का क्षेत्राधिकार पिछले आयकर अधिकारी पर ही होगा ।
- (3) जो उपर्युक्त कम सं० (1) और (2) में उल्लिखित व्यक्तियों के पति/ पत्नी या सवयस्क बच्चे हो।
- (4) ऐसे [संविदाकार जिनको 1-4-1982 या उसके बाव को प्रारम्भ किये गये निर्धारण वर्ष के लिए आयकर अधिनियम की धारा 194(सी) और 285 ए लागू होता है, चाहे उनका कुल आव/हानि रु 1,50,000 से कम नहीं हो।
- (5) जिनके मामले आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124, 126 या 127 के अधीन विश्रेष रूप से नियस किये मये हों या किये जाने वाने हों।

2

.

आयक्तर अधिकारी, सी-बाई, आयकर अधिकारी,
 एरणाकुलम
 एरणाकुलम, आयक्

आयकर अधिकारी, ए-वार्क, एरणाकुलस, आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, एरणाकुलस या आयकर अधिकारी, सर्वे सिकल-1, एरणाकुलम को निहिस क्षेत्राधिकार को छोड़कर इस आदेश के आमुख में विनिर्दिष्ट क्षेत्रा-धिकार के अन्तर्गत सभी क्यक्तियों।

3

- (1) जिन मामलों के नाम या उच्चारण अंग्रेजी शब्द 'क्यू' से 'जैंड' तक शुरू होता है।
- (2) जो ऊपर (1) में उल्लिखित फर्मी के भागीदार या व्यक्तियों के संगम के सदस्य या व्यक्तियों का निकाय है किन्तु ऐसे व्यक्ति आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, एरणाकूलम द्वारा, निर्धारण के बाध्य फर्म के भागीदार या व्यक्तियों के संगम के सदस्य या व्यक्तियों का निकाय होने पर ऐसे व्य-क्तियों का क्षेत्राधिकार पिछले आयकर अधिकारी पर ही होगा 🖟
- (3) जो उपर्युक्त कम सं० (1) और (2) में उल्लिखिस व्यक्तियों के पति/ पत्नी या सवयस्क बच्चे हों।
- (4) जो आयकर अधिनियम की धारा 44एए (1) के अधीन उल्लिखित पेशा कर रहे हैं चाहे उनका कुल आय/हानि रु० 1,50,000/- से कम नहीं हो।
- (5) जिनके मामले आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124, 126 या 127 के अधीन विशेष रूप से नियन

ر ما در می در می در در در در در در می می در می در می در می در در در در در در در می در می

2

ર

किय गय हों, या किये जाने वाले हों।

4. आयक्तर अधिकारी, डी-बार्ड, जो व्यक्ति उनदा केल्ल. ছিছাই
एरणाकुलम आधकर अधिकारी, ए-बार्ड,

जा व्यक्ति उनदा श्वेत्राधिकार आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, बी-वार्ड, सी-वार्ड, और सब सांकल-1, एरणाकुलम पर निहित है, उन्हें छोड़कर शेप सभी व्यक्ति।

 जिन मामलों के नाम का उच्चारण अंग्रेजी शब्द 'जे' से 'पी' तक शुरू होता है।

2. जो ऊपर (1) में उल्लि-खित फर्मी के भागीदार या संगम . या व्यक्तियों के व्यक्तियों का निकाय है किन्तु *ठ्य* क्ति आर्यकर 0 से ्ए-बार्ड, 'एरणा-अधिका'री निर्धारण के कूलम हारा बाध्य फर्म के भागीदार या व्यक्तियों के संगम के सदस्य या व्यक्तियों का निकास होने पर ऐसे व्यक्तियों का क्षेत्रा-धिकार पिछले आयकर अधिकारी पर ही होगा।

3. जो उपर्युक्त कम सं० (1) और (2) में उल्लि-खिल व्यक्तियों के पति/ पत्नी या सवयस्क बच्चे हों। 4. सभी प्रत्यक्ष प्रतिदाय मामाले।

5. जिनके मामले आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124, 126 या 127 के अधीन विशेष रूप में नियत किये गये हीं या किये जाने वाले ही

 आयकर अधिकारी, सुर्वे संक्लि-1, एरणाक्लम

 आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, एरणाकुलम पर निहित क्षेत्राधिकार को छोड़कर आयकर सिकल, एरणाकुलम के प्रादेशिक क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आयकर में निर्धारण योग्य सभी नये मामले।

2 एरणाकुलम तथा मट्टांचेरी

2

_ -

के आयकर मंडलों के प्रादेशिक क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत सर्वेक्षण प्रक्रिया के फलस्वरूप आविष्कृत सभी नये मामले।

 सधी व्यक्ति, जिनके मामाल आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 127 (1) के अधीन आयकर अधिकारी को इसके पश्चात् हस्तान्तरित किये जायें।

2. यह आदेश 30 अप्रेल, 1983 से प्रवृत्त होगा। सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय कोचिन-6820 16-दिनांक 5 अप्रैल 1983 धन कर अधिनियम 1957 की धारा 8 के अधीन आदेश

सं० सी० आर० 26/ए०डी०एम०ई०के०एम०/83-84-—
आयकर अधिनियम 1961 की 124वी धारा की उपधारा (2)
के अधीन मेरी इसी तारीख के आदेशानुसार आयकर सिंकल,
एरणाकुलम और सर्वे सिंकल, एरणाकुलम के कार्यक्षेत्र के
अन्तर्गत व्यक्तियों पर आयकर के प्रयोजन के लिये 30-4-1983
से क्षेत्राधिकार का पुनः आबंदन प्रभावी होने के लस्वरूप,
धनकर के प्रयोजन के लिये भी ऐसे व्यक्तियों का क्षेत्राधिकार
पुनः आबंदन की आवश्यकता है। तदनुसार एतद्द्वारा आदेश
दिये जाते है कि तारीख 30-4-1983 से संलग्न अनुसूची के
कालम (2) में उल्लिखित धन कर अधिकारि कालम (3)
में विनिद्धिट व्यक्तियों से संबंधित धनकर अधिकारियों के
कार्य का निर्वाह करेगा:---

अनुसूची

क्रम धनकर अधिकारी का पद संज्ञा कार्यक्षेत्र सं० . 1 2 3

1. धनकर अधिकारी, ए-वार्ड, आयकर अधिनियम, 1961 एरणाकुलम की 124वीं धारा की उप-धारा (2) के अधीन आयकर सकिल, एरणाकुलम के सम्बन्ध में मेरी इसी तारीख के आदेण द्वारा प्रदत

अधिकारों के आधार पर, जिन व्यक्तियों पर, श्रायकर श्रिधकारी एवार्ड, एरणाकुलम के रूप में क्षेत्राधिकार का प्रयोग

करते हैं, उन सभी व्यक्तियों

| 1 2 | | 3 |
|---|----------|---|
| . धनकर अधिकारी, र्ब एरणाकुलमः | ी-वाडं, | आयकर अधिनयम 1961 की 124वी धारा की उप- धारा (2) के अधीन आयकर सर्किल, एरणाकुलम के सम्बन्ध में मेरी इसी तारीख के आदेण ढारा, प्रदत्त अधिकारों का आधार पर, जिन व्यक्तियों पर, आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, एरणाकुलम के रूप में क्षेक्षा- धिकार का प्रयोग करते हैं, उन मभी व्यक्तियों |
| 3. धनक्षर अधिकारी, सी एरणाकुलम | ो-वार्ड, | आयकर अधिनियम 1961 की 124वीं धारा की उप- धारा (2) के अधीन आयकर सिंकल, एरणाकुलम के सम्बन्ध में मेरी इसी तारीख के आदेश द्वारा प्रदत्त अधिकारों के आधार पर, जिन व्यक्तियों पर, आयकर अधिकारी, सी-बाई, एरणा- कुलम के रूप में क्षेत्राधिकार का प्रयोग करते हैं, उन सभी व्यक्तियों |
| 4. धनकर अधिकारी, डी एरणाकुलम | ो-बार्च, | आयकर अधिनियम 1961 की 124वीं धारा के उप- धारा (2) के अधीन आयकर सर्किल, एरणाकुलम के सम्बन्ध में मेरी इसी तारीखके आदेश द्वारा प्रदत्त अधिकारों के आधार पर, जिन व्यक्तियों पर, आयकर अधिकारों, डी-वार्ड, एरणा- कुलम के रूप में क्षेत्राधिकारी का प्रयोग करते हैं, उन सभी व्यक्तियों |
| 5. धनकर अधिकारी, सः सर्किल-ॉ, एरणाक्रुलम | र्वे | आयकर अधिनियम 1961 की 124वी घारा की उप- घारा (2) के अधीन आयकर सर्किल के संबंध में मेरी इसी तारीख के आदेणानुसार जिन व्य- क्तियों पर आयकर अधिकारी, सर्वे सर्किल-1. |

. के रूप में क्षेत्राधिकार

3

का प्रयोग करते हैं, उन
सभी व्यक्तियों,

2. एरणाकुलम तथा मट्टांचेरी के आयकर मंडलो
के प्रादेशिक क्षेत्राधिकार
के अन्तर्गत सर्वेक्षण
के फलस्वरूप आविष्कृत
सभी नये मामले।

2. यह आदेश 30-4-1983से प्रवत्त होगा।

2

उपहारकर अधिनियम, 1958 की धारा 7 के अधीन

आदेश

कोचीन-682016, दिनावः 5 श्रप्रैल 1983

सं०सीं०आर०-26/ए० डी० एम०/जीं० टी०/83-84--आयकर अधिनियम, 1961 की 124वीं धारा की उपधारा (2) के अधीन मेरी इसी नारीख़ के आदेशानुसार आयकर सिकल, एरणाकुलम और सर्वे 'सिकल, एरणाकुलम के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत व्यक्तियों पर आयकर के प्रयोजन के लिये 30-4-1983 में क्षेत्राधिकार का पुनः आवंटन प्रभावी होने के फलस्बच्य, उपहारकर के प्रयोजन के लिए भी ऐसी व्यक्तियों पर क्षेत्राधिकार पुनः आवंटन की आवश्यकता है। नदनसार, एतद् द्वारा आदेश दिये जाते हैं कि तारीख 30-4-1983 में संलग्न अनुसूची के कालम (2) में उल्लिखित उपहारकर अधिकारी कालम (3) में विनिद्धिट व्यक्तियों से संबंधित उपहारकर अधिकारियों के कार्य का निर्वाह करेगा:---

अनुसूची

| क्रम सं० | उपहारकर अधिकारी का पद संज्ञा | कार्य क्षेत्र |
|-------------|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| | महारकर अधि कारी, ए-बार्ड, 1. रणाकुलम | आयकर अधिनियम 1961 की 124वीं धारा की उपधारा (2) के अधीन आयकर सिकल, एरणा- कुलम के संबंध में मेरी इसी तारीख के आदेण ढारा प्रदत्त अधिकारों के आधार पर, जिन व्यक्तियों पर, आयकर अधिकारी, ए-बाई, एरणाकुलम के रूप में क्षेत्राधिकार का प्रयोग करते हैं, उन सभी |

2. सभी ध्यक्ति, जिनके सम्बन्ध में आयकर अधि-नियम, 1961 के अधीन कार्यवाही मुख् की गई 'है। मुख किये जाने की आवश्यकता है।

3

2. उपहारकर अधिकारी, बी-वार्ड, आयकर अधिनियम, 1961 एरणाकुलम की 124वीं धारा की र्उप-

2

आयकर अधिनियम, 1961 की 124वीं धारा की उप-धारा (2) के अधीन आयकर सिंकल, एरणाकुलम के सम्बन्ध में मेरी इसी तारीख के आदेश द्वारा प्रदत्त अधि-कारों के आधार पर, जिन व्यक्तियों पर, भायकर अधिकारी, बी-वार्ड, एरणा-कुलम के रूप में क्षेत्राधिकार का प्रयोग करते हैं, उन सभी व्यक्तियों

3. उपहारकर अधिकारी, सी-वार्ड, आयकर अधिनियम, 1961 एरणाकुलम की 124वीं धारा की उप-

आयकर अधिनियम, 1961 की 124वीं धारा की उप-धारा (2) के अधीन आयकर सिंकल, एरणाकुलम के सम्बन्ध में मेरी इसी तारीख के आदेश द्वारा प्रदत्त अधि-कारों के आधार पर, जिन व्यक्तियों पर, आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, एरणा-कुलम के रूप में क्षेताधिकार का प्रयोग करते हैं, उन सभी व्यक्तियों

4. उपहारकर अधिकारी, डी-वार्ड, आयकर अधिनियम, 1961 एरणाक्ष्मम की 124वीं धारा की उप-

आयकर अधिनियम, 1961 की 124वीं धारा की उप-धारा (2) के अधीन आयकर सिंकल, एरणाकुलम के संबंध में मेरी इसी तारीख के आदेश द्वारा प्रवत्त अधि-कारों के आधार पर, जिन क्यिक्तयों पर, आयकर अधिकारी, डी-वार्ड, एरणा-कुलम के रूप में केंद्राधिकार का प्रयोग करते हैं, उन सभी व्यक्तियों

 उपहारकर अधिकारी, सर्वे सकिल, एरणाकुलम आयकर अधिनियम, 1961
 की 124वीं धारा की

उपधारा (2) के अधीन आयकर सर्किल के संबंध में मेरी इसी तारीख के आदेशानुसार जिन व्यक्तियों पर आयकर अधिकारी, सर्वे सर्किल-I, के रूप में क्षेत्राधिकार का प्रयोग करते हैं, उन सभी व्यक्तियों

- एरणाकुलम तथा मट्टां-चेरी के आयकर मंडलों के प्रावेशिक क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत सर्वेक्षण प्रक्रिया के फलस्वरूप आविष्कृत सभी नये मामले
- 3. आलुवा, एरणाकुलम और मट्टाचिरी के उपहारकर मंडलों के प्रादेशिक केवा-धिकार के अन्तर्गत सर्वे सर्किल-1, एरणाकुलम में 15 नवम्बर, 1982 तक उपहारकर में निर्धारित या निर्धारण योग्य सभी मामले।
- 4. सभी व्यक्ति, जिनके मामले उपहारकर अधिनियम, 1958 की धारा
 (7) के अनसार उपहारकर अधिकारी को हस्तान्तरित किये गये हैं
 या किये जाने की सभावना है।

2. यह आदेश 30-4-1983 से प्रवृत्त होगा।

पी० जे० तोमसकुट्टी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) एरणाकुलम रेंज

आयकर आयुक्त का कार्यालय उत्तर-पूर्व क्षेत्र

शिलांग, दिनांक 13 जून 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 287, उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार का यह विचार होने के कारण कि ऐसी कार्यवाही लोक स्वार्य के लिए उचित है, उनमें केन्द्रीय सरकार द्वारा मुक्त पर प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उन निर्धारितयों के नाम एवं

[रुपये

8,37,424

1,50,625

1,66,457

2, 34, 346

3,13,239

1,85,000

2,09,23

3

| अध्य विवरण प्रकाशित कर रहा हूं, जि | | 1 | 2 |
|---|----------------------------|---|--|
| अधिक अवधि के लिये, बकाया कर 1982-83 के अंतिम दिन 1,00,000 श्री। | | ट्रेडिंग 3. शेखमें 4. मैसर्स डिब्रूग | ादित्त शर्मा, के०/ओ० मैसर्स शर्मा कारपोरेशन, जोरहाट, असम ।हम्मद नवाब, जोरहाट, असम मंगलचन्द रामकुमार एण्ड को०, इ, असम एच० पी० कर एण्ड सन्स (प्रा०) |
| क्रम निर्धारितियों का नाम और पता सं० | बकाया कर की रकम | मैसर्स | टेड, डिगबोई, असम ग्रीज एण्ड बिल्डिंग कारपोरेशन |
| 1 2 | 3 | • |) लिमिटे ड , गौहाटी, असम u सी० एस० काकती, गला घाट, असम |
| मैसर्स गर्मा ट्रेडिंग कारपोरेशन, जोरह असम | रुपये ाट, . 2,47,941 | 8. श्री | बिजरंग लाल अगरवाला, तिन- ा,असम |

प्ररूप. आर्ध. टी. एन. एस. -----

आगकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सम्कार कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 अप्रैल 1983

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० एच०-46/अर्जन----अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस्ति मं ० मकान नं ० 16/34 क है तथा जो वलक रोड, लखनऊ में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 अक्तूबर, 1982

को प्वेंक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम केटरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती शमीम बानो ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमवी हरी रतनानी ।

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती।

(बह्ब्यक्ति, जिसके - ३३ -४३६- ३०

अधिभोग में संपंत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का हिस्सा मय बिलिंडग मकान नं० 16/34क पैमाइणी 2616 स्क्वेयर फीट स्थित वलक रोड़, लखनऊ और वह सब कुछ जिसका मंपूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी मंख्या 4340/82 में विणत है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 25-10-82 को किया जा चुका है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, खखनऊ

तारीख: 20-4-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर लिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं (1) के लधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेज, लखनक लखनक, दिनांक 7 मह 1983

निदेश सं० जी० आई० अर० नं० एस०-261/अर्जन----अतः मृक्षे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सभम प्रक्तिकारी की, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थापर संपाल, जियका उच्चित भाजार पूर्व 25:000/क. से अधिक है

और जिलकी मं० मकान नं० के०-62/142 ई, तथा जो मोहल्ला मध्न सागर बुलानाना, वाराणमी में स्थित ई (और इससे उपाबद्ध अनमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख़ 7 अक्त्वर, 1982

का प्रतिकत संपत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकत से, एसे रश्यमान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिकत के निम्नीलेखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- ् (ख) ऐसी हिशी अ.स या किशी बन या मस्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर अबिनियम, 1922 (1922 को 11) ते उन्त अबिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खियाने थे सुविधा के लिए;

अतः अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1 श्रीमती अल्ख निरंजन पांडेय।
 - 2. श्रीमती निर्मला देवी।

(अन्तरक)

- (2) 1 मैसूर्स शिवनाथ प्रसाद प्रेमचन्द ढारा पार्टनर श्री प्रेमचन्द चौरसिया,
 - 2. श्रीमती जमुना देवी।

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) को यह सुधना आरी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिह कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट, व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबब्ध, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुराना पक्का दो मंजिला मकान मय भूमि सहित जिसका म्यूनिसिपल नं० के-62/142 स्थित मोहल्ला सप्तमागर बुलानाला, वाराणमी और वह सब कुछ जिसका संपूर्ण विवरण सेलडीढ व फार्म 36-जी संख्या 2292 में विणित है । जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 7-10-82को किया जा चुका है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 7-5-1983

मोहर:

3--136GI/83

प्रकृष् बार्ड. टी. एत्. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 20 ट- व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 जनवरी 1983

निदेश सं० जी० आई० जार० सं० वी०-60/अर्जन---अतः मुझे, एँ० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकी सं० आराजी सं० 148 है, तथा जो सिविल लाइन्स, बरेली में स्थित है (और इसमें उपाबढ़ अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है (रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, यरेली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 11 अवट्टबर, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया रया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्न

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमती हेमलता सिंह, चेयरमैन, ठाकुर दान सिंह, विष्ठ हुस्ट, नैनीनाल।

(अन्तरक)

(2) श्री विशाल गुप्ता, अल्प वयस्क, श्रीमती ऊषा गुप्ता, संरक्षक।

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त विकेता।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना पारी करके पृषांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त रूपित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अपिध या तत्म कंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

आराजी संख्या 148 रकमा 392 वर्ग गज बाकै सिविल लाइन्स, बरेली जिसका संपूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37 जी, संख्या में वर्णित हैं। जो कि सब रजिस्ट्रार, बरेली में पंजीकृत

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन रेंज, लखनऊ

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अम्बरण की, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थातः :---

तारीखा : 28∼1−1983

मो**ह**रः

प्रकथ बार्च. टी. एन. एस.----

जामकर जिथिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास यसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 31 मार्च 1983

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० आई०-15/एक्वी०---अतः मुद्धे, ए० प्रसाद,

गायकर गिंधनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त गिंधनियम' कहा गया है), की भाष 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० मकान बप्लाट नं० 42 व 44 है, तथा जो मो० विजय लक्ष्मी नगर, मीतापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीतापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 30 विसम्बर, 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ह हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित साबार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/मा
- (स) एसं जिसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उबत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंदरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, ८७त जिल्लियम की भारा 269-ग की अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) की अधीन, निम्लिखित व्यक्तिस्यों, अर्थान, निम्लिखित व्यक्तिस्यों, (1) श्री रांशींद नमील एडवोकेट, स्वयं व अटार्नी श्रीमती रसिका नसरीन।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्र कुमार सेठ श्री जयप्रकाण सेठ श्री भगवत कुमार सेठ श्री थारूमल सेठ

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरी कारके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विने की जबिध या क्ष्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिडिल में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान व प्लाट नं० 42 ग्रौर 44 सर्वे नं० 77 पैसाइणी 14440 स्क्वेयर फीट जो कि मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर (यू० पी०) रोडवेज बस स्टैंड सोतापुर के सामने स्थित है जिसका संपूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 2638/82 में विणत जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार, कार्मालम सातापुर में दिनांक 30-10-82 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 31-3-1983

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस. - - - ----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 26 मार्च 1983

निवेश सं० जी० आई० आर० सं०एस०-258/अर्जन—— अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि पैमाइश नं० 98 है, तथा जो नौगावां सादात अमरोहा जिला मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, म्रादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 अक्तूबर, 1982

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए आर्/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी जन या अन्य अिंतियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की बार 269-ग के अनुसरण बाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- (1) श्रो बनारमरदास ।

(अतरक)

(2) जी भुनील कुमार श्री ज्ञान प्रकाश श्री राम भरोसे सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अधिप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्थां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधाहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

भूभि पैमाइणी . 98 श्रिसिमिल जो कि नवगांवा सादात तहसील जिला अमरोहा, मुरादाबाद में स्थित है जिसका संपूर्ण विवरण सेलडीड व द्धार्म नं० 37-जी में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्द्रार कार्यालय, मुरादाबाद में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 26-3-1983

प्ररूप आई^{*}, टो. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 मार्च 1983

निदेण सं० जी० आई० आर० सं० एम०-155/एक्वी०--अतः मझे, ए० प्रसाद

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 93 है, तथा जो गंगागंज परगना व तहसील चायल जिला इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 23 अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्य में कमी करने या उन्से अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी अग्य या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सूनिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिख व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री साता राम पाण्डे अन्तरक सचिव दि प्रयाग उपनियेणन आवास एवं निर्माण, सहकारी समिति लि०, इलाहाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती महमूदा खातून ।

(अन्तरिती)

(3) दि प्रयाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, इलाहाबाद ।

> वह व्यवित, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-तक्ष किसी क्या व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधित्यम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 93 आरजी न० 111/1 सर और 111/2 पैमाइशी 202.22 स्ववेयर थाई है जो कि गंगागंज, परगना व तहसील चायल, जिला इलाहाबाद में स्थित है जिसका सपूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 6568/82 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 23-10-82 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 18-3-1983

प्ररूप आर्ष . टी . एन . एस . -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 जनवरी 1983 निदेश सं० जी० आई० आर० सं० एस०-255/अर्जन--अत: मुझे, ए० प्रसाद

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आरजी है तथा जो इस्लाम बाडी, रहीम नगर, परगना व तहसील व जिला लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उसत अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जाँद्व/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के तिए।

अतः अब, जबत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-प की उपधारा(1) के अभीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् १-- (1) श्रीमती यधु रस्तोगी ।

(अन्तरक)

(2) मैससं शादाब सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, लखनऊ द्वारा एजाज अहमद प्रेजीक्टेंट।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आराजी स्थित इस्लाम बाडी, रहीम नगर परगना , तहसील व जिला लखनऊ जिसका संपूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 3782/82 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 11-1-1983 मोहर: प्रकप नाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 1 ज्न 1983

निदेश सं० एम० 867/82/334—अतः मुझे, बिबेक बनर्जी,

श्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 150-डी॰ है, तथा जो साकेत, मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूपमें वर्णित है,) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 अक्तूबर, 1982

को पृत्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवृक्त रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आज की बाबस, उदस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की घरा 269-ए की प्रधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अधीतः—— (1) श्री विजय कांत श्रीवास्तव पुत श्री श्रीकांत श्रीवास्तव, निवासी छत्ता बारु मल, सहारत पुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र सिंह पुत श्री जयसिंह, निवासी मुभाष नगर, मेरठ व श्री चिन्ता मणि पुत बुध सेन जैन , निवासी प्रेमपुरी, रेलवे रोड, मेरट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

भन्स्यो

एक मकान नम्बर 150-डी०, स्थित साकेत, मेर्ठ ।

विवेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज, कानपुर

नारीख: 1-6-1983

मोहर 😗

प्रकरम आवाही ही एन एस. -

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 1 जून 1983

निदेश सं० एम०-549/82/333—अतः मुझे, बिबेक बनर्जी,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 208 है तथा जो पृलिस स्ट्रीट, सदर सेरठ कैंट में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन, तारीख 28 जुन 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल सं, एगे दश्यमान प्रतिफल का प्रवृह्म प्रतिशत अधिक है और अन्तर्भ के लिए तथ नाया जाना प्रति-फल जिन्दार्श के बाग एस अन्तर्भ के लिए तथ नाया जाना प्रति-फल जिन्दार्श के उद्देश्य में उकत अन्तर्भ लिख्ति में बाम्तियक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आपकी आबत, उक्त अधिनियम कंत्रधीन कर दोने कं अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे अभने में मृविभा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्धिम के लिए;

(1) श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री बी० एम० रस्तोगी, निवासी 72, साकेत रोड, मेरठ शहर।

(अन्तरक)

(2) श्री श्याम बिहारी पुत श्री बनवारी लाल, निवासी 1170, छत्ता मदन गोपाल, मालीवाड़ा, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पृथाँकत सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां कारता हुं।

जनत सम्परित के गर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पंडिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्धी

एक अदद बंगला नम्बर 208 वाके पुलिस स्ट्रीट, सदर मेरठ कैंट जो कि वेस्ट एण्ड रोड, मेरठ कैंट में भी वाके हैं।

> विवेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

तारीखा : 1-6-1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांचर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 8 जुन 1983

निदेश सं० एम०-600/82-83—अतः मुझे, विवेक बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य 25.000/- रह. से अधिक है

और जिस की मं० 133/पी०/224 है, तथा जो ट्रांसपोर्ट नगर में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के साबीन, तारीख 1 अक्तूबर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेचित सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे दचने में सृष्टिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मो, मी उक्त अधिनियमं की धारा 269-तं की उपधारा (1) के अधीर, जिल्लिकित त्यितिस्पाँ, अर्थातः —— 4—136GI/83 (1) न्यू काश्मीर और ओरिएण्टल ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड, नवीन मार्किट, कानपुर द्वारा : श्री हरबंस लाल कपुर (चेयरमैन),

(अन्तरक)

(2) श्री सतीण कृमार पुत्र श्री गुरबख्ण लाल, निवासी 72 एन, किदवई नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

अचल संपत्ति नम्बर 133/पी/224 का पश्चिमी भाग जो ट्रांसपोर्ट नगर, कानपुर में स्थित है।

> बिबेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानप्

तारी**ख: 8**-6-1983

प्ररूप आर्घ. टी. एन्. एस्.----गायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 8 जूनउ 1983

निर्देश सं० के०-49/82-83/अतः मुझे, बिबेक बनर्जी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 133/पी/224 है, तथा जो ट्रांसपार्ट नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता आंधकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 1 अक्तुबर, 1982

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्चत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) न्यू काश्मीर और ओरिएण्टल ट्रासपोर्ट कम्पनी प्राव्वेट निमिटेड, नवीन मार्किट, कानपुर द्वारा श्री हरबंस लाल कपूर (चेयरमैन)।

(अतरक)

(2) मैसर्स देहली कानपुर गोल्डेन ट्रांसपोर्ट कम्पनी द्वारा पार्टनरः श्री खेम जन्द्र भाटिया, पुत्र श्री टेक चन्द भाटिया, 133/233, ट्रांमपोट नगर,, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवॉक्त सम्पन्ति के सर्जन के लिए कार्यगाहियां शुरू करता हूं।

·उन्त सम्पति के बर्जन के नम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस नूचना के राजरत में प्रकागन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोइस्ताक्षरी के पास ' सिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पटिक्षिरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों मोर पदों का, जो स्वरूक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकासित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

अचल संपत्ति नम्बर 133/पी/224 का पूर्वी भाग जो ट्रांसपोर्ट नगर, कानपुर में स्थित हैं।

> बिबेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 8-6-1983

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 23 मई 1983

निर्देण मं० मो० ए०-5/37जी०/83-84--अतः मुझे, साक्षिकांत कूलकर्णी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक ही

और जिसकी मं० रि० मं० न० 45/10, कुपवाड, ता० मिरज, जिला सांगली है, तथा जो कुपवाड, ता० मिरज में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिरज- में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती हबीबी मर्द धोड़ी झारी, मंगलवार पेठ, मिरज।

(अन्तरक)

(2) श्री सुधीर दन्तमाय जोशी, चीफ प्रोमोटर, नियोजित उत्कर्ष को आपरेटिब हाऊसिंग सोसाइटी , मिरज, जिला सांगली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सक्यन्त्री व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के शाजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीहर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकिश्ण :---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

जमीत जो रि० स० नं० 45/1बए, कुँपवाड, ता० मिरज, जिला सांगली में स्थित है और जिसका क्षेत्रफल 98 आर० है ।

(जैसे कि रॉजेस्ट्रीकृत विलेख नं० 1655अक्तूबर, 1982 रजिस्ट्री अधिकारी, मिरजना के कार्यालय में लिखा है।

> .शशिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 23-5-1983

प्ररूप नाई. टी. एन. एस 🖯 ------

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269का (1) के श्रधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्द्रीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० सी० ए०-5/379/83-84—अतः मुझे, शशिकांत कूलकर्णी,

आयकर प्राविनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु० से प्रधिक है और जिसकी

संख्या गांव भखारू का निफाड़ जिला नासिक गटनंबर 49 क्षेत्र एच० आर० आकार 1.99, 8.94 गांव जिला नासिक पाटबागायन एग्रीकल्चर से 5, तथा जो जिला नासिक में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वणित है रिचस्ट्री कत्ती अधिकारी के कार्योलय सबर्राजस्ट्रार निफाड के में राजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं० 1792 ता० 25 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, तिम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण खिखिल में वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उत्तत श्रिष्ठितियम के श्रधान कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी खन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिसी: ारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चोहिए था, ळिपाने में सुविधा के लिए;

बरुः सब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उप-भारा (1) को अभीत्, निम्नुलिखित व्यक्तिस्यों, ब्रांस् अल्ल (1) श्री चन्द्रकांत लक्ष्मण जाधव कु० अलका लक्ष्मण जाधव पालनकर्ता सत्यभामा बाई लक्ष्मण जाधव, रा० जेउर कुमारी, सा० कोपर गांव, जिला अहमद नगर।

(अन्तरक)

अज्ञात

(2) श्रीमती तारा बाई किणन राव जाधवका० मंजूर, ता० कोपर गांव, जिला अहमद नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भो आक्षेप :---

- (क) इन सूचना के राजपन स प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की धवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भो भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसर प्रभुक्त गब्दों और पदों का, ता उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क पेंपरिभाषित है, यहीं प्रविद्योगा, या उस प्रध्याय वे दिया गया है।

अगुलुकी

जमीन र्गानं भृषाबर किंगुगट नंबर 49 क्षेत्र 1 च० 99 आर० आकार 8-94 ६० पाटबागायन, तालुका नफाड जिला नासिक।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 1792 ता॰ 25/10/82 सव-रजिस्ट्रार, निफाड के कार्यालय में लिखा है और जैसे कि 37-जी फार्म में लिखा है और जो फार्म सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

शोणकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकरी सहायक आय**कर** आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 16-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 मई 1983

निदेश सं० मी० ए०-5/899/37-4/83-84--अन: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हा कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्या 25 , 000 / - रऽः से अधिक **ह**ै

और जिसकी मं० जमीन ऑर मकान जो रू० नं० 20, हिस्सा नं० 5, माँगे डोंचियती, तालुका कल्याण में स्थित है, (ऑर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्था से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय कल्याण में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, · तारीखा 25 अक्तूबर, 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की गायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1992 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण और, मीं, उक्त अधिनियम की धारा <u>≥</u>69-य की **उपभारा** र्1 के अभीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थाट्

(1) श्री प्रकाश रामचन्द्र कर्णिक, द्वारा भगांक बिल्डर्स, आई बंगला, रामगढ़, डोबिनवली (वेस्ट), तालका कल्याण।

(अन्तरक)

(2) श्री भाल चन्द्र रूखा राम पार्टनरः हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, शास्त्री नगर, डोबिनवली (वेस्ट)।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अवधिया तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकत ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबदध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सूची

प्रापर्टी जो सर्वे नं० 20, हिस्सा नं० 5 मौजे डोबिनवली, ता० कल्याण में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रोक्टल विलेख क्रमांक 1975 ता० 25-10-1982 सब-रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कल्पाण के दक्तर में लिखा है।)

> र्णाशकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 10-5-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 मई 1983

निदेण सं० सी० ए०-5/37जी/898/83-84—अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० डी-27, नासिक इण्डस्ट्रीयल एरिया, सातपुर, जिला नासिक है तथा जो सातपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 अक्तुबर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकार अधिनियम या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्ः—

- (1) नेमनल प्लेब्हर इंडस्ट्रीज, प्लाट नं० डो-27, एम० ओय० डी० सी० सानपुर, जिला नासिकः (अन्तरक)
- (2) श्री पुरूषोत्तमः सत्यनारायण वर्मा प्रोप्रायटर मल्टीपल प्रॉडक्टस चेवला जिला नासिक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए "कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० डी॰ 27 सातपूर जिलानासिक जो नासिक इंडस्ट्रीयल एरिया में है। जिसका क्षेत्रफल 1000 स्क्वेयर मीटर है।

(जिसकी रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 2098 तारिख 4-10-1982 में बंबई रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय में लिखा है।)

> ग्रांशकांत कुलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 24-5-1983

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्वास

मद्रास, दिनांक 16 मई 1983

िनिदेश सं० 17684---पतः मुझे,

आसर० पी० पिल्लै,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 13, I स्ट्रीट मिलनगर, न्यू कालोनी है, तथा जो मद्रास-24 में

स्थित है (और इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वॉणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास माउथ डाकू मेंट सं० 3487/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3 अक्सूबर 1982

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कः अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उक्से अपने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के० आर० वेंकटेसन।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० कोयंडापानी ।

(अन्तरिती)

ो यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जर्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—-13, I स्ट्रीट, गिलनगर, न्यू कालोनी, मद्रास-24 । (ाक्नेंट सं <math> 3487/82) ।

आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, मद्रास

तारी**वा** : 16-5-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रो आर० वेंकटकुष्णत ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री टी० श्राप्त त्यागाराजन श्री टी० गोपाल कृष्णन, श्री टी० बालसुन्नमनियम ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।।, मद्राम

मद्रास, दिनांक 16 मई 1983

. निदेश सं० 17754—पतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै, आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सी-432, IX एवन्यू, अशोक नगर है, तथा जो मद्रास-83 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यानय, कोडमवाक्कम (डाकूमेंट सं० 4359/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्सूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में. बास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी कितसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सी-432, 1X एवन्यू, मद्रास-83 । (डाकूमेंट सं० 4359/82) ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II मद्रास

नारीख : 16-5-1983

प्ररूप आर्ड टी. एन , एस ,=-----

(1) श्री जेरु पी० सननानम ।

(अन्तरक)

(2) श्री कें सी जड़ी जार्ज। बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरिती)

धारा 269-व (1) के अधीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⁴।।, मद्रास गद्रास, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० 17721--यत:, मुझे, आर० पी० पिरुसे बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियमे' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रापए में अधि**क हैं**

और जिसकी सं० आर० एस० 146 है, तथा जो नुंगमबाक्कम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थाडजेंडलाइट्स (डाक्मेंट सं० 674/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्थ, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) बार अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रका-फल निम्नलिबित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है:---

- '(क) अन्तरण से हुइ किसी आयुकी बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोनें के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिबे; मौर∕या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 क्या 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया नया थायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में सुविधा ने लिए;

बत: अब, उक्त बधिनियम, को धारा १६०-ए के बन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निस्नलितित व्यक्तियाँ, अर्थातु:---5-136GI/83

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्चनाके राजपत्र में पकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के नास क्रियित में किए का सर्केंगे।

ल्ब्स्टीकरण:--इसमें प्रयक्त सन्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, बही मध होगा जो उस मध्याय में नवा है।

अनुसूची

भूमि--आर० एस० 146, नुगमबालकम । (**डाक्**मेंट सं० 674/82)।

> आर० पी० पिल्लै मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।, मद्रास

ता**रीच**: 16-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 मई 1983

निवेश सं० 17677--यत: मुझे, आर० पी० पिल्लै भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन दावार भ्रत्य 25,000/-रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 292/3 है, तथा जी अमबट्टर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमबट्ट्र (डाक् भेंट सं० 4890/82) में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्नलिखित उद्दोश्यों से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आस्त, अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमती राजम्माल और अवर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० सी० गुप्ता, और अदर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जनुके लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त **म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्**वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की दारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे 🖽

<u> इपव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रय</u>क्त शब्दों और पदों का, पो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि---सर्वे नं०, 292/3, असबट्टूर । (डाक्मेंट सं० 4890/82) ।

> आर० पी० पिल्लं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ् अर्जन रेंज-॥, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण ्मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थाल ६--

तारीख : 16-5-1983

मोहर 🕄

प्रकथ बार्षः दी. एत. इस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, मद्रास

मब्रास, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० 17689— यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' क्स गना हैं), की भाष 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नात करने का कारण है कि स्थानर स्म्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रतः से अधिक हैं , अपेर जिसकी सं० 7 हैं, तथा जो नुंगमबाक्कम, हाई रोड, मद्रास-34 में स्थित हैं (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी॰ नगर (डाक्मेंट सं० 1900/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के अवसान मौतफल को लिए बंसरित की गई है और मुफ्ते वह विक्लाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बद्धित का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, इस दक्ष्मान प्रतिकल का क्लाइ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरक के जिए तब पाना गना प्रति-कल निम्निलिखित उद्वरेष से उक्त अंतरण लिखित में बाल्स-निक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कुर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करणे वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन वा बन्य अस्टियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) रोसी टावर।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० पी । सानतम्माल।

(अन्तरिती)

को यह तुषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति, के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

जनक सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आह्रोप !---

- (क) इत स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की वनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जनिथ, थीं भी जनिथ बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी शन्य व्यक्ति वृद्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विकास में किसे वा सकेंगे।

स्वक्रिकरण :----इसमें प्रवृक्त क्यों और पर्तो का, जो उक्त जीधनिवृध के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा गवा है।

अनुसूची

भूमि---7, नुगमबाक्कम, हाई रोड, मद्रास-34 । (डाकूमेंट सं० 1900/82) ।

> आर० पी'० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, मद्रास

तारीख : 16-5-1983

नोहर:

प्ररूप आहाँ . टी . एन . एस . ------

नायकर मृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के न्धीन सूचना

भारत बह्नाड

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० 17706—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 1209, कैथी ड्रल रोड है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थाउजेंडलाइट्स (डाक्सेंट सं० 705/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1982

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उपित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के धारित्य में कनी करने या उक्कते वचने में सुविधा के हिस्सु; बोर्ड/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषमार्थ बन्तद्विती ब्वारा वक्ट नहीं किया नवा था वा किया जाना वाहिए वा, क्याने में सृषिभा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री महेन्द्र कुमार गुप्ता और अवर्स।

(अन्तरक)

(2) दुर्गा ब्राइट बार मैनुफैक्चरिंग कम्पनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हैंगू।

उपह बुक्ति के वर्षन के स्वयन्त में कोई भी नास्तुह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिध बाद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा
- (व) इद्ध भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवद्ध किसी जन्म क्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्वकाकरणः--इतमें प्रवृक्त सन्दों शीर पर्यों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हों., वहारिशर्भ होगा वो उस अध्याय में दिया गया हैं।

सन संची

फ्लैट——आर० एस० 1209, कैथीडूल रोड, मद्रास। (डाक्मेंट सं० 705/82)।

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

ता**रीख** : 16-5-1983

मोहर 👊

प्ररूप आर्दे टी. एन. एस. - - - ---

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।।, मद्रास मद्रास, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० 17555--यत:, मझे, आर० पी० पिल्लै, गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इका इसको पच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का

कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य

25,000/- रु. से अधिक है^{*}

और जिसकी सं० 134, विश्वयर स्ट्रीट है, तथा जो पूलियुर, मद्रास में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दी कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कोडमबाक्कम (डाक्मेंट सं० 4145/82) में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पृत्ति के उचित् बाजार मृल्य से कम के अध्यमान प्रतिफेल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंचार प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाता गया प्रतिफल निभ्निसिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तुरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृविभा के लिए; और/या
- (स्त) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्क्रिपाने में तुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिस्ति व्यक्तियों, अर्थातु:-

(1) श्री एम० देसिकन

(अन्तरक)

(2) श्री वर्गीस मैथ्यू श्रीमती मेरीयम्मा मेथ्यूस।

(अन्तरिती)

को महसूचना जारी करके पूर्वीक्स, सम्बुक्ति, के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्मत्ति के अर्थन के तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में श्रकाचन की तारीत से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कीं तामील से 30 दिन की जबिंध, ओं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स न्वीक्तयों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में क्रिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास ्र लिखित में किए जासकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--134, विश्वयर स्ट्रीट, पुलियुर, - मद्रास ।

(डाक् मेंट सं० 4145/82)।

आर० पी० पिरूसै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीखा : 16-5-1983

प्रकृष आहें , दी. एत. एस.—

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की 269-म (1) के अधीन सुम्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर कार्युक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 मई, 1983

निदेश सं० 17738— ग्रत: मुझे, आर० पी० पिल्ले शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० टी ० एस० 6 है, तथा जो पुलियूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय को उपाबक्केम (डाक्सेंट सं ० 4256/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पेन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से काथत महीं किया गया है :—

- [(क) जन्तरण से हुई फिसी जाब की बाबत, उसत अधि-नियम के अधीव कर दोने के अस्तरक के दामित्य में कभी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; औड़/वा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री रासरा सरघुनम।

(अन्तरक)

(2) श्री राधाकुष्नम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उनत सुम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भा नाक्षेपु:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिवाँ पर सूचना की तामीन से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकींग।

स्पष्टीकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

कसमची

भूमि—-र्टा॰ एस॰ ६, पुलियूर । (डाकूमेंट सं॰ 4256/82) ।

> आर० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अस् , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , वर्धात् :--

तारीख: 16-5-1983

मोहरः

प्ररूप धाई • टी • एन • **एव** •----

ग्रायकर ग्रिबिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-च(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० 17692— ग्रतः मुझे, आर० पी० पिल्ले प्रायकर ग्रीबिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उनते ग्रीबिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन बक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व॰ से ध्रीबिक है

और जिसकी सं० 1, कमलाबाई स्ट्रीट है, तथा जो मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबज्ञ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्सेंट सं० 1856/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफस का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (स) ऐसी किसी पाय या किसी खन या ग्रस्य ग्रास्तियों को, जिस्हें भारतीय ग्रायकर श्रीसनियम, 1922 (1922 का 11) स उक्त ग्रीसनियम, या धन कर ग्रीव्रनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिचित अधिनयों, अर्थात् ध- (1) श्री रगदे राम मोह्न।

(अन्तरक)

(2) श्री के० रघुनाथन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुत्रीका सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्बवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रकेन के सन्दर्ध में कोई भी प्राक्षेप !---

- ं (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्पात्रर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोद्वस्ताक्षरी के पाग लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: -- इसमें प्रमुक्त जन्दों भीर पढ़ों का, जो छक्त ग्रीधिनियम के शब्धाय 20-कं में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया नया है।

भन्स्ची

भूमि और निर्माण---1, कमला बाई स्ट्रीट, मद्रास-17। (डाक्मेंट सं० 1856/82) ।

> आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, मद्रास

तारीच : 16-5-1983

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.-५-५६--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्णालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 16 मई, 1983

निदेश सं० 17697— श्रतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थामर सम्पत्ति, जिसका उपित माजार मृत्य 25,000/- रठ. से अधिक है

और जिसकी सं० 37 है, तथा जो पेरिय पल्ली स्ट्रीट, मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाक् मेंट सं० 1389/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिज के लिए तय वाचा प्रशासक, निम्निजितित उद्योग्य हे उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाव की बाबत उक्त निध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बासित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; नीर/या
- (क) एसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भन या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उपतः विधिनियम की भागः 269-म के अनुसरण में, में, उस्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीतः, निम्नलिखित प्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राजम्माल और अदरसा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लीना अम्माल और प्रदरस।

(अन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कामवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित इं, बहुी अर्थ हांगा, जो उस अध्याम में विया गवा इं।

नगुज्जी

भूमि--37, पेरिय पल्ली स्ट्रीट, मद्रास-28। (डाक् मेंट सं० 1389/82)।

> आर० पी० पिरूलै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-ग्रा, मद्रास ।

तारीच : 16-5-1983

मोहर 🕐

प्ररूप आहर्ष. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, भद्रास

मद्रास, दिनांक 16 मई, 1983

निदेश सं० 17698— श्रतः मुझे, आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 47, I मेयन रोड है, तथा जो बेसनट नगर, मद्रास-90 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अठयार (डाक् मेंट सं० 291/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे धचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना माहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 6—136GI/83

े (1) श्री सी० एस० कुष्णन।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० मी० राकम सानघोम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त' सम्पत्ति' के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि और निर्माण--47, l मेयन रोड, बेसनट नगर, मद्रास-90

(डाक्मेंट सं० 291/82)।

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख : 16-5-1983

प्रकप द्वाई • टी • एन • एस • ---

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बाद्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, मदास इ.स. क्लिस्ट १६ सर्व १००

मद्रास, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० 17674— मत: मुझे, आर० पीं० पिल्ले भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 6, पेरमबूर हेरोड है, तथा जो मद्रास-U में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरसवाखम (डाकूमेंट सं० 438/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्सूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीक एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उकता अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरों वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उन्भारा (1) के अभीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) डाक्टर डी॰ जे॰ सेमन ।

(अन्सरक)

(2) श्री डी॰ पद्मावती ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविश् या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकांगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--6, पेरमबूर है रोड मद्रास-II । (डाकूमेंट सं० 438/82) ।

आर० पीं० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

सारीब : 16-5-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आइ^{*}.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज़ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।।, मक्रास

मद्रास, दिनांक 27 मत्रैल 1983

निदेश सं० 17740— ग्रतः मुझे, आर० पी० पिल्लै वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 29, पोस्टल कालोनी है जो III मेन रोड धेस्ट मामबलम मद्रास-33 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोठम-बाखम (डाक्मेंट सं० 4165/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ुम्न

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त जिमिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित अधिकत्यों, अर्थात् :--- (1) श्री रा० रंगनाथन।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० वेद्यनाथन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पूरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप, यदि हो तो :---

- (क) इस स्वका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--29, पोस्टल आडिट कालोनी, III मेन रोड, मद्रास-33।

(डाक्मेंट सं० 4165/82) ।

आर० पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख: 27-4-1983

मोहार :

्रप्ररूप आई^{*}. टी. एन. एस. ------

(1) श्री ठेयसी वैशदेव।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की (2) श्री जे० अर्चना।

धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1983

निदेश सं० 17675—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,0007- रा. स जीवक है और जिसकी सं 523, पूनमल्ली, रोड है, तथा जो मद्रास 84 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरसवाखम (डाक्मेंट सं० 434/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1982 को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में भूविशा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसर्थ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी कारके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि और निर्माण--523, पूनमल्ली रोड, मद्रास-84। (डाक्मेंट सं० 434/82)।

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मब्रास

तारीख: 27-4-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. = - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, मन्नास मद्रास,दिनांक 27 अप्रैल 1983

निदेश सं० 17680— अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 11/2 ए 5 है, तथा जो पालवाखम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सैदापेट (डाक्सेंट सं० 3778/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तैरीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यसान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुदर्शन घुजराल।

(अन्तरक)

(2) श्री अन्नपूरनी अबिरामन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 11/2 ए 5, पालवाखम । (डाकूमेंट सं० 3778/82) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 27-4-1983

मोहर 🗄

प्ररूप आर्द. टी. **एन. एस**्-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, II मद्रास

मब्रास, विनांक 27 अप्रैल 1983

निवोश सं. 17690 -- यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. 21 पारतसारतिपुरम स्ट्रीट हैं, जो मद्रास 17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारीँ के कार्यालय टी नगर (डाक् मेंट सं. 1882/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन तारीस अक्तूबर, 1982 को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उत्देशयों से उक्त अन्तरण निसित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:—- (1) श्री रास० कुमार

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमा देवी

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतसची

भूमि और निर्माण—21, पारतसारतीपुरम स्ट्रीट, मद्रास-17 (डाक्मेंट 1882/82)।

आर० पी० पिल्ले सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रेंज-II, मद्रास

तारी**ख:** 27-4-83

प्रकम् आर्चा, दी. पुन्, पुन्, ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 श्रप्रैल 1983

निदेश सं० 17704-आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जिल्ले को धिनियम, कहा पया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विस्वास करने का काडण है कि स्वापर सम्पत्ति, विष्कृत अधिक विकास प्राप्ति करें स्व

श्रीर जिसकी सं टी० रासं 6 रनजित रोड़ है, जो जो अठयार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अदयार डाक्सेंट 311/82 में रजिस्ट्रीकरण अधि नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अक्टूबर 1982 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :--- (1) श्री रविदास सामुवेल

(अन्तरक)

(2) डाक्टर विजय कुमार, डाक्टर (श्रीमिति) लक्ष मी विजयकुमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उनत् सम्परित् के नर्जन के सम्बन्ध् में कोई भी बाखेप्:---

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की वनीं या तत्स्व वनीं व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वनीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्ता हु।
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर अकत स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी कत्य स्थावत कृषारा वधाहस्ताक्षरी के पास सिम्बित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

भूमि टी॰ रास सै॰ ६, रनजित रोड़, अडयार (डाक्मेंट 311/82) ।

> आर० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 27-4-83

मोहर 🗀

भारत **सरका**र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 27 अप्रैल 1983 निर्देश सं० 176964—यतः मुझे ग्रार० पी० पिक्ले ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'जकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका एक्ति बाजार मृत्य 25,000/- व० से अधिक है

जिसकी सं० कमला बाई स्ट्रीट, है जो मद्रास, 17 में स्थित है (और इसमे उपाबत अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाक्मेंट 1847/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन 16 अकटूबर 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कैं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृजिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी वन या अन्य आस्तियों को; जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

मृतः, अ्व, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रगडे राममोहन

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एस० मृनदरम और अदर्स (अन्तरिती)

(3) श्रीमती कृष्णा बाई (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

- (4) को-ओनरम टिनंटस-इन कामन आफ दी प्रापरटी

 1. आर० कृष्णा बाइ. 1, कमला बाइ स्ट्रीट,
 मद्रास-17।
 - 2. नलिनी वी० रगडे, 6/279, म्रान्ती कुन्ज, सियोन ईस्ट, बाम्बे।
 - 3. श्री मती मुक्ता पी॰ पंडिट, 4, गुरुमती, मुलुन्व ईस्ट, बम्बई।
 - 4 जयन्त वी० रगडे, 214, रिगस डाईव क्लेमसन, साउथ करोलिना, यूनाइटेड स्टेट्स आफ अमेरिका।
 - 5. <mark>इनदुकान्त एंस रगडे, 0</mark>7, आटिक कालोनी पोस्ट अतुल वाया बुलसार, गुजरात 20।
 - 6 रगडे राममोहन, ए 14 नंदावन विहाइन्ड अस्कार, अमबार, येटरस, स्वामी विवेकानन्द रोड, अन्धेरी वेस्ट, बम्बई-58
 - रामचन्द्रा एस० रगडे, सी० पी० ओ० बाक्स
 143, सियोल, कोरिया।
 - लक्षमन एस० रगडे, 37 हि:हाइकरी डेट्स,
 क्रीसेन्ट, किचनर, ओन्टारियो, कनाडा।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति काँ वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी बन्य व्यक्ति युवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकते ।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण --1, कमला बाई स्ट्रीट, मद्रास-17 (डाकुमेंट सं० 1847/82।

> आर० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन-रेंज 2, मद्रास

तारीखः 27-4-83

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल, 1983 निदेश सं० 17694--अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1, कमला बाई स्ट्रीट, है तथा जो मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक् मेंट सं० 1846/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल को पंद्र ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृषिधा के लिए; और/या

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उप्तत अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री रगड़े राममोहन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गांता बाई मोलहल्ली।

(अन्नरिती)

(3) श्रीमती कमला बाई

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) को-ओनर्स/टोनंट्स - ईन - कामन आफ दि प्रापटी 1. श्रीमती आर. कृष्ना बाई, 7—136 GI/83

- 1, कमला बाई स्ट्रीट, मन्नास-17 ।
- श्रीमती निलनी वी. रगड़े,
 6/279 शान्ति कृत्अ, सियोन इस्टि,
 बाम्बे।
- श्रीमती मुकता पी. पंडित,
 4, गुरुभकती, मुल्न्ड ईस्ट, बाम्बे।
- जयन्त वी. रागडी,
 214., ब्लिस डइवं, कलेमन्सं,
 सौत करोलिना,
 युनैटेड स्टेट्स आफ अमेरिका।
- इनङ्कान्त एस रागङ,
 07, अटिक कालोनी,
 पोस्ट अटुल वैया वृलसर,
 गुजरात-20 ।
- 6 रागर्ड राम मोहन, ए-14, नंदावन, बिहांड आस्कार अमधार थियबेटर्स, स्वामी विवेकानन्दा रोड, अंधेरी वेस्ट, बाम्बे-58 ।
- रामचंद्रा एस रागडी,
 सी पी ओ बाक्स 143,
 सियाल, कारिया ।
- तक्षमन एस रागडी,
 37, हिकरी हाइट्स, फसन्ट,
 किटचनर, ओनटोरिया, करडा।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^र, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भ्मि और निर्माण-1, कमला वाई स्ट्रीट, मद्रास-17। (डाक्मेंट सं० 1846/82)।

> आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-प्रि, मद्रास ।

विनांक 27-4-83 मोहर:

प्ररूप बाइ^{*}. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्पना

(1) श्री रंगस्वामी और पोन्नम्मान ।

(अंतरक)

(2) रास० विजयकुमार।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, मद्रास मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1983

निदेश मं० 12343--अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 577/2, 585, 584, 598/रा 2, 586 है तथा जो चिन्नतठागम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय, कोयम्बट्टर (डाक्स्मेंट 3659, 3660/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूवर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के क्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकत त. निम्नतिक्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरी वचने में सुविधा के दिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबु से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

भूमि—सर्वे सं० 577/2, 585, 584, 598/रा 2, 586, चिन्नतठागम । (डाक्मेंट सं० 3659, 3660/82) ।

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलियित व्यक्तियों, अर्थाह् :—

तारीख : 27-4-1983

प्ररूप आर्ह्-.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण) अर्जन रेंज-॥, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1983

निदेश सं० 12339—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 1684/1, 1684/2, 1685, 3060/5 है, तथा जो पुलियकु लम, कोयम्बट्टर में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप्ने से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाक्मेंट सं० 1242/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विष्णास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अग्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आर्/या
- (ख) एसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों व्यक्ति :--- (1) श्री महिता घोषालरतनम और अदरस।

(अन्तरक)

(2) शनमुह सुन्वरम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लगरीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अतसची

भूमि—टी॰ एस॰ 1684/1, 1684/3, 1685, 3060/5, पुलियकुलम, कोयम्बटूर । (डाकूमेंट सं॰ 1242/82)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, मद्रास

तारीख: 27-4-1983

मोहरः

प्ररूप आहें.. टी. एन. एस. ----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ।।,मद्रास

मद्रास, विनांक 27 अप्रैल 1983

निदेश सं० 12342—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 178 है, जो कृष्णरायतुरम कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाक्मेंट सं० 1251/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संस्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इन से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः— (1) श्री सी० औदराज।

(अन्तरक)

(2) श्री जगन्नातन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपट्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि— सर्वे सं० 178, कृष्णरायपुरम, कोयम्बदूर। (डाकूमेंट सं० 1251/82)

> आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 27-4-1983

प्रस्य बाइं.टी.एत्.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत् बुरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्ज रेंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1983

निदेश सं० 12344—अतः मुझे, आरं० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रं. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 7/334 है, तथा जो कृष्णरायपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाक्सेंट सं० 4421/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पृषां क्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियां) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वापित्व में कमी करने या उससे क्यने में सूविधा के लिए; बार/शा
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आरुतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :— (1) श्रीमती राजी घेनगा नायडू और अवरस।

(अन्तरक)

(2) साउथ इण्डिया विसकोस कम्पनी ।

(अन्तरिती)

को यह 'स्वना जारी कारके पृश्वींक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण --7/334, कृष्णरायपुरम, कोथम्ब-टूर । (डाक्मेंट सं० 4421/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, मद्रास

तारीख : 27-4-1983

प्रस्थ आहें, टी, एन्, एस - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-,II मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1983

निवेश सं 12354— ग्रतः मुझे, आर पी पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 15/16, और एफ है तथा जो संगमूर, कोयम्बट्टर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाधीपुरम, (डाक्मेंट सं 3682/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अन्तरक के वायित्व में नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपिस्तरों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए:

श्रतः श्रव, श्रवत विधिनयम की धारा 269-ग की वनुसरण भी, भी, उसत श्रीधनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) श्री पोन्नम्माल सी० एन० बल्लैया।

(अन्त'रक)

(2) श्री के० धनपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूची कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति खवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरो।

स्पष्टीकारणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--15/16, एफ० और जे० संगनूर, कोयम्बदूर। (डाकूमेंट स० 3682/82)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 27-4-1983

मोहरु 🗄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

. श्रायकर **मधिनियम, 1**961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रवीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-∏, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1983

निदेश सं० 17696— अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं आर एस 4304/3 है, तथा जो साउथ बीच रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक्सेंट सं 1395/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तार ख अक्तूबर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिनत बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिपन्न के खिए अन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके वृश्यमान प्रतिपन्न से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपन्न का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है भीर प्रस्तरक (अन्तरकों) भीर अस्तरि । (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया प्रतिपन्न, निम्नविधित उद्देश्य ने खक्त अन्तरण विधित में बास्त्रधिक रूप से क्या बाही किया स्वार है:——

- (कां) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सूबिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री सत्तियानादन और केब्रल:

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गायत्री सेषाद्री ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बंति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी जा में 45 दिन की श्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिश, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उका स्थावर समाति में हितबद्ध किसी प्रत्य कार्तिक सारा, उनाउका असी के साम लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसर्वे प्रयुक्त जब्दों और पर्दो हा, जो उक्त अधि-नेपम के सब्दाय 20-क में परिभाषित है, नहीं सर्वे होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

मम्स्यो

1/10 शेयर, आर० एस० 4304/3, साउथ बीच रोड, मद्रास-4। (डाक्मेंट सं० 1395/82)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 27-4-1983

प्ररूप. **बाइ**. टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यः लय, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1983

निदेश सं० 17723—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 4311/86 है, तथा जो बेस्ट सरकुलर रोड, मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक् मेंट सं० 1378/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरममान प्रतिफल से, ऐसे दूरममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिवधा के लिए;

नतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिक्ति व्यक्तियों, अभित्:— (1) श्री वी० जी० अम्मन।

(अन्तरक)

(2) श्री सूसैराज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निस्ती अन्य क्यक्ति स्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—आर० एस० 4311/86 वेस्ट सरकुलर रोड, मद्रास-28,। (डाक्मेंट सं० 1378/82)।

आर० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 27-4-1983

मोहरः

क्षण गाः . सी. हर. प्रा. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

ימן שועדה ן גידיג

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 16 अप्रैल 1983

लिदेश सं० अर्जन इलाका-1/37 ई० ई०/17/82-83---म्रतः मुझे, आर० के० बकाया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उन्ह अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारों को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 601, श्री माणेकेश्वर प्रसाद की-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, माझगांव, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी, सहायक आयम्पर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन इलाका-1, बम्बई के कार्यालय में दिनांक 21-10-1982 को रजिस्टी है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नाधिनियम के अधीन कर दोने के गम्बरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हा भागांच आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया धन अधिना को किया को स्वार के लिए। के लिए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों **बर्धात्—**ः 8—236GI/83 (1) श्री मोहम्मद इक्तबाल ईशाका।

(अन्तरक)

(2) श्री नुष्द्दीन गुलाम अली टंकीवाला।

(अन्तरिती)

को गह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की त्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

म्बब्दोकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० 601, छठी मंजिल, श्री माणकेण्वर प्रसाद की-आपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, बिल्डिंग नं० 21, डोसा बाई वाडी, माथार पाखाडी सेड, माभगांय, बम्बई-400010 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि श्रर्जन इलाका-1/10/82-83 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित इस कार्यालय में सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन इलाका-1, बम्बई द्वारा दिनांक 21-10-1982 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीखा: 16-4-1983

मोहर 🕹

प्रकप भाई • टी • एन • एस •---

भायकर **घषिनियम, 1961 (1961 का 43)** की धारा 269-व (1) के घष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 25 मई 1983

निदेण सं० एक्बी०-8/आर०-॥/कलकसा/83-84---अतः मुझे, सी० रोखामा

आयकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 को 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रिष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृह्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० 22, सिधिनाथ चटर्जी रोड थाना है तथा जो बेहाला कलकत्ता-34 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० अलं पुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख 22 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृष्टम-मान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम इरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उनके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्टमान प्रतिकल का प्रश्नह प्रतिशत प्राप्तिक है और अन्तर्भ (प्रन्तरकों) और प्रश्नारिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्भ के लिए तम पामा बया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रश्नर्भ जिखित में बाह्यविक हम ने कथिन नहीं किया गर्म है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी थन वा अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम № 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

अलः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्रीमती मंजू चटर्जी।

(अन्सरकः)

(2) श्री अनिल कुमार मृहुरी।

(अन्तरिती)

को य सूत्रतः गरो ठाके पूर्वासः सम्मत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि ब्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्षेम्न : 2 कट्ठा 9 छिटाक 18 वर्ग फीट जमीन तथा जो 22, सिधिनाथ चटर्जी रोड, थाना बेहाला, कलकता-34।

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयगर आयुक्त (निर्रःक्षण) अर्जन रेंज-।।, कलकक्ताः

तारी**ख** : 25-5-1983

मोहर 🖫

प्रकल आहूं. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-^{II}, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 मई 1983

निदेश सं० एक्वी०-9/आर्०- $II/\pi/83-84$ — यतः मृह्ये सी० रोखामा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 -रज्पये से अधिक है

और जिसकी सं० 25, देवी निवास रोड है, जो थाना ंदमदम कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख 22 अक्सूबर, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूजिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलेखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री बीस्न्द्र नाथ चट्टोपाध्याय।

(अन्तरक)

(2) श्री हरदेव काउर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्धतः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः ही, वही अर्थ होगा जो उत्तस अध्याय में दिया गया ही।

वन्स्ची

क्षेस्र : 5 कट्ठा 5 छिटाक 23 वर्ग फुट जमीन के ऊपर मकान तथा जो 25 देवी निवास रोड, दमदम, कलकत्ता-28।

> मी० रो**खा**मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, कलक**रा**।

तारीख: 25-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 मई 1983

निदेश सं० ए० सी'० 10/एक्वी०/आर०-II/कल०/83-84—यतः मुक्ते, सी० रोखामा

जायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तथा जो मौजा सीरिनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलीपुर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गृंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन न्हर अधिनियम, या धन न्हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा की लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अभितृः— (1) श्री नरेन्द्र कुमार मिश्र ।

(अन्तरकः)

(2) श्री प्रवीरकुमार मजुमदार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन : 1 बीधा 3 लट्ठा ल 11 काचा 14 वर्ग फीट जमीन का साथ मकान पता : मौजा सीरिन, थाना बेहाला, जिला 24 परगना स्टिल संख्या 5877 श्राफ 1982

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-^II, कलकता

तारीख 27-5~1983 मोह्यर :

प्ररूप धाई० दी• एस• एस०~--

भायक्रर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 मई 1983

निदेश सं० ए० मी० 24/रेंज-IV/कल०/83-84--यतः मुझे, सी० रोखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हु० से प्रधिक हैं

और जित्तकी सं० 71 है, तथा जो जयदेव कुंडू लेन, हावड़ा में स्थित है (और इसमे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 अक्तूबर, 1982

का पृथितित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य; उसके द्रश्यनार पितफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिकल का प्रमूद परिष्य से पिद्या के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रत्यरण से दूर्व किसी आप की बाबत उक्त प्रधिनियम के करित कर हैने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने अध्यक्षि बचनें में स्विधा के अपर, और अपर.
 - (ख) ऐसा किसी आय पा किसी धन या अन्य आहितयों को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया सम्भ था या किया जाना चाहिए का छपाने में सुशिक्षा के लिए।

अतः सच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अधीत्:—— (1) श्रीमती रेनू बाला आदक ।

(अन्तरक)

(2) श्री रनजीत कुमारदास।

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (वं) इस सूचना हि राजपत्र में प्रशासन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 36 दिन की प्रथान, जो भी प्रवाध का। वं समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचनः के राजपः विशेषकाणन की वारील से 45 दिन के भीतर जन्न स्थापर सम्पत्ति में दिसकड़ किमी अभ्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन-7 कट्टा 3 स्क्वे फीट जमीन का साथ मकान पता : 71, जयदेव कुंडू लेन, कदमनला, थाना बांटरा, जिला हावड़ा, दलित सं० 1982 का 6352 ।

> सी॰ रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 28-5-1983

मोह्यर ः

प्रकृष आई • टी • एन • एस • --- -

जायफर जाँभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ंघ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंजू, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 28 मई 1983

निदेश सं० ए० सी०-23/रेंजIV/कल०/83-84-- यतः मुझे, सी० रोखामा

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-■ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 100 है, तथा जो रिवन्द्रनाथ सरनी, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित जाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक के निम्नीसचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्नीसचित में वास्तिक के से कीयत नहीं किया गया है '---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अखनें में सुविधा के लिए; और/बा
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कतः स्वा, उक्त विभिनियमं की भारा 269-ए को, वनुसरण मों, मों, उक्त ऑभिनियमं की भारा 269-घ की उपभारा (1) के ब्रभीन, निस्निविधित स्पितसों, अपितः :--- (1) श्री जयन्त कुमार सुर।

(अन्तरक)

(2) लिलुआ को-आपरेटिब हाऊसिंग सोसा**इटी** लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ---

- (क) इस सूमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूमना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त, ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --- हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

जमीन 11 बीघा 5 कट्ठा ।

पता : 100, रवीन्द्र सरनी, भाटटा नगर, थाना लिलुया जिला हावड़ा ।

दलिल मं० 1982 का 5893।

सी० रो**खा**मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकरा

तारीख: 28-5-1983

प्ररूप काहाँ. टी. एन. एस. ------

जाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता कसकत्ता, दिनांक 28 मई 1983

निवेश सं० ए० मी०-22/रेंज-IV /कल०/83-84---यतः मुझे, सी० रोखाभा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 12/1 है, तथा जो दशरथ घोष लेन, थाना बांटरा, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनिमय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 अक्तूबर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दरयप्रान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह निश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयंक्षान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल के प्रतिकार से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अल्डरण के निए तय पावा गमा प्रतिक फल मिल्नीसिंग उन्हें देश से उस्त अंतरण निश्चित में वास्तिक कम से अधिक नहीं किया गमा है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आब की बाबत उक्त निध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए जौर/अन
- (थ) होती किसी आय या किसी धन या कच्य आस्टियों को, विक्तें भारतीय नामकर निधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री तारक नाथ घोष।

(अन्तरक)

(2) श्री असित कुमार घोष।

(अन्तरिसी)

को ग्रह सृचना जार करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

जमीन 3 कटठा 43 स्क्वे॰ फीट जमीन का साथ मकान। पता : 12/1, दशरथ घोष लेन, बांटरा, जिला हावड़ा। दिलल सं॰ 1982 का 2380।

> सी० रोखामा सक्षम प्राधि कारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV, कतकता

तारीख 28-5-1983 मो**हर**ः प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1V, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 मई 1983

निदेश सं० ए० सं१०-21/रेंज-IV/क २०/83-84---यतः मुझे, सी० रोखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्थाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 0 126/पी ० है, तथा जो आन्दुल रोड, शिवपुर, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जार्यालय, हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 अक्तूबर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरं रह की गई है बीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्ष सम्बद्धि का छिबत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्रां विनय कुमार घोष।

(अन्तरक)

(2) श्री हरिवयार प्रसाद सिंह, लालन प्रसाद सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक् से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन 4 कट्ठा 15 छट. सं 37 स्क्वे० फीट जमीन के साथ मकान।

पता : 162/पी, आन्दुल रोड, शिवपुर, जिला हावड़ा । दलीज सं० 1982 का 2470 ।

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 28-5-1983

प्रभाप आहाँ, ही. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अ अर्थ (260 % (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज- ,कलकत्ता

कलकसा, दिनांक 28 मई 1983

निदेश सं० ए० सी०/रेंज/कल०/82-83---अतः मुझे, खोरामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अपीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 118 है, तथा जो आन्दुल रोड, जिला ह्वड़ा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 अक्तुवर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से ग्रीधक के भीर अन्तरण (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐस प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश में तकत अन्तरण लिखित में वास्तिबक क्या से कियत नहीं किया गया है।—

- (क) अस्तरण खंहुई रैकसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किमी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में महिला के लिए।

(1) ह्वड़ा माउथ इन्जीनियरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) मडेल इंजीनियरिंग वर्क्स ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके प्योंक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ नर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 3 कट्ठा 15 कांचा 20 स्क॰ फीट । पता : 118, आन्दुल रोड, जिलाहवड़ा । दलील सं० 1982 का 5792 ।

> सी० खोरामा मक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अधीत् :—— 9—136GI/83

तारीख : 28-5-1983

प्ररूप आर्ड.टी.एन्.एक.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4,कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 मई 1983

निदेश सं० ए० सी०-19/कल०/83-84---अनः मुझे. सी० रोखामा.

बायक र जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जीभीनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-क ने अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 118 है, तथा जो आन्दुल रोड, हावड़ा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 अक्तूबर, 1982

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) हावड़ा साउथ इंजीनियरिंग कम्पनी प्राइवेट. लिभिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील कुमार घोष।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्दिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

जमीन 4 कट्ठा 1 काच्चा 35 स्ववे० फीट । पता : 118, आन्दुल रोड, जिला हावड़ा । दलीस सं० 1982 का 5722 ।

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकक्ता

तारी**व** : 28-5-1983

प्रकृप बाई • टी • एन • एस •-----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 28 मई 1983

निदेश सं० ए०सी०-18/रिंज-4/कल०/83-84—-अतः मुझे, सी० रोखामा

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य $25,000/\pi$ से अधीक है

और जिसकी मं० बी-9/183 है, तथा जो ब्लाक बी०, कल्यानी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रानाघाट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 अक्तूबर, 1982

को पूर्वों का संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्त्रमान प्रतिफल से, एसे स्त्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्घेश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृतिभा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री आभा गृह्मजुममदार।

(अन्तरक)

(2) श्री रबीन्द्र नाथ व्यानाजं।।

(अन्तरिती)

क्ये यह स्थना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के निएं कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामिल से 30 जिन की अविधि, जो भी अविभि बाद में संभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब वें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, **जो उक्त** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

जमीन 4 काठा 15 काच्चा 23 स्क्वे० फीट जमीन का साथ मकान।

पता : बी-9/183, बनाक बी, कल्यानी, जिला निदया । दलिल सं० 1982 का 8706 ।

> मी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

नारीख : 28-5-1983

प्रस्त् आई. डी. एन. एस्.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 28 मई 1983

निदेश सं० ए० सी०-17/रेंज-4/कल०/83-84--अत: मुझे, सी० रोखामा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं है तथा जो मौया जिला थाना वर्धमान में स्थित है (और इससे उपाबध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वर्धवान में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 अक्तूबर, 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बौध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (का) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर निधानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधानियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री परिमल चन्द्र घोष ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोज कांति दास श्री माधुरी दास।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरणः --- इंसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सूची

जमीन 2 काठा 13 काच्चा जमीन की साथ मकान। पता : मौजा थाना जिला वर्धमान। दलिल सं० 1982 का 9193।

> मी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

नारीख : 28-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 जून 1983

निदेश सं० नोटिस नं० 563/82-83--अतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य \$5,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संब्होर नंव 17 है, तथा जो वाई नंव XXV में टीव एसव नंव 169 पटि नंव 15, बेल्लारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यात्रय, बेल्तारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ताव प्रक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमे दृश्यमान प्रतिफल के बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्री अमरेन्द्रा नाइडू, सन आफ लेट जी० बी० सी० बाब् नायडू, वार्ड नं० XXV/ डी० नं० 18, बेल्लारी ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री के० मुब्बाराव सन आफ चन्द्रया
 - 2. श्री के० निवासाराव,, मन आफ के० सुब्बा राव,
 - मैनर बसवशंकर राव सन आफ के० सुब्बाराय
 - मैनर के० रिवचन्द्रा, सल आफ के० सुब्बा राव, गार्डियन बाप

- श्री के० वेंकेटेण्यरा रावसन आफ के० चन्द्रय्या
- श्री के० राजशेखर मन आफ वेंकटेश्वरा राव।
- 7. श्री के० वेंकटरामय्या सन आफ कोटय्या ।
- 8. श्री के० वेंकटेण्यराराव मन आफ वेंक्टरामय्या
- श्री पूरण चन्द्रा राव सन आफ वेंकटरामध्या ।
- 10. मैनर मान् प्रसाद सन ग्राफ वेंकटरामय्या ।
- श्रीमती के० मुशीलम्मा, वाइफ आफ गंगय्या।
- मैनर शिवनागा मल्लेख्वरी
 डाटर अफ गंगव्या गाडियन मां सुशीलम्मा।
- 13. मैनर धन लक्ष्मी डाटर आफ गंगय्या, गार्डियन मां सुशोलम्मा ।
- 14. मैनर शिवलीला डाटर आफ ं गंगथ्या गार्जियन मां मुक्कोलम्मा ।
- 15. श्री बी० लक्ष्मी नारायण सन आफ सुब्बय्या।
- 16. मैनर बनवेण्वरा राव सन आफ श्री वी० लक्षमा नारायण गार्डियन फादर सब लोग, डोर नं० 17,वाई नं० XXV, बेल्लारी में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितसम्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण: ---इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अप्सूची

(दस्तावेज मं० 4301/82-83 ता० अक्तूबर, 1982)।

सब मंपित है जिसका सं० डोर नं० 17. जो बार्ड नं० XXV में टी० एस० नं० 169 पार्ट नं० 15, बेल्लारी में स्थित है।

मंजु माधवन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 2-6-1983

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-म् (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, निरंक 17 मई 1983

निदेश सं० सी० आर० सं० 62/36281/82-83—अतः मुझे, मंजु माधवन,

बामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक ही

25,000/- र. स आवक ह और जिसकी सं० 11 है, तथा जो 4 कास, हुजिन्स रोड, काक्स टाउन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शियाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 अक्तूबर, 1982 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दब्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिसत बाजार मूल्य, उसके दुर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक

रूपं से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बीठ ए० जयराम, सं० 5, गोवर रोड, काक्स टाउन, बेंगलूर-5 ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद हुशित सेंट, सं० 2, गोवर रोड, काक्स टाउन, बेंगलूर-5।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2291/82-83 ता० 30-10-82)। सब संपत्ति है जिसका सं० 11, जो 4 क्रांस हुचिन्स रोड, काक्सटाउन, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

नारीख: 17-5-1983

प्ररूप नार्षः, टी. एत्. एत. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० मी० आर० मं० 62/36249/82-83--अत. मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 52-3 बी०, 52-7 और 52-2, टी० एस० 1573-6 बी०, 1573-8 डी० और 1573-9 । है, तथा जो कोडियबैंल विलेज, कादरी वार्ड, मंगलूर सीटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, मेंगलूर सीटी में रजिस्ट्रीकरण अधियियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर्रि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निकालिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री एम० जी० अनन्त पै, गन/आफ एम० गणेश पै, मं० 2928, केब्रजि रोड, राजा जी नगर, JI स्टेज, बेंगलूर-10 ।

(अन्सरक)

(2) कुमारी बी० सुजाता नायक, डाटर/आफ जी० बी० अप्पाजी नायक, प्रियद्यशिनी वास लेन, मेंगलूर-2।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा।
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के प्रस सिस्तित में किए जा सकोंगे।

. स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 461/82-83 ता० 12-10-82) ।

सब संपत्ति है जिसका सं० आर० एस० 52-3बी, 5-2-7 और 52-2, टी० एस० सं० 1573-6 बी०, 1573-8 डी० और 1573-9, जो कोडियल बैंल बिलेज, कर्दी वार्ड, मेंगलूर सीटी में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख 16-5-1983 मोहर:

प्रस्प बाईं ती. एन एस ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलुर, धिनांक 28 फरवरी 1983

निदेश सं० यी० आर० सं० 62/36287/82-83—अतः मुझे, मंजु माधवन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 79 है, तथा जो बिन्नामांगला एक्सटेंशन, 1 स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 अक्तूबर, 1982

(1908 का 16) के अधीन, नारीखें 18 अक्तूबर, 1982 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक हम से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उसत अधि-निवम के अधीन कर दोने के अस्तरफ के दायित्व में कजी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए: और/धा
- (स) ऐसी किसी आय ा किसी धन या अन्य बास्तियों को, चिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः, अबं, उवत अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :--- श्री जे० ए० के० मूर्ति, मं० 9, रोशन यांग रोड, विश्वेण्वरपुरम, वेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्म लीलम्मा जोसेफ, मं० 98, 1 स्टेज, इंदिरा नगर, बेंगलूर ।

(अन्त्रिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपरित के अर्जन के लिए समर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्जन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम् को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

. अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2155/82-83 ता० 18-10-82) सब संपत्ति है जिसका सं० 79, जो विन्नासंगला, एक्स-टेन्शन, 1 स्टेज, बेंगलूर।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आसुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 28-2-1983

मोहर 🗈

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस. -------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 18 मई 1983

निदेण सं० सी० आर० सं० 62/36168/82-83—अत:

मुझे, मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० 51/1 है, तथा जो बैरासन्द्रा, I ग्रनाक, जय नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जय नगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिन्य में क्या करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एमी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया अया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिका के लिए:

अतः अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अधीतः :—10—1,36GI/83

(1) श्री मक्युबाल अहमद, 2021, एन्ड्री रोड, शान्ति नगर, बेंगलूर-27 ।

(अन्तरक)

(2) श्री मचा लाल थानमल, जल्लू राम भार्केट, मरम्मा टेंपल स्ट्रीट, बंगलूर-53 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की लारीब सं 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात् सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उत्त अध्याम में दिसा ग्या है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2317/82-83 ता० 13-10-82) । सब संपत्ति है जिसकी सं० 51/1, जो बैरसन्द्रा 1 ब्लाक, जय नगर, बेंगल् \times में स्थित है ।

मंजु माधवन [मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 18-5-1983

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. - - - ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलुर

बेंगलूर, दिनाँक 18 मई 1983

निदेण मं० सी० श्रार्० सं० 62/36256/82-83---अतः मुझे, मंज् माधवन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उड़ित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

अौर जिसकी सं 291 है, तथा जो एच० ए० एल०-।। स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 11 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के जिए?

(1) मैसर्स विमला चन्द्रों,555, 9 मेन रोड़,बेंगलूर-38 ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री नूर अहमद मेक्की, 2. नूरजहांन मेक्की, 80/1, रनूजी राव रोड, बमवनगूडी, बेंगलूर-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थिक्त द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्औ

(दस्तावेज सं० 2032/82-83 ता० 11-10-82)। सब संपत्ति है जिसका सं० 291, जो एच० ए० एल०, ।। स्टेज, बेंगलुर में स्थित है।

> मंजु माधवन मक्षम प्राधिकारी महाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 18-5-1983

महिर

प्ररूप काई. टी. एन. एत. ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० सी० आर० सं० 36295/82-83--अतः मुझे, मंजु माधवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार का 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 10, नया सं० 14 है, तथा जो पेट्टीगेरि स्ट्रीट, सिविल स्टेणन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 3 नवस्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कंम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियार्) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वत उद्वर्थों से उक्त अन्तरण लिश्वित में शास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री एस० एलबर्ट विक्टर, 14, पेट्टीगेरि स्ट्रीट, सिविल स्टेणन, वेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंतीय देवी, 185, तिम्मेय्या रोड, सिविल स्टेशन, बेंगलुर ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जब्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसची

(दस्तावेज सं० 2314/82-83 ता० 3-11-82) । सब संपत्ति है जिसकी सं० 10, नया सं० 14, जो पट्टीगेरि, स्ट्रीट, सिविल स्टेशन, बेंगलूर में स्थित है ।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

नारीख: 16-5-1983

प्ररूप ुआर्द , टी ल एन्. एस . -----

जायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० सी० आर० नं० 62/36283/82-83—अतः मुझे, मंजू माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 938 है तथा जो एच० ए० एल०-II स्टेज, इंदिरा नगर बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, णिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का फदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिषक रूप से किथ्त नहां किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आदि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निकारित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री एम० जी० कृष्णन, संख्या एम०-4, एच०ए० एल० पुराना टाउनिशिप, बेंगलूर-17।

(अन्तरक)

(2) श्री हिलारी क्लारेंस डिसौजा, केयर आफ नानसी डीसौजा, सं० 811, एच० ए० एल०, II स्टेज, इंदिरा नगर, बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पद्दों का, जो उनल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2241/82-83 ता० 23-10-82) सब संपत्ति है जिसकी सं० 938,जो एघ०ए० एल० II स्टेज, इंदिरा नगर, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

नारोख: 16-5-1983

प्ररूप आहाँ. टी , एन् , एस . --- ----

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचवा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

बेंगलूर, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० सी० आर० सं० 62/36236/82-83—-अतः मुझे, मंजु माधवन

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-ध्पए से अधिक है

और जिसकी सं० 920 ए० सी० एच० 8, 89-ए, है, तथा जो वेंकटेण तिलाया गोपालास्वामी शिशु विहार. चामराज मोहल्ला, मैसूर-4 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 अन्तवर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रुष्टमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत घितक है और प्रन्तरिक (प्रश्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निस्नतिविद्यत उद्देश्य में उन्त यन्तरण निखित में वास्तिविक कप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुं किसी आप की बाबध दक्षा प्रधि-नियम के संशीत कर देने के धन्तरक के बाधस्व में कमा करने या उससे बचने में सविधा के लिए; भौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती पार्वती बईी,
920/ए, मी० एच० 8,
वेंकटेणा निलाया,
गोपालास्वामी,
णिश विहार रोड,
चामाराजा मोहल्ला,
मैसूर⊜4।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री एस० रघुकुल तिलक, डी० मं० 987, सी० एच०-1, प्रिंसेस जयलक्ष्मी विलास रोड, सी० एच० पुरम्, मेंसूर।
 - श्री ज्ञानी प्रकाश,
 सं० 909, 1 बी-1 मन,
 लक्ष्मीपुरम,
 मैसूर-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुत्रों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विश्व की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बद्धीध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्वित्यों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 वित के भीतर उक्त स्थान्य संपरित में हित्नकुष किसी अन्य अमृतित बुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवत में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं,, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 3593/82-83 ता० अन्तूबर, 1982) सब संपत्ति हैं जिसकी सं० 920-ए, सी० एच० 8, 89ए, जो वेंकटेशा निलाया, गोपालास्वामी शिशु विहार, चामराज मोहल्ला, मैसूर-4।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बगलूर

तारीख: 16-5-83

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकार बाबुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 12 मई 1983

निदेण मं० नोटिस नं० 560/82-83---अतः मुझे, श्रीमति मंजू माधवन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० एम० टी० एम० नं० 600 डोरनं 105 है तथा जो वार्ड नं० 17, अनन्त पुर रोड. बेल्लारी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्द्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में बेल्लारी रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिये; और/या
- (ज) एंसी फिल्ही आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अनः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्यांत् :--

- (1) श्री माच यास रामराव विनायनगल कोलीर्नः हैदराबाद
 - श्री याच श्रीनिवासराव गलक फेट कोलोनो
 श्री माच शेषगिरी राव,

पटेल रोड,

अनन्त पुर ।

 श्रीमती माच सरस्वती बाई, पटेल रोड, अनन्त पूर ।

(अंतरक)

(2) श्री बी० के० श्रीनिवासमूर्ति, सन आफ लेट श्री बी० के० गुरुराज राव, गांधी नगर, बेल्लारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षिप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(डाक्सेंट नं० 2624/82-83 तारीख 13-10-82)। संपत्ति जिसकी पाम टी० यास नं० है 600 डोर नं० 105 संपत्ति वार्ड नं० 17, अनन्त पुर रोड, बेल्लारी उपस्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीखं : 12-5-1983

मोहर 🐠

प्ररूप आहु⁵. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलर

बेंगलूर, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० नोटिस नं० 561/82-83---अतः मुझे, मंजु माधवन

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसरें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 7→1178 2 नं० 97 है, तथा जो नेहरू गंज, गुलबर्गा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुलबर्गा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल, से एोसे इध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एोसे अंतरण के लिए तय धाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तिस में वास्तिक इप से किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूजिधा के निए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री खेणरीदृष्पा भीमय्या केस्टर, आर०/ओ/ नेहरू गंज, गलबर्गा ।

(अत्तरक)

'(2) श्री नन्द किशोर बंसी लाल बीयानी, आर/आफ सराफ बाजार, गुलबर्गा ।

(हरितिं)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असल की

(डाक्सेंट स० 1574/82-83 ता० 8 दिसम्बर, 1982) आधा भाग आर० सी० सी० बिलाग नं० 7 एच-78, क्य० नं० 97 संपत्ति नेहरू गंज, गुलबर्गा में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलोर

नारीख: 12-5-1983

भोहर:

प्ररूप० धाई• टी० एन० एस०-----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा ?69-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलुर, दिनांक 12 मई 1983

निदेण सं० नोटिस नं० 562/82-83—-अतः मुझे, मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं घर नं ० 7—1178 है, तथा जो नेहरू गंज, गुलबर्गा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुलबर्गा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिषत बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अध्यस्क (अन्तरिकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्षेत्रन से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक कर से कथित नहीं किया थया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधी्न, निम्नलिखितः व्यक्तिकों, अथित्ः—- (1) श्री रेबणशोद्ष्पा भीमय्या केरूर, आर०/ओ० नेहरू गंज, गुलबर्गा।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री श्री वल्लभ बंसीलाल बियानी, 2. श्री ओमप्रकाण बंसी लाल बियानी, सब निवासी सर्राद्ध बाजार, गुलबर्गा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारो करके पूर्वीका **सम्पत्ति के धर्ज**न के . लिए कार्यवाहियां करना हूं ।

चनत सम्मत्ति के भन्नेत के सम्बन्ध, में कार्यभी भास्तेत :-- -

- (क) इस सृष्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सृषता को तामीब से 30 दिन की अवधि, जो भी अत्रधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्शित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा नवा है।

वनसूची

(डाकूमेंट सं० 1575/82-83 ता० 9-11-82)। आधा भाग आर० सी० सी० बिल्डिंग नं० 7-1178, संपत्ती नेहरू गंज गुलबर्गा मे उपस्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

नारी**ख**: 12-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 21 अप्रैल 1983,

निदेश सं पी० आर० नं० 2215 एसीक्य-23II/ 83-84—अत:, मुझो, आर० आर० णाह,

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 184 है, तथा जो काकोदारा, ता० पलसाना जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कामशज में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 7 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिथों, अधीत् :---

(1) श्रीमती सिवता वेन नवनीत लाल देसाई, काकोदरा, ता० वन्दुल, ता० मांगरोल।

(अन्तर्क)

(2) 1. श्री वेचार भाई मंछुभाई पटानवाडीया, 2. श्री धीरू भाई नानू भाई देसाई, हरीपुरा, ता० पलसाना, जिला सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भैं दिया गया है।

अन्सूची

जमीन जो काकोदरा ता० पलसाना जिला सूरत में स्थित है जिसका ब्लाक नं० 184 है अनवर्ग कुल क्षेत्रफल 45 गूठा (5445 वर्ग गज है। सब रजिस्ट्रार, कामराज में 1399 नम्बर पर ता० 7-10-82 में रजिस्टर्ड की गई है।

अार० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

ता**रीख** : 21-4-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ(1) के अधीन सृचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 21 अप्रैल 1983

रा. में अधिक हैं
और जिसकी सं० ब्लाक नं० 215 है, तथा जो काकोदरा,
ता० पलसाना जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामरेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, नारीख 7 अक्तूबर, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्त वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिष्ट का जिल्त बाजार
मूख उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिलान प्रक्षिक है और प्रम्तरक (प्रन्तरकों)
प्रौर धन्तरिता (अन्तरितियो) के बीच ऐने अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण
लिखिन में वास्तरिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी माय की बालत उकत अधिनियम के मधीन कर देने के धन्तरक के समित्व में अभी करने मा उक्त क्याने में सुविधा के बिए। अंदिया
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घर या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिन्नियम, या धन-कर भिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित म्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती समितावेन नवनीतलाल देसाई, बड़ोदरा, हाल वालकल, ता० मांगरील।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री लाल्भाई जीवनजी नायक
 - 2. श्री बलवन्त भाई ननुभाई देसाई
 - 3. श्री बेचरभाई मनुभाई पातनबाडीया, हरीपुरा,

ता० पलसाना, जिला सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना अपी चप्के पूर्वीकन नन्मति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां सुरू करता है।

उना सम्बत्ति के अर्जन के लंबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस तूत्रता के रागश्य में प्रकाशन को तारी ब से 45 दिन की पत्रिवास नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी क 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद के समाप्त होती ही, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- · (ख) इस भूचता के राग्यत में प्रकाशन की तारीख से ४० दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो छन्त श्राधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा, जो एस शब्दाय े दिया गया है।

अन<u>ुस</u>्ची

जमीन ब्लाक नं० 215, कुल क्षेत्रफल 61 गुंठा 7381 स्वी॰यार्ड जो बड़ोदरा, ता० पलसाना में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, कामरोज 1398 नम्बर पर ता० 7-10-82 में रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० जाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 21-4-1983

प्ररूप. आर्ड्ड. टी. एन. एस. -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, म्रहमवाबाद म्रहमदाबाद, दिनांक 21 अप्रैल 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2217/एस्क्यू०-23-II/ 83-84-- अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, ·1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 212, 213, और 214 है, तथा जो बड़ोदरा, ता० पलसाणा, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपाति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और यक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्भ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, रिकालियन व्यक्तियों, अधीर :---

(1) श्रीमती सर्विता सतन नवनीतलाल देसाई बड़ोदरा, हाल पानल, ता० मांगरोल।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री जासुभाई जीवाजी नायक,
2. श्री किशोर भाई अम्सालाल देसाई
3. श्री रमेश भाई सचेर भाई पाटमवाजीया
हरीपुरा,
ता० पलसाजा,
जिला सूरत ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उच्का स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन ब्लाक नं० 212, 213 और 214 कुल क्षेत्रफल 5445 चौ०वार जो बड़ोदरा, ता० पलसाणा में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, कामरेज में 1397 नं० पर तारीख 7-10-82 में रजिस्टर्ब की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

तारीख: 21-4-1983

प्रकप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2218/एस्क्यू०-23-IJ/ 83-84-- श्रतः मुझे, आर० आर० शाँह आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं क्यें नं 290 और 291 प्लाट नं 36 है, तथा जो चापी ता पारटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिये था, डिपान में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् १--- (1) 1. श्री ठाकुर भाई भगवान जी देसाई, 2. श्री दिलीप कुमार ठाकुर लाल देसाई, वापी, ता० पारडी ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय रतनजी पजारिया, 103, पीतली, हर्षा पार्क, चांदपटकर रोड, बोरीवली, बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रवां का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे न० 290 और 291 प्लाट न० 36, कुल क्षत्रफल 964-75 चौ० मीटर जो वायी में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, पारडी में 731 न० पर अक्तूबर, 1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II,अहमदाबाद

तारीख : 22-4-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आहं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-[], अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 22 अप्रैल 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० $2219/\nabla स्क्यू०-23-II/$ 83-84---अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० ष्लाट नं० 37, सर्वे नं० 290 और 291 है, तथा जो वायी, ता० पारडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग्न की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) 1. श्री गकोर भाई भगवान जी देसाई
2 श्री दिलीप कुमार ठाकोर लाल देसाई
और अन्य

पायी, ता० पारडी ।

(अन्तरक)

(2) श्री मदन रतन जी भाजरिया, अरुणोदय, दूसरी मंजिल, अजन्ता सिनेमा के पास, बोरीवली, बम्बई ।

(अन्तरिती)

जक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स भी

जमीन सर्वे नं० 290 और 291 कुल क्षेत्रफल 964-75 चौ० मीटर, प्लाट नं० 37 जो पायी में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, पारडी में 732 नं० पर ता० 10-5-82 में रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० **णाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 22-4-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1983

निर्देश सं० पी० आर० सं० 2220/एक्यू०-23-II /83-84-- यतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 231-1-2 पैकी प्लाट नं० 16 है, तथा जो वापी काचीगाम रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 अक्तूबर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्कर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थास् ---

- (1) श्री जलाराम सोसायटी वापी, ता० पारडी । भागीदार:
 - श्री छोटाभाई एल० पटेल,
 - श्री इन्द्रवदन जी० शाह होल्डर ऑ पावर ऑफ प्रटारनी :
 - 1. श्री मजुरलाल एम० शाह.
 - 2 श्री मनसुखलाल एम० शाह,
 - श्री धनसुखलाल जी० शाह, वापी, ता० पारडी।

(अन्तरक)

(2) बुन्दावन को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी (प्रोपोज्ड)

प्रयोजक :

- 1. श्री त्रिकमभाई शंकरभाई पटेल
- श्री वसंतलाल शामराव, वापी, ता० पारडी ।

(अन्तरिती) -

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ' 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन (एन०ए०), सर्वे नं० 231-1-2 प्लाट नं० 16, कुल क्षेत्रफल 858.25 चौ० मीटर है जो वापी में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, पारडी में 1636 नं० पर ता० 29-10-82 में रजिस्टर्ड की गई है।

आर० आर० शाह सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II, हमदाबाव

तारीख: 22-4-1983

प्ररूप आई. ट्री. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-ग्र, हमदाश्राद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 अप्रैल 1983,

पी॰ ग्रार॰ सं॰ 2221/एक्वी॰-23-

83-84--यत/मझे, आर० आर० गाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रा. से अधिक हैं

निर्देश सं०

और जिसकी सं० 239, 242-1-2-3 पैकी प्लाट नं० 1 है, तथा जो अंकलेश्वर में स्थित है (और इससे उपाणद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेण्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 अक्तूबर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके पश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सरिया। के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिसं व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री दिलीगभाई मूलजीभाई शाह और अन्य झानोर, ता० अंकलेण्यर, जिला भरुच, पी॰ ए॰ होल्डर, श्री दालपतभाई सी० पटेल और अन्य सारंगपूर, ता० अंबलेश्वर

(अन्तरक)

(2) श्री जमनादास लक्ष्मीदास और नारनदास मथुरादाम, माधवजी ठाकोरणी, प्रोस्पेक्ट चैम्बर्स, दूसरी मंजिल, दादाभाई नवरोजी रोड़, बम्बर्ड ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित **है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया** गया है।

मनसूची

जमीन सर्वे नं० 239, 242-1, 242-2, 243-3 प्लाट. नं ।, कूल क्षेत्रफल 1527-40 ची० मीटर्स जो सारंगपूर, ता० अंकलेण्वर में 2543 नं० पर सब-रजिस्ट्रार, अंकलेण्वर में 2543 नं० पर ता० 30-10-82 में रजिस्टर्ड की गई 순 T

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

नारीख : 26-4-1983

प्ररूप बाइ .टी. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-∏, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 26 अप्रैल 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2222 एक्वी०-23-II/ 83-84—यतः मुझे, आर० आर० शाह,

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 738 है, तथा जो अंकलेश्वर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेश्वर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री नागजीभाई मोरारभाई पटेल भागव फलीया, अंकलेण्वर ।

(अन्तरक)

(1) श्री मणीभाई नरशीभांई पटेल चीखोदरा, जिला खेडा ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्तिं द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 738, कुल क्षेत्रफल 5868 ची० मीटर्स जो अंकलेश्वर में स्थित है। सबर-जिस्ट्रार, अंकलेश्वर में 3040 नं० पर ता० 1-10-82 में रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० भाह यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 26-4-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अप्रैल 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2223/एक्यू०-23-II/ 83-84--यतः, मृझे, आर० आर० शाह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 59/बी० है, तथा जो अली, ता० भरुच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरूच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-12—136GI/83

(1) धनीण बिल्डर्म, भागीदार : रामी विजयकुमार गोवर्धन दास और अन्य, हाजीखान बाजार, भरुच ।

(अन्तरक)

(2) श्री रितभाई धारीभाई पटेल, सोनैया, सा० थासरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में पिया गया है।

अन्स्**ची**

जमीन सर्वे नं० 59/aी, कुल क्षेत्रफल 3220 चौ० मीटर्स (3864 चौ० गज) जो अली गांव, ता० भरुच में स्थित है । सब-रिजस्ट्रार, भरुच में 5271 नं० पर ता० 25-10-82 में रिजस्टर्ड की गई है ।

आर० आर० शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

तारीख: 26-4-1983

प्ररूप आइ. टी. एन्. एस .----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज- , अहमवाबाद अहमवाबाद, दिनांक -26 अप्रैल 1983

निर्वेश सं∘ पी० आर० 2224/एक्वी०-23-∏/

83-84--यतः, मुझे, आर० आर० शाह,

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 93/1 और 93/2 है, तथा जों डुंगरी, ता० भरूच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरूच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 अक्तूबर, 1982

को प्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्टमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसर्च में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) भूमि डेबलपमेंट कार्पोरेशन भागीदार: श्री बकुलभाई जीवाभाई पटेल बुद्धदेव मार्केट । भरुष ।

(अन्सरक)

(2) चेयरमैन/सेक्नेटरी सबरे जहान को-आपरेटिव हार्डीसग सोसाइटी लिमिटेड सुद्धदेव मार्केट, भरुच।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसुधी

जमीन सर्वे नं० 93/1 भीर 93/2, कुल क्षेत्रफल 61 गुंठा (7389 ची० गज), जो डुंगरी गांव में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, भरुच में 5151 नम्बर पर तारीख 8-10-82 में रजिस्टर्ड की गई है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-I^I, अहमयाबाद

तारीख: 26-4-1983

मोहर 🖯

प्ररूप , नाव , टी., एक् , एस , ----

भायकर अधिनिय्स, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुण्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-Ш, अहमदाबाद अहमदाबाद, विनांक 26 अप्रल 1983

निर्देश सं० पी० आर० मं० 2225/एक्नी०-23-Ⅲ/83-

84 यतः मुझे, आर० आर० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे मं० 11 है तथा जो अली, ता० भरुष में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरुष में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बुधीन, निम्निसिखित स्थितकारों, मुध्तिः ६--

(1) नारायण द्रेडर्स

भागीदार :

श्री किरीटभाई पूनमचंद प्रजापति, आणंद, ता० खेड़ा ।

(अन्तरक)

(2) जयनारायण को० ओ० हा० सो० लिमिटेड, चेयरमैन : श्री रावजीभाई लल्लूभाई पटेल नापीआनी, फुलवाडी, भरुच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबच्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निकास में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

जमीन सर्वे नं० 11, कुल क्षेत्रफल 8308 चौ० मीटर्स (9969 चौ० गज) जो अली गांव में स्थित है । सब-रजिस्ट्रार, भरुच में 5115, 5166, 5175, 5265 और 5283 नम्बर्स पर अक्तूबर 1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज–II, अहमदाबाद

तारीख: 26-4-1983

मोहर ः

प्ररूप आइ. टी. एन्. एस्. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-व (1) के अवीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-П, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अप्रैल 1983

निदेश सं०२ पी० आर० सं० २२२५-बी०, एक्यू०-२३- $\Pi/$ 83—84—अतः मुझे, आर० आर० शाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित नाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं कर्ने नं 30 (1+2) है, तथा जो अली ता भरुव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरुव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तुबर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजोर मूल्य से कम के द्वरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वरमान प्रतिफल से, एसे द्वरमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में स्विभा के किए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री नारायण नगर नीदास नीलकण्ठ गांधी, भागीदार : श्री नाथू भाई विकम भाई प्रजापति नीलकण्ठ मंदिर, नारायण नगर, भरुच ।

(अन्तरक)

(2) जय नारायण कोआपरेटिव सोसायटी लि०, चेयरमैन---श्री रावजी भाई, फुलवाड़ी, भरुच ।

(अतरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी स्थितिसों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानसायों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 30 (1+2), कुल क्षेत्रफल 6510 वर्ग मीटर्स (7812 वर्ग गज) जो अली गांव में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, भरुच में 5208, 5261, 5264 और 5277 नं० पर अक्तूबर, 1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

आर० आर० भाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ग्ना, अहमदाबाद

तारीखा : 26-4-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 26 अप्रैल 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2226 एक्यू०-23- $\Pi/$ 83-84---अतः मुझे, आर० आर० शाह $\,,\,$

भायकार विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और ज़िसकी सं० सर्वे नं० 57 है, तथा जो कणबीवागा, ता० भरुच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणक्ष है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरुच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन ,तारीख 5, 12, 22 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वर्ष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारत्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) नाराणायण आर्गेनाइजेशन, भागीदार : श्री चिमन लाल दल सुख भाई पंचाल, 66, नारायण नगर, भरुष ।

(अन्सरक)

(2) जयनारायण को-आपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लि०, चेयरमैन : रावजी भाई लल्लू भाई पटेल, नपीआणी, फुलवाडी, भक्त्व ।

(अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्वमाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि.सी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 57, जिसका कुल क्षेत्रफल 4050 वर्ग मीटर्स (4880 वर्ग वार) है जो कनबीवागा, ता० भरुच में स्थित है । सब-रजिस्ट्रार, भरुष में 5103 नं० पर ता० 5-10-82 में और 5165 नं० पर ता० 12-10-82 तथा 5260 पर ता० 22-10-82 में रजिस्टर्ड की गई है ।

आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 26-4-1983

प्रस्थ नाहै ही. एन. एस. ----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० सं० 2227-एनयू० 23/II/ 83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी सं० पैकी नं० 232, 215, 214, 213 पैकी 231, 230 है, तथा भी प्लाट नं० 4, छापरा, ता० नवसारी स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिस है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 21 अप्रैल, 1982

को पूर्वा वित् संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी आय की आवत, उकत अभिनिय्म के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्री अशोक रमण लाल पटेल पी० ए० एच० श्री रमण लाल सी० पटेल,
 - 2. श्री अनिल कुमार रमण लाल पटेल
 - 3. श्रीमति रमाबेन वल्लभ भाई पटेल नक्सारी ।
 - 4. श्री जीवन जी वनमाली पटेल लखनपोर, सा० पलसाणा ।
 - 5. श्री दुधीबेन लखनपोर प्रभु भाई पटेल
 - 6. श्री ठाकोरभाई केवल भाई पटेल संग्रामपुरा, सुरत ।
 - 7. श्री जयकिशन दास नरोत्तम वास पटेल नवसारी ।
 - 8. श्री लल्लू भाई रणछोड़ जी पटेल, नवसारी।

(ग्रंसरकः)

(2) श्री कांति भाई ईच्छाभाई जावेरी, लुनसीकुई, नवसारी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्ट्री के पास निवित्त मों किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त कान्यों और पर्यों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

जनसूची

जमीन प्लाट नं० 8, सर्वे नं० 232, 215, 214, 213, 231, 230 जो छापरा, ता० नवसारी में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, नवसारी में 577 नं० पर ता० 21-4-1982 में रिजस्टर्ड की गई है।

आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अक्षमदाबाद्य

तारीख : 4--5-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आहरे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-∏, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2228/एक्यू०-23-11/83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु से अधिक है और जिसकी सं० 233, 215, 214, 213, 231, 230 पैकी प्लाट नं० है, तथा जो 105, छापरा, ता० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 अक्तूबर, 1982 को पूर्वीक्त संपरित के जिसत बाजार मृल्य से कम के इक्ष्यमान

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापवोंक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

- (1) 1. (i) श्री अशोक कुमार रमण्लाल पटेल
 - (ii) श्री अनिल कुमार रमण लाल
 - (iii) श्रीमिति रामी बहन वल्लभ भाई पटेल, नवसारी।
 - श्री जीवन भाई वनमाली भाई पटेल, और पी० ए० होल्डर्स —— श्री बुधबहन प्रभु भाई पटेल लखनपोर,

पलसाणा ।

- 3. श्री ठकोर भाई केवल भाई पटेल, संग्राभपूर, सुरत ।
- श्री जयिकशन दास नरोत्तम दास पटेल नवसारी ।
- 5. श्री लल्लू भाई रणछोडजी पटेल, पी० ए० होल्डर । श्री वयाराम भाई मूर्लजी भाई पटेल, नवसारी । (ध्रंतरक)
- (2) श्री अरुण भाई आनन्द राम हरीयानी 46/सी०, आणाबाग, नवसारी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है यही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

जमीन प्लाट नं० 105 सर्वे नं० 232, 219, 214, 213, 231, 230 जो छापरा, ता० नवसारी में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 11036 वर्ग फीट है। सब-रिजस्ट्रार, नवसारी में 2588 नं० पर ता० 22-10-1982 में रिजस्टर्श की गई है।

आर० आर० गाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-मि, अहमदाबाद

तारीख: 4-5-83

प्ररूप आहु . दी. एन. एस्.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-Ц, श्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2229-ए०सी० क्यू०-23- $\Pi/83-84-$ -प्रतः मुझे, आर० आर० शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- र० से प्रधिक है।

और जिसकी सं सर्वे नं 291/1 है, तथा जो छापरा, ता नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृदिभा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, मिस्न्लिखित व्यक्तियों, व्यक्ति :--- (1) श्री अम्बाबहन जो रावजी भाई रामजी भाई की विधवा, छापरा, ता० नवसारी।

(अन्तरक)

(2) श्री जीवन भाई छना भाई पटेल, तिपरा, ता० नवसारी।

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यचाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बूम्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यजा हैं।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 291/1, जो छापरा, ता० नवसारी में स्थित है। उनका 7623 चौ० फीट का कुल क्षेत्रफल है सब-रिजस्ट्रार, नवसारी में 3596 नं० पर ता० 25-10-82 में रिजस्टर्फ की गई है।

आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 4-5-1983

प्ररूप आईं.टी.एन्.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारतः सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- Π_{i} अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2230/एसीक्यू०-23-II/ 83-84-- अतः मुझे, आर० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुप्त से अधिक है

और जिसकी सं कर्व नं 249 है, तथा जो छापरा, रोड़ नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीक्र्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 अक्तूबर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलियित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :---

- (1) श्री वल्तममोरारजी पटेल और जिसका पी०ए० होल्डर:
 - ां श्री रणछोड जी मोरारजी पटेल
 - 2. श्री नगीनभाई मोरारजी पटेल
 - श्री घीरभाई मोरारजी पटेल काछीयावाडी, ता० नवसारी, जिला बलसाद।

(अन्तरकः)

- (2) मैसर्स देसाई और देसाई एसोसिएट्स भागीदार:
 - 1. श्री वलवन्त राय हरी भाई देसाई
 - 2. श्री सुमन्तराय मगन लाल .देसाई
 - 3. श्रीमती सविता बहुन जी० देसाई
 - 4. श्री पारुल बलवन्तराय देसाई श्रीर
 - श्री गुनवन्त राय मगन लाल देसाई
 3/10, मंकर प्रकाम,
 न्यू नागर दास मार्ग,
 अंधेरी (ईस्ट),

बम्बई-400069।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

जमीन सर्वे नं० 249 जो छापरा मार्ग, नवसारी में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 1, 75, 797 चौ० फीट है। सब-रजिस्ट्रार, नवसारी में 3401 नं० पर ता० 18 10-82 में रजिस्टर्ड की गई है। उसका कुल क्षेत्रफल-एकड़ 5 गूंडा है जिसका प्लाट नं० 3वी, 6वी 8 डी, 10 सी, 14 सी, 21 सी, 22 डी, 24 सी (के०) 24 सी (केएच०), 28 सी।

आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारी**ख** : 4-5-1983

ं प्ररूप आर्ह् .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 29 अप्रैल 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2231/एक्यू०/23-II/ 83-84-- श्रत: मुझे, आर० आर० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

जिसकी सं मर्वे नं 9, टीका 11/1 वार्ड नं 6 है, तथा जो नागरवाड़ा, नवसारी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1022 का 11) या एवन अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिपान में रुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सतीशयन्त्र इतिलाल देसाई श्री हरी लाल नागरणी देसाई (एच० यू० एफ०) नवसारी, बलसाइ ।

(अन्तरक)

(2) श्री नानूजी भाई जोगी भाई देसाई श्रीमती कांता बहन नानूभाई देसाई 101/102, गौरव एपार्टमेंट, एम० जी० रोड, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं 101/102 पहली मंजिल, गौरव एपार्टमेंट, नागरवाड़ा, नवसारी सर्वे नं 6, टीका नं 11/1, वार्ड नं 6, बांधका 2050 वर्गे फीट है। सब-रजिस्ट्रार, नवसारी में 3287 नं पर ता 29-5-82 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

नारीख : 29-4-1983

प्रकृष्य अगर्द टी. एनः एसः-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद श्रहमदााबद, दिनांक 29 अप्रैल 1983

निषेण सं० पी० आर० एस्क्यू०-23- $I^{4}/83-84--$ यत: मुझे, आर० आर० शाह,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और सकी सं टीका नं 56, सर्वे नं 2860 है, तथा जो स्टेशन रोड, नवसारी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 26 अक्तूबर, 1982

को प्रवेक्ति संपत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्ब., उसको दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अक्त जिम्मिन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; वरि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य कारितयों को, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

भतः भन्न, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, भौं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) को अभीन, मुस्निल्चित व्यक्तियों, अधित :--

- (1) 1. श्रीमती ईच्छा बहुन जो छनन लाल गोपालजी की विधवा बाई
 - श्रीमती जसुमती बहन सुरेणचन्द्र और माईनर भरत कुमार, अनुषमा बहन, नारामती माईनर बहन, मीना बहन, गीता बहन।
 - 3. श्री रित लाल छगन लाल सोलंकी
 - 4. श्री महेन्द्र कुमार छगनलाल सोलंकी
 - 5 श्री जयप्रकाण छगनलाल सोलंकी
 - 6. श्री जय बन्ती लाल छगनलाल सोसंकी
 - यशबन्त लाल छगन लाल सोलंकी सी-31-33, डा० एम० बी०, बोलकर, गोरी, बम्बई -2 ।
- (2) मैसर्स गाह रायचंन्द खुणालचन्द (झन्तरक) बी० के० प्रदीप कुमार रायचन्द्र, टावर रोड. नवसारी।

(अन्तारती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील रो 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकित ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पाद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्रो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किंगः गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 2860, टीका 56, सर्वे नं० 2860, 1099 चौ० मीटर्स जोणस्टे न रोड, नवसारी में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, नवसारी में 3627 नं० पर ता० 26-10-82 में रिजस्टर्ड की गई है।

आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-^{II}, राह्मदाबाद

तारीख : 29-4-1983

प्ररूपः मार्दः, टी. एनः एसः, -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारतः सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंजच-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2233/एक्यू०-<math>23II/83-84—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 232 पैंकी 215, 214, 213 पैंकी 231, है, तथा जो 230, प्लाट नं० 97-98, छापरा, ता० नवसारी में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम्पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण। से हुई किसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; अया धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) 1. श्री अशोक कुमार रमण लाल पटेल 2. अतिल कुमार बल्लभ भाई पटेल

अनल कुमार बल्लभभाइ पटल पी० ए० होल्डर: श्री रमण लाल छोटालाल पटेल नवसारी।

- (2) श्री जीवणभाई वनमाली भाई पटेल पी० ए० होल्डर,
 - तुधी बहन प्रभु भाई पटेल, लखनपोर, ता० पलसाणा, जिला सुरत ।
- (3) श्री ठाकोर भाई केवा भाई पटेल
- (4) श्री जयिकशन दास एन० पटेल
- (5) श्री लल्लू भाई रणछोड़ जी पटेल नवसारी।
 - श्री जयराम धीरभाई पटेल, नवसारी ।
 - श्रीमती जागृति जयराज पटेल, फुब्बारा, नवसारी ।

(2) 1. श्री नगीन भाई घेलाभाई पटेल पी० ए० होल्डर्स :

- 1. श्री भीखा भाऊजी घेलाभाऊ पटेल
- 2. श्री महेन्द्र भाऊ घेलाभाऊ पटेल
- 2. श्री मनस्खाभाक मणिभाक पटेल
- 3. श्री मनसुख भाऊ मणीभाई पटेल
- 4. श्री रमेण भाई मणीभाई पटेल
- 5. श्री अरुण भाई आनन्द राम हरी भाई आशासाग,

नवसारी, जिला बलसाड ।

(अन्तरिती)

(ग्रन्तरकः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क सें परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन फ्लोर नं० 97-98, 9385 चाँ० फीट, सर्वे नं० 232, 215, 214, 213, 231, 230 जो छापरा, ना० नवसारी में स्थिस है । सब-रिजस्ट्रार, नवसारी में 3533 नं० पर अक्तूबर, 1982 में रिजस्टर्ड की गई है ।

आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अ**द्यमदाबाद**

तारीख: 4-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश मं० प्री० आर० नं० 2234, एस्क्यू०/23-II/83-84—अतः मुझे, आर० आर० भाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 232 पैंकी 215,, 214, 213 पैंकी 231, 230 है, तथा जो फ्लोर नं० 83 और 84 छापरा, ना० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतिरत की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिशित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिशित में वास्तिवक रूप से कथित महीं कवा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबस, उन्तर अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियान में मुख्या के नितर

अतः अग्. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) 1. श्री अगोक कुमार रमणलाल पटेल
 - 1. अनिल क्मार रमणलाल पटेल
 - रामी बहुन वल्लभभाई पटेल पी० ए० होल्डर :
 श्री रमण लाल छोटालाल पटेल नवसारी।

- 2. श्री जीवनभाई वनमाली भाई पटेल स्वय पी० ए० होल्डर :
 - दुधी बहन प्रभुभाई पटेल, लखनपोल, ता० पलसाना
- 3. श्री ठाकोर भाई सेवा भाई पटेल
- 4. श्री जयकिशन वास नरोत्तम दास पटेल
- 5. श्री लल्लू भाई रणछोणजी पटेल,
- पी० ए० होल्डर :

श्री द्याराम भाई मूलजी भाई पटेंल, नवसारी ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री बालूभाई लाखू भाई पटेल श्रीमती दाही बन बालूभाई पटेल टोली : ता० नवसारी ।
 - श्री नगीन भाई घेला भाई पटेल, पी० ए० होल्डर:
 - (i) श्री भीखूभाई घेलाभाई पटेल
 - (ii) श्री महेन्द्र भाई घेलाभाई पटेल,
 - 2. श्री मनसुख भाई मणीभाई पटेल,
 - 3. श्री मनहर भाई मणीभाई पटेल,
 - श्री रमेश भाई मणीभाई पटेल,
 - 5 अरुण भाई आनन्द राम हरीआणी आसा बाग नवसारी, जिला बलसाड ।

(अन्तरिती)

क्ये यह त्याना जारी करके पृथानित सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वनत सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लात में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन, प्लाट नं० 83 और 84 9305 चौ० फीट, सर्वे नं० 232, 215, 234, 213, 231, 230 जो छापरा, ना० नवसारी में 3568 नं० पर अक्तूबर, 1982 में रिजस्टर्ड की गई है।

्रआर० आर० गाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

नारीख : 4-5-1983

प्ररूप आई० टी• एन• एस•——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-Il, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2235/एस्क्यू०-23-II/ 83-84---अतः मुझे, आर० आर० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 232 पैकी 215, 214, 213 पैकी 231, 230 है, तथा जो प्लाट नं० 4, छापरा, ता० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में दिनांक 21 सितम्बर, 1982

को पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान असिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिसत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथिए नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनिया, 1057 (1957 का 27) के प्रयोखनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री अशोक कुमार रमणलाल पटेल,

पी० ए० होल्डर:

श्री रमणलाल छोटालाल पटेल

- 2. श्रो अनिल कुमार रमणलाल पटेल
- 3. श्रीमती रमा बेन बल्लभ भाई पटेल

 श्री जीवनजी वनमाली पटेल पुस्तकालय पारो,

नवसारी।

- 5. श्रोमती दुधी बहन प्रभुभाई पटेल
- 6. श्री ठाकोर भाई केवल भाई पटेल
- 7. श्री जयिकशन दास नरीत्तम भाई पटेल
- 8. श्री लल्लू भाई रणछोगजी पटेल।

(अन्तरक)

(·2) श्री भुनाभाई प्रमुभाई पटेन, खारवसा,

ता० नबसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यजाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हित- वर्ध किस। अन्य व्याक्त द्वारा अधाहस्ताक्षण के पास किवित में किए जा सकने।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित है, मही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

, जमीन फ्लोर नं० 4, 10610 चौ० फीट सर्वे नं० 232, 215, 214, 213, 231, 2310 जो छापरा, ता० नप्रसारी में स्थित है। मध-रजिस्ट्रार, नवसारी में 976 नं० पर ता० 21-4-1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-^{II}, अहमदाबाद

तारीखा : 4-5-1983

प्ररूप आर्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2236/एस्क्यू०-23-II/ 83-84-अत: मुझे, आर० आर० णाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

23,000/- रा. स जायक हु और जिसकी सं० 232 पैकी 215, 214, 213 पैकी 231, 230 फ्लोर है, तथा जो नं० 46 और 47, छापरा, ता० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 अप्रैल 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरियों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त औध-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मेरें स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह् १--- (1) 1 श्री अशोक रमण नात पटेल, पी० ए० होल्डर:

श्री रमणलाल छोटा लाल पटेल

- 2. श्री अनिल कुमार रमणलाल पटेल
- 3. श्रीमती रमा बेन बल्लभभाई पटेल
- 4. श्री जीवनभाई वनमाली पटेल
- 5. श्रीमती दुध बहुन प्रभुभाई पटेल
- 6. श्री ठाकोर भाई केवल भाई पटेल
- 7. श्री जयकिशन दास नरोत्तम भाई पटेल
- श्री लल्लू भाई रणछोड़ पटेल, पुस्तकालय के पास,

नवसारी ।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती दिपती बेन अरुण भाई हरीभाई, आणाबाग, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का., जो उवत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन फ्लोर नं० 46 और 47 13375 चौ० फीट सर्वे नं० 31 नं० 2132, 215, 214, 213, 231, 230 ता० नवसारी में स्थित हैं । सब-रिजस्ट्रार, नवसारी में 952 नं० पर ना० 21-4-1982 में रिजस्टर्ड की गई है।

आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 4-5-1983

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983 निवेश सं० पी० आर० नं० 2237/ एस्क्यू०-23-JI/

83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 233, 232, 215, 214, 213, 231, 230 पकी है, तथा जो प्लाट्स नं० 3517, 20, 21, 23, 35, 39, 50 51, 60, 69, 73, 80, 83 छापरा, नयसारी में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नयसारी में रिजस्ट्रीकरणअधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22 अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तियक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बायता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूविधा के हैलए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया, गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधार (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थातु:——

(1) श्री अणोक कुमार रमणलाल पटेल पी० ए० होल्डर :

श्री रमणनाल छोटालाल पटेल

- 1. श्री अनिल कुमार रमणलाल पटेल
- 2. श्रीमती रमा बेन वल्लभभाई पटेल
- 2. श्री जीवनभाई वनमाली पटेल

दुध बेन पी० पटेल 3. ठाकूर भाई के० पटेल

- श्री जयिकशन दास एम० पटेलं
- 5. श्री लल्लूभाई आर० पटेल

पी ए० होल्डर

श्री डा ह्या भाई एम० पटेल जोशी मोहल्ला नवसारी।

(श्रन्तरक)

(2) अपेक्षा कंस्ट्रक्शन कम्पनी 6/326/6 घोलीवाड़ पंचवटी बिल्डिंग नवसारी।

(अन्तरिती)

- (3) 1. श्री नगीन भाई घेला भाई पटेल
 - 2. श्री भीखाभाई जी पटेल
 - 3. श्री महेन्द्र भाई पटेल
 - 4. श्री मनसुख भाई जी पटेल
 - 5 श्री रमेशभाई एम० पटेल
 - 6. श्रीः अरुण भाई ए० हरियाणी आशाबाग

नवसारी जिला बलसाङ् ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीक्रणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्स्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 233 232 215 214, 213, 231, 230 जो छापरा, नबसारी में स्थित है । कुल क्षेत्रफल 1,40,,465 चौ० फीट है । सब-रजिस्ट्रार, नबसारी में $3517,\ 3520,\ 3521,\ 3523,\ 35,239,\ 3550,\ 3551, 3560,\ 3569,\ 3573,\ 3580 और <math>3583$ नं० पर ता० 22-10-1982 में रजिस्टर्ड की गई है ।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुव**रा** (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 4-5-1983

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं पी० आर० ने० 2238/एक्बी०-23-II/

83-84-अतः मुझे, आर० आर० णाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 232 पकी 215. 214, 213, पकी है, तथा जो 231, 230 प्लाट नं० 112, छपारा, ता० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 अक्तूवर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के प्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियार्ग) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की ध्रारा 269-ग के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री अशोक कुमार रमनलाल पटेल श्री रमनलाल छोटा लाल पटेलका पी०ए० होल्डर
 - 1. श्री अनिल कुमार रमन लाल पटेल
 - 2. श्रीमती रामीबेन वल्ल भाई पटेल
 - श्री जीवन भाई वनमाली भाई पटेल, पी० ए० होल्डर

. खुद आर० घुमीबेन ।

प्रभुलाल पटेल का

प्रभुदयाल का फूल मुख्तयापटेः

प्रभुदयाल का फूल मुख्तय

14—136 📆/83

- श्री ठाकारेभाई केवसलाल ।
- श्री जयिकशन दासु एन० पटेल ।
- 5. श्री लल्लू भांई आर पटेल श्री दयाराम भाई एम० पटेल । का फूल मुख्तयार, सायाजी रोड, नवसारी । (अन्तरक)

(2) श्री रोहित कुमार बालभाई पटेल, दोनों टोली में रहते हैं। ता० नवसारी। (अन्तरिती)

(3) कुछ नहीं (बह् व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपन्ति है)

(4) 1 नगीन भाई गेलाभाई पटेल,
खुद और भीखा भाई जी पटेल का
फूल मुख्तयार :
और महेन्द्रा भाई जी पटेल की फूल मुख्त यार।

2. श्री मनमुख भाई एम० पटेल,

- श्री मनहर भाई एम० पटेल,
- 4. श्री रमेशभाई एम० पटेल,
- 5. श्री अरुण भाई ए० रहरियाणा. आणा बाग, नवसारी, बलसाड (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सर्पान हितबद्ध है)

(वह व्यक्ति, जिनके बार्ग में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उनता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो प्लाट नं० 112 जिसका माप 3567 चौरस वार, आर० एस० नं० 232, 215, 214, 213, 231, 230 चाप्रा, नवसारी में स्थित है। जो विकीखत नं० 3567 पर अक्तूबर, 1982 में रिजिस्ट्री ही रही है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सडायक अत्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-॥, अहमदाबाद

तारीख: 4-5-1983

प्रकप **वार्ड** ही • ए**ड • एड • ----**

ग्रायनर घविनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के घर्मीन सूचना बाद्य धरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 4 मई 1983

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 232 पैकी 215, 214, 213 पैकी 231, 230 है जो प्लाट नं० 19 चप्रा ता० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22 अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते वह विश्वास करने का भारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (१) अन्तरण से ६३ कियो आय की वाबत; उपल मिल-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्त में कमी करने या उससे वचने में प्रविद्या के किए; और/का
- (क) ऐसी किनी पाप या किया घन या धन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय पायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधितियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं पत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

भतः पन, उन्न याणंतवय भी पारः 269-ग के स्नृतसरण म.मे, वक्त पिवतियम को पारः 269-स की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री अशोक कुमार रमन लाल पटेल. श्री रमन लाल छोटालाल पटेल का पूल मुख्तयार ।
 - (i) श्री अनिल कुमार रमण लाल पटेल।
 - (ii) रमीबेन बल्लभ भाई पटेल।
- 2. श्री जीवन माई वनमाली भाई पटेल

- धुनीबन प्रभुभाई का फुल मुख्तयार।
- 2. श्री ठाकोर भाई केशवलाल पटेल
- श्री जयिकशनदास एन० पटेल
- 4. श्री लल्लूभाई आर० पटेल दयाराम भाई एम० पटेल का फूल मुख्तयार साथाजी रोड नवसारी ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रवीनचन्द्रा दयाभाई पटेल बुधीला जलदीग

नवसारी ।

(अन्तरक)

(3) -- निल---

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

- (4) श्रीनगीन भाई गंलाभाई पटेल खुप और भीखा भाई एन० पटेल । और महेन्द्र भाईजी पटेल के फुल मुख्तयार ।
 - 2. श्री मनसुख भाई एम० पटेल
 - 3 श्री मनहर भाई एम० पटेल।
 - 4. श्री रमेशभाई एम० पटल
 - 5. श्री अरुणभाई ए० हरियाणी.

आशा बाग नवसारी जिला बलसाड़ ।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अद्योहस्तक्षा र जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

बम्स्ची

जमीन जो प्लाट नं० 19 जिसका माप 5715 चौरस बार आर०.एस० नं० 232, 215, 214, 213, 231, 230 चपारा ता० नवसारी में स्थित हैं । जो बिकीखत नं० 3556 पर अक्तूबर 1982 में नवसारी में सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय: में रजिस्ट्री की गई हैं ।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीखा : 4-5-1983

प्रकृष वार्ष . टी . एत् . एस . ------

नायकर जीभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद विनांक 4 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2240/ एक्बी०-23/II/ 83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 232 पैकी 215, 214, 213 पैकी 231, 230 है तथा जो प्लाट नं० 5, चापारा ता० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का, निम्मिसिसित उद्देश्य से उसत बन्तरण निवित्त में बास्तिनिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिरिती वृशारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना चाहिए वा जिनाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के बनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-घं की उपभारा (1) के बभीन, निस्निविधित व्यक्तिमों, अर्थात् :—

- (1) श्री अशोक रमणलाल पुल मुख्तयार रमन लाल सी० पटेस,
 - 2. अनिल कुमार रमन लाल पटेल, रमनलाल छोटा लाल पटेल का फुल मुख्तयार :
 - 3. श्रीमती रामीबेन बल्लभ बाई पटेल, रमनलाल छोटा लाल पटेल का फुल मुख्तयार
 - 4. श्री जीवन भाई वनमाली पटेल
 - 5 श्री धुनीबन प्रभुभाई,
 - 6. श्री ठाकोर भाई केशव लाल पटेस,
 - 7. श्री जयकिशन दास नरोत्तम भाई पटेल,
 - 8. श्री लल्लू भाई रणछोड़ जी पटेल, लाखनपोर,

ता० पालसाना, जिला सूरत । अभी अमेरिका में है । फुल मुख्तयार :

भुष नुष्यमार . श्री दयाराम भाई मुलजी भाई पटेल, जोशी मोहल्ला, नवसारी ,

जिला बलसाङ् ।

(अन्तरक)

(2) श्री वया भाई रनछोड़ भाई पटेस, नीभाव, ता० बारदीसी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रों का सम्परित के वर्षन के निर्णकार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो प्लाट नं० 5 जिसका माप 10185 भौरस बार, आर० एस० नं० 252, 215, 214, 213, 230 चपारा, ता० नबसारी में स्थित है। जो बिक्रीखत नं० 978 पर तारीख 21-4-1982 में रिजस्ट्री की गई है और प्लाट नं० 37-जी अक्तूबर, में मिला था।

आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

सारी**ख** : 4-5-1983

प्ररूप वार्षं .टी .एन .एस . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मर्ष 1983:

निदेश सं० पी० आर० नं० 2241/एक्वी०-23/II/ 83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् गाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 234 पैकी 215, 214, 213 पैकी 231, 230, प्लाट नं० 89 है, तथा जो चापारा, ता० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है.) रिजर्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 अन्तूबर, 1982

को पृथांकत सम्पत्ति के उचित गाजार मृत्य से कम के एस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे एस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्री (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कभी बारने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स्र) एसी किमी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आला चाहिए था, खिपाने के स्विधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाय (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) (i) श्री अशोक कुमार रमन लाल पटेल,
 - (ii) श्री अतिल कुमार रमन लाल पटेल ।
 - (iii) रामिबिन वल्लभ भाई पटेल, ऊपर लिखा हुआ तीनां के फुल मुख्तयार : श्री रमनलाल छोटालाल पटेल ।
 - 2. जीवन भाई वनमाली भाई पटेल।
 - 3. श्री ठाकार भाई केवल भाई पटेल,
 - श्री जयिकणन दास नरोत्तम भाई पटेल ।
 - 5. श्री लल्लू भाई रणछोड़भाई पटेल, फुल मुख्तपार : दयाराम भाई मलजी भाई पटेल, जोशी मोहल्ला, नवसारी ।

(अन्तरक)

(1) 1. श्री देवाभाई अमता भाई पटेल,

2. श्री बालू भाई लाखूभाई पटेल, टोली, ता० नवसारी।

(अन्तरिती)

(3) कुछ नहीं।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) (1) श्री नगीन भाई जी पटेल,

फुल मुख्तयार :

- (i) श्री भीखाभाई जी पटेल और
- (ii) महेन्द्र भाई एम० पटेल,
- 2. श्री मनसुख भाई एम० पटेल,
- 3. श्री मनहर भाई एम० पटेल,
- 4. श्री रमेशभाई एम० पटेल,
- श्री अरुण भाई एम० हरीयाणी, आशा बाग,

नवसारी,

जिला, बलसाड़।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह वह संपत्ति में हितबद्ध है)

स्त्रे यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्थन के श्रीसए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जबीध या तर्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबीध, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूचींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों भौर पदों का, वो उक्छ अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा क्या है।

अनुसूची -

जमीन जो प्लाटनं० 89 जिसका माप 7226 चौरस बार, आर० एम० नं० 232, 215, 214, 213, 231 230 चापारा, ता० नवसारी में स्थित है। बिक्रीखत नं० 36615 पर अक्तूबर, 1982 में रजिस्ट्री की गई ।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-]], अहमदाबाद

तारीख 4-5-1983

प्ररूप आर्डं.टी.एन.एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० पी० आर०नं० 2242/एस्**यवी०**/23-।।/83-

84-- अत: मुझे, आर० आर० गाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 232, 215, 214, 213, 231, 230 प्लाट नं० 103 है, तथा जो छपारा, ता० नवसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवस में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वस्स करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीण एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित त्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री अशोक कुमार रमनलाल पटेल, श्री रमनलाल छोटालाल पटेल का फुल मुख्तयार:
 - ा. अनिल कुमार रामन लाल पटेल,
 - 2 रामीबेन वल्लभभाई पटेल,
 - श्री जीवन भाई बनमाली भाई पटेल, का फुल मुख्तयार ।
 खुद और धुनीबेन प्रभुभाई पटेल का फुल
 - मुख्तयार । 3. श्री ठाकोर भाई के व लाल पटेल,
 - 4. श्री यकि न दास नत्तम भाई पटेल ।

5. श्री लल्लू भाई रनछोड़ी भाई पटेल, साथाजी रोड, नवसारी। (अन्सरक)

(2) श्री जीवन भाई हरीलाल चितालिया राम सोसाइटी, फुट्यारा, नवसा । (अन

(अन्तरिती)

(3) कुछ नहीं।

- (4) श्री नगीन भाई गंगाभाई पटेल खुद और
 - श्री भीखा भाई गेलाभाई पटेल और
 श्री महेन्द्र भाई गेलाभाई पटेल का
 - 2. श्री मनसुख भाई मणीभाई पटेल,
 - 3. श्री रमेश भाई मणीभाई पटेल,

फुल मुख्तयार :

4. श्री अरुण भाई ए० हरियाणी, आशा बाग,

नवसारी,

जिला बलसाङ् ।

(वह ज्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताकरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितसक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के गत्र लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका माप 6702 चौरस बार प्लाट नं० 103, आर० एस० नं० 232, 215, 214, 213, 231, 230 चापरा, ता० नवसारी में स्थित है। जो बिक्रीखत सं० 3527 पर अक्तूबर, 1982 में सब-रजिस्ट्रार, नवसा के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारीः सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजे-॥, अहमदाबाद

तारीख: 4-5-1983

भूक्य बाइ. टी. एन. एस

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।, भ्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983

निवेश सं० पी० आर० सं० 2243-एसीक्यू०-23-11/83-

84-- यतः मुझे, आर० आर० शाह

वायकर मुधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् उत्पत अधिनियम कहा गया हो, की भारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. सं विभक है¹

और जिसकी सं० 222, पैकी 215, 214, 213, पैकी 231, 230है तथा जो प्लाट नं० 85 और 86, छापरा, ता० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यायल में, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वपस करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एेसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देश्यसे उत्त अन्तरण निवित् भें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी माय की बाबत, उनते विभिन्न के वभीन कर दने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वणने में सुविधा के विष्: स्ट्रिया
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्ते निधनियम्, या धन-कर **व**िधानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वृक्षः वव, उत्तर विभिनियम, की भारा 269-ग के वनुसरण **में, में**, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्--:

- (1) ⁱ. श्री अशोक कुमार रमणलाल पटेल
 - ${
 m ii}$. श्री अनिल कुमार रमणलाल पटेल
 - ⁱⁱⁱ. श्रीमती रमीक्षेन वल्लभ भाई पटेल उपर्युक्त तीन का कुल मुख्तयारः
 - 2. श्री जीवन लाल वनमालीभाई पटेल
 - 3. श्री ठाकोर लाल देवा भाई पटेल
 - 5. श्री जयिकशन वास नरोत्तम भाई पटेल
 - 6. श्री लल्लू भाई रणछोड़ जी _परटेल कुल मुख्तयार :

श्री दयाराम भाई मुलजी भाई जोशी मौहल्ला, नक्सारी

(2) 1. श्री देवाभाई अम्थाभाई पटेल (अन्तरक) 2 श्रीमती रुक्मणीबहुन देवाभाई पटेल, तोली, तह० नवसारी ।

(अन्तरिती)

(4) 1. श्री नगीन भाई जी० पटेल कुल मुख्तयार :

i श्री भीखूभाई जी० पटेल

 $\mathbf{i}^{\mathbf{j}}$ श्री महेन्द्रभाई जी० पटेल ।

2. श्री मनसुखभाई एम० पटेल,

श्री मनहरभाई एम० पटेल,

4. श्री रमेशभाई एम० पटेल,

 श्री अरुण भाई ए० हरीयानी । सभी निवासी आणा बाग, नवसारी,

जिला वल-साड ।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अघो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

का यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन को लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की अवधियातत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 विन की जविभ जो भी वयिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (ब) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में **हि**तब**ड्**थ किसी जन्य व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताभारी के पान सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हु ।

अनुसूची

जमीन प्लाटनं० 85 और 86, 9305 वर्ग फीटका कूल क्षेत्रफल सर्वे नं० 232, 215, 214, 203, 230 जो छापरा, तह० नवसारी में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, नवसारी में 3529 नं० पर अक्तूबर, 1982 में रिजस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 4-5-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2244/एक्नी०-23/II/83-

84-- ग्रसः मुझे, आर० आर० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख वहें अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 232 पैकी 215, 214, 213, पैकी 231, 230 है, तथा जो प्लाट नं० 92 चपारा, ता० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणद है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं कि जो गया है:—

- (क) बेन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) 1. श्री अशोक कुमार रामानलाल पटेल
 - 2. श्री अनील कुमार रमण लाल पटेल
 - उ. रमीबेन वल्लभभाई पटेल ऊपर लिखा हुआ आदिमयों के फुल मुख्तयार: श्री रामन लाल छोटालाल खुद और धुनीबेन प्रभुभाई पटेल नवसारी।
 - श्री जीवन भाई वनमाली भाई पटेल, खुव और धुनीबेन प्रभु भाई पटेल, का फुल मुख्तयार:

- 3. श्री ठाकोर भाई केवल भाई पटेल,
- 4. श्री जयकिशन दास एन० पटेल,
- 5. श्री लल्लू भाई आर० पटेल, दयाराम बाई एम० पटेल का फुल मुख्तयार । जोशी मोहल्ला,

नवसारी ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री महेन्द्र कुमार डी० पटेल,
 - 2. श्री अरिबन्द कुमार डी० पटेल .
 - श्री हेमन्त कुमार डी० पटेल।
 - 4. श्री जीतेन्द्र कुमार मधव भाई पटेल, वासार,

ता० नवसारी।

(अन्तरिती)

- (3) श्री नगीन भाई गेला भाई खुद और 1. श्री भीखा भाई जी० पटेल
 - 2. श्री महेन्द्र भाई जी० पटेल

काफुल मुख्तयार।

- 2. श्री महसुख भाई एम० पटेल,
- 3. श्री मनहर भाई एम० पटेल,
- 4. श्री रमेण भाई एम० पटेल,
- 5. श्री अरुण भाई ए० हरियाणी, आशा भाग,— नवसारी,—

जिलाब-लसा**ड** ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

जमीन जो प्लाट नं० 92, माप 6452 चौरसवार सर्वे नं० 232, 215, 214, 213, 231, 230 चापरा, नवसारी में स्थित है। बिक्रीखत नं० 3516 अक्तूबर, 1982 में सब-रजिस्ट्रार, नवसारी के कार्यालय में यथाविधि रजिस्ट्री की गई है।

आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I^I, **ग्रहमदाबाद**

तारीख : 4-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश संू पी॰ आर॰ नं॰ 2245/एक्वी॰-23-II/83-

84---यतः मुझे, भ्रार० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० 232 पैकी 215, 214, 213 पैकी 231, 230, प्लाट नं० 110 तथा जो छपारा, तह० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी लाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन भर दोनें के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अधने में सृषिधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण के, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1 i अशोक कुमार रमण लाल पटेल
 - ii श्री अनिल कुमार रमण लाल पटेल ।
 - iii श्रीमती रामीबेन वल्लभभाई पटेल् तीनों के कुल मुख्तयार :

श्री रमणलाल छोटालाल, नवसारी।

- श्री जीवन भाई बनमालीभाई पटेल, खुद और धुधीबेन प्रभुभाई पटेल का कुल मुख्तयार:
- 3. श्री ठाकोरभाई केवल पटेल।
- 4. श्रीजिकिन दास एन० पटेल ।

5. श्री लल्लू भाई आर० पटेल, श्री दयाराम भाई एम० पटेल का कुल मुख्तयार, जोशी मोहल्ला, नवसारी।

(अन्तरक)

(2) श्री लल्लू भाई प्रभुभाई पटेल, पोस्ट धमण, तहुरु नवसारी ।

(अन्तरितीं)

- (3) 1 श्री नगीनभाई गेलाभाई पटेल खुद और
 - श्री भीखुभाई जी० पटेल ।
 - श्रीमहेन्द्रभाई जीपटेल का कुल मुख्तयार ।
 - श्री मनसुखभाई एम० पटेल,
 - श्री मनहरभाई एम० पटेल ,
 - 4. श्री रमेशभाई एम० पटेल,
 - 5. श्री अरुणभाई ए० हरियानी, आणा बाग,

नवसारी, जिला बलसाड ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हिसबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया रया है।

अनुसूची

जमीन जिसका माप 11177 वर्ग फोट जो प्लाट नं 110, आर एस नं 232, 215, 214, 213, 231, 230, छापरा, तह नवसारी में स्थित है। बिकीखत नं 3514 पर अक्तूबर, 1982 में नवसारी सब-रजिस्ट्रार, के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है।

आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

सारीख: 4-5-1983

मोहरः

प्रका प्राई० टो० एत० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के स्थीन स्थना

भारत सूरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2246/एक्वी ०-23/II/83-84— यत: मुझे, आर० आर० शाह आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्यावर संक्ति, जिसका उचित्र बाजार पृष्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी सं० 981, 984, 985/1, एफ० पी० नं० 69 है तथा जो ककोल में स्थित है (और इ ससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 अक्तूबर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पत्त्र प्रतिपत्त प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रस्तरिती (प्रन्तिरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, कियाने में, सुविधा के लिए;

(1) श्री योगेश एस० ठाकर, खेती में कृष्णा कार्पोरेशन का भागीदार, 9, शारवा नगर, सोसाइटी, कलोल (उत्तरी गुजरात)।

(अन्तरक)

(2) खेती में शाहीन कार्पोरेशन का भागीवार, चौहान मोहम्मद इकबाल जालमभाई, मटवा कुवा, कलोल, (उत्तरी गुजरात)।

(अन्तरिती)

को पर्मूचना जारो करके पूर्वीकन समाति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मिति के प्रार्मन के सम्बन्ध में कोई भी प्राञ्जेप:---

- (ह) इत मूचना के रामप्तत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर भूवींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वद£करण !-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त प्रधिनियम के भ्रम्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्व होगा, जो उप ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो कलोल एस० नं० 981, 984, 985/1, एफ० पी० नं० 69 जिसका माप 3547 वर्ग मीटर पर स्थित है। बिक्रीखत नं० 2947 पर तारीख 30-9-82 में सब-रजिस्ट्रार, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 4-5-1983

प्रकप आहे. टी. एन. एस्.-----

भायकर मिपिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

ध्रहमदाबाद, विनांक 4 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2247/एक्वी०-23/II/8-3 84---यतः मुझे, आर० आर० शाह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्दश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकी संव्यक्ताक नंव 95/1 है, जो खटराज में स्थित है (और इससे उपाबन अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, कलोल, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिष्वल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निष् तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए, और/या
- (का) ऐसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (अन्तरक)

(2) धनश्याम इंडस्ट्रीयल प्लाट ओनर्स एसोसिएशन के द्वारा सेक्रेटरी श्री द्वारकावास हिमतलाल पटेल, पंचयटी, अम्बावाडी, अहमदाबाद ।

(अन्तरितीः)

को गह् स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सुकोंने।

स्पव्यक्तिरणः ——इसमें प्रभूकत शुब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। ग्या है।

अनुसूची

जमीन जो खतरेज ब्लाक नं० 96/1 जिसका माप 5 एकड़ 1 गूंठा में स्थित है। बिक्रीखत नं० 2646 पर तारीख 13-10-1982 में रजिस्ट्री की गई है।

> आर० आंर० शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 4-5-1983

प्रकल्प आईं. टी.; एन्.; एस.,------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज् (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकार आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाव

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2248/एक्की०-23/^{II}/83---84---यतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 0 123/4 है, तथा जो सुंगद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के रहियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एसे दहयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रनरण कि खित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुक्ती बाबत्, उक्त अधिनियम् के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्रिया
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए)

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस क्योक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोविन्य अम्राभाई, सुगद, जिला गांधी नगर।

(अन्तरक)

· (2) 1. श्री मरूगेश जयकृष्ण भाई।
2. श्रीमती पारुवेन मरुगेशभाई,
शाही वाग, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्वाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जो सुगद एस० नं० 123/4 जिसका माप 2 एकड़, 14 गूंठा पर स्थित है। जो बिक्रीखत नं० 1859 पर तारीख 15-10182 पर सब-रजिस्ट्रार, गांधी नगर के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है।

आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-^{II}, अहमदाबाद

तारीख: 4-5-1983

प्रकृष भारों हों हों एस , एस , ------

आयंकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चाना

भारत वर्षाङ

कार्यालयः सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाक 4 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० $2249/एक्की०-23/I^{I}/83-84---यतः मुझे, आर० आर० शाह$

बायकर मिश्रिन्यमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 123 है तथा जो सुगद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अंतरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी नाय की नावत, उनत् वर्डिशनियस की स्थीन कर देने के अन्तरक के वास्तिक में कमी करने वा उवसे नुष्ये में बुविधा के जिए; भार/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तः वृधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में वृद्धिश के विद्य;

नतः नग्, उक्त अभिनिष्म की भारा 269-ग के नगुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र—-

- (1) 1. श्री सादाभाई कासरीभाई।
 - 2.- श्री भागुभाई सावाभाई।
 - श्री किशोरमाई सादामाई । सुगद, तह० जिला, गांधीनगर ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री मरूगेश भाई जयकृष्ण भाई।
 - 2. श्रीमती पारुबेन मरूगेंगभाई। शाही बाग, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्परित की अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि , जो भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के ट्राज्यन में प्रकाशन की दारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पकाष्ट्रां :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृद्वों का, जो उक्त श्रीभृतिवस्, के ब्रुप्याय 20-क में प्रिकाणित श्रीत बहुत अर्थ होगा हो उस्त क्याय में दिस्स भवा है [8]

अनुसूची

जमीन जो सुगद एस० नं० 123/3 जिसका माप 2 एकड़,
4 गूंठा, बिक्रीखत नं० 1861 पर तारीख 15-10-82 में
सब-रजिस्ट्रार गोधी नगर के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 4-5-1983

प्ररूप आर्ह्न, टी, एन, एस,-----

भागकर मुधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालम्, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, महमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० पी० आर० मं० 2850/एक्वी०-23 II 83-84 म्रतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्ते अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 123/1, 123/2 है तथा जो सुगाद में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 15-10-82

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का चंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त श्रीक्षिमयम के मधीन कर देने के बन्दरक के वाबित्व में कमी करने या छससे बचने में सुविधा के किए; श्रीर/मा
- (क) ऐसी किसी आप या किसी अन या अध्य आस्तिमों को, जिन्हें मारतीय ग्रायकर ग्रीवनियम, 1922 (1922 का 11) या एक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती शारा प्रकट नहीं किया यया या या विया जाना चाहिए का जिनाने में सुविधा के किए;

प्रतः वयः उनतं विक्रिनियमं की धारा 269-यं के धनुसक्त में, में, उनतं निविज्ञित की बादा 269-यं की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रविद्

(1) श्री सोमा भाई मोरार भाई, सुगद, ता० गांधी नगर।

(अन्तरक्)

(2) 1. श्री मृगेश जयकिष्णा ।
2. श्रीमती परुबेन मृगेशभाई,
शाही बाग,
भहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी जुरु पूजीका सूपिता के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ुस</u>्ची

जमीन जो सुगाद एस० नं० 123/1, 123/2 जिसका माप एकड़, 1 गूठा 29 पर स्थित है। विक्रीखत नं० 1863 पर तारीख 15-10-82 में सब-रजिस्ट्रार, गांधी नगर के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 4-5-1983

प्रकप बार्च ु टी ु एन ु एस ु-----

मायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2251/एक्वी०-23/II/83-

84-- श्रतः मुझे, आर० आर० शाह

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- फ. से अ**धिक ह**ै

और जिसकी सं० न० 169/2 है, तथा जो कोरज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 श्रन्तुबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनुचत बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देवस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी शाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए: और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिएः

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--

(1) श्रीमती मीनाबेन, श्री हीराजी शंकर जी की विश्ववा, कोरज ता० जिला गांधी नगर।

(अन्सरक)

(2) श्री बंसीलाल टीकम लाल पटेल। कोरज सा० जिला गांधी नगर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की बबधि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवाराः
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ध हुनेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो कोरज एस० नं० 169/2 जिसका माप 2 ऐकर्स 9 गुणडा में सित है। जो बिकीखत नं० 1823 पर ता० 5-10-82 में गांधी नगर सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्द्रीकी गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, प्रहमवाबाव

तारीख: 4-5-1983

प्ररूप आहें. टी. एन. पुस. ------

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के नभीन स्मृत

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, प्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 मई 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2253/एक्की०-23/II/83-84---यतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं ० न० 302 है तथा जो करपसाव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, आनव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जिसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डियाने में सुविभा के लिए;

अतः अब उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसत व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्री चतुर भाई रनछोड़भाई भोले, लोटिया भागोल, आनद ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी को-आपरेटिय सोसाइटी लिमिटेड, अध्यक्ष गणशाम भाई सुयाई, बल्लभ विद्या नगर, जिला केयिरा।

(अन्सरिती)

को यह स्थाना बाड़ी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ब्रह्मि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्षित्रणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, जो उक्स विधिन्यम, के कृष्याय 20-क में प्रिभावित हैं, कही अर्थ होगा जो उस कृष्याय में दिया मुषा है।

वन्स्ची

जमीन जो करमसाद एस० नं० 302 जिसका माप 8100 चौरस मीटर्स में स्थित है। जो बिकीखत नं० 3816 पर तारीख . 26-10-82 में आनद सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है।

> आर० आर० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I^I, अहमदाबा**ट**

तारीख: 2-5-1983

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, महमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2253/एक्वी०-23/II/83-84--अत: मुझे, आर० आर० शाह

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 171/1-ए, 171/1 बी है, तथा जो खोरण में स्थित है (और इससे उपाबक्की ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंशरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्क अंतरण लिखित के बास्तिविक एप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (ख) एसे किसी आय वा किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्तं अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, मुर्भात् ः—

- 1. श्री छोटा जी सोमाजी,
 2. श्री मानाजी सोमाजी,
 - 3. श्री चन्दुजी मानजी, खोरज,

ता०/जिला गांधी नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री बंसी लाल टीमकलाल पटेल, खोरज, ता० जिला गांधी नगर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के वर्षक के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास जिल्हा में किए जा सकींगे।

स्पष्डीकरण :---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

जमीन जो खोरण एस० नं० 171/1-ए, 171/1-बी जिसका माप एकड़ 1 गुठा 23 पर स्थित है। जो बिकीखत सं० 1828 पर सब-रिजस्ट्रार तारीख 5-10-82 गांधीनगर के कार्यालय में रिजस्ट्री की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 4-5-1983

मोहुरु 🖫

प्ररूप साई० हो : एग • एस • ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43, की बार। 269-ए (1) के बदीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 29 अप्रैल 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2254/एकवी०-23/II/83-84श्रतः मुझे, आर० आर० शाह
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'छका अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम ग्राजनात को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- युष्य से श्राधक है
और जिसकी सं० एस० नं० 2024 है, तथा जो वहलभ
विद्यानगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आनन्व में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 12 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित से वास्तविक रूप से किशा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर किंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज्वक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः वक, उकत अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---16—136GI/83

(1) श्रीमती कुमृदबेन पटेल,
के द्वारा परकोत्तम दास नारण भाई,
नाना बाजार,
बल्लभ विद्या नगर,
ता० आनन्द ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्रिकाश्चेन जयन्ती भाई पटेल, हाई स्कूल के पास, कुंजराव, ता० आनन्व।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारो करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उरत सम्पत्ति के धर्मन के सम्मन्ध में कोई भी मान्नेप:---

- (क) इप भूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रवांच या तत्संत्रंथी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीन से 30 दिन की प्रवक्ति, जो भी
 पविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
 व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सुजना के राजरत में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन केभीनर उनन स्थारर समरति में हितबब्ध कियी जन्म स्थित द्वारा, भोतस्वारीक सम्पत्ति के पास लिखिद में किये जा उत्थे।

हेवकरीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्त व प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, को उस प्रध्याय में शिया नया है!

मन्त्रपी

जमीन और मकान जो घल्लभ विद्या नगर सी० एस०नं० 2024 पर स्थित है । बिक्रीख त नं० 3717 पर तारीख 12-10-82 में सब-रजिस्ट्रार, आनन्द के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है ।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 29-4-1983

"मो**ह्य अ**

प्रस्तप बाइ . टी. एन. एस.----

बायकरु बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व्(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्ज न रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 29 अप्रैल 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2255/एक्वी० 23/II/

83-84-- अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 326 है तथा जो करमसाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनन्द में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एमें रूप्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत उक्त जिथानयम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; जीड़/वा
- (क) एसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारकीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त आधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए थर, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास्ः— (1) श्री चीमन भाई मोती भाई पटेल, करमसाद, ता० आनन्द, जिला कायरा।

(अन्तरक)

(2) अम्बिका को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी अध्यक्ष, दत्ताराम शिवराम के पास, करमसाद, ता० आनन्द

(अन्सरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया कारता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस प्रवान के राजपत्र मो प्रकाशने की तारीस से 45 दिन की अवधि मा तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वान की दामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाक्त हमी कारों मों में किसी द्वीर इसारा;
- (ण) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्क्ष्टिकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्द, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं धर्ष होगा जो उस श्रष्टमाय में दिया नया है।

अनुसूची

जमीन जो करमसाद एस० नं० 326 जिसका माप 1 एकड़ में स्थित है। बिक्रीखत नं० 3631 परतारीख 4-10-82 में आनन्द सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 29-4-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

> अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 29 अप्रैल 1983

ि निदेश सं० पी० आर० नं० 2256/एक्बी०-23/ा/83-84—~अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 324, 325, 326 है, तथा जो नडीयाड में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नडीयाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 अक्तूबर, 1982

को प्वेंकित् सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल,, निम्नलिखित उद्वेद्यों से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अघने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृतिधा के लिए;

जतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् ्—

(1) श्रीमती मणीबेन, रामभाई णंकर भाई की विधवा, नडीयाड।

(अन्तरक)

(2) श्री मनुभाई अम्बालाल देसाई,
2 श्री ताकोभाई शामल दास पटेल।
3 श्री अथन्ती भाई शामलदास पटेल।
गंगा मैया,
कालेज रोड,
नडीयाड।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, **जो उक्त** ऑधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हर्ने, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु**स्**षी

जमीन जो नडीयाड जिसका सर्वे नं० 324, 325; 326 जिसका माप एकड़ 1 गूठा 12 पर स्थित है। बिकी॰ खत नं० 7633 पर नारीख 29-10-82 में सब-रजिस्ट्रार, नडीयाड के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है।

आर० आ**र० गाह्** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अ**हमदाबाद**

तारी**व** : 29-4-1983

भोहर 🖫

प्ररूप बाइ. टी. पुन्. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक वायकरु बायुक्त (निरीक्षण)

ंअर्जन रेंज- $\mathbf{I}_{\mathbf{I}}$, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अप्रैल 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2257/एक्वी-23/II/83-84 --यतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद्धा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है।

और जिसकी सं ं नं 2918, एफ ं पी ं 186, हैं, जो नड़ीयाड में स्थित हैं (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नड़ीयाड में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिवित उद्देश्य से उसत अंतरण कित्रण के लिए तम

- (क) अन्तरण से हुई फिसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः जबः, उक्तः अधिनियम की भारा 269-गं के अनुसरण मों., मीं उक्तः अधिनियम की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित <u>व्यक्तियों,</u> जभीत् :---

- 1, (1) श्रीमती जीवा बेन जवान सिंह मोम सिंह की विधया।
 - (2) माल सिंह जवान सिंह नडियाड। (अन्तरक)
- तीदीप को० हौ० सोसा० लिमिटेड पिज रोड़, नडीयाड।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाही सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुपा हुँ।

नुस्यो

जभीन जो एस० नं० 2918 टी ० पी ० प्लाट नं० 186 जिसका माप 4856 चोरस मीटर में स्थित है। बिक्रीखत नं० 4069 पर तारीख 22-10-82 में सर्वे रजिस्ट्रार नकीमाड के कार्यालय में यथा विधि रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह्य सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

्तारी**य**ै: 29-4-19**8**3

मोहरः

प्ररूप आहाँ, दी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयक ए आयुक्त (निर्काण)

अर्जन रेंज-I , अक्रमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2258/एक्की-<math>23/II/83-84—यतः मुझे, आर० आर० शाह्,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी॰पी॰ एस॰ 1, एफ॰ पी॰ 779, 780 है, जो नडीयाड में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नडीयाड में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिसित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत्त, उथता अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्ही भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूबिधा के लिए?

अतः अभ, उम्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--

- (1) श्री ईनदु भाई मगन भाई पटेल
 - (2) श्री भागीकांन्त भाई पटेल।
 - (3) श्री जगदीशभाई मगन भाई पटेल।
 - (4) श्रीमती गंगाबेन मगन भाई पटेल अशानगर सोसायटी, नडीयाड।

(अम्लरक)

2. मगन भाई पाक को० ओ० हौ० सोसायटी के द्वारा अधीयक्ष, श्री परणीतम अमनताल पटेल लाखावार्ड, नडीयाड।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन के भीतार उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

जमीन जो टी० पी० एम० 1 नडीयाड एफ० पी० नं० 779 और 780 जिसका माप 1791 चोरर्स मिटर पर स्थित है। जो बिकीखत नं० 7432 पर तारीख 7-10-1982 में सब-रजिस्ट्रार नडीयाड के कार्यालय में रिजस्ट्री की गयी है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी स**ता**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजः^{II}, अष्टमदाबाद

तारीख: 29-4-1983

प्ररूप बाइ . टो. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) जै व्यीत सूच्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- Π , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अप्रैल 1983

निदेश सं० पी० आर० 2259/एक्यी-23/II/83-84---यतः मुझे आर० आर० शाह,

भायकर विधिनयमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० अलेमबीक, नगर है, जो बेरोडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, 26-10-1982

को पूर्वोक्त संप्रतित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए संग्र पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबक्क, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के सिए; जॉर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्त्यों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था किया में स्विभा के सिए;

अतः अब, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिन्दित व्यक्तिगों, अर्थात् ह श्री रमेश भाई पुरुषोतमदास पटेल ए.-21, अलेम-वीक कोलोनी, बेरोडा-3।

(अन्तरक)

 श्री राजाराम चुनीलाल नायक, जी०-117, अलेमबीक गलास कोलोनी, बरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत संपृत्ति के अर्थन के सिष्ट कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप 🖫 ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकिय में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः--इसमे- प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

जमीन और मकान जो ए०-2, अलेमबीक बेरोडा में स्थित है। जो बिकीखत नं० 5528 पर तारीख 26-10-82 में सब-रजिस्ट्रार बेरोडा के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी है।

> आर० भार० शाह् पक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख: 29-4-1983

मोहर 🛭

प्ररूप बाइं. टी. एन्. एस्. = - - -- -

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदांबाद, दिनांक 29 अप्रैल 1983 निर्देश सं० पी० आर० नं० 2260/एक्यू-23/II/83-84—यतः मुझे आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपरित, जिसका उधित आजार भृस्व 25,000/- का से अधिक ही

और जिसकी सं० नं० 33/1 है, जो गोखा, बरोदा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरोदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह निश्यास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्परित का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक खप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की वायत., उक्त निधिन्यम् के जभीन् कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुनिधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः थय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निमृद्धित अधिकतथों, अर्थात् क्ष्म

- 1. (1) श्री दयाभाई रेखाभाई पटेल।
 - (2) श्री दलमुख भाई वयाभाई पटेल।
 - (3) श्री शाहणा भाई रेवाभाई पटेल।
 - (4) श्री बीपीन भाई णाहणभाई पटेल, गोखा, बरोदा।

(अन्सरक)

(2) जय बजरंग को० ओ० हौ० सोसायटी गोरवा, बेरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

एक्ट एक्ट्रील में ध्रांन् के स्मन्त्र में कोर्ड मी माओ्र््र--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अविध या तरसंबंधी क्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताकारी के गास लिखित में किए जा सर्कां।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जो गोरवा एस० नं० 33/1, जिसका माप 6006 चोरस मिटस पर स्थित है। बिकीखर नं० 6521 पर तारीख 21-10-82 में सब-रजिस्ट्रार, बेरोडा के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख: 29-4-1983

त्रकप नाइ. टी. एन. एस.-----

काय्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II; अहमदाबाद
अहमदाबाद दिनांक 4 मई 1983

निर्देश नं० पी० आर० नं० 2261 एक्यू-23-11/ 83-84--अतः मुझ आर० आर० शाह मावकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् "ब्रक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सुक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिलका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी संख्या सर्वे नं० 172/2 है तथा जो खारेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण इप से वर्णित है)रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5 अक्तूबर 1982 को पूर्वीवस सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से काम के दश्यमान प्रतिकक्ष के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्तास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एोसे अंतरण के जिए तय पावा गया प्रति -

फल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण तिसित में बास्तियक

क्रम को कथित नहीं किया गया है :--

- (क) शंतरण से हुई किसी नाय की नायत, उपस अधितियम के अधीन कर दोने के शंतरक की दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जसः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कॅ, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री अली मियां लेसामियां
 - (2) श्री साधर मियां लेसामियां
 - (3) श्री सलीम मियां अली मियां
 - (4) श्री ईस्माइल अली मियां
 - (5) श्री ईसुमियां अली मियां खोरज ता० गांधी नगर

(अन्तरक)

 श्री बंसी लाल टिकमलाल पटेल खारेण ता० गांधी नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंच ते 45 दिन् के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य अध्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वृष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्दों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं., वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया नया हैं।

जनसन्ती

जमीन सर्वे नं० 172/2 कुल क्षेत्रफल 2 एकड़ 1 अंगूठा है जो खारेज में स्थित है। सब रजिस्ट्रार गांधीनगर में 1829 नंबर पर दिनांक 5 अक्तूबर 1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

> भार० आग्० शाह सक्षम प्राधिकारी सहामक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

तारी**च** : 4-5-88

मोष्ट्र :

त्ररूप आह". टी. एन. एस. ------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय अर्जन रेंग II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2262 एक्यू -23-11 /83-84--अतः मुझे आर० आर० णाह् आयकर भीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भीधिनियम' कहा गया है), की ध्युरा 269-ख के भीधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- स्पए से भीधक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 169/1 है तथा जो खरेज में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूचि में पूर्ण रूप में वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5 अकत्वर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्निसित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्ष्य के कथित नहीं कि या गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; को ना
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जाकत अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों. अधीत :——

- (1) श्रीमती बीबीबर्न अलामदभीयां
- (2) श्री रमजानमीयां उमदमीयां
- (3) श्रीमती अलारसीस उमदमीयां खारेज ; ता० गांधीनगर

(अन्तरक)

(2) श्री बन्सीलाल चिकनलाल पटेल खारेज सा० गांधीनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स ने 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 169/1 जो खरेज में स्थित है। राजस्ट्रार गांधीनगर में 1624 नं० पर दिनाक 5-10-82 में राजस्टर्ड कि गई है।

आर० आर० शाह, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II३ अहमदाबाद

मारीख 4-5-1983 मोहर:

शरूप आहें.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2263 एक्यू -23ना 83-84--अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे नं० 169/बी ए.०/169/बी/बी है तथा जो खारेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से विणित है); रिज्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5 अकतुबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिधों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के. अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भन या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती पालीसरन देसराज डोसाभाषी
- (2) श्रीमती पूंजीसरन देसराज डोसाभाओं खारेज ता—गांधीनगर

(अन्तरक)

(2) श्री बन्सीलाल त्रिकमलाल पटेल खारेज ना० गांधीनगर

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्बनाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 169/बी०/ ए० 169/बी०/बी० कुल क्षेत्रफल 81 गज है जो खारेज में स्थित है। सब रजिस्ट्रार गांधीनगर में 1826 नं० पर दिनांक 5 अक्तूबर 1982 में रजिस्टर्ड कि गई है।

> आर० आर० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारी**ख**: 4-5-1983

प्रकल्प नाइ . टी. एन. एस. -----

आयकार क्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11 अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 6 मई 1983

निदेश सं०पी० आर० नं० 2264 एक्यू 23-11/ 83-84-अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है^{*}

और जिसकी सं० सर्वे नं० 84/B है तथा जो गणदेवी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पुर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय गणदेवी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 4 अकत्बर 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपर्तित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे पश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आगकी बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिरियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा -के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु ध --

- (1) श्री जमनादास और सन्स भागीदार
- (1) श्री हरिकिशन दास जमनादास कापडिया
- (2) श्री जयकिशन दास जमनादास कापिडया
- (3) धीरज लाल जमनादास कापंडिया गणदेवी

(अन्तरक)

(2) श्री रणनश प्रा० लि० जें एल बी० एस० मार्ग करोनी बी० बम्बई मरखयार श्री आर० आर० रामचन्द्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिकतयाँ ,पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो मी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकैंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जमीन एन० ए० सर्वे नं०84/बी०-1623 चौ माटर्स (5500 चौ० फीट) फैक्टरी बिल्डीग पक्प रोड़ जो गणदेवी में स्थित है। सब रजिस्टर गणदेवी में 1821 बासरपर ता० 4 अक्तबर 1982 में रजिस्टर्ड कि गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II अहमदाबाद

मोहर :

तारीख : 6-5-1983

श्रुकप् आई. टी. एम. एस. -----

पायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मई 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2265 एस्थ्यू -23-II/83-84-अतः मुझ आर० आर० शाह श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीम सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से बिक है और जिसकी सं० 189 चौकी है तथा जो नवसारी में स्थित है (और इसेस उपावछ अनुमूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीविक है और खन्तरक (अन्तरकों) और खन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पायम् गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से खन्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से खित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनसे अधिनियम के अधीन कर देने के अन्त्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (श्र) ऐसी किसी ग्राय मा किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय ग्रम्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

- (1) श्री हरिभाई महादेव भाई पटल
- (2) श्री पुलसीभाई लालभाई पटेल पदयां ता नवसारी (अन्तरक)
- (2) सहयोग को ओ यू सो लि० चैयरमैन श्री छीसा भाई उकाभाई पटेल सक्रेटरी श्री सनमुखभाई आर० पटेल कजीलपारे नवसारी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिया में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षेह्स्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 189 चौकी 6 हक्टयर 15 गुडा जो दसरो टकरी नवसारी में स्थित है । सब रिजस्ट्रार, नयसारी में 3817 नं० पर ता 28 सितम्बर 1982 में रिजस्टर्ड कि गई है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1^I, अहम**दा**बाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

तारीख :- 6-5-1983 मोहर :- प्ररूप नाई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनाक 6 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2266 एस्क्यू-23-II/83-84--अतः मुझे आर० आर० णाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 225 णटर सर्वे नं० 1299— टीका नं० 27 है । तथा जो जलाल पोर ता० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूकी में और पूर्ण रूप रो विणित है) ;रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1 अक्टबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृष्ट्र है और मृष्ट्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री फिराज अस प्रा० लबर्स्स मेन्सन भाईलास भाई देसाई रोड़ बम्बई — 500026

(अन्तरक)

- (2) मैसर्भ कन्स्ट्रअशन का के भागीदार
 - (1) श्री मोहमद शदीक अब्दूल सनांर
 - (2) श्री अन्दुल गफर अन्दुल सनांर
 - (3) श्री वल्लभमाई शामीजीभाई ठाकर
 - (4) श्री बनमीलाल बल्लभभाई ठक्कर
 - (5) श्री अशोक छोटेलाल शाह
 - (6) श्री सन्कीम अमनशाह
 - (7) श्री घन्णाम लाल टी०

दुजय मार्केट 369 शेख मेन्सन शेरी बम्बई 20 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

जमीन सर्वे नं० 225 गटर सर्वे नं० 1299, टीका नं० 27 जिसका कुल क्षत्रफल 14265 चौ० है जो जलालयाल में स्थित है। सच रजिस्टर्ड नक्सारी में 3859 नम्बर पर ता० 1 अक्टूबर 1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह सिक्षम प्राधिकारी ृसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II अहमदाबाद

तारीख : 6-5-1983

प्ररूप आहु . टो . एन . एस . ------

मावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1983 निदेश सं० पी० आर० नं० 2267—ग्रतः मुझे, आर० आर० शाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संविद्या पृति एसव 5 एफविषा नंव 289-2 है। तथा जो प्लाट नंव 2 आडवा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम ; 1908 (1908 का 16) के अधीन 14 अक्टूबर 1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गय भा या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सूबिधा के लिए;

(1) श्री नरेन्द्र चमन लाल खासार खोसार गेरी, लीमडा चौक, सूरत

(अन्तरक)

(2) श्री छोटू भाई गोविदजी पटेल कोलासण ता०—नवसारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वें 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किस। प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाधित है, वही अर्थ होगा भी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन टी॰ पी॰ एस॰ एफ॰ 5 पी॰ नं॰ 289 बी॰ प्लाट नं॰ 2 जिसका कुल क्षेत्रफल 511 चौ॰ मीटस जो आडवा, सूरत में 76084 नं॰ पर ता॰ 14 ग्रम्टूबर 1982 में रजिस्ट्री की गई है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बभीन, निम्नलिसित स्पक्तियों, अर्थात्:—

तारीखा : 10-5-1983

प्रकृप ग्राई • टी • एन • एस •--

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज II, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 12 मई 1983 निदेश सं० पी० आर.० नं० 2268 एक्यू --23-II/ 83-84--म्रतः मुझे आर.० आर.० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाग 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिलका उचित वाजार मृत्यू 25,000 रं-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 10 दूसरी मंजील, वनसार्जन फ्लैंट, है। तथा जो सग्रांमपुर, सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रुप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28 ग्रगस्त 1982

को पूर्वों क्त स्म्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त श्रीधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्वैधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् ।:—-- (1) मैसर्स अजेन्ट कन्स्ट्रवशन कः (ग्रार० एफ०) 34 अलकापूरी मोसायटी, सुमुल डेरी रोड गुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री रशमीकान्ता रितलाल देसाई पलैट नं० 10 तासरी मंजील नवसार्जन फ्लैट सम्रामपुर, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कश सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन को तारोब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यधित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से त 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं । 10 कुल क्षेत्रफल 94 वर्ग मीटर जो नवसार्जन फ्लैट जिसकी तिसरी मंजिल सग्रामपुर, सूरत में स्थित है न्यू महादेव नगर मोसयटी एस ग्रार रजिस्टर्ड सूरत में 5692 नं म्बर पर ता । 18 ग्रामस्त 1982 में रजिस्टर्ड किया गया है ।

आर्० आर० शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II , अहमदाबाद

तारीख:- 12-5-1983

1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद
ग्रहमदाबाद, दिनांक 12 मई 1983
निदेश सं० पी० आर० न० 2269 अक्यू -23-11/
83-84-- ग्रतः मुझे आर० आर० शाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं० नया स्वें नं० 7 नींध नं० 50 स्टेशन के सामने है तथा जो ग्रीकार चैम्मर्स, भूरत में स्थित है
और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है);
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7 अक्टूबर

को प्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सो, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर यने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 की प्रश्लोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री घनश्याम भाई जावेर भाई पटेल हरिपुरा, हनुमान बाजार, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री छगन भाई फकीर भाई पटेल ठाकोर भाई छगन भाई पटेल घाला ता० कामरेज, जि०: सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दश किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 12 न्यू सब नं० 7, नींघ नं० 50, क्षेत्रफल 83.706 चौरस मीटर्स जो आय कार चम्बर्स सुरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सुरत में, 7357नंबर पर ता० 7 अक्टूबर 1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-^{II}, अहमदाबाद

तारी**ख** : 12-5-1983

मोहर ः

प्ररूप आइ. .टी. एन . एस . ------

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 मई 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2270 अक्यू 23-II/ 83-84--अत: मुझे आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूट. से अधिक हैं

और जिसकी सं० वार्ड नं० 7 नोंध 1022/ के०/2 पैकी फ्लैंट नं० 301 है तथा जो सबेर ग्रंपार्टमेंट रामपुर छादाल टुंकी सूरत में स्थित है (ग्रत: इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16 के) अधीन 19 अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंशत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत , उकत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

मतः अव, उनत अधिनियम की भारा 269-ग के, बन्सरण में, में, उनत अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री ईस्माईल अहमद कीडी
- (2) श्री यूसफ मोहमद पटेल

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल रसीद रहमातुल्ला गेख 156, बारटोन स्ट्रीट, गलेस्टर

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 301 तीसरी मंजील ए० ब्लाक, वार्ड नं० 7 नींध नं० 1022/ के०/2 पैकी व 1024 का अर्थ भाग कुल क्षेत्रफल 68.58 ची० मीटर्स जो सर्वे प्रपार्टमेंन्ट सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 7565 नम्बर पर ताः 13 अक्टूबर 1982 में रजिस्टर्ड किया जाता है।

आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 12-5-83

मोहार :

प्ररूप **नार**. टी. एन. एस.-----

जासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की न भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 12 मई 1983

निवेण सं० पी० आर० नं० 2271 एक्यू-23-II/
83-84-- झतः मुझे, आर० आर० शाह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० पलेंट नं० 6 नवसर्जन अपार्टमेन्ट है तथा
जो सम्रामपुरा सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूचि में और पूर्ण रूप से अणित है),रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी
के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनाक 18 अक्टूबर 1982

(1908 का 16) के अधीन दिनांक 18 अक्टूबर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिकित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अपस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मेसर्स अजन्ता कन्स्ट्रक्थान कं० 3-9 नवसर्जन ग्रपार्ट मेन्ट समीप महादेव नगर सग्रांमपुर सूरत

(अन्तरक)

(2) श्री पुरसोतमभाई नारनभाई पटेल नवसर्जन अपार्टमेन्ट, दूसरी मंजिल खंड नं०6, महादेवनगर सम्मपुरा सुरस

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्नारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उक्त प्रधिनियम के शब्दाय 20क में परिभाषित है, वही शर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसची

प्लाट नं० 6 दूसरी मंजील बिल्डींग नं० 2 नवसर्जन अपार्टमेंन्ट महावेव नगर के नजदीक सग्रामपुर सूरत जिसका कुल क्षेत्रफल 94 चौ०मीटर है सब रजिस्टर्ड सूरत में 7819 नम्बर पर ता० 18 अक्टूबर 1982 में रजिस्टर्ड किया हुआ है।

आर० आर० शाह[,] सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 12-5-1983

प्ररूप् बाद्दं ,टी ुएन् , एस ,-----

बाब्कर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 12 मई 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2272 एक्यू-23-II/
83-84-अतः मुझे आर० आर० शाह
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वं इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण हैं कि स्थावर तम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000 द० से अधिक है

और जिसकी सं० 52, 53 पैकी 61 पैकी है तथा जो कारेज ता० घौर्यासी जि० सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारीं के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22 अप्रैल 1982

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाग की वावत, उक्त अर्मुभ्रावदन की सभीत कर दोने के अन्तरक के दारित्य में कनी करने वा उससे वचने में सुविभा से सिए; बार/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसित्यों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1987 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनतिरती चूवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा में शिव्यः

जतः जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-में की उपभारा (1) के विधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, जभीत् ड── (1) श्री जयरामभाई शीवाभाई वाडीबाल संयदपुरा भंडेरीवाड, सैयदपुरा सूरत

(ग्रन्सरक)

(2) श्री भवानी नगर को० ओ० हा० सो० लि० चयरमैन श्री जादव भाई मावजीभाई पंचोली 5 रामकृष्ण सोसायटी लाम्बे हनुमान मार्ग, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी क्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 52, 53 पैकी 61 पैकी कारेज ता० चोर्यासी— सूरत जिसका कुल श्रेत्नफल 9864 वर्ग मीटर है। (एस ग्रार) रिजस्टार सूरत में 2427 नम्बर पर ता० 22 अप्रैल 1982 में रिजस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज II अहमदाबाद

तारीच : 12-5-1983

प्रकप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्रा अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2273 एक्यू-23/II 83-84-अत: मुझे, आर० आर० शाह, ग्रायकर अिविषयम, 1961 (1961 का 43) (असे इसमें इसके पश्चात् 'एकत अधिनियम' कहा ज्या है), की भारा 26% के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जाएण है कि स्थावर मन्पति, नियहा उवित वाजार मूह्य 25,000/- र० से अभिक है

और जिसकी सं बोर्ड नं 1 नौध नं 396 है। तथा जो नानपूरा सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से विणत है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन 15 अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त समाति के विचित बाजार मूस्य से कम के सूम्मान प्रतिफल के लिए सन्तरित की नई है सौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का विचत बाजार मूल्म, उसके दृश्यमान प्रतिकास मे ऐसे पृथ्यमान प्रतिकास का परवह प्रतिकास से सिक्त है और सम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (सम्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकास, निम्नलिखित छदेश्य मे उन्त अन्तरण लिखित में वाक्तविका कप से कांयत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई कि ना शाय की बाबत, धनत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में इसी करने या उससे बचने में मुनिधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी कियो आप या कियो घन या अग्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर भ्राधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जक्त भ्राधिनियम, या अन-कर भ्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया या किया जाना चाहिए वा. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, चर्च प्रधिनियम की धारा 26 अना के अनुबरण में, में, चक्तं अधिनियम की धारा 26 अन्य की जपवारा (1) के व्यक्षीन, निक्तिविधित व्यक्तियों प्रचीत् ≔- (1) श्री नरीमान नसरवानजी मुखत्यार श्री नसखानजी बेहरामजी, सरोज आरदेसर पटेल, फिरोज नसरवानजी और गुलभाई फरोख सेना नानपूर सूरत

(अन्तरक)

(2) रीपा अपार्टमेंट को प्रो० सो० लि० सेवामुख श्री शांतिलाल मानीलाल बोसी सेकेटरी श्री दिनेश कुमार केशवलाल शाह नानपुरा भट्या मोहल्ला, सूरत (श्रन्वरिती)

की **यह तृष्टन। कारी शरके पूर्वीयत सम्पति के अर्जे**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सकति के अर्थन के मंबंध में सोई हो आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक से 48 विन की अवित्र या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामीक से 30 विन की अवित्र; वो भी अवित्र वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजएत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के जीवर एकत स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी अन्य व्यक्ति हारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए बा सकोंगे।

स्पन्धीकरण:--इसम प्रयुक्त सम्बों भीर पर्वो का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-का परिचालित है;वहीं सर्व होषा, चो उस अध्याय में विमा गया है।

गगलगी

विल्डींग बोर्ड-नं० नोट नं० 396 क्षेत्रफल 225 वर्ग मीटर्स जो नानपुरा भय्या मौहोल्ला सूरत में स्थित हैं सब रजिस्टार सूरत में 7685 में ता० 15 अक्टूबर 1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 11, अहमदाबाद

तारीख : 12-5-1983

नोहुदु 😗

प्ररूप नाहै, टी., एन्., एस्.------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर नामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद अहमदाबाद दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० पी० म्रार० नं०-2274 असम्यू -23-II/ 83-84-अतः मुझ आर० आर० शाह बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसर्वे

इसके परवात 'उनत् अधिनियम' कहा गया है), की भास 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० बुकान नं० 26 ब्लाक नं० सी बम्बई मार्केट हैं। तथा जो सहारा परवाजा उमरवाडा सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4 अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्मिति के उपित बाजार भूक्य से कम के स्वकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) कृष्णहरून वे हुन्दै हिंकती भाग की बागत, उपत विधितियम के वृधीन कह दोने के बन्तुरक के बामित्य में कमी कहने या उससे वृष्णे की सृष्टिशा के सिए; शहि/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी थन या जस्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर ज्ञिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिये था, जिनारी में सुविधा में सिक्ट;

न्तः नृत , उन्त निधृनियम की भारा 269-ग कै नृत्वरण में , में , उन्त निधित्यम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीत , निज्ञिस्तिकत व्यक्तियों , नभीत् क्रिक्त

- (1) श्री कान्तीलाल ईशवरलाल लोटवाला
- (2) श्री शांतिलाल ईशवरलाल लोटवाला
- (3) श्री अम्प्रतलाल ईशवरलाल लोटवाला
- (4) श्री अरविदलाल ईशवरलाल लोटवाला महिन्द्रपुरा, वियाशरी सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री भरत कुमार बाबुलाल शाह। सी-2 हिमानी अपोर्टमेंट मजरागेट सुरत।

(अन्सरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी कृत्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकने।

स्थव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यक्तुमारी

दुकाम नं० 26 ब्लाक सी सोम्से मार्केट आर्ट सिस्क को० ओ० (दुकान और गोडाउन) सो० लि० जो० सहारा दरवाजा उमरवाडा सूरत में रिजस्टर्ड कि गई है। सब रिजस्टार सूरत में ता० 4 अक्टूबर 1982 में रिजस्टर्ड कि गई है इनके साथ फार्म नं० 37 ई०ई० ता० 29 जून 82 भी सामील किया गया है।

> भार० आर० शाह समम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज II, अहमाद ।

तारी**य**:12 -5-19 मो**हर** ॥ प्रारूप भार्ड. टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज , अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 24 मई 1983

निवेश सं० पी० आर नं० 2275 / क्यी $-\dot{2}3/II/$ 83—84—यतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 13 सी है जो बरोडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ब्रनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरोडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1980 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1982

पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्वेश्य से उक्त अन्तरण मिसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है.—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उत्तर विभिन्नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; आर्/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियों को जिन्ही भारतीय नायकार निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की, अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निकासिविक स्थितियों, अर्थात् :-- (1) कृष्णाकान्स गोविन्व भाई रावु रासुलाबाद वागोडीला जिल्ला बरोजा।

(अन्तरक)

(2) श्री निलनकान्त विभुवनदास पटेल, शीयापुरा, रावुपुरा, बेरोदा।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यगाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई आक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक् से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सर्कों।

स्यक्कीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

जमीन और मकान जो रावपुरा एस० नं० 13 सी जिसका माप 1288 चोरस वार प्र स्थित है। जो विकेता नं० 6228 पर सब रजिस्ट्रार बरोडा के कार्यालय में अक्तूबर महीने में 1982 करविधि रजिस्ट्री की गई है।

> आर० आर० शाहा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

क्षारीख: 22-5-82

मोहरः

पृथ्य बार्<u>ड हो . इन</u> . एत . -----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निर्धिशण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 24-5-1983

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० '2276/एक्जी/23/II-83-84-यतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस ० नं० 663/1/सी० है, जो पानीगेट के सामने में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरोड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे इन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उच्चरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीभनियम के ब्यीन कर दोने के बन्तरण के दायित्व में कभी करने या उन्ने वचने में बृविधा से सिए; सरि/वा
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या अन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, खिपाने में स्वित्रा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री मुकुन्दलाल पुरुषोत्तमदास शाह लाहेरीपुरा, खराबीवाड़ा, बरोदा।

(अन्तरक)

(2) गायली फ्लेट्स को० ओ० हा० सोसाइटी लिमिटेड के द्वारा श्री चगनलाल एम० जोशी, खत्नी पोल, बरोडा।

(अन्तरक)

स्त्रं यह सुम्ता आदी करके पूर्वोक्त स्म्युरित के मर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पृतिस् के वृर्धन् को सम्बन्ध् में ऋदि भी बाहोप् ६--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीत से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्षरी के पाई लिसित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरुज् :--इसमें प्रयुक्त कर्जा और पर्यों का, की उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस मुख्याय में विया गया है।

अमृसूची

जमीन जो पानीगेट के सामने सी० एस० नं० 663/1/सी० जिसका नं 710 चोरस मीटर पर स्थित है। जो बिकी खत नं० 6280 पर अक्तूबर, 1982 में सब रजिस्ट्रार, बरोडा के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है।

आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

तारीख: 24-5-83

प्ररूप भाइं. टी. एन. एस. -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नुभीन सुम्पा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकार नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 24-5-1983

निर्वेश सं०पी० आर० नं० 2277/मार्केट--23/II/83-84-यत: मुझे, आर० आर० शाह,

नायकर निभिन्नसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 328/1, 328/2, 328/4 और 329 है तथा जो नडियाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नडियाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-10-1982

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नतिचित उद्वेदय से उच्च कन्तरण कि चित में बास्तीवक हुए से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की बाबत, अचल जीधनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्त्रिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियानी में स्विधा के लिए;

अतः, अवः, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निमित्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्रीमती बीनाबेन अशोककुमार पारेख
 - 2. मैनर हेतल अशोक कुमार पारेख
 - मैनेर /शीतल अशोक कुमार पारेख के बारा कुलमुकत्तायार
 - कुन्जविहारीदास अम्बाकाल पारेख, फ्लेट नं ० 8, जवाहर मगर, गोरगांव पश्चिम, बम्बई-400062 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमिति बकुलबेन अनील बाई पटेल, कैनस सोसायटी, मोटा कुम्भनाथ रोड, नडियाड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर् स्वान की तामील से 30 विन की अवधि, वो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के बीतर वृज्येंक्त व्यक्तियों में से किसी स्पनित ब्वास;
- (क) इस त्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तररीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी कृष व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्ष्री के पाव सिवित में किए जा सकेंगे।

ल्लाकीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, को उक्त निश्तिक के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो एस० नं० 328/1, 328/2, 328/4, और 329 जिसका माप विस्तार 542 चौरस मोटर और मकान बनाया हुआ विस्तार 187 वर्ग गज पर स्थित है। जो बिकी खाता नं० 7142 पर तारीख 4-10-1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 24-5-1983

मोद्वर :

प्ररूप भार्च.टी.एन.एस.------

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्थालय, राहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 24-5-1983

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 2278/एक्वी—23/II83/84— यस: मुझे, आर० आर० शाह,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उम्मत् अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समास्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रुपये से अधिव है

और जिसकी सं ० एस० नं ० 2898/2 टी० टी० एस० 1 है तथा जो नाडियाड में स्थित है (और इंसने उपाबड अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाडियाड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-10-82

को पूर्वोवत सम्भित्त के उपित वाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानुवोवत संपत्ति का उपित वाजार मृत्य, उसके प्रथमान प्रतिफल से, एक ध्रयमान प्रतिफल का पढ़िह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीव एके अवरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं दिवया गया है:——

- (क) जन्तरणं से हुई किसी आय की बाबत, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधिन्य में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भागतीय आय-कर दिधित्यम, 1922 (1972 का 11) या अक्त अधितियम, 1922 का 11) या अक्त अधितियम, या धन-कर अधितियम, या धन-कर अधितियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती तथारा प्रकट नहीं किया गया था या दिल्ला जान चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्डि व्यक्तियों, अर्थात् :----- 19--13631/83

- (1) 1. विष्णुभाई गोकलभाई पटेल,
 - श्री वीरभानु गोकलभाई पटेल, कुलमुख्तियार,
 - श्री सर्वप्रिया वीरभानु भाई पटेल, मिशन एरिया, नाडियाड ।

(अन्तरक)

- (2) त्रिनाथ को० ओ० हो० सोसाइटी लिमिटेड ।
 - अध्यक्ष श्री गोरधनभाई फूलाभाई, खारीपोल रोड, नाडियाड ।
 - सचिव, रमेश भाई, पुनमभाई राणा, विश्वनगर, नाडियाछ ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवत में किए वा सकेंगे।

स्वव्यक्षित्वः --- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विस गवा है।

अनुसूची

जमीन जो नाडियाड एस० नं० 2898/2 माप 3373 घोरस मीटर पर स्थित है। जो बिकी खाता नं० 7631 पर तारीख 26-10-1982 में नाडियाड सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है।

आर० आर० **गाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहम**दा**बाव

सारीख: 24-5-1983

प्ररूप आहें . टी . एन . एसं . -----

अाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**य**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 25-5-1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2279/एक्यू०-23/II/83-84- यक्षः मुझे आर० आर० भाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-स के अधीन सका प्राधिकारी को यह निश्वासं करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 9, नोद नं० 1685 है, जो किलापीठ, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, स्रत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-10-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुभे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।——

(1) श्रांमती मुलोबनाबेन मनसुखलाल, लल्लू भाई दलाल, 80, नैपनसी रोड, बी--52, दरियमाहाल, बम्बई-6।

(अन्तरक)

- (2) श्री मथुरदास कानजी भाई सूचाक, नटराज एपार्टमेंट, पहला मंजिल, जी ब्लाक, भागव तालाब, सूरत ।
- 2. चारूनता भथुरा दास सूचाक, चोरासी, जिला सूरत । (अन्सरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वों क्त सम्प्रित के अर्जन के सिष्ट कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थावस्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा?
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 चिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यबुध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टिक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

अनुसूची

जमीन मकान के साथ जो नोट नं० 1685, वार्ड नं० 9 (डालपीठ, सूरत) जिसका माप 170 चोरस वडी गज पर स्थित है। जो बिकी खाता नं० 7339 पर तारीख 6-10-1982 में सब रजिस्ट्रार सूरत के कार्यालय पर रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 25-5-83

′मोहर 🛭

प्ररूप आई टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिमांक 25 मई 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० एक्वी० 2280/23/II/ 83—84--यतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें . इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 599/1+4 है, तथा जो भागचशाला, बुकसार जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलमार में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 18-10-82

को पूर्विक्त सपित्त के उचित् बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तुविक रूप से किथान नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिहा भारतीय आवकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा भन्कर अधिनियम, भा भन्कर अधिनियम, भा भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :---

(1) श्री अम्बालाल रणछोड्जी देसाई, तिस्तल रोड, बुलसार ।

(अन्तरक)

(2) बायूनगर को-ओ० ही० सोसायटी लिमिटेड, प्रमुख श्री नटबरलाल मगनलाल देसाई, सरदार नगर, तित्तल रोड, मलसार ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति भी अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स, स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूधना के राजपश्र में प्रकाशन की सारीख सें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जिसका माप 3650 वर्ग गज पर भागदवाला गांव में बुलसार जिला में स्थित है। जो बिकी खत नं ० 2267 पर तारीख 18-10-1982 में सब-रजिस्ट्रार बुलसार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज- , अहमदाबाद

तारीखा: 25-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम,' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 232 पैकी, 215, 214, 213 पैकी 231, 230 है, जो प्लाट नं० 104, चपारा, ता० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाब इ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-10-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाषार मृत्य से कम के ख्रमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्रमान प्रतिफल से, एसे ख्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुक्क किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री अशोककुमार रामनलाल पटेल श्री अनिलकुमार रामनलाल पटेल श्री रामीबेन बल्लभभाई पटेल ऊपर लिखा हुआ तीनों हा कुलमुकतयार रमभनलाल, छोटालाल, पटेल, नबसारी

- (2) जीवन भाई वनमाली भाई पटेक खुद और और दुनीबन प्रथुभाई पद का कुलभुक्तयार, पालसाजा, जिला सूरत ।
- (3) साकोरी भाई के पटेल ।
- (4) जलिकशनदास एन० पटेल,
- (5) लल्लूभाई रनछोड़भाई पटेल, ढलाराम, मुलणि भाई पटेल का कुलमुकतायार।

(अन्तरक)

- (2) श्री किरनभाई मंगलजी शाह 11, महाबीर सोसायटी, झवेरी सादाक, नवसारी।
- (1) नगीन भाई गेलाभाई पटेल खुद और गोखुभाई पटेल और महेन्द्र भाई जी पटेल का कुलमुकतयार ।
- (2) मनसुखभाई एम० पटेल,
- (3) मनहरभाई एम० पटेल
- (4) रमेश भाई एम० पटेल
- (5) अरुणभाई ए, हरियाणी, आशा वाग, नवसारी।

(अन्तरिती')

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायंबाहिया करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

जमीन जो प्लाट नं० 104, जिसका माप 14721 चोरस वार पर आर० एस० नं० 233, 213, 214, 231, 230 चपारा तहसील नवसाकी में स्थित है। जो विकी खत नं० 3531 पर दिनांक अक्तूबर, 1982 में नवमारी सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमाबाद

तारीख: 4-5--1983

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 मई 1983

निर्देण सं०पी० आर० नं० 2282/एक्बी-23/2/83—84—— यतः, मुझे, आर० आर० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव वार्ड नंव 1, नांद नंव 3236-ए काजीस मदान, गोपीपुरा, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची सें और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 अक्तूबर 1982

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्रथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसमों, अर्थात् :—

 श्री भवानी गंकर दोलहराम पान्चाल, प्रो० उपासना होँसिंग डवल मिंट कार्यांग्णन को-आपरेटर, पहला मंजिला, चद्राविहार एपार्टमेंट, रेगुपुबन के सामने, नानपुरा, सूरत

(अन्तरक)

- 2. 2. (1) श्री रामीदान डी० रासि
 - (2) रामेश्वर डी० रत्ति
 - (3) मोहनलाल डी० रित्त
 - (4) जगराज डी० रत्ति सब बेगमपुरा, नवाब बाड़ी, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन को टारीख से 45 दिन के भीतर अकत स्वाहर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में विया गया है।

अनुसूची

ए प्लाट नं ० बी जो चोकी मंजिला में, रेश्मी एपार्टमेन्,ट काजी मेजन, गोपीपुरा , सूरत में स्थित है । जिसका सर्वे नं ० वार्ड नं ० 1, नोव नं ० 3236-2 रजम 1050 चौरस वार माप में है । जो सब रजिस्ट्रार सूरत के कार्यालय में विकी खाते तारीख 7913 10-10-82 में रजिस्ट्री की गई है ।

आर० आर० **गाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहम**दाबाद**

नारीख: 25-5-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आइ², टी. एन्. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 मई 1983

निर्देश मं०पी० आर० नं० 2283/ एक्बी/23/U/83-84— यतः, मुझे, आर० आर० शाहः.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्ता, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी संव वार्ड नंव 4, नोद नंव 3257 है, तथा जो बेगम-पुरा हैट्राली कासमजी स्ट्रीट, सूरत में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-10-82

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उन्हत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसा किसी आय या किसी धन्या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्मणिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- श्री जाकीर हुसैन जमीनहुसैन, भानु भाई इसाकत हुसैन, दुरिया मैं फुदीन, सीरीन बाई अहणाफ हुसैन, कृतीजा जाकिर हुफैन, बेगमपुरा, हैदरली कासमजी स्ट्रीट, सूरत (अन्तरक)
- 2. गोदरावाला एसोसिएट्स और भागीदारों :
 - (1) सफदर सफकत हुसैन,
 - (2) मनसूर जमी हुसैन,
 - (3) असगरी अहिशान हुसैम,
 - (4) रेहाना सैपुद्दीन, बेगमपुरा, हैद्राली कासमजी स्ट्रीट, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीवस सम्परिस के अर्जन के निए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त, व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अवत स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्नाक्षरी के पाम लिस्तिन में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण :---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्त, अधिनयम को अध्याय 20-क में परि-भाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

जमीन जूना मकान के साथ बेगमपुरा, हैद्राली, कासमर्जी स्ट्रीट, सूरत:वार्ड नं ० 4 नोंद नं ० 3267 जिसका माप 238 वर्ग गज पर स्थित है। जो बिकी खाता नं ० 7738 पर सारीख 18-10-1982 में सब-रजिस्ट्रार, सूरत के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- अहमदाबाद

तारीख : 25-5-1983

मोहर 🤃

प्ररूप आई.टी.एम.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांकः 25 मई 1983 निर्देश सं० पी० आर० नं० 2284/एक्वी-23/2/83-84----

यतः, मुद्दो, आर० आर० माह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं:

और जिसकी सं० 72 74 पकी है—76 पकी है, जो सेलवास, जिला बलसार में स्थित है (और इस उपावस अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 अक्तबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानां चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातु:---

 श्रीमती धनबाई नरीमान भागव र और दूसरे, नानी डायण ।

(अन्तरक)

2. मोहार प्रभाकर देसाई, जी० ए० डी० ०, वादी (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो सीलवासा, जिला बेलसार में एस० न० 74, ही-पकी नं० 72 ही 4.74 एच० पी० पकी और 76 पकी जिसका माप 6-28 पर स्थित हैं।जो बिकी खाता नं० 1560, 1561, और 1562 पर तारीख 14-10-82 में रजिस्ट्री की गई है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 25-5-1983

प्रकृष बाहै, टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक आदकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 13 मई 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2452/23-1/83-84--- यत:, मुझे, आर आर० णाह.

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 172/, 174/2, 175 253 पकी है, था जो प्लाट नं० 4, जो कोथेरिया, गोडल रोड़ राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908

16) के अधीन, द्वारीख अक्तूबर 1982 को पर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से क

को पूर्णिकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का धन्तर का

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय अत्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

1. श्री यशक्तराय हस्मुख लाल चौहान शेरी नं० 1, रामकृष्ण नगर, राजकोट

(अन्तरक)

2. मेससं एल्बिन फास्टनर श्री अमृतलाल जसा भाई छोडासरा गोंडल रोड़, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 चिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

फैक्ट्री जिसका जमीन का क्षेत्रफल 790 वर्ग यार्ड है जो राजकोट में स्थित है जो सब रिजस्ट्रार राजकोट रिजस्ट्रीकर्त्ता बिकी खाता नं० 1354/अक्तूबर, 1982 है।

> आर० आर० माह सक्षव प्राधिकारी सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

ब्तः अब, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिजियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निनिधित व्यक्तियों, अधीत :----

तारीख : 13-5-1983

मोहार 🗄

प्ररूप बार्ड ुटी ु एन , एस ु------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-), अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 मई 1983

निर्देश सं० पी०आर० नं० 2453/एक्की०/23/I/83-84--यतः, मुझे, आर० आर० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 6, मकान है, सथा जो किरन को अो हा को सोसायटी, सुरेन्द्रनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वढवान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-10-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
20—136GI/83

- (1) श्री सनतकुमार नरहरीप्रसाद बक्षी कें/ओ सोनी चन्द्रकान्त फूलचन्द, किरन सोसायटी, सुरेन्द्रनगर। (अन्तरक)
- (2) श्री सोनी भन्द्रकान्त फूलचन्द, किरन सोसायटी प्लाट नं० 6, सुरेन्द्रनगर।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमस्ची

मकान, जिसका जमीन का क्षेत्रफल 568 वर्ग याउँ है सुरेन्द्रनगर में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, वढवान रजिस्ट्रीकर्ता विकीखन नं० 3255/29-10-1982 है ।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 13-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद कार्यालय अहमदाबाद, दिनांक 13 मई 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2454/23-1/83-84---यत:, मुझे, आर० आर० शाह,

धायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन संभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क॰ से प्रिविक है

और जिसकी संव आरव एसव नंव 1793 पैकी है, तथा जो राजीव कोवओवहाव सोसायटी, प्लाट नंव 11, बढवान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बढवान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) 30 अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण 'के लिए, तम पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक का में कथि। नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी भाष की बाबत उक्त पिछ-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायिस्व में कमी करने या खनसे पचने में सुविशा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किमी पाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्रिनियम, या धनकर ग्रीक्षिनियम, या धनकर ग्रीक्षिनियम, '1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा या किया जाना चाहिए था छिपाम में सुविधा के निए।

अतः अव, उकत अधिनियम् की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, अकत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् डा० उपायेन सी० शेठ बी-8, वीणल अपार्टमेंट, एस० बी० रोड़, अंधेरी बम्बई

(अन्सरक)

2. श्रीमती जसुमतीबेन चन्दुलाल डफ्फर 8, जय हिन्द सोसायटी, सुरेन्द्रनगर

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजन है में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविष्य सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविष्य, जो भी उर्जाश बावमों समाप्त होती हो, के शीत र पूर्वीक्त अव्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ताराः
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध कि.सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका जमीन का क्षेत्रफल 391 वर्ग यार्ड है। जो बोंडवान में स्थित है। तथा सब रजिस्ट्रीर बढवान रजिस्ट्री-कर्त्ता विक्री खाता नं० 3261/30-10-82 है।

आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 15-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 13 मई 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2455—एक्वी०/1 83-84—यतः, मुझे, आर० आर० णाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं सर्वे नं 323 पैकी फ्लाट नं 1-बी है, तथा जो जकात नाका, हाईवे पेट्रोल पम्प, गोंडल रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-10-82

को पूर्वोक्त एपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तराकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कंद दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्री बाबू लाल भगवानजी, . 4, प्रह्लाद प्लाट, राजकोट ।
 - श्री बटुकभाई अमरचन्द्रभाई राजानी, मेहुलनगर,
 राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री ही रालाल शामजी पटेल,
न्यू गणेश सा मिल्स,
जकात नाका के सामने,
हाईवे पेंद्रोल पम्प के नजदीक,
गोंडल रोड,
राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपित्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधिया तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया, गया हैं।

अनुसूची

सामिल जिसका जमीन का क्षेत्रफल 550 वर्ग यार्ड है जो राजकोट में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 1768/26—10—82 है ।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-, अहमदाबाद

सारीख: 13-5-1983

प्रारुप् बाह्य<u>े.टी..</u>एन्..एस्..:-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक भावकर नायुक्त (तिरुक्तिमा)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 मई 1983

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 2456/एक्वी०/23/I/ 83-84—-यतः, मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिंदवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना सर्वे नं० 57 और नया नं० 219, 220 और 221 है, तथा जो प्लाट नं० 18-सी० + 7 सी कोठारिया सीम, गोंडल रोड, राजकोट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके एर्यमान प्रतिफल से, एसे एर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्ति उद्देष्य से उसते अन्तरण निम्निस्ति उद्देष्य से उसते अन्तरण निम्निस्त वर्षे मास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के किए; जौर/व
- (का) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भगरतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना थाहिए था कियाने में सृविधा के निष्

बंतः श्रंब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्ष्र—र (1) श्री भोगीलाल नीरचन्दभाई अजमेरा, मेगीगंज बाजार, बालासोरे, पी० एस० टाउन, पोस्टआफिस और जिला बालासोरे, उड़ीसा ।

(अन्तरक)

(2) आटोमोटिव मैन्यूफैकचर्स लिमिटेड, रजिस्टर्ड आफिस 108, बाजार रोड, कुरला बम्बई-400070।

(अन्सरिती

नते बहु सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पृतिस को अर्थन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई' भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास्
 लिक्ति में किए जा सकोंगे।

क्यव्यक्तित्यः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसभी

जमीन जिसका क्षेत्रफल 837-0-48 वर्ग यार्ड है जो राजकोट में स्थित है। तथा सब-रजिस्ट्रार, राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता बिकी खत नं० 6008/अक्तूबर, 1982 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, अहमदाबाव

तारीख: 12-5-1983

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांकः 12 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2457-ए सी क्यू/83-84-- अतः मुक्षे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं मकान है तथा रुवापरी दरवाजा वाहर जमुना कुंड विस्तार नजदीक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 अक्तूबर 1982

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाजित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के निए; और/या
- (प) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

> (1) श्री शाह अमुलख विठ्लवास कुल मुस्तयार (1) शाह कुम राय ग्रमुलख . 2. शाह रमेश कुमार अमुलख

- 3 सुभद्रा मगन लाल चोरा माह अमुलख विट्ठलदास की विधवा पत्नी
- विमलाबेन विनयचम्द
 मानेकवाडी,
 कृष्ण नगर,
 भावनगर,
 नं० 1 से 3 का पता:
- 2 नं० 24-बी, नं4 और 19-बी/2, हिर्माला प्लाट, भावनगर ।

(अन्तरक)

(2) श्री धनसुख लाल चुनी लाल मनीयार महेन्द्र कुमार चुनी लाल मनीयार चन्द्रकान्त चुनीलाल मनीयार शिशु विहार, पोस्ट आफिस के सामने, कृष्णनगर, भावनगर, हाल का पता : गोपनाथ के सामने महुवा, जिला-भावनगर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त जिल्ला कि किया 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान जो रुवापारी दरवाजा बाहर, जमना कुंड विस्तार के नजदीक, भावनगर में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत सं० 2538/12-10-82 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, अहमदाबाद

न(रोखा: 12-5-1983

प्ररूप आर्षः, टी. एन. एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

· अहमदाबाद, दिनांक 20 मई 1983

तिदेश सं पी अार े नं 2458-ए सी क्यू / 23/183-84

. ---अत: मु**झे** आर० आर० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 964/2 है, तथा जो जेतपुर, जिला राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जेतपुर में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 अक्तूबर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्यों से उक्त अंतरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियमं के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री नाथा राम भुवा, नानी वाला पारा, जेतपुर।

(अन्तरक)

(2) गांवर्धन नगर को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी सेकेटरी: श्री चुन्नी लाल वशराम नीरमल, जेतपर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तासीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 9438 वर्ग याई है जो सर्वे नं 964/2 जैतपुर राजकोट में स्थित है तथा सब-राजिस्ट्रार, जेतपुर राजिस्ट्रीकर्ता राजिस्ट्रेशन नं 826/79/4-10-82 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आ्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 20-5-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

े अहमदाबाद, दिनांक 20 मई 1983

निदेश मं०पी० आर० नं० -2459/ए० सी० क्यू० 23/I 83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह्

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास के रने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट चौथी मंजिल अजय अपार्टमेन्ट है तथा जो कन्या छात्रालय के सामने, डा० पागनीक रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), 37ईई के अधीन, फार्म के कार्यालय, अहमदा-बाद में अक्तूबर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री पी० टी० मांकाडिया, 18, आनन्द नगर कालोनी, नीलकण्ठ सिनेमा के सामने, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री हसमुख केशवलाल तंबोली, श्रीमती भारती बेन हसमुख लाल तंबोली, ए-2, किरन सोसाइटी, आकाशवाणी के सामने, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वी क्सा सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 162 वर्ग यार्ड है (1460 फीट) जो राजकोट में स्थित है तथा जो 37ईई फार्म के अधीन रजिस्ट्रीकर्ता, अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विनांक 14-10-1982 है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाव

तारीख: 20-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 10 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2460/ए सी क्यू 23/I 83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक हैं।

और जिसकी सं जिमीन, मुख्य सरदार नगर रोड, है तथा जो सरदार नगर पोरी नं 20, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण ध्या से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचर्ने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) स्व० मिसेज वसंत रनछोड़, चौहान के फुल मुख्तयार:
 - 1. उजमबेन रनछोड़ लाल चौहान,
 - 2. रंजन बेन रनछोड़ लाल चौहान

- 3. कांति लाल रनछोड़ लाल चौहान
- 4. लित कुमार रनछोड़ लाल चौहान
- 5 श्रशोक कुमार रनछोड लाल चौहान
- 6. भानुमती रतछोड़ लाल चौहान
- शांता बेन उर्फ नीताबेन आर० चौहान
- 8. जगदीश आर० चौहान
- 9. देवेन्द्र उर्फ देवशी आर० चौहान
- प्रवीन चन्द्रा आर० चौहान।
 छोटू नगर,
 राजकोट।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स ट्रेड कार्पोरेशन, के/आफ श्री घनस्याम एच० शुक्ता, लधावाड पुलिस चौकी के सामने, राजपुतपरा, शेरी नं० 8, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्रं में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 388-8-0 है, जो सरदार नगर मुख्य रस्ता राजकोट में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 6464/8-10-1982 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद, बेंगलुर

तारीख: 11-5-1983

प्ररूप धाई+ टी॰ एव+ एस-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के सबीन सुवसा

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण्) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2461/अर्जन रेंज-23/।/ 83—84—अतः भुझे आर० आर० शाह

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मोज दिखापुर एफ० पी० 68 जमीन है जो दिखा पुर काजीपुर तालुका सीटी एफ० पी० 68 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12 अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्य में कमी करने वा उसने स्वाने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐतो किसी आय श किसी धर या अन्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधितियम, या धनकर भिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वस्, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 21—136GI/83 (1) श्री मुलवन्त राय चंदूलांल फुल मुख्तयारः रायजीभाई भीखाभाई जहांगीर पुरा न्यू सिविल अस्पताल के सामने हीरालाल की चाली अहमदाबाद-15।

(अन्तरक)

(2) श्री मुलबन्त राय चंदूलाल गुनांग 5-15 घनण्याम नगर सुभाष त्रीज के नजदीक अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से निसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही घर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो वरियापुर काजीपुर सीटी तालुका एफ० पी० वैकी 560 को यार्ड पर स्थित है तथा रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 14739/12-10-1982 है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

वारीख : 23-5-1983

मोहरः

प्ररूप आ६ं.टी.एन.एस.-----

आयकर श्रव्यिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्राधीन सूचना

भारत सुरकाङ

अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, विनांक 31 मई 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2462/अर्जन रेंज-23-।/ 83-84-अतः मुझे आर० आर० शाह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० ध्विन को० ओ० हा० सोसाइटी शाहपुर है तथा जो शाहपुर बार सेन्टर नवमा मंजिल अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 1982 में मिली है तारीख 30 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया भ्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गुवा है:—

- (क) बंतरण से हुई किसी अब की बाबता, उक्त जीविमयन के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व, में कमी करने या उससे बखने में सूविधा के लिए; जीविश्वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-म की उलधारा (1) के स्थीन, गिम्निलिखित स्पिन्त्यों, नश्ति ह— (1) श्रीमती कुसुमबन सुन्दर लाल शाह 3 पार्थ्वनाथ नगर सोसाइटी न्यू सरदार नगर के नजदीक पालडी अहमदाबाद-7 ।

(अन्तरक)

(2) श्री शाह बंसीलाल मदन लाल 57 धवन को-आपरेटिव सोसाइटी बाह्य सेन्टर शाहपुर अहमवाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आओप 🐠

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बवधि, जो भी वबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की ताड़ीब से '45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकोंगे।

स्वच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पवों का, वो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्वा है।

अनुसन्दी

प्लाट जो धवनी को-आपरेटिव सोसाइटी बाह्य सेन्टर अहमवाबाद में स्थित है ।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

तारीख : 31-5-1983

प्रस्म आर्थः दीः, एनः, एसः,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत् बरकार

कार्याल्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-। अहमवाबाय

अहमदाबाद, विनांक 31 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2463/अर्जन रेंज-23-1/83-84—अतः मुझे आर० आर० शाह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उष्यत बाजार मूल्य 25,000/- रा. से सिकक हैं।

और जिसकी सं मुनिसिपल सर्वे नं 465/2 465/2-1 465/2-2 है तथा जो ओपन प्लाट टी० पी० एस० नं 28 एफ० पी० 318 भावसार कालोनी के नजदीक नवावाडज में स्थित है (और इससे उपाबज्ज अनुभूची में और पूर्ण रूप से बाँणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29 अक्तुबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्व्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पावा गया प्रतिफल निम्निजिचित उद्वेष्य से उक्त अंतरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के ट्रिए; औड़/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्-कर अधिनियम, या भन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अधीत् ६(1) श्री रावजी भाई वेलजीभाई भारदीयाना फुल मुक्सयार: श्री जणुभाई गंकर भाई पटेल गिरीराज प्रणव सोसाइटी मनी नगर अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

- (2) आसोपालय को-आपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी (प्रपोष्ड आर्गेनाइजर)
 - श्री छन्ना लाल बचर दास पटेल बिन्यु सोसाइटी केन्नय नगर साबर मती अहमदाबाद ।
 - 2. श्री अमृतलाल रेवाभाई पटलः प्रमाणिक सोसाइटीः रानीपः अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों खौर पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अनुसूची

जमीन जिसका टी॰ पी॰ एस॰ 28 एफ॰ पी॰ 318 है जो भावसार सोसाइटी के नजदीक नया बाडज अहमदाबाद में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं॰ 7039/29-10-1982 है।

आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-।, अहमदाबाद

तारीख: 31-5-1983

प्रकष बार्ड दी एन एस ,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष (1) के अभीन सूम**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्ण) अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2464/अर्चन रेंज-23-।/ 83-84--अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 144 एस० पी० नं० 2 म्यू० सर्वे नं० 1442 है तथा वानीलिम हा सीटी तालुका अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4 अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में अभी करने या उससे वचने में सूर्विभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया चाना आदिए था, डिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री इस्माईल भाई हकेमजी छीपा दो मस्जिद पांच पीपली ताजपुर अहमदाबाद के पास । 2, सुलतान जी इस्माइलजी के वारसदार रवीयाबन सुलतानजी इस्माइल यशीनभाई सुल्तानजी खीयाबन सुलतानजी के छोटे के गार्डियन सलीमभाई सुलतानजी दो मस्जिद पांच पीपली ताजपुर अहमदाबाद के पास।

(अन्तरक)

(2) जयभारत फेब्रीक्स मिल्स प्राइवेट लिमिटेड नरोल एन० एच० नं० 8 चंडोला तालाब के नजदीक अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

भन्ने यह सूचना जारी करके पृवांकत सम्पृत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्ह सम्पृतित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपु:--

- (क) इत सूचना के एाजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय बुवारा;
- (च) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पोक्त में हितबब्ध किसी अन्य अपनित व्वारा मुधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकींगे।

स्पृष्टिकश्णः -- इसमें प्रयुक्त सुन्धों भौड़ पथों का, भी अवस् सिंधिनियम, के अध्याय 20-क में पृत्तिशाधित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलिकियत जिसका सर्थे नं० 144 पैकी नं० एस० पी० नं० 2 एम० एस० नं० 144/2 दानी लीमडा सीटी तालुका है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रशन नं० 14346/4-10-1982 है ।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-। अहमदाबास [®]

तारीख : 31-5-1983

प्ररूप आई ० टो० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुवना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भारत सरकार

अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनाक 1 जुन 1983

निदेण सं० पी० आर० नं० 2465/अर्जन रेंज-23/।/ 83-84--अतः मुझ आर० आर० शाह

अगयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी बिल्डिंग म्युनिसिपल प्लाट नं 114 है तथा जो सुमेर क्लब रोड जाम नगर में स्थित है (और इपसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जाम नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25 अक्तूबर 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चरेय से उक्त अन्तरण सिसित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी जिसी नाय या किसी पून या मृत्य नास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्धानयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निः जिस्ता व्यक्तियों, अधीत् हि— (1) श्री नटवर लाल करसनदास लोहाना श्री अरविंद करमनदास लोहाना श्री लक्ष्मीदास करसाना लोहाना श्री विट्ठलदास करसनदास लोहाना जाम नगर सुमेर क्लब रोड जाम नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री हंसमुख राय करसनदास लोहाना श्री प्रफुल्लचन्द्र करसनदास लोहाना श्री नरेन्द्र करसनदास लोहाना सुमेर क्लब रोड जाम नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मुर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि में ात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पछीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नभूस्ची

मकान जो सुमेर क्लब रोडम्युनिसिपल प्लाट नं० 114 पैकी 278,47 वर्ग यामीटर पर स्थित है।

> आर० आर० शाह मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

तारीख: 1-6-1983

मोहरू 📽

प्ररूप आई., टी., एत. एस., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2466/अर्जन रेंज-23/I/83-84--अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं विक्लिंग नं 1 रिवन्द्र को-आपरेटिय हाउ-सिंग सोसाइटी है तथा जो विकास गृह रोड जाम नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विज्ञात है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जाम नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12 अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उत्कर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1,922 (1922 का 11) या उनक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री चन्द्रकांत शिवलाल राजपरिया श्री हंसमुख लाल शिवलाल शाह के फुल मुख्तयार : श्रीमती उमिला चन्द्रकांत 6 पटेल कालोगी जाम नगर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती देवयानी जशवंतराय दोशी इन्द्रादीप सोसाइटी विकास गृह रोड जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-- ं

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची 🛚

बिल्डिंग 'डी' फ्लैंट मं० 21-24 जो इन्द्रादीप को-आप-रेटिव सोसाइटी विकास गृह रोड जाम नगर में स्थित है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।; अहमदाबाद

तारीख: 2-6-1983

प्रस्प आई. टी. एन. एस. ----

जावकतः अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जून 1983

निदेण सं० पी० आर० नं० 2467/अर्जन रेंज-23-1/ 83—84—अतः मुझ आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिका की का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग जो टी० पी० एस० 3 एफ० पी० 622 कोचरव सीम है तथा जो ओलीस बिज एस० पी० मं० 3 981 वर्ग यार्ड 1/2 अनडिवाईडिंड शेयर में स्थित हैं (और इससे उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदावाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 अक्तूबर 1982

को पूर्वों क्स संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्यूथित नहीं किया गया है :—

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाय की बाब्त, उक्त जिथिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में कृतिभा के लिए; आर्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण क्रों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्नीलिक्षिन क्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती त्रिद्यांबन मदनमोहन 'आणुतोष' 3 पल सोसाइटी गुलबाई टकरा एंलिस ब्रिज अहमवाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अभिताबन क्षीतिषभाई
3 पटल सोसाइटी
गुलबाई टकरा
अहमदाबाद ।

∞ (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों वंत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पान के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

बिल्डिंग 'आशुसोष' नाम से प्रचलित जो कोचरव टी॰ पी॰ एस॰ 3 एफ॰ पी॰ 622 एस॰ पी2 नं॰ 3 पर स्थित हैं जिसका क्षत्रफल 891 वर्ग यार्ड हैं 1/2 बिना फैसला किया गोयर ।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

नारीख : 2-6-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-। अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जून 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2468/अर्जन रेंज-23-1/83-84—अत: मुझ आर० आर० शाह श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपस्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट स्टरलीग पार्क एफ० टाइप है तथा जो में में नगर ड्राइव इन रोड स्टरलीग पार्क प्लाट नं० 3 फ्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अन्डरसाईन्ड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 37 एयर फोर्स दिनांक 12 अक्तूबर 1982 फार्म मिला इस दक्तर में।

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित क्षाजार मूल्य से कम के स्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तये पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेष्य से उदस अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- · (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अब, उक्त ओधनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखत स्पन्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सुनीता मीरचंन्दानी डी-०-8 कालका जी नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जसवन्न सिंह भरवार सिंह जोफका अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काहे भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिस्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्का स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है व्ही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट आफ टाइप नं० 3 जो स्टरलीग पार्क ड्राइव इन रोड मेम नगर में स्थित है तथा 37 ई०ई० 6-9-1982 को ट्रांसफर किया है और दिनांक 12-10-1982 को फाइल किया है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, अहमवाबाद

तारीख : 2-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज¹, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 2 जून 1983 निदेश सं० पी० आर० नं० 2285/अर्जन रेंज-23॥/ 83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000 - रू. से अधिका है

और जिसकी स० सर्वे नं० 2321/पी०, प्लाट नं० 9 और 12 है तथा जो अरून एपार्टमेंट प्रानमी एसोसिएणन, आटपा लारन सूरत में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के किवार्यलय, अन्दर सारन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित् की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्मलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुक किसी शाय की वावत उक्त विध-नित्म के ब्रोत कर दोने के ब्लाइक के दायित्व में कमी करने या अस्ते वचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या कस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 2.--136GI/83

(1) अरून एपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएमन की ओर से एजेंट :

महालक्ष्मी नगर,

'उदय', आ**प**र्श सोसाइटी के नजदीक, आटवा लाइन,

सूरस ।

(अन्तरक)

(2) श्री नन्द कुमार शांतिलाल इनामदार और अन्य, 27, आनन्द बगलो, आदर्श सोसाइटी, आटवा लाइन, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारी खसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्विकल क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- सम्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसुची

प्लाट नं०. 9 और 12, जिसका क्षेत्रफल 360 व मीटर है, तीसरा और चौथा फ्लोर, अघन एपार्टमेंट तथा जो सर्वे न० 2231/पी० में बंधा हुआ बोड आटवा, गोद्धोड रोड, सूरत में स्थित है तथा फार्म 37 जी दिनांक 20-9-1982 डाक्मेंट की कापी साथ में मिली है अक्तूबर, 1982 म।

> आर० आर० माह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 2-6-1983

मोहर ३

प्ररूप जाइ. टी. एन्. एस. ---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जून 1983.

निदेश नं० पी० आर० नं० 2286/अर्जन रेंज-23/II/ 83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाचार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 823 ब्लाक 1030 और सर्वे नं० 670 है तथा जो ब्लाक 1030, अमलसद, जिला बलसाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गनदेवी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 अक्तुबर, 1982

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास फरने का कारण हैं कि यथाप्वेंक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक हैं और जन्तरक (जंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया हैं दी-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त किन्नियम के ब्रधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्हेंसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी भाष पा किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिल्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) सत्यंम् जनता सीनेमा, भागीदार : मरजाबेन नादिरणाह और अन्नय स्टेणन रोड, बीलीमोरा ।

(अन्सरक)

(2) इन्दरलाल डाकर भाई नायक और अन्य, पूर्णिमा सोसाइटी, अमलसद ।

(अन्सरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वाक्स सम्पर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनः की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक स्णाः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ हाता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्यी

अभीन और मकान जिसका सर्वे नं० 823 ब्लाक नं० 1030 और सर्वे नं० 670 ब्लाक नं० 1030, जो अमलसद में स्थित है तथा जो डाक्मेंट अन्डर नं० 1850 दिनाक 21-10-1982, सब-रजिस्ट्रार, गनदेधी है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाष

तारीख: 2-6-1983

प्रकृष बाई • टी • एन • एस •--

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 93/83-84--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० राइस मिल है तथा जो येरागूंटे, पल्ली, चीतलापूडी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीतलपूडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्त में बास्तिष्क रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण तं हुई किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अचने में सूर्विधा के लिए; आर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार्य प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री के० सत्यनारायण और अन्य वेलागालापल्ली, चीतलापूडी, वेस्ट गोदावरी।

(अन्तरक)

(2) श्री जी॰ सेनाराव, चीतलपूडी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संवत्ति के अवर्ष के जिल् एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन की अविज्ञ या तस्तवंत्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवित, जो भी धवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से

 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर संपत्ति में

 हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, घन्नोहस्साकरी

 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण:--इसमें श्रयुक्त ग्रन्दों और वर्षों का जा उत्त अधिनयम के अध्याय 20-क में वरिभाषित है, दही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनु**स्**ची

राइस मिल, येरागूंटेपल्ली, बेस्ट गोदावरी, विस्तीर्ण 1125 . चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2341/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चीतलापूची ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1983

मोहार ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 92/83-84 अतः मुझे, एम० जगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 48-1-17/1 है, तथा जो पालकोलु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालकोलु में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री एन० अप्पाराव ,डी० नं० 11-4-31,पालकोलु ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० वेंकय्या, डी० नं० 6-5-20 पालकोलु।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ने तिसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति. डी० नं० 48-1-17/1 पालकोलु विस्तीर्ण, 1081 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3308/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पालकोलु ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 6-6-1983

प्रकप धाई• डी• एन• एस०--

आयकर **अधिविधन, 196**1 (1961 हा 43) की **धारा 269-म (1)** के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैपराबाद दिनांक 6 जून 1983

निवेश सं० आर० ए० मी० नं 91/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसर्ने इसके पत्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा-269-ख के भंधीन सकाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करन का बारण है कि स्थावद सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25;000/- रुपये ने अधिक है

और जिसकी सं० असेसमेंट 3280 है, तथा जो तन्कू में स्थित है (और इससे उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तन्कू में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्यन्ति है उचित बाजार पूर्य ने कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्निरित को गई है पीर मुझे यह जिश्यान करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्व्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से प्रक्षिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्री (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से स्थित नहीं किया गया है।——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत छन्त श्रिष्टिनयम के प्रश्लीत कर देत के प्रकारक के वासिस्त में कसी करने गाउसने बचने में सुनिधा के शिष्धीर/या
- (ख) ऐसा किसी झाय या किसी धन या भ्रन्य अ। हितयों की जिन्हें भारतीय आयकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या भन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

मतः वन, बन्त अधिनयम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उत्तर प्रक्रिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निस्निक्षित व्यक्तियों अर्थीत्।—

(1) श्रीमती व्ही० श्रीरामा मुर्ती बोभीली

(अन्तरक)

(2) श्री की राममुर्ती राजू भीमावरम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

बन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पालेप :--

- (च) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की भविति या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविति, जो भी भविति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी श्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में श्रकाशन की तारी असे से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, स्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्वब्दोक्सरण: --इसमें प्रयुक्त णब्धें और नवीं का, बी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाबित हैं, बही धर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया ।

अनुसूची

खुली जमीन डी० नं० 26-2, तनूकू विस्तीर्ण 835 ची० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4148, 4149, 4150/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तनूकू ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1983

मोहर 🕄

प्रकृष व्यव ,वी.एव..एव...----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- भ (1) के सभीन स्चना

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 30/83-84-अतः मृ**झे**, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रू से अधिक है

और जिसकी सं० डी० नं० 6-55 है सथा जो पिप्पारा, ताडेपल्लीगूडम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अतीली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उसत अन्तरण निचित में बास्तीबक रूप से किया पढ़ा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ज़ास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री टी॰ सत्यनारायण मूर्ति, पीप्पारा, ताडपल्लीगुडम ।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री डी० फुष्मराजू और अन्य सात, ताडेपल्लीगृडम ।

(अन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूजांबत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस निविद्य में किए जा सकरें।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियभ के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

संपत्ति राइस मिल, पीपारा, ताडेजल्लीगूडम, डी० नं० 6-55, विस्तीर्ण 1-52 एकड़ रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3064/82, रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, अत्तीली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज; हैदराबाद

नारीख: 6-6-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----(1) श्री नारायण राव गूटूर -

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 89/83-84--यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्था**वर संपति, जिसका उचित बाजार** मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० धी० नं० 915, 965 है, जो गूंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ग्रक्तूबर, 1982

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उ**व्देश्य से उक्त अ**न्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- ((क) अन्तरक से हुई किसी जाय की बाबत उजत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, जनसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारों (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातु:——

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

(2) श्री एस० पेदा विरय्या,

बोकालपुडी,

गृट्र ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर स्चना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खली अमीन, डी॰ नं॰ 968 और 915, विस्तीर्ण, 0.30 मेंटस रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9692/82. र्रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गृंदूर ।

> एम जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 6-6-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आह्रं,टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 88/83-84—अतः मुझे, एम० जोगन मोहन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा एया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 555 है, तथा जो सत्तन्नापरूली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सतन्नापरूली में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सें, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तसे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री सी० एच० हनुमयम्मा, भातलूरु, गूंटुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री बाई० शेषारत्नम, डी० नं० 555, सतनापल्ली, गृंदूर।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वार अधीहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

धर संपत्ति, डी० नं० 555, सतनापल्ली, बिस्तीर्ण चौ० गज रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 4438/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सतनापल्ली: ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 6-6-1983

मोहरः

प्रकृप बाई. टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

ु हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1983

निदेण सं० आर० ए० सी० 87/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 300 है तथा जो नरसारावपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नरसारावपेट रिजस्ट्रीकरण 'अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तुबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गईं है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उसते अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्षणने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूरिधा की लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीत निम्नलिखत व्यक्तियों, अधीत : निम्नलिखत व्यक्तियों, अधीत : निम्नलिखत व्यक्तियों, अधीत : निम्नलिखत व्यक्तियों, अधीत :

(1) श्री के० भास्कर राव और अन्य, नरसाराव पेट,

(अन्तरक)

(2) श्री बी॰ रामभोटलू और उनकी पत्नी श्रीमती लक्ष्मी, भीलाकल्रीपेटा ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 . दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, नरसारायपेटा, गूंटूर टी० एस० नं० 330, विस्तीर्ण 2262-1/2, चौ० गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6916, 6917, 6919, 6915/2, रिजस्ट्रीकृत अधिकारी, नरसारायपेट ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जद रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1983

मोहरः

श्रुरूपु **आह**ै. टी. पुनु, पुस_{्न}-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत त्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1983

निवेश सं० आर० ए०सी ० नं० 86/83-84--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाह् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 18-1, गउदासी गूंटा, काकीनाडा है, तथा जो काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी थाय की वागत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में क्यी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के निए; बार्ड/या
- (स) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा ($^{+}$) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् $^{-}$ --

(1) श्री एम० अचुत रमय्या, रामारावपेट, काकीनाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री वाई० रामचन्द्रचुड़, पेदाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप् :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, गादोरी गूंठा, काकीनाडा, टी० एस० नं० 18-1, विस्तीर्ण 1 एकड़ रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9128, 9149, 9145/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, काकीनाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1983

मोहर 🕄

प्ररूप बाद्दी, टी. एन्. एस्.-----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-मु (1) के अभीन सूचना

<u>मारत सुरकार</u>

कार्युल्य, सहायक नायक र भायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाव, दिनांक 6 जून 1983

निदेश सं० आर० ए. सी० नं० 85/83-84-अतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं 3-20-20 है, तथा जो रिवन्त्र नगर, गूट्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूट्र में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के चिए; औड़/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा था या किया जाना था, छिपाने में सविधा के निए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधाराः (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तितयों, अधीत् :-- (1) श्री पी० रामाराव पिता राघवय्या, पंडरीपुरम, गूंटूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी॰ अनुसुया देवी पति लक्ष्मीनरसिम्हा राव, पट्टाभिपुरम् ।

(अन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाही गुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्युक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसम गुया है।

अन<u>ुस</u>्ची

घर सम्पत्ति नं ० 3-20-20 रिवन्द्र नगर, गूंट्र, विस्तीर्ण 700 चौ ० गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 10056/82, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी, गूंट्र ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख : 6-6-1983

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 84/83-84--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आयल और वाल मिल है तथा जो बेलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,तारीख अक्सूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकंट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) श्री सी०एच० क्रुष्णा मोहन राव, नरसिम्हारावपेट, वेलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० रामवन्द्राराव, सन गाप्यू बाजार, वेलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45, दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हुरोगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

सम्पत्ति श्री रामकृष्णा आयल और दाल मिल, बेलूर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7135/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बेलूर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1983

प्ररूप जाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनांक 6 जून 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं 83/83-84—अतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आयल एण्ड दाल मिल है तथा जो वेलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वों क्लं सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सी, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/ण
- (ख) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

 श्री के० सोमझा, नर्रासम्हारावपेट, वेलूर

(अन्तरक)

(2) श्री पी० बालकृष्णा, सनगापपुर्विधि, वेलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्टीकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति श्री रामकृष्णा आयल और दाल मिल, वेलूर, राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7132/82, राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वेलूर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1983

प्ररूप काइ . टी. एन. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक आयंकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 6 जून 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 82~83-84—अत: मुझे एम० जगन मोहन

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. से अधिक है

और जिसकी सं० आयल एण्ड बाल मिल है तथा जो वेलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

सितम्बर 1982 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी भागकी बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सूबिभा के जिए; बॉर/या
- (ख) पुरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269 म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269 म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री सी० एघ० एस० नी० सत्यनारायण, नर्रीसम्हारावपेटा, वेलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० वी० राषागिरी राव, सनगापपु विधि, वेलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामीख़ से 30 विन की अविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

मनुसूची

संपत्ति श्री रामाकृष्णा आयल और दाल मील, वेलूर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7133/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वेलूर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख : 6-6-1983

प्ररूप आइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० 81/83-84—अतः मुझे,
एम० जेगन मोहन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- र. से अधिक हैं
और जिसकी सं ० 110, 111, 112 है तथा जो वोलन्उडापाडू,
बोडी मेला, वेलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
वेलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुईं किसी आय की बायत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को, अनुसरण मों, मौं अक्त अधिनियम की धररा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, विस्तिवित स्वश्र्यकारील अर्थात्:— (1) श्री जी० बी० आर० एस० ससंकर राव और अन्य, बोडीमेला, वेलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० माधवराव, बोडीमेला, वेलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोंगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

अनुसूची

खुली जमीन, बोडीमेला, वेलूर, आर० एस० नं० 110, 111, 112, 112/1, 112/2 विस्तीर्ण 98608 चौ० गण रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7167/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वेलूर ।

एम० जेगन मोह्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)/ अर्जन रेंज, हैदराजाद

तारीख: 6-6-1983

मोहर 🤃

प्रकप मार्ड . टी . एम् . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भा<u>रत सरकार</u>

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 80/83-84—अतः मुझे j एमं० अगन मोहन

आयकर अधिनियिस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रसके पश्चात् 'उक्त अधिनियस', कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं अयान और दाल मिल है तथा जो वेलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेलूर में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वांक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथिस नहीं किया गया है:--

- (का) जन्तरम् से हुई किसी शाय की वायक, उपत् विजियम को जभीन कर दोने के जन्तरक को वायित्व में कमी करने मा बससे वचने में सुविधा के निए; जॉर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के क्धीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती पी० निरमला जानकी देवी;नरिसहारावपेटा,वेलूर।(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० सत्यनारायणा पिता श्री वेंकटेण्वर राव, सनगाप्पू,

समान्यू, बाजार, वेलूर⊦।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकर सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्तु संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः— इसमें प्रयुक्त शस्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनसर्ची

संपत्ति, श्री रामकृष्णा आयल और दाल मिल, वेलूर, रिज़स्ट्रीकृत विलेख संज 7134/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वेलूर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 6−6−1983

मोहर 🕄

प्रकृप जार्ड . दी . एत . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1983

निदेश सं० आर० ए०सी नं० 79/83-84-अतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

और जिसकी सं आर एस नं 4/1 है; तथा जो गयारावाराम, वेलूर में स्कृत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, वेलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते गह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अक्तरितिग्रों) के बीच एसे कन्तरण ने लिए तय पाया गया प्रति-कन्न निम्नोलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्त में बास्तिबक क्ष्यं से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्तरण से हुद्दुं किसी आयुकी वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, खिपाने में सृविधा अ

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिवित व्यक्तियों कर्तत् :— 24—136GI/83

(1) श्री व्ही० विद्यासागर और अदर्स, अशोक नगर, वेलुर ।

(अन्तरक)

(2) दी वेलूर को-आपरेटिव बिल्डिंग सोसाइटी, निमिटेड, अशोक नगर, वेलुर ।

(अन्तरिती)

को गृह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबस्थ किसी बन्य व्यक्ति इवारा अथोहस्ताकारी के पास सिवित में किए जा सकेंगें।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अम्मूषी

खुली जमीन गथर।वरम, वेलूर, आर० एस० नं० 4/1, विस्तीर्ण 2 एकड़, 17-122, सेंट्स, रजिस्ट्रीक्रैत विलेख न० 7381, 7382, 7383/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारीं, वेलूर।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) दअर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1983

निदेश सं० आर०ए० सी०न० 78/83-84---अतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 186/2 है तथा जो भीमावरम में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यातय, भीमाराव में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की दाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिरों, अर्थात :-- (1) श्री डी॰ लीलाक्वष्णा वेणी, ओनुदुरु, आकिविड् तालुक।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० वी० कृष्ण राजू,डी० नं० 10-1-92,भीमावरम।

(अन्सरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारी;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकेंगे।

स्पब्दोकरणः ----इसमें प्रयुक्त धुब्दों और पदों का, को उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित के हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, भीमावरम आर० एस० नं० 18.6/2 . विस्तीर्ण 514-2/3, चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख र्न० 3598/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भीमावरम ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-6-1983

प्ररूप नाई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 6 जून 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 77/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं डी० नं 438 है तथा जो गूंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूंटूर में रजिस्ट्रीकर्ता अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, वारील अस्तार 1982

तारीख अक्तूबर, 1982 को पूर्वेक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निकित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री ए० फनीन्द्रा प्रसाद, कोथा पेटा, गुंट्र।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० कृष्णामूर्ति, गूंटूर वारी तोटा, गूंटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस तूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्यव्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त जिथानियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

खुली जमीन, गूंटूर, म्युनिसिपल, विस्तीर्ण डी० नं० 438, विस्तीर्ण 855, चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10045/82 और 9982/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गूंटूर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैवराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 6-6-1983

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनांक 6 जून 1983

निदेश सं० आर० ०सी० नं० 76/83-84--अतः मृझे, स० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० खुली जमीन है तथा जो रेपह्ले, गूंटर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूटूर में रेपल्ले में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982
को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरम लिखित में
बास्तियक रूप से किशत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर्/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, सर्थात् रु—~ श्री पी० साम्बसिव राव, वेलाटूर, रेपल्ले ।

(अन्तरक)

(2) श्री वाई० राघवया के पुत पूरना चन्द्रा राव और अन्य, तीन, चौथा वार्ड, रेपल्ले, गूंटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, रेपल्ले, विस्तीर्ण 605 चौ० गज, रजिस्द्रीकृत बिलेख नं० 3009/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रेपल्ले ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निद्रीक्षण) अर्जन रेज, हैवराबाद

तारीख: 6-6-1983

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

् अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1983

निदेश सं० आर० ए०सी० नं० 74/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं "

और जिसकी सं० 244/1, 2,245 है तथा जो थीमानी, गूंटूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दूगीराला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (वा) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आंग या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोप-नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निकालिशित व्यक्तियों, अर्थात्:——

 श्री के० ती० ऱामाराव, मन्नावरम, कृष्णा जिला।

(अन्तरक)

(2) दि डायासेंस आफ गूंटूर, सोसाइटी, गूंदूर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां बारः करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसूची

खुली जमीन, थीमानी, विस्तीर्ण 4 एकड़ 66 सैंट्स और 780 चौ० गज टाइल्ड हाऊस के साथ रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2225, 2236, 2237/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, दुगीराला ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

सारीखः 6-6-1983

मोहर 🔅

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाव, दिनांक 6 जून 1983

निवेश सं० आर०ए०सी० नं० 74/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाज़ार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० डी० नं० 12 है सथा जो तोकाला पाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूंटूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आप की बाबत एक्ट छछि-नियम के मधीन कर वने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भीर/वा
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में ,मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् हि—

(1) श्री मोख कासिम और अन्य तीन, टाकेलापाडू, गृंट्र ।

(अन्तरक)

(2) नं० 1 26/7, ताकेलापाडू को० आपरेटिय हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड, ताकेलापाडू, गृंट्र ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुतुची

खुली जमीन, ताकेलापाडू, गूंटूर डी० नं० 12, विस्तीर्ण 2 एकड़ 26 सेंद्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10031, 9675 और 9873/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गूंटूर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारी**ख** : 6-6-1983

मोहर 🖫

प्रकृष कार्षः स्रौ. एन्, एक्,------

शायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुम्मा

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 अप्रैल 1983

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० आर०-183/अर्जन---अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं मकान न 16/34 क है तथा जे वलक रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्तीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाखाबिक हम से स्थित नहीं किया ग्या है ६——

- (क) अभ्यादन वे हाई स्थिती बाद की बादत उपत जीभ-नियम के अभीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में अन्ती करने या उत्तरी बचने में तृषिभा के निए; बाई/वा
- (ब) ऐबी किसी आय या किसी धन पा क्य बास्तियों को, फिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिद;

कतः अव, उक्त जीभीनवम, की भारा 269-म के बनुवरण थों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती शमीम बानो

(अन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्र रतलानी ।

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता है।

जबत सुम्पुरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वितयों में से किसी स्वित व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का हिस्सा मय बिल्डिंग मकान नं० 16/34 का पद्दभाइंगी 2359 स्क्वेयर फीट स्थित वलक रोड, लखनऊ और वह सब कुछ जिसका संपूर्ण विवरण सेलडींड व फार्म 37-जी सं० 4339/82 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रॉर लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 25-10-82 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 20-4-1983

संघ लीक सेवा भागीग नोटिस

सहासक इंजीनियर (कें० लो० नि० वि०) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1983

नई विल्ली, विनांक 2 जुलाई 1983

सं॰ एक॰ 15/2/82-प्र॰ I (च)—मारत के राजपल विमांक 2 जुलाई, 1983 में निर्माण भीर आवास संवालय द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में कनिष्ठ इंजीनियरों (सिवल/वैद्युत) की सहायक इंजीनियरों के ग्रेड (सिवल/वैद्युत) में प्रवोक्षति हेतु संब लोक सेवा आयोग द्वारा 21 विसम्बर, 1983 को अम्बई, कलकता, विल्ली, विसपुर (गोहाटी), ईटामगर, काठमांडू, मद्रास, नागपुर और पोर्ट क्लेयर में एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की जाएगी।

भागोप मिं चाहे तो उनत परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों की उनत परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र वेते के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्स परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है इन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएंगी (अनुबंध परा 8 वेखिए)।

- इस परीक्वा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्सिकों की जनभंग संख्या निम्नलिखित है:—
 - (1) सहायक इंजीनियर (सिविल) 50 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 8 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 4 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।
 - (2) सहायक इंजीनियर (वैद्युत) 15 (अ॰ जा॰ के उम्मीवधारों के लिए 3 और अ॰ ज॰ जा॰ के इम्मीववारों के लिए 1 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

बिश्रेष झ्यान वें: --- जम्मीदवार जिस ग्रेड अर्थात् सहायक इंजीनियर (सिविल)
या सहायक इंजीनियर (वैज्ञृत) की प्रतियोगिता परीका में
सम्मिलित होना चाहते हैं, अपने जावेदन-पत्नों में उसका
स्पष्ट उल्लेख करें।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीववारों को निर्वारित अवेवन-श्रम पर सन्वि, संध लोक सेवा आयोग, जौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेकन करना चाहिए। निर्वारित आवेवन-प्रपन्न तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण दो उपए देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, घौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआवेर द्वारा या सचिव, संघ लोक सिया आयोग, को नई विल्ली जनरल डाकघर घर देय रेखांकिल भारतीय पोस्टल आवेर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआवेर/पोस्टल आवेर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए आएंगे। ये आवेदल-प्रपन्न आयोग के कार्सटर पर नकद सुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

दो क्यमे की यह राशि किसी भी हालत में आपस नहीं की जाएगी।

नोट: अम्मीदवारों को पैताबनी थी जाती है कि वे अपने आवेदन-पन्न सहायक इंजीनियर (के० लो० नि० वि०) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा (1983) के लिए निर्घारित मुद्रित प्रपन्न में ही प्रस्तुत करें। सहायक इंजीनियर (के० लो० वि०) तीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1983 के लिये निर्घारित आवेदन-प्रपन्नों से इतर प्रपन्नों पर प्रस्तुत आवेदन-पन्नों पर विभार नहीं किया जाएगा। 4. भरा हुआ आवेषन पत्न अनवस्यक प्रलेखों के साथ सचित्र, संध लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 29 अगस्त, 1983 (29 अगस्त 1983 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणावल प्रदेश, सिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहांख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले, अंडमान और निकोबार लक्षद्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के या जिनके आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक कित से डाक द्वारा प्राप्त हांते हैं उनके मामले में 12 सितम्बर, 1983) तक अवस्य भिजवा दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने बाले किसी भी आवेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिखोरम, मिणपुर, नागालैंड, ब्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीत जिले, ग्रंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप धौर विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यवि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 29 अगस्त, 1983 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिखोरम, मणिपुर, नागालैंड, ब्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लव्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति किले, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा बा।

टिप्पणी दिप्पणि अमेरिकार ऐसे क्षेत्र के हैं जहां के रहने वाले आवेषन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेषन पत्न के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेषन पत्न के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हक्षपर इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थाल असम, मेघालय, जम्मू सथा कश्मीर राज्य का लब्बाख प्रमाग) स्पष्ट रूप से निर्विष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेवन पत्न के साम आयोग को ठ० 28.00 (अट्ठाइस रुपये) [अनसुचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में ठ० 7.00 (सात रुपए)] का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई विल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आडंर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई विल्ली की स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

बिदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्मारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, कार्यालय में इस अनुरोध के साथ जमा करना होगा ताकि वह "051—सोक सेवा आयोग—परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो आए और उन्हें अवेदन-पन्न के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्नों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएना।

6. जिस उम्मीदवार ने निर्वारित शुल्क का भुगतान कर दिवा हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रु० 15.00 (पंत्रह रुपये) [अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जान जातियों के उम्मीदवारों के मामले में २० 4.00 (चार रुपये)] वापस कर दिए जाएंगे।

उपर्युक्त तथा नीचे पैरा 7 कि व्यवस्था को छोड़कर अन्ध्र किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए गुल्क की बापसी के किसी बावे पर न तो जिचार किया आएग्ट और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के स्था आर्स्टिट था जा सकेगा ।

1

Officer in respect of persons within the area of jurisdiction shown against each, in column 3 thereof.

SCHEDULE

| | Sl. Designation of the Income No. tax Officer | Area | of Jurisdiction |
|--|--|------|-----------------|
|--|--|------|-----------------|

 Income-tax Officer, A. Ward, Ernakulam.

- All persons (other than persons carrying on a profession mentioned under section 44AA(1) of the Income tax Act, jurisdiction over whose case is vested with I.T.O. C. Ward, Ernakulam, and contractor jurisdiction over whom vest with I.T.O. B. Ward, Ernakulam as per this order.
- (1) In whose cases the total income/loss is not less than Rs. 1,50,000/- as per
- (a) the latest two completed assessments as on 31-3-1983
- (b) the return of income furnished for the first time for any assessment year after 31-3-83.
- (2) who are partners of Firms or members of Associations of Persons or of Bodies of Individuals which (Firms Association of Persons or Bodies of Individuals) are liable to be assessed by this Income tax Officer under (1) above.
- (3) Who are spouses or minor children of individuals liable to be assessed by the Income-tax Officer under (1) or (2) above.
- (4) Trusts whether religious, charitable or otherwise.
- (5) whose cases have been or may be specifically assigned under section 124, 126 or 127 of the Income tax Act, 1961.
- All persons (other than
 (a) those carrying on a profossion mentioned under
 section 44AA(1) of the
 Income tax Act, 1961, and
- (b) those, jurisdiction overwhom vests with the Income tax Officer 'A' Ward, Ernakulam and Survey Circle-I, Ernakulam.
- (1) in whose cases the names as spelt in English begin with any of the letters from 'A' to 'I'.
- (2) who are partners of firms or members of Association of persons or of Bodies of individuals, which (Firms, Associations of Persons or Bodies of Individuals) mentioned under (1) above, provided that if any such person is part ner or member of firm/Association of Persons/Body of Individuals liable

2 3

to be assessed by the Income-tax Officer 'A' Ward, Ernakulam, the jurisdiction over such persons will vesting in the latter Income-tax Officer.

- (3) who are spouses or minor children of individuals at serial (1) and (2) above
- (4) who are contractors to whom the provisions of Section 194C and Section 285A of the Income tax Act applies for any assessment year commencing on or after 1-4-1982 irrespective of whether the total income/loss is less than Rs. 1,50,000/-
- (5) whose cases have been or may be specifically assigned under section 124, 126 or 127 of the Incometax Act, 1961.
- (1) All persons within the area of Jurisdiction specified in the preamble to this order, other than those, Jurisdiction over whom vests with the Income-tax Officer, 'A' Ward, Erna kulam, Income-tax Officer-'B' Ward, Ernakulam or Income-tax Officer, Survey Circle-I, Ernakulam,
- in whose cases the names as spelt in English begin with any of the letters from 'O' to 'Z'.
- (2) who are partners of firms or members of Associations of Persons or Bodies of Individuals which (Firm, Association of Persons or Bodies of Individuals) mentioned at (1) above provided that if such person, is also partner of a firm Member of Association of Persons or Body of Individuals liable to be assessed by the I.T.O. 'A' Ward, Ernakulam, the jurisdiction over such person will vest with the latter Income-tax Officer.
- (3) who are spouses or minor children of Individuals at serial No. (1) & (2) above.
 - (4) who carry on a profession mentioned under sec-

Income-tax Officer,
 Ward, Ernakulam.

2. Income-tax Officer,

B. Ward, Ernakulam.

| 1 2 | . 3 | 1 2 | |
|--|---|---|--|
| .,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | tion 44AA(1) of the Income-tax Act irrespective of whether their total income/loss is less than Rs. 1,50,000/ | | |
| | or may specifically be assigned under section 124, 126 or 127 of the Incometax Act, 1961. | 2. This order will take effect ORDER UNDER SECTION 7 1958 Cochin-682016, the | |
| Income-tax Officer, D. Ward, Ernakulam. | All persons (other than those, the Jurisdiction over whom vests with the Income-tax Officer, A. Ward, B. Ward, C Ward or Survey Circle-I, Ernakulam. | CR. 26/Adm./GT/83-84—Co to take effect from 30th April, come-tax purposes over persons tax Circles, Ernakulam and Survorders of even date under section Act, 1961, the jurisdiction over su | |
| | (1) in whose cases the names as spelt in English begins with any of the letters of the English alphabet from 'J' to 'P' | also requires re-allocation. According that each of the Gift-tax Officers Schedule below, shall, with effect all the functions of a Gift-tax Officified against each in column 3 to | |
| | (2) who are partners of firms | SCHEDU | |
| | or members of Associations of Persons or Bodies of Individuals which (Firm, | Sl. Designation of Gift-tax No. Officer | |
| | Association of Persons or Bodies of Individuals) men- | 1 2 | |
| | tioned at (1) above provided that if such person is also partner of a firm, Member of Association of Persons or Body of Individuals liable to be assessed by the I.T.O. 'A' Ward, Ernakulam, the jurisdiction over such person will vest with the latter Income-tax Officer | Gift-tax Officer, A. Ward, Ernakulam. | |
| | (3) who are spouses or minor children of Individuals at | | |
| | serial No. (1) & (2) above. | | |
| | (4) All Direct Refund Cases. (5) whose cases have been | | |
| , | or may be specifically assigned under section 124, 126 or 127 of the Incometax Act, 1961. | Gift-tax Officer, B. Ward, Ernakulam. | |
| 5. Income-tax Officer, Survey Circle-I, Etuakulam. | (1) All new cases assessable to Income-tax within the territorial jurisdiction of Income-tax Circle, Ernakulam, other than those over which jurisdiction vests with I.T.O. A. Ward, Ernakulam. | - | |
| | (2) All new cases discovered in the course of survey operation in the territorial jurisdiction of Income-tax | Gift-tax Officer, C. Ward, Ernakulam. | |

Circles at Ernakulam and

Mattancherry,

3 (3) All persons whose cases are hereinafter be transforred tothe Income-tax Officer under section 127(1) of the Incomertax Act, 1961.

t from 30th April, 1983.

OF THE GIFT-TAX ACT,

ne 5th April 1983

onsequent on the re-allocation 1983 of the jurisdiction for inwithin the area of the Incomevoy Circle-I, Ernakulam, by my tion 124(2) of the Income-tax ich persons for gift-tax purposes cordingly, it is hereby ordered rs specified in column 2 of the t from 30th April, 1983, exercise fficer, in respect of persons spethereof.

ULE

| Sl. Designation of Gift-tax No. Officer | Area of jurisdiction |
|---|--|
| 1 2 | 3 |
| 1. Gift-tax Öfficer, A. Ward, Ernakulam. | (1) All persons over who me this Officer in his capacity as Income-tax Officer, 'A' Ward, Ernakulam, exercises jurisdiction by virtue of the powers conferred upon him by my order of even date under section 124(2) of the Income-tax Act, 1961, relating to the Income-tax Circle, Ernakulam, and (2) All persons in respect of whom no proceedings under the Income-tax Act, 1961, have been or need be instituted. |
| 2. Gift-tax Officer, B. Ward, Ernakulam. | All persons over whom this Officer, in his capacity as Income-tax Officer, B. Ward, Ernakulam, exercises jurisdiction by virtue of the powers conferred upon him by my order of even date under section 124(2) of the Income-tax Act, 1961, relating to the Income-tax Circle, Ernakulam. |
| 3. Gift-tax Officer, C. Ward, Ernakulam. | All persons over whom this Officer, in his capacity as Income-tax Officer, 'C' Ward Ernakulam, exercises Jurisdiction by virtue of the powers conferred upon |

2 3 1 2 him by order of even date under Section 124(2) of Ward, Ernakulam, exercithe Income-tax Act, 1961, ses jurisdiction by virtue relating to the Income-tax of the powers conferred Circle, Ernakulam. upon him by my order of 4. Gift-tax Officer, All persons over whom this even date under section Officer in his capacity as D. Ward, Ernakulam. 124(2) of the Income-tax Income-tax Officer, Act, 1961, relating to the Ward, Ernakulam, exercises Income-tax Circle, Ernajurisdiction by virtue of kulam. the powers conferred upon 2. Wealth-tax Officer. All persons over whom this him by my order of even 'B' Ward, Ernakulam. Officer, in his capacity as date under section 124(2) Income-tax Officer, 'B' of the Income-tax Act, 1961 Ward, Ernakulam, exercirelating to the Income-tax ses jurisdiction by virtue Circle, Ernakulam. of the powers conferred upon him by my order of 5. Gift-tax Officer, (1) All persons over whom even date under section Survey Circle-I, this officer in his capacity as Income-tax Officer, Sur-124(2) of the Income-tax Ernakulam. vey Circle-I, Ernakulam, Act, 1961, relating to the Income-tax Circle, Ernaexercises jurisdiction by my kulam. order of even date under All persons over whom this section 124(2) of the In-3. Wealth-tax Officer, Officer, in his capacity as come-tax Act, 1961, relating C. Ward, Ernakulam. Income-tax Officer, to the Income-tax Circle. Ward Ernakulam exercises (2) All new cases discovered jurisdiction by virtue of the in the course of Survey Operations in the territorial powers conferred upon him by my order of even date jurisdiction of Income-tax Circles at Ernakulam and under section 124(2) of Mattancherry. the Income-tax Act, 1961. relating to the Income-tax (3) All cases assessable or Circle, Ernakulam. assessed to Gift-tax in All persons over whom this Wealth-tax Officer, Survey Circle-I, Ernakulam Officer, in his capacity D-Ward, Ernakulam within the territorial jurisdiction of the Gift-tax Circles at Alwaye, Erna-kulam and Mattancherry, as on the 15th November, 1982. as Income-tax Officer, 'D' Ward, Ernakulam, exercises jurisdiction by virtue of the powers conferred upon him by my order of even (4) All persons whose cases date under section 124(2) have been or may be trans-ferred to the Gift-tax Offiof the Income-tax Act. cer u/s 7B of the Gift-tax 1961, relating to the In-Act, 1958. omo-tax Circle, Ernaku-2. This order will take effect from 30th April, 1983. 5. Wea -tax Officer. (1) All persons over whom ORDER UNDER SECTION 8 OF THE WEALTH-TAX ACT. this Officer in his capacity Survey Circle-I, 1957 as Income-tax Officer, Sur-Cochin-682016, the 5th April 1983 Ernakulam. vey Circle-I, exercises juris-No. CR. 26/Adm./EKM/83-84-Consequent on the re-allodiction by my order of cation to take effect from 30th April, 1983 of the jurisdiction for income-tax purposes over persons within the area of the Incomeeven date under section tax Circle, Ernakulam and Survey Circle-I, Ernakulam, by my order of even date under section 124(2) of the Income-tax Act 124(2) of the Income-tax Act, 1961, relating to the 1961, the jurisdiction over such persons for wealth-tax purposes also requires re-allocation. Accordingly it is hereby ordered that each of the wealth-tax officers specified in column 2 of the Schedule below, shall, with effect from 30th April, 1983, exercise all the functions of a Wealth-tax Officer, in respect of persons Income-tax Circle. (2) All new cases discovered in the course of Survey operations in the territorial specified against each in column 3 thereof. jurisdiction of Incometax **SCHEDULE** Circles at Ernakulam and Mattancherry. Designation of Wealth-tax Area of Jurisdiction Officer No. 2. This order will take effect from 30th April, 1983.

3

(1) All persons over whom

this Officer, in his capacity

as Income-tax Officer, 'A'

2

A. Ward, Ernakulam

1. Wealth-tax Officer,

P.J. THOMASKUTTY
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax,
Ernakulam Range

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX NORTH EASTERN REGION

Shillong-793001, the 13th June 1983

In pursuance of provision of Sub-section (1) of Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government being of opinion that it is expedient in public interest to do so, and in exercise of the powers conferred on me by the Central Government in this behalf, I hereby publish the names and other particulars hereinafter specified of persons assessed in this Charge who are in default of tax of Rs. 1,00,000/- or more for a period of two years or more as on the last day of the financial year 1982-83.

R.N. PUR

Commissioner of Income-tax, North Eastern Region, Shillong.

| Comm | issioner of | Income-ta | x, North East | ern Region, | Shillong. |
|------------|------------------------|------------|---------------|-------------|------------|
| Sl. No. | Name & ad | dresses of | the assessee | Amount is | n default |
| 1 | | 2 | | | 3 |
| | s Sharma hat, Assam | _ | Corporation, | | 2,47,941/- |

| 1 | 2 | 3 |
|-------------------|--|-------------------------|
| | Durgadutta Sharma, C/o Mana Trading Corporation, Jor | hat, |
| Assai | n | . Rs. 8,37,424/- |
| 3. Sheik Assar | h Mohamed Nawab, Jort n | nat, |
| | Mangal Chand Ramkumar & ugarh, Assam. | Co. Rs. 1,66,457/- |
| 5. M/s. Assa | H.P. Kar & Sons (P) Ltd., Dig m | boi, . Rs. 2,34,346/ |
| | Bridge & Building Corpora | tion |
| | C.S. Kakoty, Golaghat, Ass | |
| 8. Shri | Bajranglal Agarwalla, Tinsu | ıkia, Rs. 2,09,235/ |

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 20th April 1983

G.I.R. No. R-18/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 16/34 Ka situated at Havelock Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow on 25-10-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Shamim Bano.

(Transferor)

(2) Şhri Ram Chandra Ratlani.

(Transferee)

Above vendee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of land with building bearing House No. 16/34 Ka measuring 2359 sq. ft. situated at Havelock Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4339/82 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 25-10-1982.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistance Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 20-4-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 20th April 1983

G.I.R. No. H-46/Acq. Whereas, 1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 16/34 Ka situate at Havelock Road, Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 25-10-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mst. Shamim Bano.

(Transferor)

(2) Smt. Hari Ratlani.

(Transferee)

(3) Above vendee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of land with building bearing House No. 16/34 Ka, measuring 2616 sq. ft. situated at Havelock Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4340/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 25-10-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 20-4-1983

FORM TINS

energy and the control of the contr

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th May 1983

G.I.R. No. S-261/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. K-62/142 situated at Moh. Saptasagar, Bulanalla, Varanasi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 7-10-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) I. Sh. Alakh Niranjan Pandey.
 - 2. Smt. Nirmala Devi.

(Transferor)

- 1. M/s. Shiv Nath Prasad Premchand through its partner, Shri Prem Chand Chaurasia.
 - 2. Smt. Jamuna Devi.

(Transferee)

(3) Above vendee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old pucca double storied house including land appurtenant bearing Municipal No. K-62/142, situated at Mohalla-Saptasagar, Bulanalla, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2292, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi on 7-10-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 7-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 28th January 1983

G.I.R. No. V-60/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Comptent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Arazi No. 148 situated at Civil Lines, Bareilly, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 11-10-1982,

'or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-maid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) Smt. Hem Lata Singh, Chairman, Thakur Dan Singh Bisht Trust, Nainital.

(Transferor)

(2) Shri Vishal Gupta—Minor. Guardian, Smt. Usha Gupta.

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi No. 148, area 392 sq. yds. situated at Civil Lines, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4533/82 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 28-1-1983.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 31st March 1983

G.I.R. No. I-15/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, 269B of being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A house on Plot No. 42 & 44 situated at Mohalla-Vijai Laxmi Nagar, Sitapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sitapur on 30-10-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

27-136/GI/83

- (1) Shri Rashid Jameel, Advocate, Self and as attorney of Smt. Rashika Nasreen. (Transferor)
- (2) 1. Shri Indra Kumar Seth.
 - 4. Shri Tharumal Seth.
 - Shri Jai Prakash Seth.
 Shri Bhagwat Kumar Seth.

(Transferee)

(3) Above vendees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house property on plot No. 42 and 44, Survey No. 77, measuring 14440 sq. ft. situated at Mohalla-Vjar Laxmi-Nagar—opposite present U.P. Roadways Bus Stand, Sitapur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2638, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Sitapur, on 30-10-82.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 31-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

> > Lucknow, the 26th March 1983

G.I.R. No. S-258.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing Rs. 26,000- and bearing Rs. 26,000- and bearing Rs. 26,000- and bearing Rs. 26,000- and Rs. 27,000- and Rs. 27,000- and Rs. 28,000- and Rs. 29,000- an

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Banarsi Das.

(Transferor)

(2) 1. Shri Sunil Kumar.

Shri Gyan Prakash.
 Shri Ram Bharosey Singh.

(Transferce)

(3) Above vendees.

. (Person in occupation of the property)

. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring .98 decimals situated at Navgawan Sadaat, Tehsil—Amroha, Distt. Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed, which has duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 26-3-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 18th May 1983

G.l.R. No. M-155/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 93, situated at Ganga Ganj, Pargana & Tehsil—Chail. Distt. Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 23-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sita Ram Pandey, Sccretary, the Prayag Upniveshan Avas Evam Nirman Sahkari Samiti Ltd., Allahabad. (Transferor)
- (2) Smt. Mahmooda Khatoon.

(Transferce)

(3) The Prayag Upniveshan Avas Evam Nirman Sahkari Samiti Ltd.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 93 out of Arazi No. 111/1-C and 111/2, measuring 202.22 sq. yds. situated at Gangaganj, Pargana and Tehsil-Chail, Distt, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6568, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad on 23-10-1982,

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 18-5-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th January 1983

G.I.R. No. S-255/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Arazi situated at Islam Badi, Rahim Nagar, Pargana, Tehsil Distt, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such teacher to accord to between

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Madhu Rastogi.

(Transferor)

(2) M/s. Shadab Sahkari Girh Nirman Samiti Ltd., Lucknow, C/o Shri Aijaz Ahmad, President.

(Transferee)

(3) Above Transferee.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold land situated at Islam Badi, Rahim Nagar, Parg. Teh. & Distt. Lucknow all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3782/82 which have duly been registered in the office of the sub-registrar, Lucknow.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 11-1-1983.

(1) Sri Vijai Kant Srivastava s/o Sri Shrikant Srivastava r/o Chatta Baru Mal, Sabaranpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahendra Singh s/o Sri Jai Singh R/o Subhash Nagar, Meerua, and Chinta Mani s/o Budh Sen Jain, R/o Prem Puri, Railway Road, Meanut

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

' Kanpur, the 1st June 1983

Ref. No. M-867/28/334.—Whereas, I, BIBEK BANERII, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 29-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); House No. 150-D situated at Saket, Meerut.

BIBEK BANERJI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Dete: 1-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR,

Kanpur, the 1st June 1983

Ref. No. M-549/82/333.—Whereas, I, BIBEK BANERJI, being the Competent Authority under Section .269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 28-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

. Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Smt. Kamla Devi w/o Srl B. N. Rastogi, R/o 72, Saket Road, Meerut City.

(Transferer)

(2) Shri Shyam Behari s/o Sri Banbari Lal, and Smt. Vijai Laxmi w/o Sri Shyam Behari R/o 1170, Chatta Madan Gopal Mali Wara, Delhi-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 204, Police Street, Sadar, Mcerut Cantt. also situated at West End Road, Meerut Cantt.

BIBEK BANERJI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 1-6-1983.

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 8th June 1983

Ref. No. M-600/82-83.—Whereas, I, BIBEK BANERJI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kanpur on 1-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) New Kashmir & Oriental Transport Company Pvt. Ltd. Navin Market, Kanpur through its Chairman Shri Harbans Lal Kapur s/o Shri Sunder Das Kapur R/o Govind Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar s/o Shri Gurbux Lai R/o 72-N, Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(3) Shri Satish Kumar.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gázette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Western Part of immovable property No. 133/P/224 Transport Nagar, Kanpur.

BIBEK BANERJI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-6-1983

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 8th June 1983

Ref. No. K-49/82-83.—Whereas I, BIBEK BANERJI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 1-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, naalely:—

- (1) New Kashmir & Oriental Transport Pvt. Ltd. Navin Market, Kanpur through its Chairman Shri Harbans Lal Kapur s/o Shri Sunder Das Kapur R/o Govind Nagar, Kanpur.
- (1) New Kashmir & Oriental Transport Company Pvt. Ltd. Navin Market, Kanpur through its Chairman Shri Harbans Lal Kapur s/o Shri Sunder Lal Kapur 133/233, Transport Nagar, Kanpur.
- (3) M/s Delhi Kanpur Golden Transport Co.
 (Persons in occupation of the property)

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern Half portion of the property No. 133/P/224 Transport Nagar, Kanpur,

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 8-6-1983

(1) Smt. Habibabi Dhondi Zari, Mangalwar peth, Miraj.

(2) Shri Sudhir D. Joshi,

Chief Promoter,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23rd May 1983

Ref. No. CA-5/37-G/83-84/896.—Whereas, I, SHASHI-KANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

R.S. No. 45/1A-Land, Kupwad, Tal. Miraj situated at Dist. Sangli

sangular (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Miraj on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Niyojit Utkarsha Co-op. Housing Society, Miraj.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at R.S. No. 45/1A Kupwad, Tal. Miraj, Dist. Sangli. (Area—98 R)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the S.R. Miraj-II under document No. 1655 in the month of Oct. 82)

SHASHIKANT KUKARNI *Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 23-5-1983

Seal.

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Chandrakant Laxman Jadhav and Alka Laxman Jadhav (Minor) guardian by Satyabhamabai Laxman Jadhav, At Jeur Kumbhari-Tal, Kopargaon Dist. Ahmednagar.

(Transferor)

(2) Mrs. Tarabai Kisanrao Jadhav, at Manjur Tal. Kopargaon Dist, Ahmednagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th May 1983

Ref. No. CA-5/37-G/83-84/895.—Whereas, I SHASHI-KANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agril, land at Bharvas, Gat No. 49 Tal, Niphad situated at

Dist, Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Niphad on 25-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said At in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village Bharvas, Gat No. 49-Agril. Land. Tal. Niphad Dist. Nasik. 1-H 99 R.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Niphad under document No. 1792 dated 25-10-1982).

SHASHIKANT KUKARNI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Poona

Date: 16-5-83. Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 24th May 1983

Ref. No. CA-5/37-G/83-84/899.—Whereas, I. SHASHI KANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land & Building S, No. Hissa No. 5 Dombivali situated at Tal. Kalyan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Kalyan on 25-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Prakash Ramchandra Karnik
 C/o Shashank Builders,
 Aai Bungalow-Ram Nagar, Dombivali (W)
 Tal. Kalyan.

(2) Shri Bhalchandra Sakaram Patankar, Secretary—Shashank Co-op. Housing Society, Shastri Nagar, Dombivali (W).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building—S. No. 20 Hissa No. 5 Mouje Dombivali. Tal. Kalyan.

(Property as described in the sale deed registered in the Office of the Sub-Registrar, Kalyan under document No. 1975 dated 25-10-1982)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Poona

v- Date: 24-5-1983. Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the 'oresaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-1, the 24th May 1983

Ref. No. CA-5/37-G/83-84/898.-Whereas, I, SHASHI-KANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.
Plot D-27 Satpur, Dist. Nasik situated at Satpur-Dist. Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Bombay on 4-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) heilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. National Flavour Industries, Plot No. D-27 M.I.D.C., Satpur, Dist. Nasik. (Transferor)

(2) Shri Purushottam Satyanarayan Varma Prop. Multipulp Products, Yeola, Dist Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period assures letter. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D127, Satpur, Dist. Nasik. Nasik Industrial area, Satpur Nasik—Area 1000 sq. meter).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar Bombay under document No. 2098

dt. 4-10-1982)

SHASHIKANT KUKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Poona

Now. Therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the

following persons, namely:-

Date: 24-5-1983.

FORM I.T.N.S.-

(1) K. R. Venkatesan, 13 I St., Killnagar, Madras-24.

(Transferor)

(2) S. Kothandapani, 83, New St., Mannady Madras-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th May 1983

Ref. No. 17684.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13 I St., Gillnagar, situated at New Colony, Madras-24 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras South (Doc. 3487/82) on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period o

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 13, I St., Gill Nagar New Colony, Madras-24. (Doc. 3487/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-5-83.

(1) R. Venkatakrishnan, C432, 48th St., Madras-83.

(Transferor)

(2) T. R. Thiagarajan,

7. Shathiyanarayana Avenue Madras-28. T. Gopalakrishnan, T. Balasubramanian, 23. Raja St., Madras-28.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th May 1983

Ref. No. 17754.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot C 432, situated at 9th Avenue Ashok Nagar, Madras-83 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 4359/82) on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at C 432, 9th Avenue Madras-83. (Doc. 4359/82)

> R. P. PILLAI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range-II, Madras-600 006,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 16-5-83.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 16th May 1983

Ref. No. 17721.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS 146, situated at Nungambakkam (Doc. 674/82) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, , 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Thousandlights (Doc. 674/82) on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) J. P. Santhamma, 64, Edward Elliots Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) K. C. D. George, Wire Line Corporation, 574, Mount Road, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS 146, Nungambakkam. (Doc. 674/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 16-5-83.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th May 1983

Ref. No. 17677.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 292/3, situated at Ambattur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambattur (Doc. 4890/82) on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Rajammal, S. Gopalaswami Malligambal, 48, Vellala St. Ambattur, Madras-58.

(Transferor)

(2) P. C. Gupta, Saraswathi Devi Gupta S. K. Gupta, Susheela Gupta II Floor, Luz Ginza, Shanthi Vihar Complex, Roapettah High Road, Madras-14.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 292/3, Ambattur. (Doc. 4890/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 16-5-83.

(1) Rosy Tower, 4, Khader Nawaz Khan Road, Madras-34.

(Transferor)

J. P. Santhamal,
 l. Dr. Thirumurthy Road,
 Madrae-34.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th May 1983

Ref. No. 17689.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7. Nungambakkam situated at High Road, Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at T. Nagar (Doc. 1900/82) on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269Ç of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 7, Nungambakkam High Road, Madras-34. (Doc. 1900/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax.
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 16-5-83. Seal:

29-136GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M. Desikan, 32, Thambu Chetty St. Madras-1.

(Transferor)

(2) Varghese Mathey, Mrs. Mariamma Mathews,22, Aziz Mulk III St. Madras-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th May 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. 17555.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovto as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 134, Vannier St., situated at Puliyur Madras (Doc. 4145/82) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 4145/82) on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building 134, Vannier St. Puliyur, Madras. (Doc. 4145/82)

> R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 16-5-83.

FORM No. ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th May 1983

Ref. No. 17706.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS 1209, Cathedral Road, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 705/82) on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the deduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Mahendra Kumar Gupta & others Parsn Complex A Block 8th floor Madras-34.

(Transferor)

 Durba Bright Bar Mfg. Co. 3/10, Seshachala Gramani St., Madras-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at RS 1209, Cathedral Road, Madras, (Doc. 705/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 16-5-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006. Madras-600 006, the 16th May 1983

Ref. No. 17738.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 6, Puliytir situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 4256/82) on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or my moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M. Eara Sargunam, 1, Second St. Ormes Road, Madras-10.

(Transferor)

A. Radhakrishnan,
 I. Gandhi St. Cauvery Nagar,
 Madras-600 015.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 6, Puliyur. (Doc. 4256/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-5-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCGME--TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th May 1983

Ref. No. 17692.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1, Kamalabai St., situated at Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1856/82) on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(1) Shri Ragade Rammohan A14. Nandavanam. (Behind) Oscar Amber Theatres, Andheri West, Bombay-400 058.

(Transferor)

(2) Shri K. Raghunathan, 13. Balaji Avenue II St.. Thirumalai Pillai Road, Madras-600 017.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EVPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1 Kamala Bai St., Madras-17. (Doc. 1856/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Dute: 16-5-1983.

FORM ITN9 -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th May 1983

Ref. No. 17697.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 37, Peria Palli St., situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1389/82) on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated ni the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Lucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri G. Rajammal, Mrs. Thares Pagasse Lowrdes Culandai Anthonyswamy, 27, Petticanal St., Pondicherry-1.

(Transferor)

(2) Leena Ammal, S. Rosemary Ammal, Mrs. Selvamary Ammal, 37. Peria Palli St., Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the . Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 37, Peria Palli St., Madras-28. (Doc. 1389/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 16-5-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri C. S. Krishnan, 47, First Main Road, Besant Nagar, Madras-90

(Transferor)

(2) RCX Gomez, 13, Dooming St., Santhome, Madras-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th May 1983

Ref. No. 17698.—Whereas I, R. P. PHIAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS 4, situated at 47, First Main Road, Besant Nagar, Madras-90

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 291/82) on October 1982

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

• THE SCHEDULE

Land and building at 47, First Main Road, Besant Nagar, Madras-90. (Doc. 291/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 16-5-1983.

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 16th May 1983

Ref. No. 17674.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

6, Perambur High Road, situated at Madras-11 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam (Doc. 438/82) on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said inscrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. D. J. Simon, 34, South Narasimhachari St. Dharmapuri.

(Transferor)

(2) D. Padmavathi, 251, C1, Poonamalle High Road, Aminjikarai, Madras-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 6, Perambur High Road, Madras-

(Doc. 438/82)

R. P. PILAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge-II,
Madras-600006

Date: 27-4-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 27th April 1983

Ref. No. 17740.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29, Postal Colony situated at III Main Road West Mambalam, Madras-33

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kodambakkam (Doc. 4165/82) on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

30-136GI/83

A. Ranganathan,
 Raja Annamalai Road,
 Madras-84.

(Transferor)

R. Vaidyanathan,
 Postal Colony,
 Main Road,
 Madras-33,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 29, Postal Audit Colony, III Main Road, Madras-33.

(Doc. 4165/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 27-4-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 27th April 1983

Ref. No. 17675.--Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

523, Poonamallee High Road, Madras84, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Purasawalkam (Doc. 434/82) on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Daisy Vashdev Rep. by S. Vashdev, 32, Jermiah Road, Madras-7.

(Transferor)

(2) Mrs. J. Archana, 1068, Poonamallee High Road, Madras-600084.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 523, Poonamallee High Road, Madгаз-84. (Dec. 434/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 27-4-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dr. Mrs. Sudarshana Gujaral, 16/A/15, WEA Karol Bagh, New Delhi-5.

(Transferor)

(2) S. Annapoorni, A. S. Abhiraman, MIG Flat M 34/I, Madras-41.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 27th April 1983

Ref. No. 17680.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 11/2A5, situated at Palavakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 3778/82) on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 11/2A5, Palavakkam. (Doc. 3778/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 27-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S. Kumar, 113, Usman Road, Madras-17.

(Transferor)

(2) R. Uma Devi, 12, HD Raja St., Teynampet, Madras-18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 27th April 1983

Ref. No. 17690.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21, Parthasarathypuram St. situated at St., Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1882/82) on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 21, Parthasarathypuram St., Madras-17. (Doc. 1882/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

subwing Date : 27-4-1983 Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 27th April 1983

Ref. No. 17704.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS 6, Ranjit Road, situated at Adyar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officffier at Adyar (Doc. 311/82) on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Ravidhas Samuel, Rep. by W.F. Vijaya, 48, Pulla Avenue, Madras-30.

(Transferor)

(2) Dr. Vijayakumar and Dr. (Mrs.) Lakshmi Vijaya Kumar, 7, Poona House, Lalitha Nagar, Santhome, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 6, Ranjit Road, Advar. (Doc. 311/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 27-4-1983

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 27th April 1983

Ref. No. 17694.—Whereas, I, R. P PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable to the interval of t property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 1. Kamala Bai St., Madras-17

1, Kamala Bai St., Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1847/82) on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property the property as aforesaid the property and the prope exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Ragade Rammohan (HUF), A-14, Nandavan, Behind Oscar Ambar Theatres, Swami Vivekanand Road, Andheri West, Bombay-400058.

(Transferor)

(2) P.S. Sundaram, Mrs. Padma Sundaram, Natarajan Sundaram, 31, Jolly Maker III Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400005.

(Transferee)

(3) Mrs. R. Krishna Bai, , Kamalabai St., Madras-17.

(Person in occupation of the property)

(4) Co-owners/tenants-in-common of the Property:

1, Kamala Bai St., Madras-17.

- 2. Mrs. Nalini V. Ragade, 6/279, Sharti Kunj, Sion East, Bombay-400022.
- 3. Mrs. Muktha P. Pandit, 4, 'Gurubhakthi'. Muland East,
- Bombay 400081. 4. Jayant V. Ragde, 214, Riggs Drive,

Clemson, S. Carolina,
United States of America.
5. Indukanth S. Ragade (HUF),
07, Atic Colony, Post Atul Via Bulsar,
Gujarat-396020.

Onjarat-390020.

6. Ragade Rammohan,
A14, Nandavan,
Behind Oscar Ambar Theatres,
Swami Vivekanand Road,
Andheri West,
Bombay-400058.

7. Ramchandra S. Ragde, CPO Box 143,

Seoul, Korca.

8. Lakshman S. Ragade,
37. Hickory Heights Crescent,
Kitchener, Ontario, Canada.

(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1, Kamala Bai St., Madras-600017. (Doc. 1847/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 27-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1983

Ref. No. 17694.—Whereas, I, R. P. PILLAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 1, Kamalabai St. situated at Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. 1846/82) on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ragade Rammohan A14, Nandavan, Behind Oscar Ambar Theatres Swami Vivekanand Road, Andheri West Bombay-400 058.
 - (Transferor)

(2) Mrs. Shantha Bai Molahalli 23, Prakasa Mudali St., Madras-17.

(Transferee)

(3) Mrs. R. Krishna Bai 1, Kamala Bai St., Madras-17. (Person in occupation of the property)

(4) 1. Mrs. R. Krishna Bai, 1, Kamala Bai St., Madras-17.

2. Mrs. Nalini V. Ragade, 6/279, Shanti Kuni, Sion East, Bombay-400022.

3. Mrs. Muktha P. Pandit, 4, 'Gurubhakthi', Mulund East, Bombay-400081.

Bombay-400081,
4. Jayan V. Rudge.
214, Riggs Drive,
Clemson, S. Carolina,
United States of America.
5. Indukanth S. Ragade (HUF),

 Indukanth S. Ragade (HUF 07, Atic Colony, Post Atul Via Bulsar, Gujarat-396020.

6. Ragade Rammohan, A-14, Nandavan, Behind Oscar Ambar Theatres, Swami Vivekanand Road, Andheri West, Bombay-400058.

 Ramchandra S. Ragde, CPO Box 143,

Seoul, Korea.

8. Lakshman S. Ragadpe,
37, Hickory Heights Crescent,
Kitchener Ontario,
Canada.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1, Kamalabai St., Madras-17. (Doc. 1846/82).

R. P. PILLAI Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 27-4-1983

(1) T. N. Rangaswamy Ponnammal Chinnathadagam, Coimbatore Tk.

(2) Minor S. Vijayakumar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1983

Ref. No. 12343.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing S. No. 577/2, 585, 584, 598/A2 586 situated at Chippetherup. Chinnathagan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3659, 3660/82) on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(Transferee) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Rep. by Deelavathy Sampath Kumar, 15/89E. Alagesan Road, Coimbatorc-641 011.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions usd herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 577/2, 586, 584, 598/A2, 586, Chinnathadagam (Doc. 3659, 3660/82).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 27-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 005, the 27th April 1983

Ref. No. 12339.—Whereas, I, R. P. PILLAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 168/1, 1684/2, 1685, 3060|5,

situated at Pulinkulam, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 1242/82)

on Oxfober 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid errors, the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

31--136GJ/83

- (1) Mahitha Gopolarathnam
 P. Bharathy, Mrs. Sumathi
 6/222, Puliyakulam Road, Coimbatore-18,
 (Transferor)
- A. Shanmugha Sundaram
 8/33, Sundaresa lyer Lay out
 Trichy Road, Coimbatore-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 1684/1, 1684/2, 1685, 3060|5, Puliakulam, Coimbatore. (Doc. 1242/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 27-4-1983

(1) €. Soundararaj 86L, Avmashi Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) N. Jagannathan 29, Thirumalaiswamy Naidu St., New Siddapudur, Coimbatore,

· (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1983

Ref. No. 12342.—Whereas, I.

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reuson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. 178 situated at

Krishnarayapuram, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 1251/82) on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid accords the apparent consideration. reason to believe that the tair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- ra) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 178, Krishnarayanuram, Coimbatore, (Doc. 1251 82).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madia -000 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 27-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSULT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1983

Ref. No. 12344,--Whereas I,

R. P. PILLAI,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Incomestix Ac., 1901 (43 of 1901) (hereinatter referred to as the sand Ac.), have reason to believe, that are immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 dobrs and bearing No. 7 7.04c, a reted at Krichnamyapmam (and more july described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1963) in the office of the Registering Officer at Coincidence (Doc 4421-81) on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considuration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discloved by the transferce for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this retice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) A. G. Genganaidu A. G. Guruswami Naidu A. G. Rameshkumar, A. G. Prakash Kumar Avir shi Road, Colimbatore.

(Transferor)

(2) South India Viscose Co. Shanmugha Mandoam', Race Course Coimbatore,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 7/334, Krishnarayapuram Coim-. batore. Doc. 44221/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 27-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1983

Rcf. No. 12354.—Whereas I, R. P. PILLAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 15/16, F & J, situated at Sanganur, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. 3682/82) on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Ponnammal C, N. Baliah, 74, Venkataswamy Road, RS puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) K. Dhanapul, 101B, N.S.R. Iyengar Road, Saibaba Colony, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 15/16 F & J Sanganur, Coimbatore, (Doc. 3682/82),

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 27-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1983

Ref. No. 17696.—Whereas 1, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS 4394 3, situated at South Beach Road, Madras-4 South Beach Road, Madras-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mylapore (Doc. 1395/82)

on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) GR Satthianadhan, 5, Nawab Habibuliah Avenue, Madras-6 C.P. Cabral, 7, Diwan Bahadur Shanmugha Mudaliar St., Madras-10.

(Transferor)

(2) Mrs. Gayatri Seshadri 13, I Main Road, CIT Colony. Madras-47.

(Transferee)

Objection, if any, to the ecquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/10 Undivided share in RS 4304/3, South Beach Road, Madras-4. (Doc. 1395/82).

> R. P. PILLAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 27-4-1983

NOTICE-UNDER DECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

V. G. Oommen 32, West Circula West Circular Road, Madras-28.

(Transferor)

(2) F. Susairaj 18. Lazarus Church Road, Madras-28, .

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1983.

Ref. No. 17723.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS 4311fff86 situated at West Circular Road, Madras-28 . (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mylapore (Doc. 1378/82)

on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

Land at RS 4311/86, West Circular Road, Madras-28. (Doc. 1378/82),

> R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 27-4-83

Scal:

(1) Shri Mohamed Iqbal Eshak

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) She: Nuruddin Gulamally Tunkiwala

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUITA

Bombay, the 16th April 1983

Ref. No. ACQN.RANGE-ft/37EF/17/82-83.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601. 6th floor, Shri Mankeshwar Orasad Co-op. Hsg. So. Ltd., Bldg. No. 21. Dosabai Wadi, Motharpakhadi Road, Mazgaon, Bombay-400 001. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Scrial No. ACQN. RANGE-I/10/82-83 dated 21-10-1982.

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bornbay.

Date: 16-4-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The control of the co

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 25th May 1983

Ref. No. AC-8/R-II/Cal/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 22, Sidhinath Chatterjee Rd., situated atP. S. Behala, Cal-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Alipur on 22-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Manju Chatterjee, 22, Sidhinath Chatterjee Road, Calcutta-34.

(Transferor)

(2) Anil Kr. Muhuri,41B, Subarban School Road, Calcutta-29.Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 2k,9ch.18sft (with buldg) at, 22, Sidhinath Chatterjee Road, P. S. Behala, Cal-34. More particularly described in deed No. 6264 of S. R. Alipur of Oct '82.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date: 25-5-1983

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 25th May 1983

Ref. No. AC-9/R-II/Cal/83-84.—Whereas, I, ROKIIAMA,

being the Compress! Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1931 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'stid Act'), have mason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 25, Debt Nibash Road situated at P. S. Dum-Dum.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Cal. on 22-10-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely : -

32 136G1/83

- (1) Dhirendra Nath Chattapadhya, 62, P. K. Guha Road, Dum-Dum Cal.-28. (Transferor)
- (2) Smt. Hardev Kaur.25, Debi Nibash Road, Dum-Dum, Cal.-28. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property. within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLAINTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area. 5K 5ch. 23 sft. (with buldg) at 25, Debi Nibash Rd., Dum-Dum, Calcutta-28. More particularly described in deed No. 9618 of Oct 1982 of R. A. Calcutta.

C. ROKHAMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date: 25-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IL CALCUTTA

> Calcutta, the 27th May 1983

Ref. No. AC-10/ACQ.R-JI/Cal/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

situated at Mouza, Siriti, P. S. Behala, No. Dist. 24-Pargs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 12-10-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per-cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Tapendra Kr. Mitra, 47/1, Hazra Road, P. S. Ballygunge, Calcutta-29.

(Transferor)

(2) Prabir Kr. Majumder, 86, Bansdroni, New Government Colony, P. S. Jadavpur, Calcutta-700 047.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land-1 Bigha 3 Cottahs 11 Chattacks and 14 sq. feet with building. Address—Mouja Siriti. P. S., Behala, Dist. 24-Parganas. Decd No.—5877 of 1982.

> C. ROKHAMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Date: 27-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 28th May 1983

Ref. No. AC-24/Acqn.R-IV/Cal/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 71 situated at Joydev Kundu Lane, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 22-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

Smt. Renu Bala Adak
 W/o Shri Kishori Mohan Adok,
 127, Lenin Sarani, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri Ranjit Kumar Das 1/1 Joydev Kundu Lane, P. S. Bantra, Dist. Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 7 Cottahs 0 Chattaks 3 Sft. with Building. Address: 71, Joydev Kundu Lane, Kadamtola, P. S. Bantra, Dist. Howrah. Deed No. 6352 of 1982

C. ROKHAMA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge-IV, Calcutta,

*Date: 28-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 28th May 1983

Ref. No. AC-23/ACQN.R-IV/CAL/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 100 situated at Rabindra Sarani, Bhattanagar, P. S. Liluah, Dt. Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howiah on 12-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object qf:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri Joyanta Kumar Sur ' R/o 15, Convent Road, Calcutta.

(Transferor)

 (2) M/s. Liluah Co-operative Housing Society, Lid.
 K/o 60, Bhattanagar, Liluah, Dis. Howrah.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 11 Bighas 5 Cottahs Address: 100, Rabindra Sarani, Bhattanagar, P. S. Liluah, Dist. Howrah, Deed No. 5893 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 28-5-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTΓΛ

Calcutta, the 28th May 1983

AC-22/ACQN.R-IV/CAL.83-84.--Whereas, I, Ref. No. C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 12/1 situated at Dashrath Ghosh Lane, P. S. Bantra,

Dist. Howrah-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 15-10-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the property of the property o exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ugreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Tarak Nath Ghosh 80 Dashrath Ghosh Lane Howrah-6.

(Transferor)

(2) Ashit Kumar Ghosh 80 Dasrath Ghosh Lane Howrah-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 3 Khatas, 0 Chattak, 43 Sft. of land with struc-

Address: 12/1, Dashrath Ghosh Lane P. S. Bautra Dist, Howrah-6. Deed No.: 2380 of 1982

C. ROKHAMA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 28-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 28th May 1983

Ref. No. AC-21/ACQN-R-IV/CTL/83-84.—Whereas, J, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 162/P situated at Andul Road Shibpur, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been troughtered under the Registration Act, 1908, (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Howrah on 22-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Benay Kumar Ghosh 21/1, Shalimar Road Shibpur, Howrah.
 - Prusad Singh
- (2) Sri Haridwar Prasad Singh 27 College Road Shibpur, Howrah. Sri Lalan Prasad Singh

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 4 Khatas, 15 Chattaks, 37 sft. of land with structure.

Address: 162/P. Andul Road, Shibpur, Howrah

Deed No. 2470 of 1982

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date > 28-5-1983 Seal :

 M/s. Howrah South Engg. Co. Pvt. Ltd. 13/1, Padmapukur Roy Chowdhury Lanc Howrah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Model Engineering Works 71A, Netaji Subhas Road Calcutta-700 001.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 28th May 1983

Ref. No. AC-20/ACQN.R-IV/CAL/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 118 situated at Andul Road, Dist. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 8-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPTANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 3 khatas, i5 chattaks, 20 sft. of land Address: 118, Andul Road, Dist. Howrah. Deed No. 5792 of 1982

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta.

g Date

Date: 28-5-1983

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-IV

Calcutta, the 28th May 1983

Ref. No. AC-19/ACQN.R-IV/CAL/83-84.—Whereas, I C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. 118 situated at Andul Road, Dist. Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 6-10-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Howrah South Engg. Co. Pvt. Ltd. 13/1, Padmapukur Roychowdhury Lane Howrah.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Kumar Ghosh 21/6/1, Kaipukur Lane Shibpur Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 4 khatas, I chattak, 35 sft. of land Address: 118, Andul Road, Howrah Deed No.: 5722 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54 Rnfi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 28-5-1983

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Ava Guha Mazumdar, B-9/183, Block-B, Kalyani Dist. Nadia.

(Transferor)

(2) Sri Rabindra Nath Bancriec, B-13/155, Kalyani, Dist. Nadia.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANG-IV CALCUITA

Calcutta, the 28th May 1983

Rcf. No. AC-18(ACQN.R-IV/83-84.--Whereas, J ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. B-9/183 situated at Block-B, Kalyani, Dist. Nadia, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranaghat on 13-10-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 4 Khatas, 15 Chattaks, 23 Sft. of land with

Address: B-9/183, Block-B, Kulyani, Dist. Nadia,

Deed No.: 8706 of 1982,

C. ROKHAMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV, Calcutta 54 Rufi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 28-5-1983

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said (Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

33-136GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-IV CALCUTTA

Calcutta, the 28th May 1983

Ref. No. AC-17/ACQN-R-IV/CAL/83-84.—Whereas, I C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing.

No. situated at Mouja, P.S. & Dist. Burdwan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burdwan on 28-10-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Parimal Chandra Ghosh, Shyam nagar Ghat, P.S. & Dist, Burdwan,

(Transferor)

(2) Shri Manoj Kanti Das & Sm Madhuri Das, Burir Bagan, Burdwan.

. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 2 Khatas, 13 Chattaks of land with structure, Address: Mouja, P.S. & Dist. Burdwan, Deed No.: 9193 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 28-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd June 1983

C.R. No. 563/82-83/ACQ/B.-Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 17, situated at Ward No. XXV out of T.S. No. 169 part No. 15 Bellary,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bellary under document No. 4301 in October 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen perh cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Amarendra Naidu, S/o Late G. V. C. Babu Naidu, Ward No. XXV/D No. 18, Bellary.

(Transferor)

(2) 1. K. Subba Rao, S/o Chandraiah. 2. K. Srinivasa Rao S/o K. Subba Rao.

3. Minor K. Barava Shankar Rao S/o K. Subba

4. Minor K. Ravichandra S/o K. Subba Rao Guardian father.

5. K. Venkateshwara Rao S/o Chandraiah.
6. K. Rajashakhar S/o Venkateshwara Rao.

7. K. Venkataramaiah S/o Kotaiah.
8. K. Venkataramaiah S/o Kotaiah.
9. Poornachandra Rao S/o Venkataramaiah.
10. Minor Banu Prasad S/o Venkataramaiah.

11. K. Susheelamma w/o Gaiyal.
12. Minor Shivanaga Malburaiah D/o Guardian mother Susheelamma.

13. Minor Dharalakshmi D/o Gangaial Guardian mother Susheelamma.

14. Minor Shivalcela D/o Gangaiah Guardian mother Susheelamma.

15. V. Lakshminarayana S/o Subbhaiah.

16. Minor Basareswara Rao, S/o V. Lakshminarayana Guardian father. All are resident of Ward XXV Door. No. 17 Bellary,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4301/82-83 dated Oct. 1982). All that property bearing No. Door No. 17 situated at Ward No. XXV out of T.S. No. 169, Part No. 15, Bellary.

> MRS. MANJU MADHAVAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 17th May 1983

CR. No. 62/36281/82-83/Acq/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 11 situated at IV Cross, Hutchins road, Cox Town, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivajinagar under document No. 2291/82-83 on 30-10-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri B. A. Jayaram, No. 5, Gover Road, Cox Town, Bangalore-5.

(Transferoi)

(2) Shri Y. Mohd. Hashim Sait, No. 2, Gover road, Cox Town, Bangalore-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2291/82-83, dated 30-10-82)
All that property bearing No. 11 situated at IV cross, Hutchins road, Cox Town, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 17-5-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri M. G. Anantha Pai, S/o M. Ganesh Pai, No. 2928, KBG Road, Rajajinagar II Stage, Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Kumari B. Sujatha Naik, C/o Mr. B. Appaji Naik, Priyadarshini Vas Lane, Mangaloro-2.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 16th May 1983

CR. No. 62/36249.82-83|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. RS. 52-53B, 52-7 and 52-2, TS No. 1573-6B, 1573-8D and 1573-9 situated at Kodiabail Village, Kadri Ward, Mangalore City
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Mangalore City under document No. 461/82-83 on 12-10-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 461/82-83, dated 12-10-1982)
All that property bearing No. RS 52-3B, 52-7 and 52-2,
TS No. 1573-6B, 1573-8D and 1573-9, situated at Kodial-bail Village, Kadri Ward, Mangalore City.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-5-1983

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 28th February 1983

C.R. No. 62/36287/82-83|ACQ|B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. site No. 79 situated at Binnamangala Ext. I Stage, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, under document No. 2155/82-83 on 18-10-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri J. A. K. Murthy, No. 9, Roshanbhag Road, Visweshwarapuram, Bangalore.

(Transferor)

 Shrimati Leelamma Joseph, No. 98, I Stage, Indiranagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2155/82-83 dated 18-10-82)

All that property bearing No. 79, situated at Binnamangala Ext. I State, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 18th May 1983

C.R. No. 62/36168/82-83.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Sy. No. 51/1, situated at Byrasandra, 1 Block, Jayanagar, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar under document No. 2317/82-83 on 13-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Maqbal Ahmed, 2021, Andree Road, Shanthinagar, Bangalore-27.

(Transferor)

 Shri Machalal Thanmal, Jalluram Market, Maramma Temple Street, Bangalore-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2317/82-83 dated 13-10-82)

All that property bearing No. 51/1, situated at Byrasandra, I Block, Jayanagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 18-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 18th May 1983

C.R. No. 62/36256/82-83|ACQ|B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Site No. 291 situated at HAL II Stage, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. Nagar under Document No. 2032/82/83 on 11-10-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Vimalachandra, 555, 9th Main Road, Bangalore-38.

(Transferor)

1. Sri Noor Ahmed Mecci,
 2. Sri Noor Jahan Mecci,
 80 1, Ranooji Rao Road,
 Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2032/82-83 dated 11-10-82)

All that property bearing No. 291, situated at IIAL, If Stage, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangulore

Date: 18-5-1983

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 16th May 1983

C.R. No. 62/36295/82-83|ACQ|B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 10, New No. 14, situated at Pettigrew Street, Civil Station, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer.

1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 2314/82-83 on 3-11-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269© of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

34-136GI/83

 Shri S. Albert Victor, 14, Pettigrew Street, Civil Station, Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Devi, 185, Thimmamah Road, Civil Station, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2314/82-83 dated 3-11-82)
All that property bearing No. 10, New No. 14, situated at Pettigrew Street, Civil Station, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-5-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 16th May 1983

C.R. No. 62/36283/82-83/Acq B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Site No. 938, situated at HAL II Stage, Indiranagar,

Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 2241 on 23-10-1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M. G. Krishnan, No. M-4, HAL old township, Bangalote-17.

(Transferor)

(2) Shri Hilary Clarence D'Souza Cao Nancy D'Souza, No. 811, HAL II Stage, Indianagar, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2241/82-83 dated 23-10-82)
All that property bearing No. 938 situated at HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 16th May 1983

C.R. No. 62/36236/82-83|ACQ|B.—Whereas, I MANIU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
No. 920/A, CR 8, 89A, situated at Venkatesh Nilaya, Gopalaswamy Sishuvihar. Chamaraja Mohata, Myslare-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore under document No. 3593 '82-83 in October 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformatid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Parvathi Bai, 920/A, CH-8, Venkatesha Nilaya, Gopalaswamy Sishuvihar Road, Chamaraja Mohalla, Mysore-4.

(Transferor)

(2) I. S. Raghukal Tilak, D. No. 987, CH-1, Princess Jayalaxmi, Vilas Road, Ch—puram, Mysore.

 Gayani Prakash, No. 909, 1B-1 Main, Laxmipura, Mysore-4.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3593/82-83 dated Oct. 1982) All that property bearing No. 920/A. CH-8, 89A, situated at Venkatesha Nilaya, Gopalaswamy Sishuvihar, Chamaraja Mohalla, Mysore-4.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 12th May 1983

Notice No. 560/82-83.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/said bearing.

and bearing MTS. No. 600 Door No. 105 situated at Ward No. XVII, Anantapur Road, Bellary (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bellary under Document No. 2624/82-83 on 13-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) I. Shri H. S. Ramarao Vinayangal Colony, Hyderabad.
 - Shri H. Sriniyasa Rao, Malakpet Colony, Malaket Colony, Hyderabad.
 - 3. Sri H. Seshagiri Rao, Patel Road, Anantpur.
 - Smt. H. Saraswatibai, Patel Road, Anantpur.

(Transferor)

(2) Shri B. K. Srinivasa Murthy, S/o Late Sri B. K. Gururaj Rao, Gand ki Nagar, Bellary.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2624/82-83 Dated 13-10-1982] House Property bearing MTS, No. 600 Door No. 105 situated in Ward No. XVII, Anantapur Road, Bellary.

MANJU MADHAVAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 12-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 12th May 1983

Notice No. 561/82-83.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 7-1178 Q. No. 97 situated at Neharu Gunj Gulbarga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gulbarga under Document No. 1574/82-83 on 8-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fari market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Revanasiddappa Bhimappa Kerur, R/o Neharu Gunj, Gulbarga.

(Transferor)

(2) Shri Nandkishor Bansilal Biyani, R/o Saraf Bazar, Gulbarga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1574/82-83 Dated 8-12-1982] Half portion of the Double storied R.C.C. building bearing No. 7-1178, Q. No. 97 situated at Neharu Gunj, Gulbarga.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 12-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPÉCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th May 1983

Notice No 562/82-83.—Whereas, J. MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 7-1178 situated at Nehru Gunj Gulbarga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Gulbarga Under document No. 1575/82-83 on 9-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Revansiddappa Bhimappa, Kerur, R/o Nehru Gunj Gulbarga.

(Transferors)

(2) 1. Shri Srivalabh Bansilal Biyani,
 2. Shri Omprakash Bansilal Biyani,
 Both R/o Saraf Bazar, Gulbarga.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1575/82-83 dated 9-11-1982.] Half portion of the Double Storied R.C.C. Building H. No. 7-1178 situated at Nehru Gunj Gulbarga.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-5-1983;

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, II 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedahad-380 009, the 21st April, 1983

Ref. No. P. R. No 2215Acq23/II/83-84,—Whereas. I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a rair market value exceeding Rs. 25,000 - and hearing:

No. Block 184 situated at Kadodara, Tal: Palsana Dist: Surat,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamrej on 7.10.82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Savitaben Navnitlal Desai, Kadodra, Now at Wandul, Tal: Mangrol.

(Transferor)

(2) 1. Shri Becharbhai Manchhubhai Patanwadia, 2. Shri Dhirubha Nanubhai Desai, Haripura, Tal : Palsana Dist : Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Katodara Tal: Palsana, Dist: Surat Block No. 184, admeasuring 45 gunthas i. e. 5445 sq. yds. Documents of transfer registered in S. R. Kamrej under R. No. 1399 dated 7.10.82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tex
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date. 21-4-83. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009. the 21st April, 1983.

Ref. No. P. R. No.2216Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 215 situated at Kadokarn Tal: Palsana Dist: Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

Block No. 215 situated at Kadokarn Tal: Palsana Dist: Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamrej on 7-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Savitaben Navenitial Desai. Kadodara Now at Wandkal, Tal: Mangrol.

(Transferor(s)

(2) 1. Balubhai Jiyanji, Nalk

2. Balvantbhai Nanubhai Desai
3. Becharbhai Manubhai Patanwadia,
Haripura, Tal: Palsana, Dist: Surat.

(Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kadodara Tal: Palsana Dist: Surat, bearing Block No. 215 admeasuring 61 gunthas i.e. 7381 sq. yds. Documents of transfer registered on S. R. Mamrej under R. No. 1398, Date 7-10-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,II
Ahmedabad

Date. 21-4-83.

(1) Savitaben Navenitial Desai. Kadodra Now at Wandal, Tal : Mangrol.

(Transferor(s)

(2) 1. Shri Balubhai Jivanji Naik,

may be made in writing to the undersigned :-

 Shri Kishorbhai Ambalal Desai,
 Shri Rameshbhai Becharbhai Patanwadia all at Haripura, Tal: Palsana, Dist. Surat.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009. the 21st April, 1983.

Ref. No. P.R. No. 2217Acq23/II/83-84.—Whereas, I,

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable to the competence of property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Block No. 212,213 & 214. situated at Kadodara, Tal: Pal-

sana, Dist: Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Kamrej on 7-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-35—136GI/83

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land at Kododara Tal: Palsana bearing Block Nos. 212, 213, & 214 admeasuring 5445 sq. yds. Document of transfer regd. with S. R. Kamrej under R. No. 1397 Date. 7-10-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, II Ahmedabad

Date. 21-4-83.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE, II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd April 1983

Ref. No. P.R. No. 2218Acq.23/II/83-84.—Whereas, I. R. R. SHAH.

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 290+291 Plot No. 36 situated at Vapi, Tal: Pardi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi. on 10.5.82 (reed, in October, 1982)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Thakorbhai Bhagwan Ji Desai
 Shri Dilip Kumar Thakorabhai Desai & Others, All at Vapi, Tal: Pardi.
- (2) Shri Vijay Ratansi Bajaria 103, Feetali, Harsha Park, Chandanvarkar Road, Borivalley, Bombay.

(Transferce(s)

(Transferor(s)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vapl S. No. 290+291, Plot No. 36 adm. 964-75 sq. mtrs. Documents of transfer regd. under R. No. 731 dt. 10-5-82 (recd. in October, 1982) with S.R. Pardi

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, II
Ahmedabad

Date: 22-4-1983

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd April 1983

Ref. No. P. R. No.2219Acq23-II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH.

k. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property heaving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 37, S. No. 290+291 situated at Vapi, Tal: Pardicated in the Schodule appared.

Plot No. 37, S. No. 290+291 situated at Vapi, Tal: Pardi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on 10-5-1982 *(*received in October, 1982)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Thakorbhai Bhagwan Ji Desai
 Shri Dilip Kumar Thakorbhai Desai & Others At Vapi, Tal: Pardi.

(Transferor(s)

(2) 1. Shri Madan Ratanshi Bajaria Arunoyodaya, 2nd Floor Near Ajanta Talkies Borivalli, BOMBAY.

(Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vapi, S. No. 290+291, No. 37, adm. 964-75 sq. mtrs. Document of transfer registered under R. No. 732 Dt. 10-5-82 (recd. in October. '82) with S. R. Pardi.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,II
Ahmedabad

Date: 22-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd April 1983

Ref. No. P. R. 2220Acq23-II/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 231-1-2 Paiki Plot No. 16 situated at Vapi. Kachigram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pardi on 29-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of eyasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Sri Jalaram Society, Vapi, Tal: Pardi,

Sri Jalaram Society, Vapi, Tal: Pardi,
Through Partners:

1. Shri Chhotabhai Lallubhai Patel
2. Shri Indravadan Gulabchand Shah
and Holder of Power of Attorney of
1. Shri Majurlal Motichand Shah
2. Shri Mansukhlal Matichand Shah
3. Shri Dhansukhlal Gulabchand Shah
All at Vapi, Tal: Pardi.

(Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

N. A. Land at Vapi, Tal: Pardi, S. No. 231-1-8, Plot No. 16, Lay-out Plan 858-25 sq mtrs. Documents of transfer registered under R. No. 1636 Dt. 29-10-82 with S. R., Pardi.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, II Ahmedabad

Date: 22-4-1983

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 26th April 1983

Ref. No. P.R. No. 2221/Acq.-23-II/83-84.—Whereas, I, R. S. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. 239, 242-1-2-3 Palki Plot-1 situated at Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 1908) in the office of the Registering officer at Ankleshwar on 30-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Dilipbhai Muljibhai Shah & Others, Zanor, Tal. Ankleshwar, District Bharuch, P.A. Holder of Shri Dalpatbhai Chhitabhai Patel & Others of Sarangpur, Tal. Ankleshwar.
- (2) S/Shri Jamnadas Laxmidas & Narandas Mathuradas Madhavji Thakershi, Prospect Chambers 2nd Floor, Dadabhai Navroji Road, Bombay-400 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sarangpur, Tal. Ankleshwar, S. No. 239, 242-1, 242-2, 243-3 Plot No. 1, Sq. meters 1527-40. The document of conveyance was registered with S.R., Ankleshwar under No. 2543 dated 30-10-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 26-4-1983.

(1) Shri Nagjibhai Morarbhai Patel Bhargav Falia, Ankleshwar. (Transferor)

(2) Shri Manibhai Narshibhai Patel Chhikhodra, Distt. Kheda. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 26th April 1983

Ref. No. P.R. No. 2222/Acq.-23-II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269D of the moome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. S. No. 738 situated at Ankleshwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ankleshwar on 1-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income axising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N.A. land at Ankleshwar, S. No. 738 adm. 5868 sq. mtrs. Document of conveysnce registered with S.R., Ankleshwar under No. 3040 dated 1-10-1982.

> R. R. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 26-4-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 26th April 1983

Ref. No. P.R. No. 2223/Acq.-23-II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 59/B situated at Ali Tal & District Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on 25-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dhanish Builders Partners Rami Vijaykumar Gordhandas & Others Hajikhan Bazar, Broach.
 (Transferor)
- (2) Shri Ratibhai Dhoribhai Patel at Sonaiya, Tal.
 Thasra.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N.A. land adm. 3220 sq. mtrs. i.e. 3864 sq: yds. at S. No. 59/B at Ali, Tal. & District Broach. The document of conveyance was registered with SR, Broach under No. 5271 dated 25-10-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 26-4-1983.

(1) Bhumi Development Corporation Partner Shri Bakulbhai Jiyabhai Patel Buddhadev Market, Broach.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chairman/Secretary, Sadere Jahan Co-op. Housing Society Ltd. Buddhadev Market, Broach.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 26th April 1983

Ref. No. P.R. No. 2224/Acq.-23-11/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 93/1 & 93/2 situated at Dungari, Tal. & Distt. Broach

No. 93/1 & 93/2 situated at Dungari, Tal. & Distt. Broach (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on 8-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at S. No. 93/1 & 93/2 at Dungari adm. 61 Gunthas i.e. 7389 sq. yards. The document of conveyance was registered with S.R., Broach under Nos. 5151 to 5155 dated 8-10-1982.

THE SCHEDULE

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 26-4-1983.

FORM J.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 26th April 1983

Ref. No. P. R. No. 2225A/Acq 23-11/83-84.—Whereas, IR. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 11 situated at Ali, Tal & Dist. Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broadch on Oct. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

36-136GI/83

- (1) Narayan Traders, V. K. & Partner Shri Kiritbhai Punamehand Prajapati, Anand, Dist : Kaira. (Transferor)
- (2) Jayanarayan Co op, Hsg. Socy. Lid., Chaliman, Shri Ravjibhai Lallubhai Patel, Naplani, Fulvadi, Broach.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 11 adm. 8308 sq. mtrs. i.e. 9969 sq. yds. situated at Ali, Tal. & Dist: Broach. The document of conveyance was registered with S.R. Broach under Nos. 5115, 5166, 5175, 5265 and 5283 in October, 1982

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 26-4-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 26th April 1983

Ref. No. P. R. No. 2225-B Acq 23-JI/83-84,---Whereas, I R R SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 30 (1+2) situated at Ali, Tal: & Dist. Broach

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on Oct., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transefree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Narayannagar V K & Partner Shri Nathubhai Trikambhai Prajapati Near Nilkanth Mandir, Narayannagar, Broach.

(Transferor)

(2) Jaynarayan Co-op. Housing Society Ltd. Chairman Ravjibhai, Nattipani Fulwadi, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 30 (1+2) at Ali, Tal: & Dist. Broach asm 6510 sq. mtrs, i.e. 7812 sq. yds. The document of conveyance was registered with S.R. Broach under No. 5206, 5261, 5264 & 5277 in October, 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 26-4-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE (I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 26th April 1983

Ref. No. P. R. No. 2226 Acq 23/II/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 57 situated at Kanbiwaga, Tal: & Dist. Broach (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Broach on 5th, 12th & 22nd Oct. 82
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this socioe under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- Narayan Organisors,
 V. K. Partner Shri Chimanlal Dalsukhbhai Panchal
 Narayannagar, Broach.

 (Transferor)
- (2) Jaynarayan Co. op. Hsg. Socy. Ltd., Chairman, Shri Ravjibhai Lallubhai Patel, Napiani Fulwadi Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 57 at Kanbivaga, Tal. Dist. Broach adm. 4050 sq. mtrs. i.e. 4860 sq. yds. deed of conveyance registered with S.R. Broach under Nos. 5103 dt: 5-10-82, 5165 dt: 12-10-82 and 5260 dt: 22-10-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 26-4-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2227 Acq. 23/II/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 232 paiki 215, 214, 213 paiki 231, 230, plot No. 8 situated at Chhapara, Tal: Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 21-4-82 (reed. in Oct. 82)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27, of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Shri Ashok Ramanlal Patel P.A.H. Shvi Ramanlal, C. Patel 2. Shvi Anilkumar Ramanlal Patel
 - P.A.H. Shri Ramanlal, C. Patel 3. Smt. Rang ben Vallabhbhai Patel, Navsari

 - Shri Jiyanji Vanmali Patel, Havsaii
 Shri Jiyanji Vanmali Patel, Lakanpor, Tal: Palsana,
 Smt. Dudhiben Parbhubhai Patel, Lakhanpor,
 Shri Thakorbhai Kevalbhai Patel

 - Sagrampura, Surat Dist.
 - Shri Javakrishandas Narottamdas Patel Navsari Dist. Valsad.
 Shri Lallubhai Ranchhodji Patel, Navsari Dist. Valsad.

(Transferor)

(2) Shri Kantibhai Ichharam Zaveri, Lunsikui, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 8 adm. 632 sq. ft. and R.S. No. 232, 215, 214, 213, 231, 230 at Chhapra Tal: Navsari, The document of conveyance was registered with S.R. Navsari under No. 977 dt: 21-4-82 received in October, 1982,

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2228 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 233, 215, 214, 213, 231, 230 paiki Plot No. 105 situated at Chhapara Tal: Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Navsári on 22-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferoi to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I be the initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. (i) Shri Ashokkumar Ramanlal Patel

 - (ii) Shri Anilkumar Ramanlal (iii) Shri Romiben Vallabhbhai Patel P.A. Holder of the above, Ramanial Chhotalal Patel, Navsuti.
 - 2. Shri Jiyanbhai Vanmalibhai Patel Self and P.A. Holder of

 (i) Dudhiben Parbhubhai Patel
 - Lakhanpore, Tal: Palsana 3. Shri Thakorbhai Keyalbhai Patel

 - Sagrampura, Surat.
 Shri Jaykishandas Narottambhai Patel, Navsari,
 Shri Lallubhai Ranchhodji Patel P.A.H. of Dayarambhai Muljibhai Patel, Navsari.

(Transferor)

Shri Arunbhai Anandram Hariani, 46/C, Ashabaug, Navsari.

(Transferee)

(3) Nil

(Person in occupation of the property)

(4) Confirming Party. S/Shri

1. Naginbhai Ghelabhai Patel self & Power of

- Attorney Holder of

 (i) Bhikhubhai Gelabhai Patel

 (ii) Mahendrabhai Ghelabhai Patel—Navsari.

 Mansukhbhai Manibhai Patel—Navsari

- Manharbhai Manibhai Patel—Navsari.
 Rameshbhai Manibhai Patel—Navsari
 Arunbhai Anandram Hariani—Navsari

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 105 at R.S. No. 233, 215, 214, 213, 231, 230 of Chhapta Tal: Navsari adm. 11036, sq. ft The document of conveyance registered with S.R. Navsari under No. 3588 dt: 22-10-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 4-5-1983

(1) Ambaben, Wd/of. Ravjibhai Ramjibhai At Chhapara, Tal: Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2)Shri Jiyanbhai Chhanabhai Patel, Tipra, Tal: Navsari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 4th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2229 Acq 23-II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R. S. No. 291/1 situated at Chhapara, Tal: Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 25-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the saidimmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Chhapara, Tal: Navsari adm. 7623 sq. ft. at R.S. No. 291/1. The document of conveyance was registered under No. 3596 on 25-10-82 with S.R., Navsari.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Abmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-5-1983

(1) S/Shri Vallabh Morarji Patel (self) and P.A.H. of 1. Shri Ranchhodji Morarji Patel

2. Shri Naginbhai Morarji Patel

3. Shri Dhiruhai Morarji Patel At Kachhiawadi, Tal: Navsari, Dist. Valsad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

> > Ahmedabad, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2230 Acq 23-II/83-84.--Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S, No. 249 situated at Chhapara Road, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 18-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely :-

(2) M/s. Desai & Desai Associates Partners

1. Shri Balwantrai Haribhai Desai 2. Shri Sumantrai Maganlal Desai 3. Smt. Cavitaben Balwantrai Desai

4. Parul Balwantrai Desai and 5. Shri Gunvantrai Maganlal Desai At 3/10, Shanker Prakash, New Nagardas Road

Andheri East, Bombay-400 069.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

I PLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Chhapara Road, Navsari adm. 1,75,797 sq. ft. at S. No. 249. The document of conveyance was registered with S.R., Navsari under No. 3401 on 18-10-82 Area 5A-5G. excluding plots No. 3B, 6B, 8D, 10-C, 14-C, 21-C, 22D, 24-C (K), 24-C (Kh.), 28-C.

R. R. SI!AH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 4-5-1983

lleder by experimental courts for the property of the property of the formal property of the court of the court of the formal property of the court of the court of the formal property of the court of

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASIIRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 29th April 1983

Ref. No. P. R. No. 2231 Acq 23-II/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 9, Tika-11/1, Ward No. 6 situated at Nagarwada, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 25-9-82 received in Oct. '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Satishchandra Harilal Desai V. K. of Harilal Nagarji Desai (HUF) Navsari, Dist. Valsad.

(Transferor)

 Shri Nanubhai Togibhai Desai & Smt. Kantaben Nanubhai Desai 101/102, Gauray Apartment M. G. Road, Naysari.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101/102, 1st Floor of Gaurav Apaitment Nagarwada Navsari S. No. 6, Tika No. 11.1, Wd. No. 6 adm. super built area 2050 sq. ft. Document of conveyance registered with S.R. Navsari under No. 3287 datel 25-9-1982 received in this office in October, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 29-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009. . .

> > Ahmedabad, the 29th April 1983

Ref. No. P. R. No. 2232 Acq 23/II/83-84.--Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

Tika No. 56 S. No. 2860 situated at Station Road, Vavsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 26-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

(1) Smt. Ichhaben wd/of Chhaganlal Gopalji Jasumatiben Surenchendra and logal heirs mine Bharatkumar, Anupamaben, Taramatiben, Minor Minaben, Gitaben Ratilal Chhaganlal Solanki, Mahendrakumar Chhaganlal Solanki, Jayantilal, Chhaganlal Solanki, Yashvantilal Chhaganlal Solanki, Yashvantilal Chhaganlal Solanki, P.A. Holder of Dahyashai Morarii Dalal minor P.A. Holder of Dahyabhai Morarji Dalal C-31-33, Dr. M. B. Velkar Street, Bombay-2.

(Transferor)

(2) M/s. Shah Raichand Khushalchand V. K. Pradipkumar Raichand Tower Road, Navsari.

(Transferec)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:---The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N.A. land at Station Road, Navsari tika No. 56, S. No. 2860 adm. 1099 sq. mtrs. The document of conveyance was registered with S.R. Navsari nondh No. 3627 dt. 26-10-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II. Ahmedabad

Date: 29-4-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2234 Acq 23-II/83-84.--Whereas, I,

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable that the income tax Act. property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 232 paiki 215, 214, 213 paiki 231, 230 plot No. 83 & 84 situated at Chhapara, Tal: Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Navsari on 22-10-82

Navsari on 22-10-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. (i) Ashokkumar Ramanlal Patel.
 - (ii) Anilkumar Ramanlal Patel (iii) Ramiben Vallabhbhai Patel P.A. Holder of the three above Ramanlal Chhotalal Patel, Navsari,
 - Jivanbhai Vanmalibhai Patel self and P.A. Holder of

 Dudhiben Parbhubhai Patel

Lakhanpor, Tal: Palsana, Dist. Surat. Thakorbhai Kevabhai Patel. Jeykishandas Narottamdas Patel. Lallubhai Ranchhodji Patel P.A. Holder of Dayarambhai Muljibhai Patel, Navsari.

(Transferor)

(2) Shri Balubhai Lakhubhai Patel, Smt. Dahibon Balubhai Patel, At Toli, Tal. Navsari.

(Transferee)

- (3) Confirming Party
 - 1. Naginbhai Ghelabhai Patel self & P.A. Holder of (i) Bhikhubhai Ghelabhai Patel.

Objections, if any, to the acqusition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot Nos. 83+ 84 adm, 9305 sq. ft., at R.S. No. 232, 215, 214, 213, 231, 230 at Chhapara Tal. Navsari. The document of conveyance was registered with S.R., Navsari under No. 3568 in October, 1982.

R. R. SHAH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Abmedabad

Date: 4-5-83

: Ige'

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2233 Acq 23/II/83-84.-Whereas, I, R, R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 232 paiki 215, 214, 213 paiki 231, plot Nos. 87×98, chhapra Tal: Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 22-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

- (1) 1. (i) Ashokkumar Ramanlal Patel.
 - (ii) Anilkumar Ramanlal Patel
 (iii) Rumiben Vallabhbhai Patel
 P.A. Holder of the three above
 Ramanlal Chhotalal Patel, Navsari.
 - 2. Jivanbhai Vanmalibhai Patel self and P.A. Holder of

 (i) Dudhiben Parbhubhai Patel—
 - Lakhanpor, Tal: Palsana, Dist. Surat.
 3. Thakorbhai Kovabhai Patel.
 4. Jeykishandas Narottamdas Patel.

 - Lallubhai Ranchhodji Patel P.A. Holder of Dayarambhai Muljibhai Patel, Navsari.

(Transferor)

(2) 1. Jayrai Dhirailal Vohra, 2. Smt. Jagruti Jayraj Vohra, Fuvara, Navsari.

(Transferee)

- (3) Confirming Party
 1. Nagimbhai Ghelabhai Patel self & P.A. Holder of (i) Bhikhubhai Ghelabhai Patel.
 - (ii) Mahendrabhai Ghelabhai Patel.
 2. Mansukhbhai Manibhai Patel.
 3. Manharbhai Manibhai Patel.
 4. Rameshbhai Manibhai Patel.

 - 5. Arunbhai Anandram Hariani, Asha Bag, Navsari Dist : Valsad.

(Person whom the under signed knows to be

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot Nos. 974-98, adm. 9305 sq. ft. of R.S. No. 232, 215, 214, 213, 231, 230 at Chhapara Tal: Navsari. The Document of conveyance was registered with S.R. Navsari under No. 3533 in October, 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 4-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2235/Acq. 23-II/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 232 paiki, 215, 214, 213 paiki 231, 230 Plot No. 4

situated at Chhapara, Tal. Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 21-9-82 reed, in October, 1982

Navsari on 21-9-82 recd, in October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1927 (27 of 1957). 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Ashokkumar Ramanlal Patel P.A. Holder of Shri Ramanlal Chhotalal Patel, 2. Anilkumar Ramanlal Patel.

Antikuliai Kamabai Patel.
 Smt. Ramaban Vallabhbhai Patel.
 Iivanji Vanmali Patel.
 Smt. Dhudhiben Prabhubhai Patel.
 Thakorbhai Kevalbhai Patel.
 Jaikishandas Narottambhai Patel.

8. Lallubhai Ranchhodji Patel. Near Library, Navsari.

(Transferor)

(2) Shri Bhulabhai Parbhubhai Patel Kharwasa, Tal: Navsari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 4 adm. 10610 sq. ft. at R.S. No. 232, 215, 214, 213, 231, 230 at Chhapara, Tal: Navsari. The document of conveyance was registered with S.R., Navsari under No. 976 dt. 21-4-82 received in October, 1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 4-5-83

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2236/Acq 23-II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

232 paiki, 215, 214, 213 Paiki 231, 230 Plot Nos. 46 & 47 situated at Chhapara, Tal: Navsari. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 21-4-82 reed. In Oct., '82 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Ashok Ramanlal Patel P.A. Holder of Shri Ramanlal Chhotalal Patel.

2. Anlikumar Ramanlal Patel.
3. Smt. Ramiben Vallabhbhai Patel.
4. Jivanji Vanmali Patel.
5. Smt. Dudhiben Prabhubhai Patel.

6. Thakorbhai Kevalbhai Patel.
7. Jaikishandas Narottambhai Patel.

8. Lallubhai Ranchhodji Patel. Near Library, Navsari.

(Transferor)

(2) Diptiben Arunbhai Hariyani Ashabag, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 and at plot No. 46 & 47 adm. 13375 sq. ft. at R.S. No. 232, 215, 214, 213, 231, 230 at Chhapara Tal. Navsarl. The document of conveyance were registered with S.R., Navsari under Nos. 982 and 983 dated 21-4-82 received in October,

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act to the following persons, namely: --

Date: 4-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2237 Acq 23-II/83-84,-Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

233, 232, 215, 214, 213, 231, 230 paiki plots situated at Chhapara, Tal: Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 22-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. (i) Ashokkumar Ramanlal Patel. P.A. Holder of
 - Shri Ramanlal Chhotalal Patel (ii) Anilkumar Ramanlal Patel
 - (iii) Ramiben Vallabhbhai Patel Ramanlal Chhotalal Patel, Navsari.
 - 2. Jivanbhai Vanmalibhai Patel self and P.A. Holder of
 - (i) Dudhiben P. Patel-3. Thakorbhai Kevabhai Patel.
 - Jaikishandas Narottamdas Patel,
 Lallubhai Ranchhodji Patel P.A. Holder of

Dahyarambhai Muljibhai Patel, Joshi Mohallo, Navsari.

(Transferor)

(2) Apeksha Construction Co. 6/326/6, Dholiwad, Panchvati Building, Navsari.

(Transferee)

(3) Confirming Party

- 1. Naginbhai Ghelabhai Patel self & P.A. Holder of

 (i) Bhikhubhai Ghelabhai Patel &
- (ii) Mahendrabhai Ghelabhai Patel.
- 2. Mansukhbhai Manibhai Patel
- 3. Manharbhai Manibhai Patel. 4. Rameshbhai Manibhai Patel.
- 5. Arunbhai Anandram Hariyani, Asha Bag, Navsari Dist: Valsad.

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Chhapara, Tal: Navsari, adm. 1,40,465 sq. ft. at R.S. No. 233, 232, 215, 214, 213, 231, 230. The documents of conveyance were registered with S.R., Navsari under Nos. 3517, 3520, 3521, 3523, 3535, 3539, 3550, 3551, 3560, 3569, 3573, 3580 & 3583 in 22nd October, 1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 4-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2238 Acq. 23-II/83-84.—Whereas, J, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 232 Puiki, 215, 214, 213, Paiki 231, 230 Plor No. 112
situated at Chapara, Tal: Navsari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Navsari on 22-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ossets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Shri Ashok Kumar Ramanlal Patel Shri Ashok Kumar Ramanlal Patel
 P. A. Holder of Shri Ramanlal Chhotalal Patel
 (i) Dhudhiben Prabhubhai Patel
 (ii) Ramiben Vallabhbhai Patel

 Shri Jivanbhai Vanmalibhai Patel
 self and P. A. H. of
 (i) Dhudhiben Prabhubhai Patel

 Shri Thakorbhai Kevalbhai Patel
 Shri Jaikishandas N. Patel
 Shri Jaikishandas N. Patel
 Shri Lallubhai R. Patel P. A. Holder of
 Shri Dahyarambhai M. Patel

Shri Dahyarambhai M. Patel Sayaji Road, Navsari.

(Transferor) (s)

(2) 1. Shri Rohitkumar Balabhai Patel 2. Shri Arunkumar Devabhai Patel

Both at Toli, Tal: Navsari.

(Transferec)(s)

(3) Nil.

(Person in occupation of the property)

(Person in occupation of the property)

(4) Confirming Party:—

I. Shri Nagiobhai Ghelabhai Patel
Self and P. A. Holder of Bhikhubhai G. Patel
and Mahendrabhai G. Patel

2. Shri Mansukhbhai M. Patel
3. Shri Manharibai M. Patel
4. Shri Rameshbhai M. Patel
5. Shri Arunhbai A. Haribani

5. Shri Arunbhai A. Hariyani. Asha Baug, Navsari, Dist. Valsad.

(Person whom the under signed knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 112, adm. 3567 sq. ft. at R. S. No. 232, 215, 214, 213, 231, 230 at Chhapara, Tal: Navsari. The document of conveyance was registered under No. 3567 in October, 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2239 Acq. 23/I1/83-84.—Whereas, 1,

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 232 paiki, 215, 214, 213 paiki 231, 230 Plot No. 19 situated at Chhapara Tal: Navaari (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 22-10-1982

Navari on 22-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :--

- (1) 1. Shri Ashokkumar Ramanlal Patel
 P. A. Holder of Shri Ramanlal Chhotolal Patel
 (i) Shri Anilkumar Ramanlal Patel,
 (ii) Shri Ramiben Vallabhai Patel.
 2. Shri Jiyanbhai Vannalibhai Patel
 self and P.A.H. of
 (i) Dudhiben Prabhubhai Patel.
 3. Shri Thakorbhai Kayabhai Patel.

 - 3. Shri Thakorbhai Kevabhai Patel 4. Shri Jaikishandas N. Patel
 - 5. Shri Lallubhai R. Patel P. A. Holder of Shri Dahyarambhai M. Patel Sayaji Road, Navsari.

(Transferor (s)

(2) Shri Pravinchandra Dahyabhai Patel Budhia Bldg., Navsari.

(Transferec (s)

(3) Nil.

(Person in occupation of the property)

(4) Confirming Party:—

1. Shri Naginbhai Ghelabhai Patel
Self and P. A. Holder of Bhikhubhai G. Patel
and Mahendrabhai G. Patel
2. Shri Mansukhbhai M. Patel

Shri Manharbhai M. Patel
 Shri Rameshbhai M. Patel

5. Shri Arunbhai A. Hariyani.

Asha Bang, Navsari, Dist. Valsad.

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 19 adm. 5715 sq. ft. at R.S. No. 232, 215, 214, 213, 231, 230 at Chhapara, Tal: Navsari. The document of conveyance was regd, with S. R. Navsari under No. 3556 in October, 1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2240Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 232 paiki 215, 214, 213 paiki 231, 230 Plot No. 5 situated at Chhapara, Tal: Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 21-4-1982 (recd. in Oct. 1982)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri Ashok Ramanlal P. A. Holder Ramalal. . Patel

2. Shri Anilkumar Ramanlal Patel

P. A. Holder Ramanial Patel
P. A. Holder Ramanial. Chhotalal Patel
3. Smt. Ramiben Vallabhbhai Patel
P. A. Holder Ramanial Chhotalal Patel
P. A. Holder Ramanial Chhotalal Patel
4. Shri Jivanji Vanmali Patel
5. Smt. Dudhiben Parbhubhai
6. Shri Thakarbhai Karalbhai Batal

6. Shri Thakorbhai Kevalbhai Patel 7. Shri Jaykishandas Narottambhai Patel

8. Shri Lallubhai Ranchhodji Patel. Lakhanpore, Tal: Palsana Dist: Surat at present America. P. A. Holder Shri Dayarambhai Muljibhai Patel, Joshi Mahollo, Navsari, Tal: Navsari, Dist: Valsad.

(Transferor (s)

(2) Shri Dahyabhai Ranchhodbhai Patel Nimav, Tal : Bardoli,

(Transferee (8)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 5 adm. 10185 sq. ft. at R. S. No. 232, 215, 214, 213, 230 at Chhapara Tal: Navsari. The document of conveyance was registered with S. R. Navsari under No. 978 dt. 21-4--982 received in October, 1982.

R. R. SHAH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, **ΑΗΜΕDΛΒAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2241 Acq 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immo the property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 234 paiki 215, 214, 213 paiki 231, 230 plot No. \$9 situated at Chhapara Tal: Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 22-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

- (i) Shri Ashokkumar Ramanlal Patel (ii) Shri Anilkumar Ramanlal Patel (iii) Shri Ramiben Vallabhbhai Patel P. A. Holder of three above Ramanial Chhotalal
 - 2. Shri Jivanbhai Vanmalibhai Patel
 - Shri Thakorbhai Kevalbhai Patel
 Shri Jaykishandas Narottambhai Patel
 Lallubhai Ranchhodjibhai Patel
 - P. A. Holder Dayarambhai Muljibhai Patel, Joshi Mohallo, Navsari.

Transferor (s)

(2) 1. Shri Devabhai Amthabhai Patel 2. Shri Balubhai Lakhubhai Patel Toli, Tal: Navsari.

Transferee (s)

(3) Nil.

(Person in occupation of the property)

(4) Confirming Party 1. Shri Naginbhoi Ghelabhai Patel

- (i) P. A. Holder Bhikhubhai G. Patel (ii) Mahendrabhai G. Patel2. Shri Mansukhbhai M. Patel
- Shri Manharbhai M. Patel
 Shri Rameshbhai M. Patel
- 5. Shri Arunbhai A, Hariani,

Asha Baug, Novsari, Dist. Valsad.
(Person whom the undersigned know,

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 89 adm. 7226 sq. ft. R. S. No. 232, 215, 214, 213, 231, 230 at Chhapara, Tal; Navsari. The document of conveyance was registered under No. 3565 in Oct., 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 4-5-1983 Seal:

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-JI 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2242/Acq. 23-11/83-84,---Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 232, 215, 214, 231, 230 Plot No. 103 situated at Chhapara, Tal: Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Navsari on 22-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Shri Ashokkumar Ramanlal Patel P. A. Holder of Shri Ramanlal Chhotalal Patol (i) Shri Anilkumr Ramanlal Patel (ii) Shri Ramiben Vallabhai Patel
 - 2. Shri Jivanbhai Vanmalibhar Patel, Self and P. A. H. of
 - (i) Shri Dhudhiben Prabhubhai Patel
 - Shri Thakorbhai Kevalbhai Patel
 Shri Jaikishandas Narottambhai Patel 5. Shri Lallubhai Ranchhodbhai Patel

Transferor (s)

(2) Shri Jayant Harilal Chitalia Ram Society, Fuwara, Navsari.

Shivaji Road, Navsari.

Transferee(s)

(3) Nil.

(Person in occupation of the property)

(4) Confirming Party

1. Shri Naginbhai Ghelabhai Patel Self and P. A. Holder of Bhikhubhai G. Patel and Mahendrabhai G. Patel Shri Mannikhibai M. Patri

 Shri Mansukhbhai M. Patel
 Shri Mannarbhai M. Patel
 Shri Rameshbhai M. Patel 5. Shri Arunbhai A. Hariyani,

Asha Baug, Navsari, Dist. Valsad.
(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 6702 sq. ft. at Plot No. 103, R. S. No. 232, 215, 214, 213 231, 230 at Chhapara, Tal. Navsari. The document of conveyance was registered with S. R., Navsari under No. 3527 in October, 1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Ahmedahad.

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2243 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 232 paiki 215, 214, 213 paiki 231, 230 Plot No. 85-86

situated at Chhapara, Tal: Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Navsari on 22-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. (i) Shri Ashokkumar Remanlal Patel (ii) Shri Anilkumar Ramanlal Patel (iii) Shri Ramiben Vallabhbhai Patel
 - P. A. Holder of above three
 2. Shri Jivanbhai Vanmalibhai Patel
 self and P. A. Holder of
 (i) Dudhiben Parbhubhai Patel
 - 3. Shri Thakorbhai Kevalbhai Patel 4. Shri Jaykishandas Narottembhai Patel
 - 5. Shri Lallubhai Ranchhodji Patel P. A. Holder

Dayarambhai Muljibhai Josh Mohollo, Navsari.

Transferee(s)

(2) 1. Shri Devabhai Amthabhai Patel

2. Smt. Ruxmaniben Devabhai Patel

Transferee(s)

Toli, Tal : Navsari. (3) Nil.

(Person in occupation of the property) (4) Confirming Party:

 Shri Naginbhai Ghelabhai Patel Self and P. A. Holder of Bhikhubhai G. Patel and Mahendrabhai G. Patel

2. Shri Mansukhbhai M. Patel

 Shri Manharbhai M. Patel
 Shri Rameshbhai M. Patel 5. Shri Arunbhai A. Hariani.

Asha Baug, Navsari, Dist. Valsad.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land and Plot Nos. 85-86 adm. 9305 sq. ft. at R. S. No. 232, 215, 214, 203, 231, 230 of Chhapara, Tal: Navsari The document of conveyance was regd. with S. R. Navsari under No. 3529 in Oct., 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 4-5-1983

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2244 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 232 paiki 215, 214 213 paiki 231, 230 Plot No. 92 situated at Chhapara, Tal: Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Navsari on 22-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. (i) Shri Ashokkumar Ramanlal Patel
 - (ii) Shri Anilkumar Ramanlal Patel (iii) Shri Ramiben Vallabhbhai Patel P. A. Holder of above three
 - Ramnalal Chhotalal, Navsari.
 2. Shri Jivanbhai Vanmalibhai Patel self and P. A. Holder of
 (i) Dudhiben Parbhubhai Patel
 - Shri Thakorbhai Kevalbhai Patel
 - 4. Shri Jaykishandas Narottembhai Patel 5. Shri Lallubhai Ranchhodji Patel P. A. Holder

Dayarambhai Muljibhai Patel Joshi Mohollo, Navsari.

Transferor (s)

- (2) 1. Shri Mahendrakumar D. Patel
 2. Shri Arvindkumar D. Patel
 3. Shri Hemantkumar D. Patel

 - Shri Jitendrakumar Madhavbhai Patel Vasar, Tal: Navsari.

Transferor (s)

(3) Nil.

(Person in ocucpation of the property)

- (4) Confirming Party

 1. Naginbhai Ghelabhai Patel
 self and P.A. Holder of
 - (i) Bhikhubhai G. Patel (ii) Mahendrabhai G. Patel Shri Mansukhbhai M. Patel
 - 3. Shri Manharbhai, M. Patel 4. Shri Rameshbhai M. Patel
 - 5. Shri Arunbhai A. Hariani Asha Buag, Navsari, Dist : Valsad.

(Person whom the undersigned knows to be intersted in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 92, adm. 6452 sq. ft. at S. No. 232, 215, 214, 213, 231, 230 of Chhapara Navsari. The document of conveyance regd. with S. R. Navsari, under No. 3516 in Oct., 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 4-5-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2245 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I. R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 232 paiki 215, 214, 213 paiki 231, 230 Plot No. 110 situated at Chhapara, Tal: Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 22-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair R. R. SHAH, for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the lain market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the market was not been truly extend in the secili instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. (i) Shri Ashokkumar Ramanla] Patel (ii) Shri Anilkumar Ramantal Patel (iii) Shri Ramiben Vallabhbhai Patel P. A. Holder of above three
 - Ramanial Chhotelal, Navseri,
 2. Shri Jiyanbhai Vanmalibhai Patel self and P. A. Holder of

 (i) Dudhiben Parbhubhai Patel
 - 3. Shri Thakorbhei Kevalbhai Patel 4. Shri Jaikishandas Narottambhai Patel 5. Shri Lallubhai Ranchhodji Patel

P. A. Holder of Dayarambhai Muljibhai Patel Joshi Mohallo, Navsari.

Transferor(s)

(2) Shri Lallubhai Parbhubhai Patel Post: Dhaman Tal: Navsari

Transferee (s)

(4) Confirming party:

- 1. Naginbhai Ghelabhai Patel self and P. A. Holder of (1) Shri Bhikhubhai G. Patel (ii) Shri Mahendrabhai G Patel
- 2. Shri Mansukhbhai M. Patel
- 3. Shri Manharbhai M. Patel 4. Rameshbhai M. Patel
- Arunbhai A. Hariani
 Asha Bag, Navsari, Dist: Valsad.
 (Person whom the under signed knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 11177 sq. ft. at Plot No. 110 of R. S. No. 232 215, 214, 213, 231, 230 of Chhapara, Tal: Navsari. The document conveyance registered with S. R. Navsari under No. 3514 in Oct., 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, **AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2246 Acq. 23/II/83-84.---Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Author ty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and S. No. 981, 984, 985/1, F. P. No. 69 situated at Kalol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Yogesh S. Tbakkar Ag. Partner of Krishna Corpn. 9, Shardanagar Socy. Kalol (N.G.)

Transferor (s)

(2) Ag partner of Shahine Coron. Chauhan Mohmed Iqbal Jalambhai Matwa Kuva, Kulol (N. G.)

Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kalol S. No. 981, 984, 985/1, F. P. No. 69 admeasuring 3547 sq. mtr. Document of transfer regd. with S. R. Bombay under No. 2947 Dt. 30-9-1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2247 Acq. 23/11/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. 96/1 situated at Khatraj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on 13-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Chandhalben D/o Vishaji Shamalji Khatraj, Tal: Kalol, Dist: Mehsana.

Transferor (s)

(2) Ghanshyam Industrial Plot Owners Asson., C/o Secretary, Shri Dwarkadas Himatlal Patel, 'Panchvati, Ambuwadi, Ahmedabad.

Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Khatrej Block No. 96/1 admeasuring Acre 5 Guntha 1. Document of transfer, regd. with S.R. Kalol under No. 2746 dt. 13-10-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-It
Ahmedabad.

Date: 4-5-1983

FORM I.T.N.S .-

(1) Shri Govind Amrabhai, Sughad,

Tal. Dist : Gandhinagar,

Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961) Shri Mrugesh Jaykrishnabhai
 Smt. Paruben Mrugeshbhai Shahibag, Ahmedabad.

Transferce(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 4th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2248 Acq 23/I//83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing S. No. 123/4 situated at Sughad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 15-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sughad S. No. 123/4 admeasuring A2 G.14, Document of transfer regd, with S.R. Gandhinagar under No. 1859/15-10-82.

R. R. SHAH.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometan
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

39-- 136GI/83

Dt: 4-5-83, Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, th5 4th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2249 Acq 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 123 situated at Sughad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 15-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Shri Sadabhai Kasaribhai
 - Shri Bhagubhai Sadabhai
 Shri Kishorbhai Sadabhai Sughad, Tel: Dist: Gandhinagar.

Transferor(s)

(2) 1. Shri Mrugeshbhai Jaykrishnabhai2. Smt. Paruben MrugeshbhaiShahibaug, Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sughad S. No. 123/3 adm. A2 G4. Document of transfer regd. with S.R. Gandhinagar under No. 1861/15-10-82.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dt 4-5-83 Seal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabud-380 009, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2850 Acg 23/11/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 123/1, 123/2 situated at Sughad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 15-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Somebhai Morarbhai Sughad,

Tal: Dist: Gandhinagar.

Transferor

 Shri Mrugesh Jaykrishna
 Shri Paruben Mrugeshbhai Shahibaug, Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sughad S. No. 123/1, 123/2, admeasuring A1 G29. Document of transfer regd. with S.R. Gandhinagar, under No. 1863/15-10-82.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometan
Acquisition Range-II. Ahmedabad.

Dt: 4-5-83.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2251 Acq 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
S. No 169/2 situated at Khoraj
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaudhinagar on 5-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (1) Smt. Menaben Wdfll Hiraji Shankarji Khoraj

Tal . Ďist : Gandhinagar.

Transferor(s)

(2) Shri Bansilal Trikamlal Patel,

Khoraj, Tal: Dist: Gandhinagar.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Khoraj S. No. 169/2 admeasuring A2 G.9. Document of transfer regd. with S.R. Gandhinagar under No. 1823/ 5-10-82.

> R. R. SHAH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Dt: 4-5-83. Seal:

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Chaturbhai Ranchhodbhai Bhai, Lotia Bhagol, Ana∎d.

Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shreeji Co-op. Heg. Socy. Ltd. Chairman, Ghanshyambhai Chaturbhai, Vallabh Vidyanagar, Dist: Kaira.

Transferse

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

. Ahmedabad-380 009, the 2nd May 1983

Ref. No. P.R. No. 2253 Acq 23/II/83-84.—Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
S. No 302 situated at Karamsad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 26-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Karamsad S. No. 302 admeasuring 8100 sq. mtrs. Document of transfer regd, with S.R. Anand under No. 3816 dt. 26-10-1982.

THE SCHEDULE

R. R. SHAH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following. persons, namely :-

Dt: 2-5-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 4th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2253 A $\bullet q$ 23/It/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 171/1/A, 171/1B situated at Khoraj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 5-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Chhoteji Semaji 2. Shri Manaji Somaji

3. Shri Chanduji Manaji

Kheraj, Tal: Dist. Gandhinagar.

Transferer(s)

(2) Shri Bansilal Trikamlal Patel, Khorap, Tal; Dist. Gandhinagar.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Khoraj S. No. 171/1/A, 171/1B adm. A1 G23. Document of transfer regd. with S.R. Gandhinagar under No. 1828/5-10-1982.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dt: 4-5-83,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITON RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedahad-380 009, the 29th April 1983

Ref. No. P.R. No. 2254 Acq 23/II/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
C.S. No. 2024 situated at Vallabh Vidyanagar
(and more fully described in the Schedule annexed here to)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Anand on 12-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kumudben Patel C/o Parshottamdas Naranbhai Nana Bazar, Vallabh Vidyanagar, Tal: Anand.

Transferor(s)

(2) Smt. Chandrikaben Jayantibhai Patel. Near High School, Kunjrav, Tal: Anand.

Transferce(a)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Bldg. at Vallabh Vidyanagar C.S. No. 2024. Document of transfer regd. with S.R. Anand under No. 3717 Dt: 12-10-82.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dt: 29-4-83. Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th April 1983

Ref. No. P.R. No. 2255 Acq 23/II/83-84.—Whereas. I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred so as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 326 situated at Karamsad

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Anand on 4-10-82

for an apparnt consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian noome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chimanbhai Motibhai Patel, Karamsad,

Tal : Anand Dist : Kaira.

Transferor(s)

(2) Ambica Co-op. Hsg. Socy. Chairman, Nr. Dattaram Shivram, Karamsad, Tal: Anand.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Karamsad S. No. 326 adm. one acre. Document of transfer regd. with S.R. Anaud under No. 3631 dt. 4-10-82.

R. R. SHAH,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dt : 29-4-86. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th April 1983

Ref. No. P.R. No. 2256 Acq 23/11/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 324, 325, 326 situated at Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nadiad on 29-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than influence per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-40--136GI/83

(1) Smt. Maniben w/o Rambhai Shankerbhai Nadiad.

Transferor(s)

(2) 1. Sari Manubhai Ambalal Desai, Shri Thakorbhai Shamaldas Patel.
 Shri Jayantibhai Shamaldas Patel.

Ganga Maiya, College Road, Nadiad.

Transferee(%)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nadiad bearing S. No. 324, 325, 326, regd. A1 G.12. Document of transfer regd, with S.R. Nadiad under No. 7633 Dt: 29-4-83.

> R. R. SHAH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dt: 29-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th April 1983

Ref. No. P.R. No. 2257 Acq 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 2918 F.P. 186 situated at Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nadiad on 21-10-82

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

 1 Smt, Jibaben w/o Jawansing Somsing.
 Bhalsing Jawansing, Nadiad.

Transferor(s)

(2) Tridip Coop. Hsg. Socy., Pij Road, Nadiad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 2918 TP plot No. 186 adm. 4856 sq. mtr. Document of transfer regd. with S.R. Nadiad under No. 4069 dt; 22-10-82.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dt: 29-4-83. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 29th April 1983

Ref No. P. R. No. 2258 Acq 23/II/83-84.—Whereas, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. TPS,1 F.P. 779, 780 situated at Nadiad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nadiad on 7-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or .
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Shri Indubhai Maganbhai Patel 2. Shri Shashikant Maganbhai Patel 3. Shri Jagdisshhbhai Maganbhai Patel
 - 4. Smt. Gangaben Maganbhai Patel Asha Nagar Society, Nadiad

(Transferor)

(2) Maganbhai Park Co.op. Hsg. Socy., C/O Chairman, Shri Parshottam Amzalal Patel, Lakhavad, Nadiad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TPS 1 of Nadiad F. P. No. 779 and 780 adm. 1791 sq. mtr. Document of transfer regd. with S. R. Nadiad under No. 7432 dated 7-10-1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 29-4-83 Seal:

 Shri Rameshbhai Purshottamdas Patel, A-21 Alembic Colony, Baroda-3

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Rajaram Chunilal Nayak, G-117 Alembic Glass Colony, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 29th April 1983

No. P. R. No. 2259 Acq/23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Alembic Nagar situated at Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 26-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Bldg. at A-2 Alembic Nagar, Baroda, Document of transfer regd. with S, R. Baroda under No. 5528/26-26-10-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-4-1983

Shri Dahyabhai Revabhai Patel
 Shri Dalsukhbhai Dahyabhai Patel

 Shri Shanabhai Revabhai Patel
 Shri Bipinbhai Shanabhai Patel, Gorva, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jay Bajrang Co.op. Hsg. Socy. Gorva. Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 29th April 1983

Ref. No. P. R. No. 2260/Acq 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 33/1 situated at Gorva, Baroda (and more fully described in the Schedule and Accept Accept

S. No. 33/1 situated at Gorva, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda, 21-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Gorva bearing S. No. 33/1 admeasuring 6006 sq. mtrs. Document of transfer regd, with S. R. Baroda under No. 6521/21-10-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 29-4-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2261/Acq 23/I1/83-84.—Whereas, I, R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. S. No. 172/2 situated at Khoraj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Gandhinagar on 5-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri Alimiya Lebamiya 2. Shri Sathimiya "3. Shri Salimmiya Alimiya

Shri Ismail Alimiya
 Shri Isumiya Alimiya Khoraj, Tal., Dist: Gandhinagar.

(Tansferor)

(2) Shri Bansilal Trikamlal Patel, Khoraj, Tal. Dist.: Gandhinagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Khoraj S. No. 172/2 adm. A2 G. 12 Document of transfer regd. with S. R. Gandhinagar under No. 1829/ 5-10-82.

> R. R. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 4-5-83 Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ. 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 4th May 1983

No. P. R. No. 2262 Acg 23/JI/83-84.—Whecas, 1, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 169/1 situated at Khoraj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 5-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concesiment of any income or any measys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Bibiben Alimadmiya
 Shri Ramajnmiya Umedmiya
 Smt. Allarbibi Umedmiya
 Khoraj
 Tal. Dist: Gadhinagar.

(Transferor)

(2) Shri Bansilal Trikamla Patel Khoraj Tal. Dist. Gandhinagar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Khoraj S. No. 169/1 adm. Al. G. 20. Document of transfer regd. with S. R. Gandhinagar under No. 1824/5-10-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 4-5-83

(1) 1. Smt Paliben Desarji Dosalji 2. Smt. Punjiban Khoraj Tal. Dist. Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Shri Bansilal Trikamlal Patel Khoraj Tel. Dist: Gandhinagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2263 Acq 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
S. No. 169/3/A/169/3/B situated at Khojar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 5-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Khoraj S. No. 169/3/A 169/3/B adm. 31 Gunthas. Document of transfer regd with S. R. Gandhinagar under No. 1826/5-10-1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 4-5-83 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMED 4 BAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 6th May 1983

No. P. R. No. 2264 Acq 23/II/83-84.—Whereas I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. S. 84/B situated at Gandevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Gandevi on 4-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

41-136GJ/83

(1) Jamnadas & Sons.

Partners:

1. Harkishnadas Jandas Kapadia 2. Jaykishandas Jampadas Kapadia 3. Dhirajlal Jamnadas Kapadia All at Gandevi.

(Transferor)

(2) E. Ratansha Pvt. I.td. J. L. V. S. Marg Vikoli Bombay P.A.H. Shri R. S. Ramchandra.

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N. A. land V. S. No. 84/B sq. mtrs. 1623, with built up area 5500 sq. ft. Factory acca shed at Gandevi mimi No. 2709/2, 2709/3. The document of conveyance was regd. with S. R. Gandevi under No. 1821/4-10-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Ahmedabad

L'atc : 6-5-1983,

(1)1. Shri Haribhai Madhavbhai Patel Shri Tulsidas Lalbhai Patel, Padga, Tal: Navsari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sahyog Co. op. Housing Socy, Ltd. Chairman Shri Chhibabhai Ukabhai Patel Secretary: Shri Sammukhbhai Ranchhodbhai Patel, Kabilpore, Navsari.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 6th May 1983

No. P.R. R. R. SHAH No. 2265Acq.23/II/83-84.—Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. 189 Paiki situated at Navsari No. 189 Paiki situated at Navsari

and/or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the registration Act 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering
Officer at Navsari on 23-9-1982 (recd in Oct 83)
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
marties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at R. S. No. 189 Pojki adm. 6A-15G, at Dasera Tekri Navsari. The document of conveyance was regd. with S.R. Navsari under No. 3317 Dt. 23-9-1983 recd. in October 1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-5-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 6th May 1983

No. P. R. No. 2266 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. R. S. No. 225, City S. No. 1299, Tika No. 27 siutauated at Jalalpore, Tel: Navasari

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 1-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Phiroze S. Shroff Harnvas Mansion, Bhailalbhai Desai Road, Bombay. 400026

(Transferor)

(2) M/s Construction Co. Partners:-

1. Mohamed Sidiq Abdul Sattar,

2. Abdul Fafur Abdul Sattar
3. Vallabhai Shamjibhai Thakkar
4. Kantilal. Vallabhabhai Thakkar,
5. Ashok Chhotallal Shah.

6. Bankim B. Shah.
7. Dhirajlal. T.
32. Dubbaj Market, 369, Shaikh Mension street Bombay 400002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 14256 sq. mtrs. situated at R. S. No. 225, City S. No. 1299. Tika No. 27 at Jalalpore, The document of conveyance was regd. with S.R. Navsari under No. 3359 Dt. 140.82 1-10-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 6-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IJ
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 10th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2267 Acq.23/II/83-84.—Whereas, J. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TPS 5 FP No. 289-B, Plot No. 2 situated at Athwa, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 14-10-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narendra Chimanlal Kharvar, Kharvar Street, Limda Chawk, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Chhotubhai Govindji Patel, Kolasna, Tal. Navsari,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 511 sq. mtrs. at Athwa, Surat TPS. No. 5, F.P. No. 289-B, Plot No. 2. The document of conveyance was registered with S.R. Surat under No. 7604 dated 14th October 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2268 Acq.23/II/33-84.--Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 10, 2nd Floor, Nav Sarjan Aptt. situated at Sagrampura, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 28-8-82 (regd. in Oct. 1982)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Ajanta Const. Co. (R.F.) 34, Alkapuri Society, Sumjil Dairy Rod, Surat. (Transferor)
- (2) Rashmikant Ratilal Desai, Flat No. 10, 3rd Floor, Navsarjan Apartment, Sagrampura, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, adm. sq. mtrs. 94 at Navsarjan Aptt. 3rd floor, Sagrampura, New Mahadeynagar Socy. Surat. The document of conveyance was registered with S.R. Surat at No. 5692 on 18-8-82 reed, in October 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 12-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ghanshyambhai Zavarbhai Patel, Haripura, Hanuman Bazar, Surat.

(Transferor)

(2) S/Shri Chhaganbhai Fakirbhai Patel Thakorbhai Chhaganbhai Patel, Ghala Tal Kamrej Dist. Surat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2269 Acq 23/II/83-84,--Whereas, 1

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing New S. No. 7 Nondh No. 50 Opp. Rly. Stn. Omkar

Chambers, situated at Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 7-10-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 12 on 6th floor of Omkar Chawks, Opp. Rly. Sin. Surat, New S. No. 7, Nondh No. 50 fdm. 83.706 sq. mtrs. The document of conveyance was regd. with S.R. Surat under No. 7357 Dated 7-10-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:-

Date: 12-5-1983

WOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 12th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2270 Acq. 23/IJ/83-84.-Whereas, I

Ref. No. P.K. No. P.K. No. P.K. No. P.K. No. P.K. R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. W.A. No. 7. Nondh No. 1022/K/2 Paiki & Flat No.

No. Wd. No. 7, Nondh No. 1022/K/2 Paiki & Flat No. 301 of Severa Aptt., Rampura, Chhadaal Tunki, Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 13-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Ismail Ahmed Kidi, 2. Yusuf Mohmed Patel.

(Transferor)

(2) Shri Abdulrasid Pehmatulla Shaikh, Now at 156, Barton, Street, Glastor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, 'A'-Block, Savera Aptt. Rampura Chhada of Tanki, Surat. adm. 68.58 sq. mtrs. Wd. No. 7, Nondh No. 1022/K/2 paiki & part in No. 1024. The document of conveyance was regd, with S.R. Surat under No. 7565 dated 13-10-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAU

Ahmedabad-380009, the 12th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2271 Acq. 23. II/83-84. - Whereas, I

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 6, Nav Sarjan Aptt., Sagrampura, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 18-10-82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsecion (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons, namely :-

(1) M/s Ajanta Const. Co. 3-9, Nav Sarjan Aptt. Near Mahadev Nagar Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Parshottambhai Naranbhai Patel, Nav Sarjan Aptt., 2nd Floor, Room No. 6, Bldg. No. 1. Near Mahadev Nagar, Sagrampura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd Floor, Bldg No. 2, Nav Sarjan Aptt. Near Mahadev Nagar, Sagrampura, Surat adm. 94 sq. mtrs. Document of conveyance was regd. with S.R. Surat under No. 7819 Dt. 18-10-82.

> R. R. SHAH Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 12-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE--11 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2272 Acq. 23/II/83.--Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 52, 53 paiki 61 paiki situated at Karanj, Tal: Choryasi, Dist: Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the registration Act, 1908 (18 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 22-4-1982 (recd. in Oct. 1982) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the badisclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

42-136G1/83

(1) Shri Jerambhai Shivabhai Vadiwala Saidpura, Bhandarivad Saidpura, Surat.

(Transferor)

(2) Bhavani Nagar Co. op. H. Socy, Ltd. Chairman, Shri Jadavbhai Mavjibhai Pancholi, 5, Ramkrishna Society. Lambe Hanuman Rd.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 52, 53 paiki, 61 paiki of Karanj Tal Choryashi, Dist: Surat adm. 9864 sq. mtrs. The document of conveyance was regd. with S. R. Surat under No. 2427 dt. 22-4-1982 recd. in October, 1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 21-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE--II 2ND FLOOR, IIANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2273 Acq. 23/II/83-84.--Whereas, 1, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing Rs. 25,000/- and bearing Rs. 25,000/- and bearing Rs. 26,000/- and bear

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Nariman Nasarwanji himsett and Power of attorney holder of Nasarwanji Behramji, Sorab Ardeesar Patel, Phiroz Nasarwanji and Gulbai Farokh Sena Nanpura, Bhaya Mohalla, Surat

(Transferor)

(2) Ripa Apartment Co-operative Hsg. Socy. Ltd. President: Shantilal Manilal Doshi Secretary: Dineshkumar Keshavlal Shah Nanpura, Bhaya Mohalla, Surat.

(Transferee)

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Wd. No. 1, Nondh No. 396, at Nanpura Bhaya Mahollo, Surat adm. 225 sq. mtrs. Document of Conveyance was registered with S. R. Surat under No. 7685 dt. 15-10-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 12-5-1983

FORM I.T.N.S.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE--II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2274 Acq. 23/11/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 26, Block-C of the Bombuy Market Art Silk Co-op. Sahara Darwaja, Umarwada, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at as per form 37EE dt. 29-9-82 received undersigned on 4-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue or this, notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

- (1) 1. Shri Kantilal Ishwarlal Lotwala
 - 2. Shri Shantilal Ishwarlal Lotwala
 - Shri Amretlal Ishwarlal Lotwala
 Shri Arvindlal Ishwarlal Lotwala Mahindharpura, Ghia Sheri, Surat.

(Transferor)

 Shri Bharatkumar Babulal Shah C-2, Himani Apartments, Majuragate, Surat.

('Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein was are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 26 of Block C of the Bombay Market Art Silk Co-op. (Shoes & Ware Houses) Society, Ltd. situated at Sahara Darwaja, Umarwada, Surat. The document of transfer was regd. in this office on 4-10-82 alongwith form No. 37EE dt. 29-9-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 12-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE--II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2275 Acq 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 13C situated at Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda on October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Krishnakant Govindbhai Rav Rasulabad, Tal: Vaghodia, Dist: Baroda.

(Transferor)

 Shri Nalinkant Tribhovandas Patel Shiapura, Raopura, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Raopura S. No. 13 C admeasuring 1288 sq. ft. Document of transfer registered with S. R. Baroda under No. 6228 in the month of Oct., 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 24-5-1983

Semi :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE--II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2276 Acq. 23/11/83-84.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C. S. No. 633/1/C situated at D/S Panigate

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on October, 1982

for an apparent consideration which is Iess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Mukundiai Parshottamdas Shah Laheripura, Kharadivada, Baroda.

(Transferor)

 Gayatri Flats Co-op.Hsg. Socy Ltd. C/o Shri Chhaganlal M. Joshi Khatri Pole, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sam, meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at O/S Panigate C. S. No. 663/1/C admeasuring 710 sq. mtr. Document of transfer regd. with S. R. Baroda under No. 6280 in the month of October, 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 24-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE--II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 24th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2277 Acq. 23/Π/83-84.—Whesteas, I. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 238/1, 328/2, 328/4 & 329 situated at Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Naidiad on 4-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Vinaben Ashokkumar Parikh

2. Minor Hetal Ashokkumar Parikh

3. Minor Shital Ashokkumar Parikh C/o P. A.

4. Shri Kunjviharidas Ambalal Parih Flat No. 8, Jawaharnagar, Goregaon West, Bombay-400 062.

(Transferor)

 Smt. Bakulaben Anilbhai Patel Shreyas Society, Mota Kumbhanath Road, Nadiad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Bldg. at S. No. 328/1, 328/2, 328/4 & 329 adm. plot area 572 sq. mtr. & built up area 187 sq. yd. Document of transfer regd. with S. R. Nadiad under No. 7142 dt. 4-10-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 24-5-1983

Send:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th May 1983

Ref No. P.R. No. 2278 Acq. 23/11/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 2898/2 T.P.S. 1 situated at Nadiad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

Nadiad on 26-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as storesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Vishnubhai Gokalbhai Patel
 - 2. Shri Virbhanu Gokalbhai Patel Power of Attorny Holder
 - 3 Shri Sarvapriya Virbhanubhai Patel Mision Area, Nadiad.

(Transferor)

- (2) Trinath Co-op. Hsg. Socy. Ltd
 - Chairman Shri Gordhaudbhai Fulabhai Khari pole Road, Naidad.
 - Secretary, Rameshbhai Punambhai Rana, Vishvanagar, Nadiad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires leter;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nadiad S. No. 2898/2 adm. sq. mtr, Document of transfer regd, with S. R. Nadiad under No. 7631 dt. 261-0-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 24-5-1983

SenI:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE--II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th May 1983

Ref. No. P. R. No. 279 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Wd. 9, Nondh 1685 situated at Kelapith, Surat (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 6-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sulochna Mansukhlal Lallubhai Dalal 80, Nepiansee Road, B-52, Dariamhal, Bombay-6.

(Transferor)

- Shri Mathurdas Kanjibhai Suchak Natraj Aptt. fist floor, G-Block, Bhaga 8alav, Surat.
 - Shri Charulata Mathurdas Suchak Choryashi, Dist : Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with Bldg, at Nondh 1685 Wd. 9 (Dalapith, Surat) adm. 170 sq. yd. Document of conveyance was registered wth S. R. Surat under No. 7339 dt. 6-10-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 25-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE--II 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2280 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 599/1 + 4 situated at Bhagdwela Bulsar Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulsar on 18-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said asct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ambalal Ranchhodji Desai Tithal Road, Bulsar.

(Transferor)

(2) Bapunagur Co-op. Hsg. Socy. Ltd. President: Shri Natwarlal Maganlal Desai Sardar Nagar, Tithal Road, Bulear

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 3650 sq. yds. at viHage Bhagdwala Dist: Bulsar. Document of conveyance regd. with S. R. Bulsar under No. 2267 dt. 18-10-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 25-5-1983

Seal:

.3-136GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE--II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380-009, the 4th May 1983

Ref. No. P.R No. 2281 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovhaving a fair market value exceeding able property,

Rs. 25,000/- and bearing No. 232 paiki, 215, 214, 213 paiki 231, 230 plot No. 104 situated at Chhapara Tal: Nuvsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Navsari on 22-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fallowing persons namely: fellowing, persons, namely :-

(1) 1. Shri Ashokkumar Ramanlal Patel Shri Anil Kumar Ramalal Patel Shri Ramiben Vallabhbhai Patel P. A. Holder of above three Ramcanlal Chhotalal Patel, Navsari.

Jivanbhai Vanmalibhai Patel self & P. A. Holder of Dudhiben Parbhubhai Patel,

Palsana, Dist : Surat.
3. Thakorbhai K. Patel
4. Jeykishandas N. Patel

5. Lallubhal Ranchhodbhai Patel P. A. Holder of Dayarambhai Muljibhai Patel-Navsari.

(Transferors)

(2) Shri Kirtibhai Mangalji-Shah 11, Mahavir Socy. Zaveri Sadak, Nasari.

(Transferee)

(3) Nil.

(Person in occupation of the property)

(4) Confirming Party: 1. Shri Naginbhai Ghelabhai Patel self & P.A.H. of (i) Shri Bhikhubhai G. Patel

(ii) Shri Mahendrabhai G. Patel

2. Shri Mansukhbhai M. Patel
3. Shri Manharbhai M. Patel
4. Shri Rameshbhai M. Patel

5. Shri Arunbhai A. Hariyani,
Asha Baug, Navsari.

(Person whom the undersigned know
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period c 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 104, adm. 14721 sq. ft. at R. S. No. 233, 2105, 214, 231, 230 at Chhapara Tal, Navsari. The document of conveyance was regd, under No. 3531 in Oct. 1982.

> R. R. SHAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 4-5-1983

(1) Shri Bhavanishankar Dolatram Panchal, Prop: of Upasna Hsg. Development Corp.

Ist Floor, Chandra Vihar Aptt. Opp: Rangupvan, Nanpura, Surat.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Ramidan D. Rathi, Rameshwar D. Rathi, Mohanlal D. Rathi, Jashraj D. Rathi, All at Begampura, Nawab wadi, Surat.

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 25th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2282 Acq 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Wd. No. 1 Nondh 3236-A situated at Kazi's Medan, Goping No.

pura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering officer at

Surat on 19-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat No. B at 4th floor of Rashmi Aptt. Kazi's Medan, Gopipura, Surat. Ward. 1 Nondh No. 3236-A, adm. 1050 sq. ft. Document of transfer was regd. with S.R. Surat under No. 7913 Dt: 19-10-82.

R. R. SHAH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tas Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dt. 25-5-83 Seal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOFICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2283Acq- 23/II/83-84.--Whereas, I R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Wd. 4 Nondh 3257 situated at Begampura, Haiderali

Kasamji Street, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 18-10-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid proprty and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian_Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

.(1) S/Shri Zakirhussein Zaminhussein, Banubhai Isagkthussein. Duría Saifuddin, Shirinbai Aheshabhussein, Kaniza Zakirhussein, Begampura, Haiderali Kasamji Street,

(Transferor)

(2) Godhrawala Associates & partners,

- Safdarsafakathussein,
- Mansur Zamihussein,
 Asgari Aheshanhussein,
- 4. Rehana Saifuddin,

Begampura, Haiderali Kasamji Street, Surat,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with old structure at Begampura Halderali Kasam Street, Surat Wd. 4 Nondh 3267 adm. 238 sq. yds. Document of conveyance was regd. with S.R. Surat under No. 7738 dated 18-10-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-5-83

(1) Smt. Dhabai Nariman Bhagwakar & Others, Nani Daman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shekhar Prabhakar Desai, G.I.D.C. Vapi,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2284 Acg. 23/II/83-84.--Whereas, I.R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

and bearing
No. S. No. 74 Hi Paiki No. 72, 74 Paiki+76 paiki situated at
Selvas Diet Aukar

Selvas Dist. Bulsar.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pardi on 14-10-1982. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/on

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Silvasa Dist. Bulsar situated at S. No. 74 Hi-paiki No. 72 Hi 4.74 paiki & 76 paiki adm. in all 6 to 28 Document of conveyance were regd. with S.R. Pardi under Nos. 1560, 1561, & 1562 dated 4-10-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 25-5-1983

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrl Jashwantrai Hasmukhlal Chauhan, Sheri No. 1, Ramkrishna nagar, Rajkot.

(Transferor)

(2) M/s Alwin Partners, Shri Amratlal Dahyalal Ghodasarar, Gondal Road, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2452 Acq.23/Iffl83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961- (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rajkot in October 1982,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at No. S. No. 172, 174/2, 175/2 & 253 paiki situated at Polt No. 4 situated at Kotheria, Gondal Road, Rajkot, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persent, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory shed on land 790 sq. yd. situated at Rajkot, duly registered by S.R. Raikot, vide sale deed No. 1354/October, 1982

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 13-5-1983

Scal:

(1) Shri Sanatkumar Narhariprasad Baxi, C/o Soni Chandrakunt Fulchand, Kiran Society, Surendranagar.

(Transferor)

(2) Shri Soni Chandrakant Fulchand, Kiran Society, Plot No. 6 Surendranagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2453 Acq.23/I/83-84.—Whereas, I

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 6-Building situated at Kiran Co.op H. Socy.

Surendranagar

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Wadhwan on 29-10-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957*(27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land sq. yd. 568 situated at Surendranagar—duly registered by S.R. Wadhwan, vide sale deed No. 3255/19-10-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 13-5-1983

Seal:

Now, therefore, in nursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD **ΑΗΜΕΠΛΒΑΠ-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 13th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2454 Acq.23/I/83-84.-Whereas, I R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 1793 paiki situated at Rajiv Co.op H. Socy. Plot No. 11, Wadhwan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 Wadhwan on 30-10-82.

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Dr. Uashaben C. Sheth, B-8, Vital Apartment, S.B. Road, Andheri, Bombay,

(Transferor)

(2) Smt. Jasumatiben Chandolal Thakkar, 8, Jai Hind Society, Surendranagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 391 sq. yd. situated at Wadhwan duly registered by S.R. Wadhwan vide sale deed No. 3261/ 30-10-82.

R. R. SHAH

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 13-5-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Shri Babulal Bhagwanji, 4. Prahlad Plot, Rajkot.

2. Shri Batukbhai Amarchandbhai, Rajani, Mehulnagar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Hiralal Shamii Patel, New Ganesh Saw Mill, Opp. Jakat Naka, Near High Way Petrol Pump, Gondal Road, Rajkot.

(Transferee)

ACOUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2455 Acq.23/1/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. S. No. 323 paiki Plot No. 1-B situated at of Jakat Naka—Highway Petrol Pump—Gondal Road, Rajkot, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 26-10-82, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Saw Mill standing on land 550 sq. yd. situated at Rajkot, duly registered by S.R. Rajkot, vide sale deed No. 1768/

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Acquisition Range-I, Ahmedabac

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons, namely :--

Seal:

Date: 13-5-1983

26-10-82.

14-136GI/83

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2456 Acq. 23/1/83-84.—Whereas, IR. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Old S. No. 57 & NS No. 219, 220 & 221 & 221 Plot Nos. situated at 18-C+7C Kotharia Sim—Gondal Road, Raikot.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on October 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 I) of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhogilal Virchandbhai Ajmera, Megigang Bazar, Balasore, P.S. Town, P.O. & District, Balasore, Orissa.

(Transferor)

(2) Automotive Manufacturers Ltd. Regd. Office, 108, Bazar Road, Kurla, Bombay 400 070.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 837-0-48 sq., yd.—situated at Rajkot, du registered by S.R. Rajkot vide sale dcc dno 6008/Octob

R. R. SHA
Competent Author
Inspecting Assistant Commissioner of Incomet
Acquisition Ran
Acquisition Range-I, Ahmedal

Date: 12-5-1983

Scal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD **AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 12th May 1983 Ref. No. P.R. No. 2457 Acq.23/1/83-84.—Whereas, 1 R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Building situated at Outside Ruvapari Gate Near Jamnakund Vistar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 12-10-1982,

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act., 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

moneys or other assets which have not been or

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heneby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shah Amulakh Vithaldas (decd.)

L.R. Shah Kumudraj Amulakh,

Shah Rameshkumar Amulakh, Subhadra Maganlal Vora widow of Shah Amulakh Vithaldas.

4. Vimlaben Vinaychand, Manekwadi, Krisna nafar, Bhavnagar. No. 1 to 3—Address. No. 24-B, No. 4 and 19-Bffl2, Hariyala Plot, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) 1. Dhansukhlal Chunilal Maniar, 2. Mahendrakumar Chunilal Maniar, Chandrakant Chunilal Maniar, Opp. Shishu Vihar Post Office, Krishnanagar, Bhavnagar, Present address: Opp. Gopnath, Muhava,

Dist. Bhavnagar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg, at out side Ruvapari Gate, Near Jamna Kund Vistar, Bhavnagar Registered vide R. No. 2538 dated 12-10-1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 12-5-1983.

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2458 Acq. 23/1/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

S. No. 964/2 situated at Jetpur, Dist. Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetput on 4-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely:—

(1) Shri Natha Ram Bhuva, Nani Yala Para, Jetpur.

(Transferor)

(2) Shri Govradhannagar Co. op. Hsg. Socy. Secretary, Shri Chunilal Vashram Nirmal, Jetour.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 9438 sq. vd.—situated at S. No. 964/2—Jetpur, Dist. Rajkot, duly registered by S.R. Jetpur vide R. No. 826/79/4-10-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 20-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th May 1983

Ref. No. P.R. No. 2459 Acq.23/I/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at 4th floor, Ajav Aptt. Opp. Kanya Chhatralaya, Dr. Yagnik Rod. Rajkot as per 37EE form, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad in October 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri P. T. Mankadia, 18-Anand Nagar Colony, Opp. Nilkanth Cinema, Rajkot.

(Transferor)

Shri Hasmukh Keshavlal Tamboli,
 Smt. Bhartiben Hasmukhlal Tamboli,
 A-2, Kiran Society, Opp. Akash Vani,
 Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat-Adm. 162 sq. yd.-i.e. 1460 sq. ft.-situated at Rajkot—duly registered by the undersigned in view of 37-EE form in the office of the undersigned on 14-10-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 20-5-1-983

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th May 1983 Ref. No. P.R. No. 2460 Acq. 23/1/83-84.—Whereas, 1 R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land situated at Main Sardarnagar Road, Sardarnagar Sheri No. 20, Rajkot,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 8-10-82,

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arsinig from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transftree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subing persons, namely :--

- (1) Deceased Mrs. Vasant Ranchhod Chauhan's Legal Heirs:
 - 1. Ujamben Ranchhodial Chauhan,
 - Rajan,
 - 2. Ranjanben Ranchhodlal Chauhan,
 - Kantilal Ranchhodlal Chauhan,
 - Lalitkumar Ranchhodlal Chauhan,
 - Ashok Ranchhodlal Chauhan,

 - 7. Shanumati Ranchhodlal Chauhan, 7. Shantaben alias Nitaben R. Chauhan, 8. Jagdish R. Chauhan,

 - 9. Devendra alias Devshi R. Chauhan,
 - 10. Pravinchandra R. Chauhan, All at Chhotu Nagar, Rajkot.

(Transferor)

(2) M/s Trade Corporation, C/o Shri Ghanshyam H. Shukla, Opp. Ladhawad Police Chawky, Rajputparu, Sheri No. 8,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 388-8-0-situated at Sardarnagar Main Road, Rajkot, duly registered by S.R. Rajkot, vide Sale deed No. 6464/8-10-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 20-5-83

Scal:

(1) Mulvantrai Chandulal, Power of Attorney of Ravjibhai Bhikhabhai, Jahangiepura, Opp. New Civil Hospital, Hiralal's Chali, Ahmedabad-15,

(Transferor)

(2) Shri Mulvantrai Chandulal Gunang, 5-15, Ghanshyam Nagar, Near Subhash Bridge, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd May 1983

Ref. No. P.R. No. 2461 Acq.23/I-83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Moje Dariapur F.P. 68 land situated at Dariapur, Kazipur Tal. City F.P. 68,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16'
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 12-10-82,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Dariapur Kazipur Tal: City F.P. 68 paiki 560 sq. yd. Registered vide No. 14739 dated 12-10-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax HARDAYAL SINGH IRS Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 23-5-1983

Seal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 31st May 1983

Ref. No. P. R. No. 2462 Acq 23/1/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dhvni Co. op. Hsg. Socy. Shahpur, situated at Shahpur Bhai Centre, 9th Floor, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 30-9-82 (recd. in Oct. 82) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Kusumben Sunderlal Shah,
 Parshwanath Nagar Society,
 Near New Sardarnagar, Paldi,
 Ahmedabad-7.

(Transferor)

(2) Shah Bansilal Madanlal, 57, Dhavan Co. op. Hsg. Socy. Bhai Centre, Shahpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat at Dhavni Co. op. Hsg. Socy. Bhai Centre.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection. (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-5-83

Soal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 31st May 1983

Ref. No. P. R. No. 2463 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Municipal S. No. 465/2, 465/2-1, 465/2-2 situated at open plot TPS No. 28 FP No. 318 at Near Bhavsar Socy. New Wadaj, A'bad-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 29-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
45—136GI/83

(1) Shri Ravjibhai Velibhai Bhardiana Power of Attorney Shri Jasubhai Shankarbhai Patel Giriraj Pranav Socy. Maninagar, A'bad-8. (Transferor)

(2) Asopalav Co.-op. Hsg. Socy. (Proposed)

Organiser:
(1) Chhanalal Bechardas Patel,

 Chhanalal Bechardas Patel, Bindu Society, Keshav Nagar, Sabarmati, A'bad.

 Amratlal Revabbai Patel, Pramanik Society, Ranip, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TPS 28 FP 318 near Bhavsar Socy. New Wadaj, A'bad regd, vide No. 7039 dt: 29-10-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I. Ahmedabad

Date: 31-5-83

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 31st May 1983

Ref. No. P. R. No. 2464 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 144 SP No. 2 situated at Danilimda Tal: City Dist: A'bad Municipal Senses No. 144-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 4-10-82

, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Ismailbhai Hakemji Chipa,
 Near two Masjid Panch Pipli, Tajpur, A'bad.
 Sultanji Ismalji (Decd) L'R.
 - 1. Rabiyaben Sultanji Ismail
 - 2. Yasinbhai Sultanji
 - Rabiyaben Sultanji Guardian of minor Salimbhai Sultanji Near Two Masjid, Panch Pipli, Tajpur, A'bad. (Transferor)
- (2) Jay Bharat Fabrics Mills (Pvt.) Ltd. Narol N. H. No. 8 Near Chandola Talav, A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whickever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

. Property at S. No. 144 paiki SP No. 2 M.S. No. 144/2, at Dani Limda Tal: City regd, vide R. No. 14346 Dt: 4-10-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 31-5-83

Scal:

FORM I.T.N.S.---

(1) 1. Shri Natwarlal Karsandas Lohana

 Shri Arvind Karsandas Lohana
 Shri Laxmidas Karsandas Lohana
 Shri Vithaldas Karsandas Lohana of Jamnagar, Sumer Club Road, Jamnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Hasmukhrai Karsandas Lohana
 2. Shri Prafulchandra Karsandas Lohana
 3. Shri Narendra Karsandas Lohana

at Sumer Club Road,
Jampagar,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st June 1983

Ref. No. P. R. No. 2465 Acq 23/1/83-84.—Whereas, I

R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. Building Municipal Plot No. 114 situated at Sumer Club Road, Jannagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jamnagar on 25-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Sumer Club Road, Municipal Plot No. 114.-Paiki 278-47 sq. mtrs.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-6-83

Seal

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

 Shri Chandrakant Shivlal Rajparia
 Shri Hasmukhlal Shivlal Shah Power of Attorney of Smt. Urmila Chandrakant
 Patel Colony Jamnagar

Transferor(s)

(2) Smt. Devyani Jashwantrai Doshi, Indradip Society, Vikas grah Road, Jamnagar.

Transferce(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 2nd June 1983

Ref. No. P.R. No. 2466 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Building No. 1, Indra dip Coop. Hsg. Socy. situated at Vikus Grah Road, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 12-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building D. Type Flat No. 21-24 at Indradip Coop. Socy. Vikasgrah Road, Jamnagar.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dt: 2-6-83 Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 2nd June 1983

Ref. No. P.R. No. 2467 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Building at TPS No. 3 FP No. 622 situated at Mota Kochrab sm, Ellisbridge, TPS No. 3 SP No. 3981 sq. yd. 1/2 undivided share

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Vidyaben Madanmohan 'Ashutosh', 3, Patel Society Gulbai Tekra, Ellisburdge, Ahmedabad.

Transferor(s)

Smt. Amitaben Kashitijbhai
 Patel Society,
 Gulbai Tekra, Ahmedabad.

Transferec(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building named 'Ashuthosh' situated at Kochrab TPS No. 3 FP No. 622 SP No. 3 of 981 sq. yd. 1/2 undivided share.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dt: 2-6-83 Seal:

(1) Smt. Sunita Mirchandani D-8, Kalkaji, New Delhi.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Jashwantsing Sardarsingh Jodhka Abmedabad.

Transferec(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 2nd June 1983

Ref. No. P.R. No. 2468 Acq 23/I/83-84.--Whereas I, R. R. SHAT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Flat at Sterling park 'F' Type situated at Memnagar, Drive-in-Road, Sterling park, Flat No. 3, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
undersigned 37EE form reed, in this office on 12-10-82 on

12-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat F type, Flat No. 3, at 'Sterling Park' drive-in-road, Mempagar, transfer on 6-9-82 vide form No. 37EE filed on 12-10-8Ž.

> R. R. SHAH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dt: 2-6-83 Scal:

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Arun Aptt. Owners Asson. by its Agent New Mahalaxmi Builders, 'Uday' Near Adarsh Society, Athwa Lines, Surat.

Transferor(s)

(2) S/Shri Nandkumar Shantilal Inamdar & Others, 27, Anand Bunglow, Adarsh Society, Athwa Lines, Surat,

Transferee(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Afimedabad-380 009, the 2nd June 1983 Ref. No. P.R. No. 2285 Acq 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 2321/P. Flat Nos. 9 & 12 situated at Arun Aptt. Owner's Assn. Athwa Lines, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer as per form No. 37EE recd. undersigned on Oct. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been cr which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flats Nos. 9 & 12 adm. 360 sq. mtrs. on 3rd & 4th floor of Arun Aptt. proposed to be built on S. No. 2321/P of ward Athwa, situated on Goddod Road, Surat. The form No. 37EE dt. 30-9-82 alongwith a copy of document of conveyance was recd. in this office in Oct. 82.

> R. R. SHAH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition or the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, ramely :-

Dt: 2-6-83 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Satyam Janta Cinema Partners: S/Shri Marjaben Nadirsha & Others Station Road, Billimora.

Transferorus)

(2) S/Shri Ishwarlal Thakarbhai Naik & Others. Purnima Society, Amalsad.

Transferce(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 2nd June 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. P.R. No. 2286 Acq 23/II/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH,

K. K. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5. No. 823 Block 1030 & S. No. 670 Block 1030 situated at Amalead Diet. Bulsed

Amalsad Dist: Bulsad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi on 21-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land & Bldg. at S. No. 823 Block No. 1030 and S. No. 670 Block No. 1030 situated at Amalsad, Dist: Bulsar. The document of conveyance was regd. under No. 1850 dt: 21-10-82 with S.R. Gandevi.

R. R. SHAH, Competent Authority mspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Dt: 2-6-83 Séal:

FORM I.T.N.S.--

(1) K. Satyanarayana & Others, Velagalapalli, Chintalapudi, W.G.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) G. Cennarao, Chintalapudi.

may be made in writing to the undersigned-

whichever period expires later;

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1983

Ref. No. RAC No. 93/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Rice Mill situated at Yerragunte Palli. Chintalapudi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chintalapudi on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (%) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—46—136 G1/83

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said preporty

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rice Mill at Yerreguntepalli, W.G., area of 1125 Sq. yds, registered with S.R.O., Chintalapudi, vide document No. 2341/82.

M. JEGAN MOHAN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-6-83.

(1) N. Apparao, D. No. 11.4.31, Palakollu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) G. Venkayya D. No. 6-5-20, Palakollu.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Hyderabad, the 6th June 1983

MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Ref. No. RAC. No. 92/83-84.—Whereas, J. M. JEGAN

and bearing No.

48-1-17/1 situated at Palakollu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Palakollu on October '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property bearing D. No. 48-1-17/1, Palakollu area of 1081 Sq. yds, registered with S.R.O., Palakollu, vide document No. 3308/82.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority,. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 6-6-83. Seal:

(1) V. Sriramamurthy, Bobbili.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) B. Ramamurthy Raju, Bhimavaram.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1983

Ref. No. RAC. No. 91/83-84.—Wheeras, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Asstt. 3280 situated at Tanuku

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanuku on October '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Vacant land in D-No. 26-2, at Tanuku area of 835 Sq. yds., registered with S.R.O., Tanuku vide documents Nos. 4148, 4149, 4150/82.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date: 6-6-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1983

Ref. No. RAC. No. 90/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN

MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
D. No. 6-55 situated at Pippara, Tadepalligudem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Attili on October '82.

Attili on October 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

T. Satyanarayana Murthy, Pippara, Tadepalligudem.

(Transferor)
(2) 1. D. Krishnamraju, 2. D. V. Subbaraju, 3. P. V. G. R. Krishnamraju, 4. E. Janakira-maraju, and 4. others. Tadepalligudem. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Rice mill situated at Pippara near Tadepalligudem, D. No. 6-55, area of 1-52 Acrs, registered with S.R.O., Attili, vide document No. 3064/82.

> M. JEGAN MOHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-6-83.

(1) B. Narayanarao, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Peda Veerayya, Doppalapudi, Guntur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Hyderabad, the 6th June 1983

Ref. No. RAC. No. 89/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing D. No. 915, 965 situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on October '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant site in D. No. 968, & 915, area of 0.30 Cents, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 9692/82.

> M. JEGAN MOHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-6-83.

FORM NO. ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1983

Ref. No. RAC. No. 88/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

555 situated at Sattenapalli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sattenapalli on October '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ch. Hanumayamma, Bhatluru, Guntur.

(Transferor)

(2) Y. Sesharatnam. D. No. 555, Sattenapalli, Guntur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 555, Sattenapalli, area of 412 Sq. yds, Registered with S.R.O., Sattenapalli, vide document No. 4438/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-6-83. Scal:

(1) K. Bhaskararao & others, Narasaraopet.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) B. Rambhotlu, and his wife Smt. Laxmi, Chilakaluripet.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1983

Ref. No. RAC. No. 87/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

TS No. 300 situated at Narasaraopet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narasaraopet, on October 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Narasaraopet, Guntur, in T.S. No. 300, area of 2262-1/2 Sq. yds, registered with S.R.O., Narasaraopet, vide document Nos., 6916, 6917, 6918, 6919, 6915/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-6-83.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M. Actutaramayya, Ramaraopeta, Kakinada.

(Tansferor)

(2) Y. Ramachandrudu, Peddada.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1983

Ref. No. RAC. No. 86/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property laving a fair market value exceeding Rs. 23,000/aad bearing No.
TS. No. 18-1 situated at Godarigunta, Kakinada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registeing Officer at
Kakinada on October '82
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Godarigunta, of Kakinada, in T.S. No. 18-1, area of Ac-1-00 registered with S.R.O., Kakinada, vide document Nos., 9128, 9149, 9145/82.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-6-83.

Scal:

(1) P. Ramarao S/o Raghavayya, Pandaripuram, Guntur,

(Tansferor)

(2) B. Anasuyadevi W/o Laxminarasimharao, Pattabhiouram, Guntur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned :—

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1983

Ref. No. RAC. No. 85/83-84.-Whereas, I, M. JEGAN seing the Competent Authority under Section 269B he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred B as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-20-20 situated at Ravindranagar, Guntur

nd more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Buntur on October '82

or an apparent consideration which is less than the ir market value of the aforesaid property and I have ason to believe that the fair market value of the property 3 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than fifteen per cent of such apparent consideration nd that the consideration for such transfer as agreed to retween the parties has not been truly stated in the said nstrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the , transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- et, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the bresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following

'-136 GI/83

w, therefore, in pursuance of Section 269C of the said is, namely :-

- (a) by any of the afroesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NAA 11 and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing door No. 3-20-20, Ravindranagar, Guntur, area of 700 Sq. yds., registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 10056/82.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 6-6-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1983

M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Oil & Dall Mill situated at Eluru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eduru on October 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and $\bar{1}$ have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ch. Krishna Mohana Rao, Narasimharaopeta, Eluru.

(Transferor)

(2) P. Ramachandra Rao, Sanagapappu Bazar, Eluru.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Sri Rama Krishna Oil & Dall Mill, Eluru, registered with S.R.O. Eluru, vide Document No. 7135/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-t
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date: 6-6-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri K. Somamma, Narasimharao Pet, Fluru.

(Tansferor)

(2) Sri P. Balakrishna Sanagarpappu Veedhi, Eluru.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1983

Ref. No. ARC. No. 83/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value experting Re. 25 000/s

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Oil & Dall Mill situated at Eluru
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Eluru on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or pression of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shri Rama Krishna Oil & Dal Mill, Eluru, registered with S.R.O. Eluru, vide Document No. 7135/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 6-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HŶDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1983

Ref. No. RAC No. 82/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value agreeding Br. 25.000 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Oil & Dall Mill situated at Eluru
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ch. S. V. Satyanarayana, Narasimharaopta, Eluru.

(Transferor)

(2) Sti P. V. Seshagiri Rao, Sanagapappu Veedhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Sri Rama Krishna Oil & Dall Mill, Eluru, registered with S.R.O. Eluru, vide Document No. 7135/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely: --

Date: 6-6-1983

(1) Shri G. B. R. S. Sasankara Rao and another, Bodimella, Eluru.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri T. Madhavarao, Bodimella, Eluru.,

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Hyderabad, the 6th June 1983

Ref. No. RAC. No. 81/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 110, 111, 112 situated at Dondapadu Bodimella, Eluru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land at Bodimella, of Eluru, in R.S. No. 110, 111, 112/1, 112/2, area of 98608 sq. yards, registered with S.R.O. Eluru, vide Document No. 7167/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-6-1983

(1) Smt. P. Nirmala Janakidevi, Narasimharao Pet, Eluru.

(Transferor)

(2) Shri G. Satyanarayana S/o Venkateswararao, Sanagapappu Bazar, Eluro.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1983

Ref. No. RAC. No. 80/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Oil & Dall Mill situated at Eluru
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Sri Rama Krishna Oil & Dall Mill, Eluru, registered with S.R.O. Eluru, vide Document No. 7134/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range,
> Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 6-6-1983

(1) V. Vidyasagar & others, Ashoknagar, Eluru.

(Transferor)

(2) The Eluru Co-op. House Building Society Ltd., Ashoknagar, Eluru.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERÁBAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1983

Ref. No. RAC. No. 79/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS. No. 4/1 situated at Gavaravara Eluru

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparents consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vecant land at Gavaravaram, near Eluru, in R.S. No. 4/1, area of Ac-2-17-1/2 Cents, registered with S.R.O., Eluru vide Document Nos. 7381, 7382, 7383/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1983

Ref. No. RAC. No. 78/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269D of

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

RS. 186/2 situated at Bhimavaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimavaram on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D or the said Act, to the following persons, namely:—

(1) D. Leela Krishnaveni, Vonudurru, Akividu Taluk.

(Transferor)

(2) Sri V. V. Krishnamraju, D. No. 10-1-82, Bhimavaram.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

-Vacant site at Bhimavaram, in R.S. No. 186/2, area of 514-2/3 Sq. yads, registered with S.R.O., Bhimavaram, vide Document No. 3598/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (Λ. P.)

Date: 6-6-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1983

Ref. No. RAC. No. 77/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D. No. 438 situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on October 1982

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri A. Phaneendra Prasad, Kothapeta, Guntur.

(Transferor)

(2) Sri B. Krishnamurthy, Gunturuvari Tota, Guntur.

(Transféree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Vacant site with in Gubtur Municipal area in D. No. 438, area of 855 Sq. yds. registered with S.R.O.. Guatur, vide Documbent No. 10045, 9982/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A. P.)

Date: 6-6-1983

FORM ITNS----

Sri P. Sambasivarao,
 Vellaturu, Repalle.

(Transferor)

Sri Y. Raghavaiah's son Poornachandrarao,
 Venkatanarayana,
 Gopalakrishnamurthy,
 Ward, Repalle Guntur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1983

Ref. No. RAC. No. 76/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant land situated at Repalle Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Repalle on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Repalle, area of 605 Sq. yds. registered with S.R.O., Repalle, vide Document No. 3009/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date: 6-6-1983

Scal:

(1) Shri K. Venkata Ramarao, Gannayaram, Krishna Dt.

(Transferor)

(2) The Diocess of Guntur Society, Guntur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1983

Ref. No. RAC. No. 74/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. 244/1, 2, 245 situated at Yeemani Guntur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Duggirala on October'82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THT SCHEDULE

Vacant land at Yeemani. area of Ac. 4—66 Cents, and 780 Sq. yds. with Tiled House, registered with S.R.O. Duggirala, vide documents 2225, 2236, 2237/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1983

Ref. No. RAC. No. 74/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair, market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D. No. 12 situated at Takkellapadu, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on October '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shaik Khasim

2. Shaik Mastan

N. Hymavathi
 N. Tayaru, Takkellapadu, Guntur.

(Transferor)

(2) No. I 26/7, Takkellapadu, Co.-op. House Building Society, Ltd., Takkellapadu, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publicallon of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Takkellapadu, near Guntur, in D. No. 12, area of Ac. 2-26 Cents. registered with S.R.O., Guntur, vide document Nos., 10031, 9675, 9873/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-6-83

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

ASSISTANT ENGINEER (CPWD) LIMITED DEPART-MENTAL COMPETITIVE EXAMINATION 1983

New Delhi, the 2nd July, 1983

No. F.15/2/82-EI(B).—A limited departmental competitive examination for promotion of Junior Engineers (Civil)/Electrical) to the Assistant Engineers Grade (Civil)/Electrical) in the Central P.W.D. will be held by the Union Public Service Commission on 21st December, 1983 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, DISPUR (GAUHATI), ITANAGAR KATHMANDU, MADRAS, NAGPUR and PORT BLAIR in accordance with the Rules published by the Ministry of Works and Housing in the Gazette of India, dated 2nd July, 1983.

THE CENTRES AND THE DATE OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORTS WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTEDL TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure Para 8).

- 2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of the examination is as follows:—
 - (i) Assistant Engineer (Civil)

50

(includes 8 vacancies reserved for Scheduled Castes and 4 vacancies for Scheduled Tribes candidates).

(ii) Assistant Engineer (Electrical)

15

(includes 3 vacancies reserved for Scheduled Castes and 1 vacancy for Scheduled Tribes candidates).

The above numbers are liable to alteration.

N.B.—Candidates should indicate clearly in their applications the Grade i.e. Assistant Engineer (Civil) or Assistant Engineer (Electrical) for which they wish to compete.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

Note.—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Assistant Engueer (CPWD) Limited Departmental Competitive Examination 1983. Applications on forms other than the one prescribed for the Assistant Engineer (CPWD) Limited Departmental Competitive Examination, 1983 will not be entertained.

4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 on or before the 29th August, 1983 (12 September, 1983) in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahoul & Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar. Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 29th August, 1983 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above, accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of I&K State, Lahoul & Spiti Division of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahoul & Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 29th August, 1983.

Note—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

5. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rupees twenty eight) [Rs. 7.00 (Rupees Seven) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes] through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

6. A refund of Rs. 15.00 (Rupees fifteen) [Rs. 400 (Rupees four) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes] will be made to candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above and in para 7 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 7. If any candidate who took the Assistant Engineer (CPWD) Limited Departmental Competitive Examination, 1982 wishes to apply for the admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1982 Examination, his candidature, for the 1983 examination will be cancelled on request and the fet refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office within 30 days from the date of publication of the final result of the 1982 examination in the Employment News.
- 8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. BALAKRISHNAN,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission.

ANNEXURE

Instructions to Candidates

1. Before filing in the application form, the candidutes should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be retaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE. THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 21st November 1983 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International form or Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned, who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See para 5 of Notice).
 - (1) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
 - (iii) Attendance Sheet (attached with the Application torm), duly filled in.
 - (iv Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 115. cms × 27.5 cms.
- 4. Details of the documents mentioned in items (i) and (ii) of para 3 are given below:
- (i) a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi, General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee--

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft's will also not be accepted.

Note: (i)—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders, the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Note: (ii)—Candidates residing abroad at the time of sub-mitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee the [equivalent of Rs. 28.00, (Rupees Twenty eight) Rs. 7.00 (Rupees Seven) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes] in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the acse may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head '051. Public Service Commission-Examination fees'. The candidate should forward the receipt from that office with the application.

(ii) Two copies of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy

on the Attendance sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

- N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with the document mentioned under paragraph 3(ii), above it will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.
- 5. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document.

- 6. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 7. Every application including late one, received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidate does not, ipso facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

8. Every candidate for this examination will be informed, at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

- 9. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.
- 10. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (3) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF APPLICATION REGISTRA-TION NUMBER THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

11. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 10 ABOVE, ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.